



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 28] नई विल्सी, शनिवार, जुलाई 10, 1976/पाषाढ़ 19, 1898

No. 28] NEW DELHI, SATURDAY, JULY 10, 1976/ASADHA 19, 1898

इस भाग में चिन्ह पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह असता संकलन के कथ में रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

भाग II—बाण 3—उप-बाण (ii)

PART II—Section 3—Sub-section (ii)

(रक्षा संचालन को छोड़कर) भारत सरकार के संचालकों और (संच राज्य क्षेत्र प्रशासनों को छोड़कर)

केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किये गए सार्विक आदेश और अधिसूचनाएं

Statutory orders and notifications issued by the Ministries of the Government of India
(other than the Ministry of Defence) by Central Authorities
(other than the Administrations of Union Territories)

भारत निर्वाचन आयोग

नई विल्सी, 18 जून, 1976

का० आ० 2348.—लोक प्रतिनिधित्व प्रधिनियम, 1950 (1950 का 43) की धारा 13क की उपधारा (1) द्वारा प्रवत् शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत निर्वाचन आयोग अरुणाचल प्रदेश संच राज्य क्षेत्र के प्रशासन के पारमर्श से श्री डॉ। के० वास के स्थान पर, श्री जे० के० बारठाकुर, विशेष-कार्य प्रविकारी (कार्य प्रश्नयन) एवं सचिव, पंचायत विभाग, अरुणाचल प्रदेश को उनके कार्य भार पहण करने की सारीज से ध्यान शाविकों तक अरुणाचल प्रदेश संच राज्य क्षेत्र के लिए मुख्य निर्वाचन प्रविकारी के रूप में एतद्वारा नाम निर्देशित करता है।

[सं. 154/अरुणाचल/76]

श्री० नागसुब्रमण्यन, सचिव

ELECTION COMMISSION OF INDIA

New Delhi, the 18th June, 1976

S.O. 2348.—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 13A of the Representation of the

People Act, 1950 (43 of 1950), the Election Commission of India, in consultation with the Administration of the Union Territory of Arunachal Pradesh, hereby nominates Shri J. K. Barthakur, Officer on Special Duty (Work Study) and the Secretary to the Government of Arunachal Pradesh for Panchayat Department as the Chief Electoral Officer for the Union Territory of Arunachal Pradesh with effect from the date he takes over charge and until further orders vice Shri D. K. Das.

[No. 154/Arunachal/76]

V. NAGASUBRAMANIAN, Secy.

राजस्व और बैंककारी विभाग

(धाय-कर)

नई विल्सी, 18 मई, 1976

का० आ० 2349.—केन्द्रीय सरकार आय-कर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23) के बाण (iv) द्वारा प्रवत् शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भूतपूर्व सैनिकों के पुनर्निर्माण और पुनर्बास के लिए विशेष निधि को नियरिण वर्ष (वर्षों) 1967-68 के लिए और से उक्त व्यापार के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं. 1321/का०सं. 197/13/76-आई-टी० (प० I)]

DEPARTMENT OF REVENUE AND BANKING

New Delhi, the 18th May, 1976

(INCOME-TAX)

S.O. 2349.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the Central Government hereby notifies Special Fund for Re-construction and Rehabilitation of Ex-servicemen for the purpose of said section for and from assessment year(s) 1967-68.

[No. 1321/F. No. 197/13/76-IT(AI)]

(आयकर)

का० आ० 2350.—केन्द्रीय सरकार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, पंजाब राज्य और सुरक्षा यहत निधि को निर्धारण वर्ष (वर्षों) 1966-67 के लिए और से उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं० 1322/फा०सं० 197/13/76-आई०टी० (ए० I)]

(INCOME-TAX)

S.O. 2350.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the Central Government hereby notifies Punjab Defence and Security Relief Fund for the purpose of the said section for and from assessment year(s) 1966-67.

[No. 1322/F. No. 197/13/76-IT(AI)]

का० आ० 2351.—केन्द्रीय सरकार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मुख्य मंत्री पंजाब राहत निधि और जिला राहत निधि को निर्धारण वर्ष (वर्षों) 1962-63 के लिए और से उक्त धारा के प्रयोजनार्थ को अधिसूचित करती है।

[सं० 1323/फा०सं० 197/13/76-आई०टी० (ए० I)]

S.O. 2351.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the Central Government hereby notifies Chief Minister's Punjab Relief Fund and District Relief Fund for the purpose of the said section for and from assessment year(s) 1962-63.

[No. 1323/F. No. 197/13/76-IT(AI)]

का० आ० 2352.—केन्द्रीय सरकार आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, पंजाब युद्धोत्तर सेवा पुनर्गठन निधि को निर्धारण वर्ष (वर्षों) 1962-63 के लिए और से उक्त धारा के प्रयोजनार्थ को अधिसूचित करती है।

[सं० 1324/फा०सं० 197/13/76-आई०टी० (ए० I)]

S.O. 2352.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax

Act, 1961 (43 of 1961) the Central Government hereby notifies Punjab Post War Services Reconstruction Fund for the purpose of the said section for and from assessment year(s) 1962-63.

[No. 1324/F. No. 197/13/76-IT(AI)]

का० आ० 2353.—केन्द्रीय सरकार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 10 की उपधारा (23ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, पंजाब राष्ट्रीय कम्बार राहत निधि को निर्धारण वर्ष (वर्षों) 1962-63 के लिए और उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं० 1325/फा०सं० 197/13/76-आई०टी० (ए० I)]

S.O. 2353.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the Central Government hereby notifies Punjab National Workers' Relief Fund for the purpose of the said section for and from assessment year(s) 1962-63.

[No. 1325/F. No. 197/13/76-IT(AI)]

का० आ० 2354.—केन्द्रीय सरकार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की उपधारा 10 की उपधारा (23ग) के खण्ड (iv) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, पंजाब मुख्य मंत्री भाइ राहत निधि को निर्धारण वर्ष (वर्षों) 1976-77 के लिए और से उक्त धारा के प्रयोजनार्थ अधिसूचित करती है।

[सं० 1326/फा०सं० 197/13/76-आई०टी० (ए० I)]

दी० पी० झुनझुनवाला, उप-सचिव

S.O. 2354.—In exercise of the powers conferred by clause (iv) of sub-section (23C) of Section 10 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the Central Government hereby notifies Punjab Chief Minister's Flood Relief Fund for the purpose of the said section for and from assessment year(s) 1976-77.

[No. 1326/F. No. 197/13/76-IT(AI)]

T. P. JHUNJHUNWALA, Dy. Secy.

नई विल्सो, 9 जून, 1976

का० आ० 2355.—आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2 के खण्ड (44) के उपखण्ड (iii) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार श्री पी० आ० बर्मन को, जो केन्द्रीय सरकार के राजपत्र अधिकारी है, उक्त अधिनियम के अधीन कर वसूली अधिकारी की शक्तियों का प्रयोग करने के लिए प्राधिकृत करती है।

2. अधिसूचना सं० 865 (फा० सं० 404/50/75-आई०टी० सी० सी०) तारीख 4 अप्रैल, 1975 के अधीन कर वसूली अधिकारी के रूप में की गई श्री जे० एम० झट्टाचार्य की नियुक्ति 1 जुलाई, 1975 से रद की जाती है।

3. यह अधिसूचना 1 जुलाई, 1976 से प्रवृत्त होंगी।

[सं० 1351 (फा०सं० 404/42/76-आई०टी० सी० सी०)]

दी० पी० मितल, उप-सचिव

New Delhi, the 9th June, 1976

S.O. 2355.—In exercise of the powers conferred by sub-clause (iii) of clause (44) of Section 2 of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the Central Government hereby authorises Shri P. R. Burman, who is a gazetted officer of the Central Government, to exercise the powers of Tax Recovery Officer under the said Act.

2. The appointment of Shri J. M. Bhattacharjee as Tax Recovery Officer made under Notification No. 865 (F. No. 404/50/75-ITCC) dated the 4th April, 1975 is hereby cancelled with effect from the 1st July, 1976.

3. This Notification shall come into force with effect from the 1st July, 1976.

[No. 1351 (F. No. 404/42/76-ITCC)]
V. P. MITTAL, Dy. Secy.

नई दिल्ली, 10 जून, 1976

का० आ० 2356.—केन्द्रीय सरकार, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 80छ की उपधारा 2(ब) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मुलबगल श्री आमेय स्वामी भविर, मुलबगल कोलार बिला को उक्त धारा के प्रयोजनों के लिए कर्नाटक राज्य में व सर्वत्र विभ्यात सोक पूजा का स्थान अधिसूचित करती है।

[स० 1353/का०स० 176/48/76-11(ए०I)]
एम० शास्त्री, अवर सचिव

New Delhi, the 10th June, 1976

S.O. 2356.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2)(b) of Section 80G of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) the Central Government hereby notifies The Mulbagal Sri Anjaneyaswamy Temple, Mulbagal, Kolar District to be a place of public worship of renown throughout the State of Karnataka for the purposes of the said Section.

[No. 1353/F. No. 176/48/76-IT(AI)]

M. SHASTRI, Under Secy.

(थेकिंग पक्ष)

नई दिल्ली, 18 जून, 1976

का० आ० 2357.—इंकारी वित्तमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 56 के साथ पठिन धारा 53 द्वारा प्रवत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर, एतद्वारा घोषित करती है कि उक्त अधिनियम की धारा 11 की उपधारा (1) के उपबन्ध, “बंगलौर हिस्ट्रिक्ट कोआपरेटिव सेटल बैंक लिमिटेड बंगलौर” पर 27 मार्च, 1975 से 5 जनवरी, 1976 तक की अवधि के लिए लागू नहीं होगे।

[स० एफ० 8-11/76-ए०सी०]

(Banking Wing)

New Delhi, the 18th June, 1976

S.O. 2357.—In exercise of the powers conferred by section 53 read with section 56 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that the provisions of sub-section (1) of section 11 of the said Act shall not apply to the Bangalore District Cooper-

tive Central Bank Ltd., Bangalore for the period from 27 March, 1975 to 5th January, 1976.

[No. F. 8-11/76-AC]

नई दिल्ली, 23 जून, 1976

का० आ० 2358.—इंकारी वित्तमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 53 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, रिजर्व बैंक आफ इण्डिया की सिफारिश पर, एतद्वारा घोषित करती है कि पहली जुलाई, 1976 से प्रारम्भ होकर 30 जून, 1978 को समाप्त होने वाली अवधि के दौरान,—

- (क) उक्त अधिनियम की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) के उपबन्ध (1) और (2) तथा धारा 10 ख की उपधारा (2) और (4) के उपबन्ध “विजय बैंक लिं, मंगलोर और आन्ध्र बैंक लिं हैदराबाद” पर वहाँ तक लागू नहीं होगे जहाँ तक कि वे उपबन्ध उक्त बैंकों का प्रबन्ध उनके प्रब्लेमों (मुख्य कार्यकारी अधिकारियों) द्वारा किये जाने का प्रतिषेध इस कारण करते हैं कि वे कम्पनी अधिनियम, 1956 (1956 का 1) के अधीन एक पंजीकृत कम्पनी “कृषिक वित्त निगम लिं” के निदेशक हैं; और
- (ख) उक्त अधिनियम की धारा 19 की उपधारा (3) के उपबन्ध उक्त बैंकों के मामले में वहाँ तक लागू नहीं होगे जहाँ तक कि वे उपबन्ध उक्त बैंकों के उपर्युक्त “कृषिक वित्त निगम लिं” के एयर धारण करने का प्रतिषेध करते हैं।

[स एफ० 13-3/76-ए सी०]
हुषीकेश गुहा, अवर सचिव

New Delhi, the 23rd June, 1976

S.O. 2358.—In exercise of the powers conferred by Section 53 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949), the Central Government, on the recommendation of the Reserve Bank of India, hereby declares that, during the period commencing on the 1st July, 1976, and ending with the 30th June, 1978,—

- (a) the provisions of sub-clauses (i) and (ii) of clause (c) of sub-section (1) of section 10 and sub-sections (2) and (4) of section 10B of the said Act shall not apply to the Vijaya Bank Limited, Mangalore and the Andhra Bank Limited, Hyderabad, in so far as the said provisions prohibit the said banks from being managed by their Chairman (Chief Executive Officers) by reason of their being directors of the Agricultural Finance Corporation Limited, a company registered under the Companies Act, 1956 (1 of 1956); and
- (b) the provisions of sub-section (3) of section 19 of the said Act shall not apply to the said banks in so far as the said provisions prohibit the said banks from holding shares in the said Agricultural Finance Corporation Limited.

[No. F. 13-3/76-AC]
H. K. GUHA, Under Secy.

नई दिल्ली, 24 जून, 1976

का० आ० 2359.—इंकारी वित्तमन अधिनियम, 1949 (1949 का 10) की धारा 45 की उपधारा (7) के अधीन भारत सरकार (प्रायिक कार्य विभाग) की 20 मार्च, 1964 की अधिसूचना स० एफ० 17 (16)—शी० सी०/64 द्वारा श्री जादेश्वरकरारिङ बैंक लिमिटेड को बैंक लिमिटेड में भिलाने की केन्द्रीय सरकार

द्वारा संजीवन के पैरा 6 के उपर्युक्त (9) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, भारतीय रिजर्व बैंक की सिफारिश पर, एतद्वारा उक्त उपर्युक्त के प्रयोगन के लिए 26 जून, 1976 को अधिक निकट की सारीक में निर्धारित करती है।

[सं० 17(7) बी० घो० III/76]

मे० भा० उसगांवकर, अबर सचिव

New Delhi, the 24th June, 1976

S.O. 2359.—In exercise of the powers conferred by subparagraph (ix) of paragraph 6 of the scheme for the amalgamation of the Shree Jadeya Shankarling Bank Ltd. with the Belgaum Bank Ltd. sanctioned by the Central Government under sub-section (7) of section 45 of the Banking Regulation Act, 1949 (10 of 1949) by the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) No. F. 17(16)-BC/64 dated the 20th October 1964, the Central Government in consultation with the Reserve Bank of India, hereby specifies the 26th June, 1976 as the earlier date for the purpose of the said sub-paragraph.

[No. 17(7)-B.O. III/76]

M. B. USGAONKAR, Under Secy.

विनियमित उत्पादन

प्रधिसूचना संख्या 1/76

द्वौदा, 6 मई, 1976

का० घा० 2360.—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नियम, 1944 के नियम 5 द्वारा मुझे प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं केन्द्रीय उत्पादन शुल्क नियम, 1944 के नियम 191-ए और 191-बी के अन्तर्गत विनियोग करने की विधि (फार्मूला) के अनुमोदन के लिए, सूरत तथा बड़ीदा मण्डलों के सम्बन्ध में उप-समाहृता, के उ० श० मुद्यानस्थ, बड़ीदा को, तथा आमंद, नडीयाद और झहमदाबाद मण्डलों के सम्बन्ध में, उप-समाहृता, के उ० श०, झहमदाबाद (बड़ीदा समाहृतालिय) को, शक्तियों का प्रत्यापोजन करता हूँ।

2. प्रधिसूचना संख्या 1-71 विनांक 5-1-71 और 4-71 विनांक 30-7-71 रद्द समझा जाये।

[सं० 19(8)/76-वि०उ० /I]

एच० शार० चिएम, समाहृता

MANUFACTURED PRODUCTS

Notification No. 1/76

Baroda, the 6th May, 1976

S.O. 2360.—In exercise of the powers conferred upon me by rule 5 of the Central Excise Rules, 1944, I delegate the powers to approve manufacturing formulas under rules 191-A and 191-B of the Central Excise Rules, 1944 to the Deputy Collector of Central Excise, Headquarters, Baroda in respect of Surat and Baroda Divisions and to the Deputy Collector of Central Excise Ahmedabad (Baroda Collectorate) in respect of Anand, Nadiad and Ahmedabad Divisions.

2. Notifications Nos. 1/71 dated 5-1-71 and 4/71 dated 30-7-71 are cancelled.

[No. V. 19(8)/76/MP/I]

H. R. SYIEM, Collector

बाणीश क्षय भंगालाल

(निर्धारित उत्पादन विवरण)

नई दिल्ली, 16 जून, 1976

(इलायची नियन्त्रण)

का० घा० 2361.—इलायची नियन्त्रण, 1965 (1965 का 42) वी द्वारा 7 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार ने बोर्ड में प्रचार प्रधिकारी श्री क० गोपालकृष्णन नायर को 4-5-76 से 3-7-76 तक प्रबार प्रधिकारी के उत्तर पद के कार्यभार के प्रत्यावाद उस बोर्ड के सचिव के पद पर नियुक्त किया है।

[सं० फ० 29(3)/74-प्लॉट (बी)]

एस० महादेव भग्यर, प्रबार सचिव

MINISTRY OF COMMERCE

(Department of Export Production)

New Delhi, the 16th June, 1976

(Cardamom Control)

S.O. 2361.—In exercise of the powers conferred by sub-section (2) of Section 7 of the Cardamom Act, 1965 (42 of 1965), the Central Government has appointed Shri K. Gopalakrishnan Nair, Publicity Officer in the Cardamom Board, as Secretary of that Board in addition to his own duties as Publicity Officer, with effect from 4-5-76 and upto 3-7-76.

[F. No. 29(3)/74-PLANT(B)]

S. MAHADEVA IYER, Under Secy.

मुख्य नियंत्रक प्रायात निर्धारित का कार्यालय

प्रादेश

नई दिल्ली, 24 जून, 1976

का० घा० 2362.—सर्वश्री बलकम लेवल लि०, मुस्ताका बिल्डिंग, 7-ए, सर पी० एम० रोड, इम्बर्ड-400001 को सामान्य मुद्रा क्षेत्र से 1,50,000 रुपए के लिए कच्चा माल/संचाटकों का सांकेति सूची के अनुसार प्रायात करने के लिए प्रायात साइर्सेस सं० पी०/सी०/2198145/सी०/एस० एस०/51/एस०/37-38/प्रार० एम० 4, विनांक 22-5-1974 को प्रशान्त किया गया था।

2. इन्होंने उक्त लाइसेंस की सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति की अनुलिपि जारी करने के लिए इस प्रायात पर आवेदन किया है कि मूल सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति खो गई है प्रयवा प्रस्थानस्थ हो गई है। लाइसेंस धारी ने आगे यह भी बताया है कि लाइसेंस की बिना उपयोग में लाई गई धनराशि 1,50,000 रुपया लेज है। लाइसेंस किसी भी सीमा शुल्क प्रधिकारी के पास पंजीकृत नहीं किया गया था। लेकिन, पार्टी ने सीमा शुल्क बम्बई के द्वारा बन्धक पद पर भाल की निकासी नहीं की थी।

3. अपने तर्क के समर्थन में प्रावेदक ने एक प्रावेदक दाखिल किया है। प्रधोहस्ताकारी सन्तुष्ट है कि प्रायात लाइसेंस सं० पी०/सी०/2198145, विनांक 22-5-1974 की मूल सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति खो गई प्रयवा प्रस्थानस्थ हो गई है और इसलिए प्रावेदक देता है कि उक्त लाइसेंस की सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति की अनुलिपि प्रावेदक को जारी की जानी चाहिए। मूल सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति एतद्वारा रद्द की जाती है।

4. उक्त लाइसेंस की सीमा शुल्क प्रयोजन प्रति की अनुलिपि अब अलग से जारी की जा रही है।

[मि० सं० मैच-सी०/1(8)/ए एम-74/प्रार एम-4/644]

राजिन्द्र सिंह, उप मुख्य नियंत्रक, छत्ते मुख्य नियंत्रक

(Office of the Chief Controller of Imports & Exports)

ORDER

New Delhi, the 24th June, 1976

S.O. 2362.—M/s. Vulcan Laval Ltd., Mustafa Building, 7-A, Sir P. M. Road, Bombay-400 001, were granted import licence No. P/D/2198145/C/XX/51/H/37-38/RM-4, dated 22-5-1974 for import of raw materials components as per list attached to it valued at Rs. 1,50,000 from GCA.

2. They have requested for the issue of duplicate Customs Purposes Copy of the above said licence on the ground that the original Customs Purposes copy has been lost or misplaced by them. It has been further reported by the licensee that the licence had an unutilised balance of Rs. 1,50,000. The licence was not registered with any Customs authorities but the goods were got cleared by the party on Bond through Bombay Customs.

3. In support of their contention, the applicant have filed an affidavit. The undersigned is satisfied that the original Customs Purposes Copy of Import Licence No. P/D/2198145, dated 22-5-1974 has been lost or misplaced and hence directs that a duplicate Customs Purposes Copy of the said licence should be issued to the applicant. The original Customs Purposes Copy is hereby cancelled.

4. The Duplicate Customs Purposes copy of the said licence is being issued separately.

[File No. Mach-V/1(9)/AM-74/RM-4/644]

RAJINDER SINGH, Dy. Chief Controller
for Chief Controller

संयुक्त मुद्रा नियंत्रण, आधार-नियंत्रण का कार्यालय

बम्बई, 17 सितम्बर, 1975

का० आ० 2363.—संवंशी सूरी स्टोर्ट्स इन्डस्ट्रीज, ग्लास संचया 6,7,12 प्रौद्योगिकी भूमि-मार्ग, 13, सिग्नल हिल एवेन्यू रोड, बम्बई-10 को पंजीकृत नियंत्रण को योजना के अन्तर्गत भ्रमील-मार्ग, 1974 रेड बुक वा० 2 की क्रम सं० १-१-१ के सामने की शापिंग सूची की मद्देने के आधार के लिए 12,376 रु० मूल्य का एक आधार लाइसेंस संचया 1381987, दिनांक 18-1-74 प्रदान किया गया है।

प्रबृ उन्होंने लाइसेंस संचया 1381987, दिनांक 18-1-74 की मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति की भ्रमुलिपि प्रति के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल प्रति आग में मष्ट हो गई है।

यह भी उल्लेख किया गया है कि उक्त लाइसेंस सीमाशुल्क समाहरण, बम्बई से पंजीकृत है प्रौद्योगिकी भ्रमुलिपि प्रति 4,163 रु० माल के लिए आवेदक कर्म को जारी की जानी चाहिए।

अपने दावे के समर्थन में आवेदकों ने एक शपथपत्र दाखिल किया है।

मैं सन्तुष्ट हूँ कि लाइसेंस संचया 1381987, दिनांक 18-1-74 की मूल मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति आगे गई है प्रौद्योगिकी भ्रमुलिपि प्रति 4,163 रु० माल के लिए आवेदक कर्म को जारी की जानी चाहिए।

उपर्युक्त लाइसेंस की मूल मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति रह की जाती है।

[मिलिं संचया 894/42960ए/एम-74/एम/प्रार्टीपी/5 से जारी]

(Office of the Jt. Chief Controller of Imports & Exports)

Bombay, the 17th September, 1975

S.O. 2363.—M/s. Suri Sports Industries, Galas Nos. 6, 7, 12 and 13 Signal Hill Avenue Road, Reay Road, Bombay-10, have been granted import licence No. 1381987, dated 18-1-1974 for Rs. 12,376 for import of shopping list items against S. No. E.I.I. of Vol. II of A.M. 74 Red Book under the Registered Exporters Scheme.

They have now applied for duplicate exchange control copy of the licence No. 1381987 dated 18-1-74 on the ground that the original has been destroyed in fire.

It is further stated that the said licence is registered with the Collector of Customs, Bombay, and has been utilised to the extent of Rs. 8,213.

In support of their claim, the applicant have filed an affidavit.

I am satisfied that the original exchange control copy of licence No. 1381987 dated 18-1-74 has been lost and direct that the duplicate exchange control copy of the said licence should be issued for Rs. 4,163 only to the applicant firm.

The original exchange control copy of the above licence is cancelled.

[Issued file No. 894/42960A/AM 74/L/REP/V]

बम्बई, 28 जून 1976

का० आ० 2364.—सर्वंशी महालक्ष्मी ग्लास वर्क्स लि०, डा० ई० मोसिस रोड, जैकब सर्कल, बम्बई-400011 को पंजीकृत नियंत्रिकाओं की योजना के अन्तर्गत रेड बुक के वा० 2 के अन्तर्गत कालम 4 की मद्देने के आधार के लिए 10965600 के लिए आधार लाइसेंस संचया: पी/एम/2646611, दिनांक 13-7-72 प्रदान किया गया है।

उन्होंने लाइसेंस संचया: पी/एम/2646611, दिनांक 13-7-72 की मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति की भ्रमुलिपि के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि मूल प्रति आगे गई है। आगे यह भनाया गया है कि लाइसेंस सीमा-शुल्क कार्यालय, बम्बई के पास पंजीकृत हो चुका है प्रौद्योगिकी 55,528.00 रुपए के लिए उपयोग किया जा चुका है प्रौद्योगिकी उन्हें 53,998.00 रुपए के लिए भ्रमुलिपि प्रति चाहिए।

अपने दावे के समर्थन में आवेदक ने एक शपथ पत्र दाखिल किया है।

मैं सन्तुष्ट हूँ कि लाइसेंस संचया: पी/एम/2646611, दिनांक 13-7-72 की मूल भुगतान विनियम नियंत्रण प्रति आगे गई है प्रौद्योगिकी नियंत्रण देता हूँ कि उपर्युक्त लाइसेंस की भ्रमुलिपि आवेदक को जारी की जानी चाहिए।

उपर्युक्त लाइसेंस की मूल मुद्रा विनियम नियंत्रण प्रति रह की जाती है।

[फा० नं० 116/16342/ए० एम०/73/जी० एम० 72/एम/ई० पी० एस० सी० 4 बी०/3030]

एन० के० जगताप, उप-मुद्रा नियंत्रक

कृते संयुक्त मुद्रा नियंत्रक

Bombay, the 28th June, 1976

S.O. 2364.—M/s. Mahalakshmi Glass Works Ltd., Dr. E. Moses Road, Jacob Circle, Bombay-400011 have been granted import licence No. P.L. 2646611 dated 13-7-72 for Rs. 1,09,656 for import of column 4 items under B. 46.1 of Vol. II of AM 73 Red Book under Registered Exporters Scheme.

They have applied for duplicate exchange control copy of the licence No. P.L. 2646611 dated 13-7-72 on the ground that the original has been lost. It is further stated that the licence has been registered with Customs House, Bombay and utilised for Rs. 55,528 and the duplicate copy now required for Rs. 53,996.

In support of their claim the applicant have filed an affidavit.

I am satisfied that the original Exchange Control Copy of licence No. P.L. 2646611 dated 13-7-72 has been lost and direct that the duplicate of the said licence should be issued to the applicant firm.

The original Exchange Control Copy of the above licence is cancelled.

[Issued from file No. 116/16342/AM. 73/JM. 72/L/EPSC.

IV. B/3030]

N. K. JAGATAP, Dy. Chief Controller
for Jt. Chief Controller

आवेदक

बम्बई, 12 मार्च, 1976

का० आ० 2365.—सर्वंशी महालक्ष्मी इंडस्ट्रीज, भावनगर कड्डा पट्टीदार बादी, रुपांठी रोड, भावनगर को अप्रैल 1974/मार्च 1975 लाइसेंस अवधि के लिए सामान्य मुद्रा भेज तथा यूनाइटेड किंगडम से दिन प्लेट बेस्ट/बेस्ट

का आयात करने के लिए आयात लाइसेंस सं० पी/एस/4386711/सी/एक्स/54/बी/39. 40 तथा पी/एस/8436712/भार/एम एस/54/बी/39. 40 प्रत्येक दिनांक 12-2-75 और प्रत्येक का मूल्य 5,460 रु है प्रदान किए गए थे और उन्होंने उक्त लाइसेंसों की सीमा शुल्क निकासी प्रति तथा मुद्रा विनिमय नियवण प्रति की अनुलिपि जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि इन लाइसेंसों की मूल सीमा शुल्क निकासी तथा मुद्रा विनिमय नियवण प्रति किसी सीमा शुल्क प्राधिकारी के पास पंजीकृत कराए बिना तथा बिल्कुल उपयोग में लाग बिना ही खो गई अथवा अस्थानस्थ हो गई है। आगे यह बताया गया है कि कर्म को लाइसेंसों की सीमा शुल्क निकासी प्रति तथा मुद्रा विनिमय नियवण प्रति की अनुलिपि प्रत्येक का पूर्ण मूल्य 5,460 रु के लिए आवश्यक है।

2. हस तर्क के समर्थन में, आवेदक ने नोटरी के समक्ष विधिवत् साक्षात्कृत स्टाम्प कागज पर एक शपथ पत्र दाखिल किया है।

3. मै समुच्छ हूँ कि आयात लाइसेंस सं० पी/एस/8436711/नी/एक्स/एक्स/54/बी/39. 40 तथा पी/एस/8436712/भार/एम/एल/54/बी/39. 40, प्रत्येक विनांक 12-2-75 की मूल सीमा शुल्क निकासी प्रति तथा मुद्रा विनिमय नियवण प्रति खो गई या अस्थानस्थ हो गई है तथा निदेश देता हूँ कि आवेदक को उक्त लाइसेंसों की सीमा शुल्क निकासी प्रति तथा मुद्रा विनिमय नियवण प्रति की अनुलिपि प्रत्येक की पूर्ण राशि 5,460 रु के लिए आवेदक को जारी की जानी चाहिए। आयात लाइसेंस सं० पी/एस/8436711/सी/एक्स/एक्स/54/बी/39. 40 तथा पी/एस/8436712/भार/एम एस/54/बी/39. 40 प्रत्येक का विनांक 12-2-75 है की मूल सीमा शुल्क तथा मुद्रा विनिमय नियवण प्रतिया रह की गई यसकी जाए।

[सं० 223/239442/एसएसआई/एन/एनपी/एम. 75/आई एड एस/एल 2]

ORDER

Bombay, the 12th March, 1976

S.O. 2365.—M/s. Mahavir Industries, Bhavnagar, Bhavnagar Kadvia Patidari Wadi, Ruvarpari Road, Bhavnagar were granted the import licence No. P/S/8436711/C/XX/54/B/39-40 and P/S/8436712/R/ML/54/B/39-40 both dt. 12-2-1975 for Rs. 5,460 each for the import of item as shown on the reverse of this Order for the licensing period April. 1974/March, 1975 from G.C.A. & U.K. and they have applied for duplicate Customs Clearance copy and Exchange Control copy of the above mentioned licences on the ground that the original Customs clearance copy and Exchange control copy of the licences have been lost or misplaced, without having been registered with any Customs authority and unutilised at all. It is further stated that the firm requires the duplicate copy of Customs clearance copy and Exchange Control copy of the licences for full value of Rs. 5,460 each.

2. In support of this contention, the applicant has filed an affidavit on stamped paper duly attested before the Notary.

3. I am satisfied that the Original Customs Clearance copy and Exchange Control copy of Import Licence Nos. P/S/8436711/C/XX/54/B/39-40 and P/S/8436712/R/ML/54/B/39-40 both dated 12-2-75 have been lost or misplaced and direct that a duplicate Customs clearance copy and Exchange control copy of the licences should be issued to the applicant for full value of Rs. 5,460 each. The original Customs and Exchange Control copy of Import licences Nos. P/S/8436711/C/XX/54/B/39-40 and P/S/8436712/R/ML/54/B/39-40 both dated 12-2-75 may be deemed to have been cancelled.

[No 223/239442/SSI/N/NP/AM. 75/I&S/L II]

आवेदक

बम्बई, 30 अप्रैल, 1976

कांग्रेस 2366.—प्राधिकारी पत्र भारत सर्वेश्वरी टी०ए० एन्ड आदर्स, कलापथ मार्किट के पीछे, राजकोट को लाइसेंस अधिकारी अप्रैल 1974/मार्च 1975

के लिए सामान्य मुद्रा शेत्र से पीछे दिखाए गए मद का आयात करने के लिए 3,500 रुपए का आयात लाइसेंस संख्या जी/टी/2223715/ओ/एक्स एक्स/57/बी/39-40, विनांक 24-10-75 सरणीबद्ध करने वाले अधिकरण सर्वेश्वरी सेल इन्स्टरेशनल लिं. हिन्दुस्तान टाइम्स विलिंग, 18/20 फस्टरबा गार्डी मार्ग, नई दिल्ली के नाम में जारी किया गया था। उन्होंने उक्त लाइसेंस की सीमा शुल्क निकासी प्रति तथा मुद्रा विनिमय नियवण प्रति अनुलिपि जारी करने के लिए इस आधार पर आवेदन किया है कि लाइसेंस की मूल सीमा शुल्क निकासी प्रति तथा मुद्रा विनिमय नियवण प्रति किसी भी सीमा शुल्क प्राधिकारी के पास पंजीकृत कराए बिना तथा बिल्कुल उपयोग में लाए बिना ही खो गई है अथवा अस्थानस्थ हो गई है। आगे यह भी बताया गया है कि कर्म को लाइसेंस के पूर्ण धन-राशि 3,500 रुपए के लिए सीमा शुल्क निकासी प्रति तथा मुद्रा विनिमय नियवण प्रति की अनुलिपि चाहिए।

2. इस तर्क के समर्थन में आवेदक ने नोटरी के समक्ष विधिवत् साक्षात्कृत स्टाम्प कागज पर एक शपथ पत्र दाखिल किया है।

3. मै भवुत हूँ कि आयात लाइसेंस संख्या जी/टी/8223715/ओ/एक्स एक्स/57/बी/39-40, विनांक 24-10-75 की भमूल सीमा शुल्क निकासी प्रति तथा मुद्रा विनिमय नियवण प्रति खो गई है अथवा अस्थानस्थ हो गई है तथा निदेश देता हूँ कि आवेदक को पूर्ण मूल्य 3,500 रुपए के लिए सीमा शुल्क निकासी प्रति तथा मुद्रा विनिमय नियवण प्रति की अनुलिपि जारी की जानी चाहिए। आयात लाइसेंस संख्या जी/टी/8223715/ओ/एक्स एक्स/57/बी/39-40, विनांक 24-10-75 की मूल सीमा शुल्क निकासी प्रति तथा मुद्रा विनिमय नियवण प्रति को रह किया गया समझा जाए।

[संख्या 93/49113/एस एस आई/एन पी/ए एम-75/भाई एड एस/एल-3]

एस० वेनकट, उप मुख्य नियंत्रक

ORDER

Bombay, the 30th April, 1976

S.O. 2366.—M/s. T. A. & Bros., Behind Cloth Market, Rajkot, letter of authority holder, against Import Licence No. G/T/8223715/O/XX/57/B/39-40 dt. 24-10-75 for Rs. 3,500 for the import of item as shown on the reverse of this order, for the licensing period April, 1974/March 1975 from G. C. A. issued in the name of the canalising agency M/s. SAIL INTERNATIONAL LTD., Hindustan Times Bldg., 18/20, Kasturba Gandhi Marg, New Delhi have applied for duplicate customs clearance copy and exchange control copy of the above mentioned licence on the ground that the original customs clearance copy and exchange control copy of the licence have been lost or misplaced, without having been registered with any customs authority and unutilised at all. It is further stated that the firm requires the duplicate copy of customs clearance copy and exchange control copy of the licence for full value of Rs. 3,500.

2. In support of this contention, the applicant has filed an affidavit on stamped paper duly attested before the Notary.

3. I am satisfied that the original customs clearance copy and exchange control copy of Import licence No. G/T/8223715/O/XX/57/B/39-40 dt. 24-10-75 have been lost or misplaced and direct that a duplicate customs clearance copy and exchange control copy of the licence should be issued to the applicant for full value of Rs. 3,500. The original customs clearance copy and exchange control copy of import licence No. G/T/8223715/O/XX/57/B/39-40 dt. 24-10-75 may be deemed to have been cancelled.

[No. 93/49113/SSI/NP/AM. 75/I&S/L II]

S. VENKAT, Dy. Chief Controller

वारिष्ठ भंडालय

उप-मुख्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रण का कार्यालय

भावेश

कानपुर, 22 दिसंबर, 1975

कांग्रा० 2367—सर्वेशी मीरपुर टेक्सटाइलज, कानपुर को गैर-निषेध गैर-प्रतिबंधित बाल बेचिंग आवि के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस स्वीकृत किए गए थे—

1. पी/एस/1759456 दिनांक 13-10-72 8640 रुपये के लिए
2. पी/एस/1759457 दिनांक 13-10-72 8640 रुपए के लिए

2. तत्पश्चात् उन्हें एक कारण बताओ सूचना संख्या : डी सी सी प्राई एंड/ई/एम-1/ए एस-75/इन्फ/एन बी एन आर/एयू/कान/1040 दिनांक 11-12-74 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पावती से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेंसों को क्यों न रद् कर दिया जाना चाहिए और उन्हें इस आधार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे। उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिए दिनांक 26-12-74 का दिन भी स्वीकृत किया गया था। उन्हें उपर्युक्त लाइसेंसों, दस्तावेजों और उद्घोग नियेशक, उत्तर प्रवेश, कानपुर की विशेष सिकारिश को सीधे निपटाने के लिए भी कहा गया था। वेस्टिंग डाक पंजीकृत समसंघ्या पत्र दिनांक 19-8-75।

3. उक्त डाक पंजीकृत समसंघ्या पत्र दिनांक 19-8-75 डाक प्राप्ति-कारियों द्वारा बिना विराजित - किए ही "मना कर दिया गया" की अधिकृति के साथ वापस कर दिया गया है।

4. प्रधोहस्ताक्षरी ने मामले की भली-भांति जाच कर ली है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि चूंकि सर्वेशी मीरपुर टेक्सटाइलज, मीरपुर कैन्ट, कानपुर के पास इस मामले में प्रपने बचाव के लिए कुछ नहीं है, इसलिए उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और लाइसेंस और डाक पंजीकृत समसंघ्या पत्र दिनांक 19-8-75 भूल से जारी किए गए थे।

5. ऊपर की कठिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए प्रधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद् अथवा अप्रभावित किए जाने चाहिए। इसलिए, प्रधोहस्ताक्षरी यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा (ए) के अन्तर्गत प्रदत्त प्रधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद् करता है।

[स० डी सी सी प्राई एंड/ई/एस 1/ए एस-75/इन्फ/एन बी एन आर/एयू कान]

MINISTRY OF COMMERCE

(Office of the Deputy Chief Controller of Imports & Exports)

ORDER

Kanpur, the 22nd December, 1975

S.O. 2367.—The following licences for the import of Chemicals non-banned non-restricted types were issued to M/s Meerpur Textiles, Kanpur :—

1. P/S/1759456 dated 13-10-72 for Rs. 8640.

2. P/S/1759457 dated 13-10-72 for Rs. 8640.

2. Thereafter a show cause notice No. DCCI&E/M-1/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/1040 dated 11-12-74 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in

their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 26-12-74 for personal hearing of their matter. A Regd. letter of even No. dt. 19-8-75 was also issued to them to furnish specific recommendation of Chemicals duly certified by D.I. Kanpur.

3. The above said regd. letter of even No. dt. 19-8-75 has been returned undelivered by the postal authorities with their remarks "Refused".

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Meerpur Textiles Meerpur Cantt. Kanpur, have avoided a reply to the show cause notice and registered letter of even number, dated 19-8-75 as they have no defence to urge and that the licences were issued inadvertently.

5. Having, regard to what has been said in the preceding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub-clause (a) of the imports (Control) Order, 1955 dated the 7th December, 1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/ENF/M-1/AM-75/NBNR/AU/KAN]

भावेश

कांग्रा० 2368.—सर्वेशी मोहम्मद इकबाल अहमद, मेरठ को गैर-निषेध गैर-प्रतिबंधित रसायनों आवि के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस स्वीकृत किए गए थे :—

1. पी/एस/1758493 दिनांक 4-8-72 5000 रुपए के लिए

2. पी/एस/1758494 दिनांक 4-8-72 5000 रुपए के लिए

2. तत्पश्चात् उन्हें एक कारण बताओ सूचना संख्या : डी सी सी प्राई एंड/ई/एम-3/ए एस-75/इन्फ/एन बी एन आर/एयू/कान/3864 दिनांक 3-1-75 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पावती से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेंसों को क्यों न रद् कर दिया जाना चाहिए और उन्हें इस आधार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे। उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिए दिनांक 18-1-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित प्रधिकार समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिए नियत तिथि को व्यक्तिगत सुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. प्रधोहस्ताक्षरी ने मामले की भली-भांति जाच कर ली है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि चूंकि सर्वेशी मोहम्मद इकबाल अहमद, मेरठ के पास इस मामले में आने बचाव के लिए कुछ नहीं है, इसलिए उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और लाइसेंस भूल से जारी किए गए थे।

5. ऊपर की कठिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए प्रधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद् अथवा अप्रभावित किए जाने चाहिए। इसलिए, प्रधोहस्ताक्षरी यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा (ए) के अन्तर्गत प्रदत्त प्रधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद् करता है।

[स० डी सी सी प्राई एंड/ई/एम-3/ए एस-75/इन्फ/एन बी एन आर/एयू/कान]

ORDER

S.O. 2368.—The following licences for the import of chemicals non-banned non-restricted types were issued to M/s. Mohd. Ibrahim, Iqbal Ahmad, Meerut.

1. P/S/1758493 dated 4-8-72 for 5000.

2. P/S/1758494 dated 4-8-72 for Rs. 5000.

2. Thereafter a show cause notice No. DCCI&E/M-3/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/3864 dated 3-1-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 18-1-75 for personal hearing of their matter.

3. No Reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Mohd. Ibrahim Iqbal Ahmad, Meerut, have avoided a reply to the show cause notice as they have no defence to urge and that the licences were issued inadvertently.

5. Having regard to what has been said in the preceding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub-clause (a) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/ENF/M-3/AM-75/NBNR/AU/KAN]

आदेश

कांस्ता० 2369.—सर्वेशी मधुर इण्डस्ट्रीज, सर्वंगपुरा, मोहबा (हमीरपुर) को गैर-निवेद गैर-प्रतिबंधित बाल बेरेसिंग आदि के आयात के नियन्त्रित साइरेंस स्वीकृत किए गए थे:—

1. पी/एस/1763914 दिनांक 17-10-73 20000 रुपए के लिए

2. पी/एस/1763915 दिनांक 17-10-73 20000 रुपए के लिए

2. तत्पश्चात उन्हें एक कारण बताया सूचना संख्या डीसीसी आई एड ई/एस-15/ए-एस-75/इफ/एन वी एन आर/एयू/कान/2258 दिनांक 24-2-75 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताया सूचना की पावती से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताएँ कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त साइरेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हें इस आधार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे। उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिए दिनांक 11-3-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताया सूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित अवधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोग के लिए नियत तिथि को व्यक्तिगत सुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधिकारी ने मामले की भली-भांति जांच कर ली है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि चूंकि सर्वेशी मधुर इण्डस्ट्रीज, सर्वंगपुरा, मोहबा (हमीरपुर) के पास इस मामले में अपने बचाव के लिए कुछ नहीं है, इसलिए उन्होंने उक्त कारण बताया सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुआ है।

5. ऊपर की कांडिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे व्याप में रखते हुए अधिकारी संतुष्ट है कि विषयाधीन साइरेंस रद्द अधिकारी प्रमाणित किए जाने चाहिए। इसलिए, अधिकारी यथा संशोधित

आयात (नियन्त्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-1955 की घारा 9 उपचाया (ए.) के प्रत्यारूप प्रदत्त अधिकारी का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त साइरेंसों को रद्द करता है।

[संख्या : दी दी सी आई एड ई/एस-15/ए-एस-75/इफ/एन वी एन आर/एयू/कान]

ORDER

S.O. 2369.—The following licences for the import of ball bearings etc. non-banned non-restricted types were issued to M/s. Madhur Industries, Langhanpura, Mahoba (Hamirpur) :—

1. P/S/1763914 dated 17-10-73 for Rs. 20000.

2. P/S/1763915 dated 17-10-73, for Rs. 20000.

2. Thereafter a show cause notice No. DCCI&E/M-15/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/2258, dated 22/24-2-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 11-3-1975 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Madhur Industries, Langhanpura, Mahoba (Hamirpur), have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings as they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the preceding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub-clause (a) of the Imports (Control) Order, dated the 7th December, 1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/M-15/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आदेश

कांस्ता० 2370.—सर्वेशी न्यू इंडिया इण्डस्ट्रीज, सुरज कुण्ड, भेरठ नगर को गैर-निवेद गैर-प्रतिबंधित रसायनों आदि के आयात के लिए नियन्त्रित साइरेंस स्वीकृत किए गए थे:—

1. पी/एस/1762453 दिनांक 9-5-73 5000 रुपए के लिए

2. पी/एस/1762454 दिनांक 9-5-73 5000 रुपए के लिए

2. तत्पश्चात उन्हें एक कारण बताया सूचना संख्या : दी दी सी आई एड ई/एन-1/ए-एस-75/इफ/एन वी एन आर/एयू/कान/1044 दिनांक 11-12-74 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताया सूचना की पावती से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताएँ कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त साइरेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हें इस आधार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे। उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिए दिनांक 26-12-74 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताया सूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित अवधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोग के लिए नियत तिथि को व्यक्तिगत सुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधिकारी ने मामले की भली-भांति जांच कर ली है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि चूंकि सर्वेशी न्यू इंडिया इण्डस्ट्रीज, भेरठ सिटी के पास इस मामले में अपने बचाव के लिए कुछ नहीं है, इसलिए

उन्होंने उक्त ग्रन्थ वरांप्रा भूमि के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और अधिकारी सुनवाई के लिए उम्मीद नहीं हुए हैं।

5. ऊर की कंडिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे घ्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द प्रथमा अप्रभावित किए जाने चाहिए। इसलिए, अधोहस्ताक्षरी यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा(ए) के अन्तर्गत प्रदत्त प्रधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[सं० डी सी सी प्राई एड ई/एम-75/इन्फ/एन वी एन आर/एयू/कान]

ORDER

S.O. 2370.—The following licences for the import of Chemicals non-banned non-restricted types were issued to M/s. New India Industries, Suraj Kund, Meerut City :—

1. P/S/1762453 dated 9-5-73, for Rs. 5000.
2. P/S/1762454 dated 9-5-73 for Rs. 5000.

2. Thereafter a show cause notice No. DCCI&E/N-1/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/1044, dated 11-12-74 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 26-12-74 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s new India Industries, Meerut City. Have avoided a reply to, the show cause notice as they have no defence to urge and that the Licences were issued inadvertently.

5. Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub clause (A) of the imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No DCCI&E/N-1/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आदेश

सांकेति 2371.—संघीय नायेन्ट केमिकल्स कारपोरेशन/98-वी इन्डस्ट्रियल इलेट कानपुर को गैर-नियंत्रित गैर प्रतिबंधित रसायनों आदि के लिए नियंत्रित लाइसेंस स्वीकृत किए गए थे:-

1	पी/एस/1758559	दि० 4-8-72	37500	रुपए के लिए
2	" " 1758560	"	18750	" "
3.	" " 1758561	"	18750	" "
4.	" " 1761431	दि० 24-3-73	23437	" "
5.	" " 1761432	"	23437	" "
6.	" " 1761430	"	46875	" "

2. तरामचार् जहे एक कारण बताओ सूचना सब्द्या : डीसीसीप्रा एड ई/एन-2/एस-75/इन्फ/एन वी एन आर/एयू/कान/3870 दिनांक 6-1-75 यह पृष्ठते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पावती से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताए कि उनके नाम से जारी किए गए उक्त लाइसेंसों को क्यों रद्द न कर दिया जाना चाहिए और उन्हे

इस आधार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे, उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिए 21-1-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओं सूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए नियंत्रित शब्द समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिए नियत नियंत्रित को व्यक्तिगत सुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले की भली-भाति जांच कर ली है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि चूंकि सर्वथी नायेन्ट केमिकल्स कारपोरेशन कानपुर, के पास इस मामले में अपने बचाव के लिए कुछ नहीं है, इसलिए उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुए हैं।

5. ऊपर की कंडिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे घ्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द अथवा अप्रभावित किए जाने चाहिए। इसलिए अधोहस्ताक्षरी यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा(ए) के अन्तर्गत प्रधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[सं० : डी सी सी प्राई एड ई/एन-2/एस-75/इन्फ/एन वी एन आर/एयू/कान]

ORDER

S.O. 2371.—The following licence for the import of Chemicals non-banned non-restricted type were issued to M/s. Nascent Chemical Corporation, Kanpur.

1. P/S/1758559 dated 4-8-72 for Rs. 37500.
2. P/S/1758560 dated 4-8-72, for Rs. 18750.
3. P/S/17588561 dated 4-8-72 for Rs. 18750.
4. P/S/1761431 dated 24-3-73, for Rs. 23437.
5. P/S/1761432 dated 24-3-73, for Rs. 23437.
6. P/S/1761430 dated 24-3-73, for Rs. 46875.

2. Thereafter a show cause notice No. DCCI&E/No. 2/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/3870 dated 6-1-1975 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the dt. of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that they same were issued inadvertently. They were also given 21-1-75 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far & time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Nascent Chemical Corporation, Kanpur. Have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub-clause (a) of the imports (Control) Order, 1955 dt. 7-12-55 as amended hereby cancel the above said licence.

[No. DCCI&E/N-2/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

प्रावेश

का०आ० 2372.—मर्वी नवचंडी इंजीनियरिंग चक्रमं मेरठ, को गैर-नियंत्रण गैर प्रतिबंधित बाल बेगरिंग प्रावि के आयान के लिए निम्नलिखित लाइसेंस स्वीकृत किए गए थे:—

1. पी/एस/1763212 दिनाक 3-8-73 49950 रुपए के लिए
2. पी/एस/1763213 दिनाक 3-8-73 24975 रुपए के लिए
3. पी/एस/1763214 दिनाक 3-8-73 24975 रुपए के लिए
4. तत्परात् उन्हें एक कारण बताओ सूचना संख्या : डी सी सी आई एड ई/एस-15/एएस-75/इन्फ/एन बी एन आर/एयू/कान 22582 दिनाक 22/24-2-75 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पावती से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हें इस आधार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे। उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिए दिनाक 11-3-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।
5. उक्त कारण बताओ सूचना डाक प्राधिकारियों द्वारा बिना विवरित किए ही “फर्ज खत्म कर दी गई” की अभियुक्ति के साथ वापस कर दी गई है।

4. प्रधोहस्ताक्षरी ने मामले की भली-भाति जांच कर ली है और इस परिणाम पर पूछता है कि चूंकि मर्वी नवचंडी इंजीनियरिंग चक्रमं मेरठ के पाय इस मामले में अपने बचाव के लिए कुछ नहीं है, इसलिए उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुए हैं।

5. ऊपर की कंडिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए प्रधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द अथवा अप्रभावित किए जाने चाहिए। इसलिए, प्रधोहस्ताक्षरी यथा संशोधित आयान (नियंत्रण) प्रावेश, 1955, दिनाक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा (ए) के अन्तर्गत प्रदत्त प्रधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[सं० डी सी सी आई एड ई/एन-15/एएस-75/इन्फ/एन बी एन आर/एयू/कान]

ORDER

S.O. 2372.—The following licences for the import of Ball Bearings etc. non banned non-restricted etc. were issued to M/s. Navchandi Engg. Works, Meerut.

1. P/S/1763212 dt. 3-8-73 for Rs. 49950.
2. P/S/1763213 dt. 3-8-73 for Rs. 24975.
3. P/S/1763214 dt. 3-8-73 for Rs. 24975.

2. Thereafter, a Show Cause Notice No. DCCI&E/N-15/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/22582 dated 22/24-2-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of issue receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 11-3-75 for personal hearing of their matter.

3. The above said show cause notice has been returned undelivered by the Postal authorities with their remarks “Firm abolished returned.”

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Navchandi Engg Works, Meerut, have avoided a reply to the show cause notice as they have no defence to urge and that the licences were issued inadvertently.

5. Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, undersigned in exercise of the power

vested in him under clause 9 such sub-clause (a) of the Imports (Control) Order 1955 dt. 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/No. 15/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

प्रावेश

का०आ० 2373.—मर्वी नेशनल इंडस्ट्रीज जी टी गोड खतोली जिला मुजफ्फरनगर को गैर-नियंत्रण गैर प्रतिबंधित बाल बेगरिंग प्रावि के आयान के लिए निम्नलिखित लाइसेंस स्वीकृत किए गए थे:—

1. पी/एस/1762109 दिनाक 31-3-73 5000 रुपए के लिए

2. तत्परात् उन्हें एक कारण बताओ सूचना संख्या : डी सी सी आई एड ई/एन-3/एएस-75/इन्फ/एन बी एन आर/एयू/कान 7741 दिनाक 20-1-75 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पावती से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हें इस आधार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे। उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिए दिनाक 4-2-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित अवधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिए नियम नियम के व्यक्तिगत सुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले की भली-भाति जांच कर ली है और इस परिणाम पर पूछता है कि चूंकि सर्वेश्वी नेशनल इंडस्ट्रीज खतोली जिला मुजफ्फरनगर के पास इस मामले में अपने बचाव के लिए कुछ नहीं है, इसलिए उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुए हैं।

5. ऊपर की कंडिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए प्रधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द अथवा अप्रभावित किए जाने चाहिए। इसलिए, प्रधोहस्ताक्षरी यथा संशोधित आयान (नियंत्रण) प्रावेश, 1955, दिनाक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा(ए) के अन्तर्गत प्रदत्त प्रधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[सं० डी सी सी आई एड ई/एन-3/एएस-75/इन्फ/एन बी एन आर/एयू/कान]

ORDER

S.O. 2373.—The following licences for the import of Ball Bearings etc. non-banned and non-restricted type were issued to M/s. National Industries, G. T. Road, Khatauli Distt. Muzaffarnagar.

P/S/1762109 dated 31-3-73 for Rs. 5000.

2. The earlier a Show Cause Notice No. DCCI&E/N-3 AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/7741 dated 30-1-1975 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 4-2-1975 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal bearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. National Industries, Khatauli Distt. Muzaffarnagar have not replied to the notice and have not turned up for personal hearing they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in

question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub-clause (a) of the imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/N. 3/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आवेदन

कांगड़ा 2374.—मर्वंशी नेशनल मशीन ट्रूज बिहारीलैंड मोहन चित्रालोक रमने राम रोड गाजियाबाद का गैर-निवेद्य गैर-प्रतिबंधित बाल बेयरिंग आदि के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस स्वीकृत किए गए थे।—

1. पी/एम/1760571, दिनांक 23-1-73—5000 रुपए के लिए

2. पी/एम/1760572, दिनांक 23-1-73—2485 रुपए के लिए

2. उत्पश्चात् उन्हें एक कारण बताओ सूचना संख्या : डी सी सी आई एंड ई/एन-6/एम-75/इन्फ/एन बी एन आर/एयू/कान/7743 दिनांक 20-1-75 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पावती से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनके नाम में जारी किए गए अक्षर लाइसेंसों को क्यों हैं रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हें इस आधार पर कि वे भूल में जारी कर दिए गए थे। उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिए दिनांक 4-2-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और अक्षर देने के लिए निर्धारित प्रबंधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिए नियन्त तिथि को व्यक्तिगत मुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले की भली-भांति जाँच कर ली है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि चूंकि मर्वंशी नेशनल मशीन ट्रूज गाजियाबाद के पास इस मामले में अपने बचाव के लिए कुछ नहीं है, इसलिए उन्होंने अक्षर कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत मुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुए हैं।

5. ऊपर बीं अंडिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी मनुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द प्रथा प्रप्रभावित किए जाने चाहिए। इसकिए, अधोहस्ताक्षरी यथा संशोधित आयात (नियन्त्रण) आदेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा (ए) के अन्तर्गत प्रवत्त अधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[सं. डी सी सी आई एंड ई/एन-6/एम-75/इन्फ/एन बी एन आर/एयू/कान]

ORDER

S.O. 2374.—The following licences for the import of Ball Bearing etc. non-banned and non-restricted type were issued to M/s. National Machine Tools, Behind Mohan Chitrakot, Ramte Ram Road, Ghaziabad.

1. P/S/1760571, dated 23-1-1973 for Rs. 5000.

2.P/S/1760572, dated 23-1-1973 for Rs. 2485.

2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/N-75/ENF/NBNR/AU/KAN/7743, dated 20-1-1975 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said Licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 4-2-75 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. National Machine Tools, Ghaziabad have not replied to the notice and have not turned for personal hearing they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the preceding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub clause (a) of the imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/N. 6/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आवेदन

कांगड़ा 2375.—सर्वंशी नवीन हंजीनियरिंग कम्पनी, गाजियाबाद का गैर-निवेद्य गैर-प्रतिबंधित बाल बेयरिंग आदि के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस स्वीकृत किए गए थे :—

1. पी/एम/1759877 दिनांक 29-11-72—22325 रुपए के लिए

2. पी/एम/1759878 दिनांक 29-11-72—22325 रुपए के लिए

3. पी/एस/1759879 दिनांक 29-11-72—24076 रुपए के लिए

4. पी/एस/1759880 दिनांक 29-11-72—24076 रुपए के लिए

5. पी/एस/1762628 दिनांक 1-6-73—19576 रुपए के लिए

6. पी/एस/1762629 दिनांक 1-6-73—19575 रुपए के लिए

7. पी/एस/1762630 दिनांक 1-6-73—16225 रुपए के लिए

8. पी/एस/1763631 दिनांक 1-6-73—16226 रुपए के लिए

2. उत्पश्चात् उन्हें एक कारण बताओ सूचना संख्या : डी सी सी आई एंड ई/एन-8/एम-75/इन्फ/एन बी एन आर/एयू/कान/11243, दिनांक 27-1-73 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पावती से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हें इस आधार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे। उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत मुनवाई के लिए दिनांक 10-2-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित प्रबंधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिए नियन्त तिथि को व्यक्तिगत मुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले की भली-भांति जाँच कर ली है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द प्रथा प्रप्रभावित किए जाने चाहिए। इसकिए, अधोहस्ताक्षरी यथा संशोधित आयात (नियन्त्रण) आदेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा (ए) के अन्तर्गत प्रवत्त अधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

5. ऊपर की अंडिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी मनुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द प्रथा प्रप्रभावित किए जाने चाहिए। इसकिए, अधोहस्ताक्षरी यथा संशोधित आयात (नियन्त्रण) आदेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा (ए) के अन्तर्गत प्रवत्त अधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[मंडपा — डीसी सीआई एंड ई/एन-8/एम-75/इन्फ/एन बी एन आर/एयू/कान]

ORDER

S.O. 2375.—The following licences for the import of Ball Bearing etc. non-banned and non-restricted type were issued to M/s. Navin Engg. Ghaziabad.

1. P/S/1759877 dt. 29-11-72 Rs. 22325.
2. P/S/1759878 dt. 29-11-72 Rs. 22325.
3. P/S/1759879 dt. 29-11-72 Rs. 24076.
4. P/S/1759880 dt. 29-11-72 Rs. 24076.
5. P/S/1762628 dt. 1-6-73 Rs. 19575.
6. P/S/1762629 dt. 1-6-73 Rs. 19575.
7. P/S/1762630 dt. 1-6-73 Rs. 16225.
8. P/S/1762631 dt. 1-6-73 Rs. 16225.

2. Thereafter a show cause Notice No. DCCI&E/N. 8 AN-75 ENF/NBNR/AU/KAN/11243 dt. 27-1-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notices as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground at the same were issued inadvertently. They were also given 19-2-1975 personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Navin Engg. Co. Ghaziabad, have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub-clause (a) of the Imports (Control) Order 1955 dated 7-12-1975 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/N. 8/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

प्रावेश

का०ग्रा० 2376—सर्वश्री नवनियर्मण इंजीनियरिंग कं० गाजियाबाद को गैर-नियंत्रण गैर प्रतिबंधित वाल वेयरिंग आदि के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस स्वीकृत किए गए थे :—

1. पी/एस/1762597 दिनांक 30-5-73—25,000 रुपए के लिए
2. पी/एस/1762598 दिनांक 30-5-73—26,000 रुपए के लिए

2. तत्पश्चात् उन्हें एक कारण बताओ सूचना संख्या : डी सी सी आई एंड ई/एन-10/ए एम-75/इन्फ/एन बी एन आर/ए धू/कान/11250 दिनांक 27-1-75 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पापती से संकर 15 दिनों के भीतर कारण बताए कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हें इस आधार पर कि वे भूल से जारी बर विए गए थे। उन्हें उनके मामले में अवक्षितगत सुनवाई के लिए दिनांक 10-2-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित अवधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिए नियत तिथि को अवक्षितगत सुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. प्रधोहस्ताक्षरी ने मामले की भली-भांति जांच कर सी है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि जूँकि सर्वश्री नव नियर्मण इंजीनियरिंग कं० गाजियाबाद के पास हर मामले में अपने वयावर के लिए कुछ नहीं है, इसलिए उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और अवक्षितगत सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुए हैं।

5. ऊपर की कठिकारों में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द प्रथम अपभावित किए जाते चाहिए। इसलिए, अधोहस्ताक्षरी यथा संघोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा (ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[सं०: शीसीसी आई एंड ई/एन-10/ए एम-75/इन्फ/एन बी एन आर/एम/कान]

ORDER

S.O. 2376.—The following licences for the import of Ball Bearings etc. non-banned non-restricted etc. were issued to M/s. Nav Nirman Engg. Co. Ghazabab.

1. P/S/1762597 dt. 30-5-73 Rs. 25,000.
2. P/S/1762598 dt. 30-5-73 Rs. 25,000.

2. Thereafter a show cause Notice DCCI&E/N-10/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/11250 dated 27-1-1975 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 10-2-75 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Nav Nirman Engg. Co., Ghaziabad, have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub-clause (a) of the Imports (Control) Order 1955 dt. 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/N. 10/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

प्रावेश

का०ग्रा० 2377—सर्वश्री नेशनल इंजीनियरिंग कारपोरेशन, 152-बी कूप इंडस्ट्रियल इंस्टीट्यूट, कानपुर को गैर-नियंत्रण और गैर-प्रतिबंधित वाल वेयरिंग आदि के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस स्वीकृत किए गए थे :—

1. पी/एस/1758800 दिनांक 25-8-72—7592 रुपए के लिए
2. पी/एस/1758801 दिनांक 25-8-72—7592 रुपए के लिए
3. पी/एस/1762263 दिनांक 25-4-73—9000 रुपए के लिए
4. पी/एस/1762264 दिनांक 29-4-73—9000 रुपए के लिए
5. पी/एस/1763476 दिनांक 29-8-73—9075 रुपए के लिए
6. पी/एस/1763477 दिनांक 29-8-73—9075 रुपए के लिए

2. तत्पश्चात् उन्हें एक कारण बताओ सूचना संख्या : डी सी सी आई एंड ई/एन-14/ए एम-75/इन्फ/एन बी एन आर/एम/कान/11249 दिनांक

27-1-75 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पावती से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हें इस आधार पर कि वे भूल से जारी कर दिये गए थे। उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिए दिनांक 10-2-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति भारी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित अवधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोगन के लिए नियत तिथि को व्यक्तिगत सुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. भ्रष्टोहस्ताक्षरी ने मामले की भली-भांति जांच कर ली है और इस परिणाम पर पढ़ूँचा है कि चूंकि सर्वश्री नेशनल इंजीनियरिंग कार्पोरेशन इंस्ट्रियल इस्टेट कानपुर के पास इस मामले में प्रयोग बचाव के लिए कुछ नहीं है, इसलिए उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत सुनवाई के लिए उपस्थित भारी र है।

5. ऊपर की कंडिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे व्याप में रखते हुए भ्रष्टोहस्ताक्षरी संमुच्छ है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द अवश्या प्रयोगावधि किए जाने चाहिए। इसलिए, भ्रष्टोहस्ताक्षरी यथा संशोधित प्रायात (नियंत्रण) आदेश, 1966, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपचारा (ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर इस के द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[सं: शीसीसीआई एंड ई/एन-14/ए एम-75/इन्फ/एन बी एन आर/एयू/कान]

ORDER

S.O. 2377.—The following licences for the import of Ball Bearings etc. non-banned and non-restricted type were issued to M/s. National Engineering Corporation, 152-B, Coop. Indl. Estate, Kanpur.

1. P/S/1758800 dated 25-8-72 for Rs. 7592.
2. P/S/1758801 dated 25-8-72 for Rs. 7592.
3. P/S/1762263 dated 25-4-73 for Rs. 9000.
4. P/S/1762264 dated 29-4-73 for Rs. 9000.
5. P/S/1763476 dated 29-8-73 for Rs. 9075.
6. P/S/1763477 dated 29-8-73 for Rs. 9075.

2. Thereafter Show Cause Notice No. DCCI&E/N-14/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/11249 dated 27-1-1975 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 10-2-75 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s National Engineering Corporation, 152-B, Coop. Indl. Estate, Kanpur have not replied to the notice and have not turned up for personal hearing they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub clause (a) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/N-14/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

प्रावेश

का०धा० 2378.—सर्वेभी नेशनल मशीन ट्रूल गाजियाबाद को गैर-नियंत्रित गैर-प्रतिबंधित वाल जैवरिंग आदि के प्रायात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस स्वीकृत किए गए थे :—

1. पी/एस/1763602 दिनांक 12-9-73 24975 रुपए के लिए

2. पी/एस/1763603 दिनांक 12-9-73 24975 रुपए के लिए

2. तरपश्चात् उन्हें एक कारण बताओ सूचना संख्या : जी सी सी आई एंड ई/एन-17/ए एन-75/इन्फ/एन बी एन आर/एयू/कान/22583 दिनांक 22/24-2-76 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पावती से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हें इस आधार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे। उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिए दिनांक 11-3-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति भारी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित अवधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोगन के लिए नियत तिथि को व्यक्तिगत सुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. भ्रष्टोहस्ताक्षरी ने मामले की भली-भांति जांच कर ली है और इस परिणाम पर पढ़ूँचा है कि चूंकि सर्वश्री नेशनल मशीन ट्रूल गाजियाबाद के पास इस मामले में प्रयोग बचाव के लिए कुछ नहीं है, इसलिए उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुए है।

5. ऊपर की कंडिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे व्याप में रखते हुए भ्रष्टोहस्ताक्षरी संमुच्छ है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द अवश्या प्रयोगावधि किए जाने चाहिए। इसलिए भ्रष्टोहस्ताक्षरी यथा संशोधित प्रायात (नियंत्रण) आदेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपचारा (ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[सं: शीसीसीआई एंड ई/एन-17/ए एम-75/इन्फ/एन बी एन आर/एयू/कान]

ORDER

S.O. 2378.—The following licences for the import of Ball bearings etc. non-banned and non-restricted type were issued to M/s. National Machine Tools, Ghaziabad.

1. P/S/1763602 dt. 12-9-73 for Rs. 24975.

2. P/S/1763603 dt. 12-9-73 for Rs. 24975.

2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/N-17/AN-75/ENF/NBNR/AU/KAN/22583 dated 22/24-2-75 issued to the asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 11-3-1975 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully consider the matter and has come to the conclusion that the said M/s. National Machine Tools, Ghaziabad have not replied to the notice and have not turned up for personal hearing they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub-clause (a) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No DCCI&E/N-17/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आदेश

कांग्रा० 2379—सर्वश्री नेशनल इंजीनियरिंग क० पटेल मार्ग, गाजियाबाद को गैर-नियेष्ट गैर-प्रतिबंधित बाल व्येरिंग आवि के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस स्वीकृत किए गए थे :—

1. पी/ए०/1758859 दिनांक 5-9-72 18720 रुपए के लिए
2. पी/ए०/1758860 दिनांक 5-9-72 18720 रुपए के लिए
3. पी/ए०/1758861 दिनांक 5-9-72 24465 रुपए के लिए
4. पी/ए०/1758862 दिनांक 5-9-72 24465 रुपए के लिए
5. पी/ए०/1758863 दिनांक 5-9-72 14445 रुपए के लिए
6. पी/ए०/1758864 दिनांक 5-9-72 14445 रुपए के लिए
7. पी/ए०/1761028 दिनांक 1-3-73 7111 रुपए के लिए
8. पी/ए०/1761029 दिनांक 1-3-73 7111 रुपए के लिए
9. पी/ए०/1761030 दिनांक 1-3-73 35990 रुपए के लिए
10. पी/ए०/1761031 दिनांक 1-3-73 17995 रुपए के लिए
11. पी/ए०/1761032 दिनांक 1-3-73 17995 रुपए के लिए

2. नत्यपचात् उन्हें एक नायण बताओ सूचना संख्या : जी सी गी आई ए० ई/ए०-१८/ए० एम-७५/इन्फ/ए० थी ए० आर/ए० य०/कान/11248 दिनांक 27-1-75 वह पृष्ठे द्वाप्रे जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पावरी से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताएं वि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेंसों को बनो न रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हें इन आधार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे। उन्हें उनके मामले में घ्यवितरण सुनवाई के लिए दिनांक 10-2-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित अवधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिए नियन्त्रित व्यवधान सुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले की भली-भांति जाव कर दी है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि चूंकि भवश्री नेशनल इंजीनियरिंग क० पटेल मार्ग गाजियाबाद के पास इस मामले में अपने बधाव के लिए कुछ नहीं है, इसलिए उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति श्रीहै उत्तर नहीं दिया है और व्यवधान सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुए है।

5. छार यी कंडक्टाओं में जा युक्त बताया गया है, उसे छान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी द्वारा है ति विधाधीन लाइसेंस रद्द अथवा अप्रभावित तिए जाने चाहिए। इसलिए, अधोहस्ताक्षरी यथा संघोधित आयात (नियंत्रण) प्रांत, 1955 दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा (ए) के अन्तर्गत प्रदान अधिकारों का प्रयोग कर इसके हारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[सं० डीसीसीआई ए० ई/ए०-१८/ए० एम-७५/इन्फ/पन्थीपत्रार/एय०/कान]

ORDER

S.O. 2379.—The following licences for the import of Ball bearings etc. non banded and non restricted type were issued to M/s. National Engineering Co., Patel Marg, Ghaziabad.

1. P/S/1758859 dated 5-9-72 for Rs. 18720.
2. P/S/1758860 dated 5-9-72 for Rs. 18720.
3. P/S/1758861 dated 5-9-72 for Rs. 24465.
4. P/S/1758862 dated 5-9-72 for Rs. 24465.
5. P/S/1758863 dated 5-9-72 for Rs. 14445.
6. P/S/1758864 dated 5-9-72 for Rs. 14445.
7. P/S/1761028 dated 1-3-73 for Rs. 7111.
8. P/S/1761029 dated 1-3-73 for Rs. 7111.
9. P/S/1761030 dated 1-3-73 for Rs. 35990.
10. P/S/1761031 dated 1-3-73 for Rs. 17995.
11. P/S/1761032 dated 1-3-73 for Rs. 17995.

2. Thereafter Show Cause Notice No. DCCI&E/N-18/Au-75/ENF/NBNR/AU/KAN/11248 dated 27-1-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 10-2-75 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. National Engineering Co., Patel Marg, Ghaziabad, have not replied to the notice and have not turned up for personal hearing they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub-clause (a) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/N-18/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आदेश

कांग्रा० 2380—सर्वश्री ओंकार इंजीनियरिंग कम्पनी, मुकाद नगर गाजियाबाद को गैर-नियेष्ट गैर-प्रतिबंधित बाल व्येरिंग आवि के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस स्वीकृत किए गए थे :—

1. पी/ए०/1759687 दिनांक 10-11-72 14450 रुपए के लिए
2. पी/ए०/1759688 दिनांक 10-11-72 14450 रुपए के लिए
3. पी/ए०/1759689 दिनांक 10-11-72 16805 रुपए के लिए
4. पी/ए०/1759690 दिनांक 10-11-72 16805 रुपए के लिए

2. नत्यपचात् उन्हें एक कारण बताओ सूचना संख्या : जी सी गी आई ए० ई/ओ-५/ए० एम-७५/इन्फ/ए० थी ए० आर/ए० य०/कान/16988 दिनांक 10-2-75 वह पृष्ठे हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पावरी से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताएं वि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेंसों को अपने न रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हें इन आधार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे। उन्हें उनके मामले में घ्यवितरण सुनवाई के लिए दिनांक 25-2-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ गूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित अवधि समाप्त हो गई है।

इस प्रयोजन के लिए नियत तिथि को व्यक्तिगत सुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4 अधोहस्ताक्षरी ने मामले की भली-भांति जांच कर नी है और इस परिणाम पर पूछा है कि कौन्कि मर्यादी श्रोकार इंजीनियरिंग कम्पनी एकनंद नगर गाँजियाबाद के पास इस मामले में अपने बचाव के लिए कुछ नहीं है, इसलिए उन्होंने उक्त कारण बताओ यूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुए है।

5 ऊपर की कठिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी मंतुष्ट है कि विधायाधीन लाइसेंस रद्द अथवा अवाभिन्न किए जाने चाहिए। इसलिए, अधोहस्ताक्षरी यथा मंतोषित आयात (नियन्त्रण) आदेश, 1955, विनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा (ए) के अन्तर्गत प्रवत्त प्रधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[मं. डी मी सी आई एड ई/प्रो-३/ए प्रम-२५/एन्फ/एस वी एन आर/ए गु/कान]

ORDER

S.O. 2380.—The following licences for the import of Ball bearings etc, non banned and non restricted type were issued to M/s. Onkar Engineering Co., Mukand Nagar, Ghaziabad.

1. P/S/1759687 dated 10-11-72 for Rs. 14450.
2. P/S/1759688 dated 10-11-72 for Rs. 14450.
3. P/S/1759689 dated 10-11-1972 for Rs. 16805.
4. P/S/1759690 dated 10-11-72 for Rs. 16805.

2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/0-5/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/16988 dated 10-2-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 5-2-1975 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Onkar Engineering Co., Mukand Nagar, Ghaziabad, have not replied to the notice and have not turned up for personal hearing they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the proceeding paragraph the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub clause (A) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/0-5/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

प्रावेश

का०आ० २३८१.—मर्यादी पायनीर कैमिकल कारपोरेशन, कानपुर को गैर निषेध पैर प्रतिष्ठाधिम रसायनों आदि के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस स्वीकृत किए गए थे :—

1. वी/एम/1762178 दिनांक 31-3-73 37500 रुपए के लिए
2. वी/एम/1762179 दिनांक 31-3-73 18750 रुपए के लिए
3. वी/एम/1762180 दिनांक 31-3-73 19750 रुपए के लिए

2 सत्यशास्त्र उन्हे एक कारण बताओ ये सुनवा सक्ता : डी मी सी आई एड ई/३, एस-२५/एन्फ/एस वी एन आर/ए गु/कान/1776 मौर 12652 विनांक 20-12-74 मौर 31-1-75 यह उन्होंने तर जानी की गई थी कि कारण बताओ यूचन, की पासकी में लेकर 15 विनों के भीतर कारण बताएँ कि उनके नाम में जारी फिले गये उक्त लाइसेंस को बतो त रद्द कर दिया जाना चाहिये और उन्हे इस आग्रह पर कि वे भूत में जारी कर दिया गये थे। उन्हे उनके मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिए विनांक 4-1-75/16-2-75 का दिन भी स्थीरत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ सुनवा के प्रति श्रमी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उसरे देते के लिए निर्धारित अवधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिए नियत तिथि को व्यक्तिगत सुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले की भली-भांति जांच कर ली है और इस परिणाम पर पूछा है कि कौन्कि रावेशी पायनीर कैमिकल कारपोरेशन कानपुर के पास इस मामले में अपने बचाव के लिए कुछ नहीं है, इसलिए उन्होंने उक्त कारण बताओ यूचन के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुए है।

5. ऊपर की कठिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी मंतुष्ट है कि विधायाधीन लाइसेंस रद्द अथवा अवाभिन्न किए जाने चाहिए। इसलिए, अधोहस्ताक्षरी यथा मंतोषित आयात (नियन्त्रण) आदेश, 1955, विनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा (ए) के अन्तर्गत प्रदल प्रधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[मं. डी मी सी आई एड ई/पी-१/एम ७३/एन्फ/एस वी एन आर/ए गु/कान]

ORDER

S.O. 2381.—The following licences for the import of Chemicals non banned non restricted type were issued to M/s. Pioneer Chemical Corporation, Kanpur,

1. P/S/1762178 dated 31-3-73 for Rs. 37500.
2. P/S/1762179 dated 31-3-73 for Rs. 18750.
3. P/S/1762180 dated 31-3-73 for Rs. 18750.

2. Thereafter a show cause notices No. DCCI&E/P-1/AM-75/NEF/NBNR/AU/KAN/1776 and 12652 dated 20-12-1974 and 31-1-1975 respectively were issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 4-1-75/16-2-75 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Pioneer Chemical Corporation Kanpur have not replied to the notice and have not turned up for personal hearing they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub clause (A) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/P-1/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

प्रावेश

का० प्रा० 2382.—सर्वश्री पी० एल० इन्डस्ट्रीज मेरठ सिटी, को गैर-निषेध और प्रतिबंधित रसायनों आदि के आयत के लिए निम्नलिखित लाइसेंस स्वीकृत किए गए थे :—

1. पी०/एस०/1758695 दिनांक 18-8-72 6250 रुपए के लिए
2. पी०/एस०/1758696 दिनांक 18-8-72 6250 रुपए के लिए
3. पी०/एस०/1758697 दिनांक 18-8-72 20,000 रुपए के लिए
4. पी०/एस०/1758698 दिनांक 18-8-72 20,000 रुपए के लिए
5. पी०/एस०/1759408 दिनांक 11-10-72 20,000 रुपए के लिए
6. पी०/एस०/1759409 दिनांक 11-10-72 20,000 रुपए के लिए
7. पी०/एस०/1760660 दिनांक 2-2-73 46190 रुपए के लिए
8. पी०/एस०/1760661 दिनांक 2-2-73 23095 रुपए के लिए
9. पी०/एस०/1760662 दिनांक 2-2-73 23095 रुपए के लिए

2. तथ्यवाचत उन्हें एक कारण बतायी गूचना संभव, जो सी सी आई एड ई/पी०-2/ए०/एस०-75/इन्फ०/एन० एन आर/एय०/कान०/1773 दिनांक 20-12-74 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बतायी गूचना की पावती से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताए कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हें इस प्राधार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे। उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिए दिनांक 4-1-75 को दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बतायी गूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित अवधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिए नियत तिथि को व्यक्तिगत सुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले की भली भाति जांच कर ली है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि चूंकि सर्वेश्वी पी०/एल० इन्डस्ट्रीज मेरठ सिटी के पास इस मामले में अपने बचाव के लिए कुछ नहीं है, इसलिए उन्होंने उक्त कारण बतायी गूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुआ है।

5. ऊपर की कड़िकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द अवधि प्रभावित किए जाने चाहिए। इसीलिए अधोहस्ताक्षरी यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) प्रादेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा (एक) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[मं०. जी सी सी आई एन्ड ई/पी०-2/ए०/एस०-75/इन्फ०/एन वी एन प्रार/एय०/कान०]

ORDER

S.O. 2382.—The following licences for the import of Chemicals non banned non restricted type were issued to M/s. P. L. Industries Meerut City.

1. P/S/1758695 dated 18-8-72 for Rs. 6250.
2. P/S/1758696 dated 18-8-72 for Rs. 6250.
3. P/S/1758697 dated 18-8-72 for Rs. 20,000.
4. P/S/1758698 dated 18-8-72 for Rs. 20,000.
5. P/S/1759408 dated 11-10-72 for Rs. 20,000.
6. P/S/1759409 dated 11-10-72 for Rs. 20,000.
7. P/S/1760660 dated 2-2-73 for Rs. 46190.

8. P/S/1760661 dated 2-2-73 for Rs. 23095.

9. P/S/1760662 dated 2-2-73 for Rs. 23095.

2. Thereafter a show cause notice No. DCCI&E/P-2/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/1773 dated 20-12-1974 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 4-1-1975 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. P. L. Industries, Meerut City, have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub-clause (A) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/P-2/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

प्रावेश

का० प्रा० 2383.—सर्वेश्वी प्रकाश इन्डस्ट्रीज, पटेल मार्ट, गाजियाबाद को गैर-निषेध गैर-प्रतिबंधित बाल बेयरिंग आदि के आयत के लिए निम्नलिखित लाइसेंस स्वीकृत किए गए थे :—

1. पी०/एस०/1761059 दिनांक 2-3-73 5625 रुपये के लिए
2. पी०/एस०/1761060 दिनांक 2-3-73 5625 रुपये के लिए
3. पी०/एस०/1761061 दिनांक 2-3-73 7485 रुपये के लिए
4. पी०/एस०/1761062 दिनांक 2-3-73 7485 रुपये के लिए
5. पी०/एस०/1761063 दिनांक 2-3-73 13075 रुपये के लिए
6. पी०/एस०/1761064 दिनांक 2-3-73 13075 रुपये के लिए
7. पी०/एस०/1761065 दिनांक 2-3-73 18595 रुपये के लिए
8. पी०/एस०/1761066 दिनांक 2-3-73 18596 रुपये के लिए

2. तथ्यवाचत उन्हें एक कारण बतायी गूचना संभव : जी०/मी० सी० आई०ए०/जी०पी०-८/ए०/एस०-75/इन्फ०/एन०जी०ए०/प्रार०/एय०/कान०/1980-6-ए दिनांक 20-2-75 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बतायी गूचना की पावती से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताए कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हें इस प्राधार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे। उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिए दिनांक . . . को दिन भी स्वीकृत गिया गया था।

3. उक्त कारण बतायी गूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित अवधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिए नियत तिथि को व्यक्तिगत सुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले की भली-भांति जांच कर ली है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि चूंकि सर्वेश्वी प्रकाश इन्डस्ट्रीज, पटेल मार्ट, गाजियाबाद के पास इस मामले में अपने बचाव के लिए कुछ नहीं है,

इसलिए उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत मुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुए हैं।

5. ऊपर की कंडिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द अथवा अप्रभावित किए जाने चाहिए। इसलिए, अधोहस्ताक्षरी यथा सशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपचारा (ए) के अन्तर्गत प्रवत्त अधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[सं०: डीसीसीआईएंडई/पी-८/एम-७५/इन्स्प्रेक्टरीएनप्रार/एप्यू/कान]

ORDER

S.O. 2383.—The following licences for the import of Ball bearings etc. non-banned and non restricted type were issued to M/s. Prakash Industries, Patel Marg, Ghaziabad.

1. P/S/1761059 dt. 2-3-73 for Rs. 5625.
2. P/S/1761060 dt. 2-3-73 for Rs. 5625.
3. P/S/1761061 dt. 2-3-73 for Rs. 7485.
4. P/S/1761062 dt. 2-3-73 for Rs. 7485.
5. P/S/1761063 dt. 2-3-73 for Rs. 13075.
6. P/S/1761064 dt. 2-3-73 for Rs. 13075.
7. P/S/1761065 dt. 2-3-73 for Rs. 18595.
8. P/S/1761066 dt. 2-3-73 for Rs. 18595.

2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/P-8/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/19806-A dated 20-2-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 7-3-75 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Prakash Industries, Patel Marg, Ghaziabad have not replied to the notice and have not turned up for personal hearing they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub clause (A) of the Imports (Control) Order, 1955, as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E P-8/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आवेदा

का० आ० 2384.—मर्वंशी पाल इन्डस्ट्रीज, मुकन्द नगर, गाजियाबाद को गैर-नियेष्ठ गैर-प्रतिवर्धित आवेदन बेरिंग आवि के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस न्योन्हृत किए गए थे :—

1. पी/एस/1759596 विनांक 2-11-72 24379 रुपए के लिए
2. पी/एस/1761059 विनांक 30-3-73 23758 रुपए के लिए
3. पी/एस/1759597 विनांक 2-11-73 24379 रुपए के लिए

4. पी/एस/1761091 विनांक 30-3-73 23758 रुपए के लिए
5. पी/एस/1761093 विनांक 30-3-73 30101 रुपए के लिए
6. पी/एस/1761094 विनांक 30-3-73 30101 रुपए के लिए
7. पी/एस/1761092 विनांक 30-3-73 60203 रुपए के लिए

2. तत्पश्चात् उन्हें एक कारण बताओ सूचना संबंधी डीसीसीआईएंडई/पी-९/एम-७५/इन्स्प्रेक्टरीएनप्रार/एप्यू/कान/22581 विनांक 22/24-2-75 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पावती से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताओ कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हें इस आधार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे। उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत मुनवाई के लिए विनांक 11-3-75 का विन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित अवधि भमाल हो गई है। इस प्रयोजन के लिए नियन्त्रिति को व्यक्तिगत मुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले की भली-भांति जांच कर ली है और इस परियाम पर पढ़ूचा है कि चूंकि गर्वथो पान इन्डस्ट्रीज, गाजियाबाद के पाम इस मामले में अपने बचाव के लिए कुछ नहीं है, इसलिए उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और अनियंत्रित सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुआ है।

5. ऊपर की कंडिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द अथवा अप्रभावित किए जाने चाहिए। इसलिए, अधोहस्ताक्षरी यथा सशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपचारा (ए) के अन्तर्गत प्रवत्त अधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[सं०: डीसीसीआईएंडई/पी-९/एम-७५/इन्स्प्रेक्टरीएनप्रार/एप्यू/कान]

ORDER

S.O. 2384.—The following licences for the import of Ball bearings etc. non-banned and non restricted type were issued to M/s. Pal Industries, Mukund Nagar, Ghaziabad.

1. P/S/1759596 dt. 2-11-72 for Rs. 24379.
2. P/S/1759597 dt. 2-11-72 for Rs. 24379.
3. P/S/1761989 dt. 30-3-73 for Rs. 23758.
4. P/S/1761991 dt. 30-3-73 for Rs. 23758.
5. P/S/1761993 dt. 30-3-73 for Rs. 30101.
6. P/S/1761994 dt. 30-3-73 for Rs. 30101.
7. P/S/1761992 dt. 30-3-73 for Rs. 60203.

2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/P-9/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/22581 dated 22/24-2-1975 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 11-3-1975 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Pal Industries, Ghaziabad have not replied to the notice and have not turned up for personal hearing they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub clause 'A' of the Imports (Control) Order, 1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No DCCI&E/P-9/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आदेश

का० आ० 2385.—सर्वश्री पी० एस० मेटल बर्स, मेरठ सीटी को गैर-नियंत्रित गैर-प्रतिबंधित बाल बेरिंग भावि के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस स्वीकृत किए गए थे :—

1. पी/एस/1759711 दिनांक 17-11-72 5000 रुपए के लिए
2. पी/एस/1759712 दिनांक 17-11-72 5000 रुपए के लिए

2. तत्पश्चात् उन्हें एक कारण बताओ सूचना संक्षा : डीसीसीआईडी/पी-12/एएम-75/इन्क/एमबीएनआर/एस०/कान/22587 दिनांक 22/24-2-75 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पावती से लेकर 15 विनों के भीतर कारण बताएं कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हें इस आधार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे। उन्हें उनके मामले में अविकागत सुनवाई के लिए दिनांक 11-3-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ सूचना डाक प्राधिकारियों द्वारा विदा वितरित किए ही “फर्म बत्तम कर दी गई” की अभियुक्ति के माध्यम से कर दी गई है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले की भली भावि जाच करली है और इस परिणाम पर पढ़ता है कि चूंकि सर्वश्री पी० एस० मेटल बर्स, मेरठ सीटी के पास इस मामले में अपने बचाव के लिए कुछ नहीं है, इसलिए उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और अविकागत सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुए है।

5. ऊपर की कठिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे व्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द प्रबन्ध अप्रभावित किए जाने चाहिए। इसलिए, अधोहस्ताक्षरी यथा समोहित आयात (नियंत्रण) भादेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा (ए) के अन्वयत प्रदत्त प्रधिकारों पर प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[स० डीसीसीआईडी/पी-12/एएम-75/इन्क/एमबीएनआर/एस०/कान]

ORDER

S.O. 2385.—The following licences for the import of Ball bearings etc. non-banned and non restricted type were issued to M/s. P. S. Metal Works, Meerut City.

1. P/S/1759711 dt. 17-11-72 for Rs. 5000.
2. P/S/1759712 dt. 17-11-72 for Rs. 5000.

2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/P-12/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/22587 dated 22/24-2-1975 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 11-3-1975 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. P. S. Metal Works, Meerut City, have not replied to the notice and have not turned up for personal hearing they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub clause (A) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/P-12/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आदेश

का० आ० 2386.—सर्वश्री प्रबीन इन्जीनियरिंग क० गाजियाबाद को गैर-नियंत्रित गैर-प्रतिबंधित बाल बेरिंग भावि के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस स्वीकृत किए गए थे :—

1. पी/एस/1760205 दिनांक 29-12-72 17725 रुपए के लिए
2. पी/एस/1760206 दिनांक 29-12-72 17725 रुपए के लिए
3. पी/एस/1760207 दिनांक 29-12-72 17930 रुपए के लिए
4. पी/एस/1760208 दिनांक 29-12-72 17930 रुपए के लिए

2. तत्पश्चात् उन्हें एक कारण बताओ सूचना संक्षा : डीसीसीआईडी/पी-14/एएम-75/इन्क/एन बीएन आर/एस०/कान/22568 दिनांक 22/24-2-75 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पावती से लेकर 15 विनों के भीतर कारण बताएं कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हें इस आधार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे। उन्हें उनके मामले में अविकागत सुनवाई के लिए दिनांक 10-3-75 का विन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति प्रभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित प्रबन्ध समाप्त हो गई है। इस प्रमोजन के लिए निवान तिविक को अविकागत सुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले की भली भावि जाच करली है और इस परिणाम पर पढ़ता है कि चूंकि सर्वश्री प्रबीन इन्जीनियरिंग क० गाजियाबाद, के पास इस मामले में अपने बचाव के लिए कुछ नहीं है, इसलिए उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और अविकागत सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुए हैं।

5. ऊपर की कठिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे व्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द प्रबन्ध अप्रभावित किए जाने चाहिए। इसलिए, अधोहस्ताक्षरी यथा समोहित आयात

(नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा(ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[सं० श्रीमि सी श्री आर्ड्वाईड ई/पी-14 एएम-75/इन्फ/एन बी एम आर/एयू/कान]

ORDER

S.O. 2386.—The following licences for the import of Ball bearings etc. non-banned and non-restricted type were issued to M/s. Praeen Engg. Co., Ghaziabad.

1. P/S/1760205 dated 29-12-1972 for Rs. 17725.
2. P/S/1760206 dated 29-12-1972 for Rs. 17725.
3. P/S/1760207 dated 29-12-1972 for Rs. 17930.
4. P/S/1760208 dated 29-12-1972 for Rs. 17930.

2. Thereafter a show cause Notice No. DCCI&E/P14/AM-75 ENR/NBNR/REP/KAN/22588 dated 22/24-2-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 11-3-1975 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Praeen Engg. Co., Ghaziabad, have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub clause (A) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/P-14/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

प्रावेश

का० आ० 2387.—सर्वथी पुरी इन्डस्ट्रीज, आगपत गेट मेरठ सीटी को गैर-नियंत्रण गैर-प्रतिबन्ध बाल द्वेरार्थ आर्डि के आधार के लिए निम्न-विवित लाइसेंस स्वीकृत किए गए थे—

1. पी/एस-1763271 दिनांक 9-8-73 40,000 रुपए के लिए
2. पी/एस-1763272 दिनांक 9-8-73 20,000 रुपए के लिए
3. पी/एस-1763273 दिनांक 9-8-73 20,000 रुपए के लिए

2. तत्पश्चात् उन्हें एक कारण बताया सूचना संख्या : श्री सी सीआर्ड्वाईड ई/पी-17 / एएम-75/इन्फ/एनबीए आर/एयू/कान/22509 दिनांक 22/24-2-75 यह दूषने द्वारा जारी की गई थी कि कारण बताया सूचना की पात्रता से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनके नाम से जारी किए गए उक्त लाइसेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना आहिए और उन्हें इस आधार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे। उम्हें उसके मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिए दिनांक 11-3-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताया सूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित अवधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिए नियत तिथि को व्यक्तिगत सुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं कुप्राहो है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले की भली-भांति जान करकी है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि जूकि सर्वथी पुरी इन्डस्ट्रीज मेरठ सीटी के

पास इस मामले में अपने बचाव के लिए यिए कुछ नहीं है, इसलिए उन्होंने उक्त कारण बतायो सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुए हैं।

5. ऊपर की काविकाप्री में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी समुद्दिष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द अथवा अप्रभावित किए जाने चाहिए। इसलिए, अधोहस्ताक्षरी यथा संशोधित आधार (नियंत्रण) आदेश 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा(ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[सं० श्रीमि सी श्री आर्ड्वाईड ई/पी-17/एएम-75/इन्फ/एन बी ए आर/एयू/कान]

ORDER

S.O. 2387.—The following licences for the import of Ball Bearings etc. non-banned and non-restricted type were issued to M/s. Puri Industries, Bhagpat Gate, Meerut City.

1. P/S/1763271 dated 9-8-1973 for Rs. 40,000.
2. P/S/1763272 dated 9-8-1973 for Rs. 20,000.
3. P/S/1763273 dated 9-8-1973 for Rs. 20,000.

2. Thereafter a show cause Notice No. DCCI&E/P-17/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/22509 dated 22/24-2-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 11-3-75 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Puri Industries, Meerut City, have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub clause (A) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/P-17/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

प्रावेश

का० आ० 2388.—सर्वथी कमल एंग्री इन्डस्ट्रीज प्रेसपुरी रेलवे रोड, मेरठ को गैर-नियंत्रण गैर-प्रतिबन्ध बाल द्वेरार्थ आर्डि के आधार के लिए निम्न-विवित लाइसेंस स्वीकृत किए गए थे—

1. पी/एम/1758699 दिनांक 18-8-72 23,250 रुपए के लिए
2. पी/एस/1758700 दिनांक 18-8-72 23,250 रुपए के लिए
3. पी/एम/1758701 नाम 18-8-72 23,250 रुपए के लिए
4. पी/एम/1758702 नाम 18-8-72 23,250 रुपए के लिए
5. पी/एस/1759438 नाम 12-10-72 31,100 रुपए के लिए
6. पी/एम/1759439 दिनांक 12-10-72 15,500 रुपए के लिए
7. पी/एस/1759440 दिनांक 12-10-72 15,500 रुपए के लिए
8. पी/एम/1760285 दिनांक 5-1-73 46,475 रुपए के लिए
9. पी/एस/1760286 दिनांक 5-1-73 23,237 रुपए के लिए
10. पी/एस/1760287 दिनांक 5-1-73 23,237 रुपए के लिए

2. तत्पश्चात् उम्हे एक कारण बताओ सूचना संख्या: डीसीसी आई एंड ई/के-15/एम-75/इन्फ/एन द्वारा/एय/कान/5337 दिनांक 15-1-75 यह पूछते हुए जारी की गई कि कारण बताओ सूचना की पावती से 15 दिनों के भीतर कारण बताए कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए और उम्हे इस प्राधार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे। उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिए दिनांक 30-1-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित अवधि ममात्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिए अन्यथा तिथि को व्यक्तिगत सुनवाई के लिए काई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले का भी भली-भांति जाच करली है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि कूकि सर्वेशी कमल पांगो इन्डस्ट्रीज प्रेम पुरी रेलवे रोड, भेरठ के पास इस मामले में अपने बचाव के लिए कुछ नहीं है, इसलिए उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुए है।

5. उपर की कंडिक्यों में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेस रद्द प्रबन्ध अप्रभावित किए जाने चाहिए। इसलिए, अधोहस्ताक्षरी यथा संशोधित आया (नियन्त्रण) आदेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा (ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेसों को रद्द करता है।

[मूँ। डी सी सी आई एंड ई/के-15/एम-75/इन्फ/एन द्वारा/एय/कान]

ORDER

S.O. 2388.—The following licences for the import of Ball bearings etc. non banned and non restricted type were issued to M/s. Kamal Agro Industries, Prempuri, Railway Road, Meerut.

1. P/S/1758699 dated 18-8-1972 for Rs. 23,250.
2. P/S/1758700 dated 18-8-1972 for Rs. 23,250.
3. P/S/1758701 dated 18-8-1972 for Rs. 23,250.
4. P/S/1758702 dated 18-8-1972 for Rs. 23,250.
5. P/S/1759438 dated 12-10-1972 for Rs. 31,100.
6. P/S/1759439 dated 12-10-1972 for Rs. 15,500.
7. P/S/1759440 dated 12-10-1972 for Rs. 15,500.
8. P/S/1760285 dated 5-1-1973 for Rs. 46,475.
9. P/S/1760286 dated 5-1-1973 for Rs. 23,237.
10. P/S/1760287 dated 5-1-1973 for Rs. 23,237.

2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/K-15/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/5337 dated 15-1-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 30-1-75 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Kamal Agro Industries, Prempuri, Railway Road, Meerut have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in

question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub clause (a) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/K-15/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

राष्ट्रेश

कांगड़ा 2389.—सर्वेशी कृषि उद्योग केन्द्र, जनसंघ रोड, खतोली जिला मुजफ्फर नगर को गैर-निषेध गैर-प्रतिबन्धित बाल बैयरिंग आदि के आयात के लिये निम्नलिखित लाइसेस स्वीकृत किये गये थे:—

1. पी/एस/1761405 दिनांक 24-3-73 12,187 रुपए के लिये
2. पी/एस/1761406 दिनांक 24-3-73 12,187 रुपए के लिये
3. पी/एस/1761407 दिनांक 24-3-73 12,187 रुपए के लिये
4. पी/एस/1761408 दिनांक 24-3-73 12,187 रुपए के लिये
5. पी/एस/1763339 दिनांक 17-8-73 12,107 रुपए के लिये
6. पी/एस/1763340 दिनांक 17-8-73 12,107 रुपए के लिये
7. पी/एस/1764067 दिनांक 2-11-73 12,187 रुपए के लिये
8. पी/एस/1764068 दिनांक 2-11-73 12,187 रुपए के लिये

2. तस्पष्टतात् उम्हे एक कारण बताओ सूचना संख्या डीसीसीआईएण्ड ई/के-19-8/एम-75/इन्फ/एन द्वारा/एय/कान/5329 दिनांक 15-1-75 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पावती से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताए कि उनके नाम में जारी किये गये उक्त लाइसेसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हें इस प्राधार पर कि वे भूल से जारी कर दिये गये थे। उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिये दिनांक 30-1-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिये निर्धारित अवधि ममात्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिये तिथि तिथि को व्यक्तिगत सुनवाई के लिये कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले की भलि-भांति जाच करली है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि कूकि सर्वेशी कृषि उद्योग केन्द्र जनसंघ रोड खतोली जिला मुजफ्फर नगर के पास इस मामले में अपने बचाव के लिये कुछ नहीं है, इसलिए उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत सुनवाई के लिये उपस्थित नहीं हुआ है।

5. उपर की कंडिक्यों में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेस रद्द प्रबन्ध अप्रभावित किये जाने चाहिए। इसलिए, अधोहस्ताक्षरी यथा संशोधित आयात (नियन्त्रण) आदेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा (ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेसों को रद्द करता है।

[मूँ। डी सी सी आई एंड ई/के-19-8/एम-75/इन्फ/एन द्वारा/एय/कान]

ORDER

S.O. 2389.—The following licences for the import of Ball bearings etc. non banned and non restricted type were issued to M/s. Kiishi Udyog Kendra, Jansath Road, Khatauli, Distt. Muzaffar Nagar.

1. P/S/1761405 dated 24-3-1973 for Rs. 12,187.
2. P/S/1761406 dated 24-3-1973 for Rs. 12,187.

3. P/S/1761407 dated 24-3-73 for Rs. 12187/-
4. P/S/1761408 dated 24-3-73 for Rs. 12187/-
5. P/S/1763339 dated 17-8-73 for Rs. 12107/-
6. P/S/1763340 dated 17-8-73 for Rs. 12107/-
7. P/S/1764067 dated 2-11-73 for Rs. 12187/-
8. P/S/1764068 dated 2-11-73 for Rs. 12187/-

2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/K-19 8/AM-75 ENF/NBNR/AU/KAN/5329 dated 15-1-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued in inadvertently. They were also given 30-1-75 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter & has come to the conclusion that the said M/s. Krishi Udyog Kendia, Jansath Road, Khatauli, Distt. Muzaffar Nagar have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub clause (a) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/K-19 & 8/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आदेश

का०प्रा० 2390.—सर्वश्री पालमन एथीकललचर हन्डस्टीज (इंडिया) गुरीना रोड बडौत थी गैर-नियंत्रित गैर-प्रतिक्रियित वापर बेवरिंग आदि के आवात के लिये निम्नलिखित लाइसेंस स्थीकृत किये गये थे :—

1. पी/एस/1759273 दिनांक 28-9-72 45527 रुपए के लिये
2. पी/एस/1759274 दिनांक 28-9-72 22763 रुपए के लिये
3. पी/एस/1759275 दिनांक 28-9-72 22763 रुपए के लिये
4. पी/एस/1759579 दिनांक 2-11-72 45324 रुपए के लिये
5. पी/एस/1759580 दिनांक 2-11-72 32662 रुपए के लिये
6. पी/एस/1759581 दिनांक 2-11-72 22662 रुपए के लिये
7. पी/एस/1760308 दिनांक 2-1-73 97102 रुपए के लिये
8. पी/एस/1760309 दिनांक 2-1-73 48551 रुपए के लिये
9. पी/एस/1760310 दिनांक 2-1-73 48551 रुपए के लिये
10. पी/एस/1760222 दिनांक 13-4-73 151256 रुपए के लिये
11. पी/एस/1760223 दिनांक 13-4-73 75633 रुपए के लिये
12. पी/एस/1760224 दिनांक 13-4-73 75633 रुपए के लिये

2. तत्पचात् उन्हें एक कारण बताया गूचना मल्हा डी मी सी आई एड ई/पी-211 प. एस-75/इफ्का०एन बी० एन आर/एम०का०/22592 दिनांक 22/4/2-75 यह सूचने हुए जारी की गई थी कि कारण बताया गूचना की पावती से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताए कि उनके ना के में जारी किये गये उक्त लाइसेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिये और उन्हें इन आधार पर कि वे मूल से जारी कर दिये गये थे उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिये दिनांक 13-8-75 के दिन भी स्थीकृत किया गया था। उन्हें उपर्युक्त लाइसेंसों, दस्तावेजों

और उद्योग निदेशक, उत्तर प्रदेश, कानपुर की विशेष सिफारिश को ग्रीष्म निपटाने के लिये भी कहा गया था। वेस्टिंग डाक पंजीकृत समसंघ पत्र दिनांक 13-8-75।

3. उक्त कारण बताया गूचना के प्रति ग्रीष्म तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित अवधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिए नियत तिथि को व्यक्तिगत सुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. उपर्युक्त कारण बताया नोटिस और डाक पंजीकृत पत्र में गये कोई भी लाइसेंस, दस्तावेज और उद्याग निदेशक, उत्तर प्रदेश, कानपुर की विशेष सिफारिशें ग्रीष्म तक प्राप्त नहीं हुई हैं और उत्तर देने के लिये निर्धारित अवधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिये निर्धारित तिथि को व्यक्तिगत सुनवाई के लिये भी कोई उपस्थित नहीं हुआ है।

5. अधीक्षता वारी ने मामले की भलीभांति जारी कर ली है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि चूंकि सर्वश्री पालमन एथीकललचर इन्डस्ट्रीज (शुंडिया) गुरीना रोड बडौत के पास इस मामले में अपने बचाव के लिये कुछ नहीं है, इसलिये उन्होंने उक्त कारण बताया गूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत सुनवाई के लिये उपस्थित नहीं हुए हैं।

6. अपर की कठिकाओं से जी कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए अधीक्षता वारी सत्युष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द अथवा अप्रभावित किये जाने चाहिये। इसलिये अधीक्षता वारी यथा संपादित आदात (नियन्त्रण) मादेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा (ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[सं०: श्री सों श्री माई एड ई/पी-21 प. एस-75/इफ्क/एन बी० एन आर/एम०का०]

ORDER

S.O. 2390.—The following licences for the import of Ball bearings etc. non banned non restricted were issued to M/s. Palson Agriculture Industries (India) Guiana Road, Baraut.

1. P/S/1759273 dated 28-9-1972 for Rs. 45527.
2. P/S/1759274 dated 28-9-1972 for Rs. 22763.
3. P/S/1759275 dated 28-9-1972 for Rs. 22763.
4. P/S/1759579 dated 2-11-1972 for Rs. 45324.
5. P/S/1759580 dated 2-11-1972 for Rs. 22662.
6. P/S/1759581 dated 2-11-1972 for Rs. 22662.
7. P/S/1760308 dated 2-1-1973 for Rs. 97102.
8. P/S/1760309 dated 2-1-1973 for Rs. 48551.
9. P/S/1760310 dated 2-1-1973 for Rs. 48551.
10. P/S/1760222 dated 13-4-1973 for Rs. 151256.
11. P/S/1760223 dated 13-4-1973 for Rs. 75633.
12. P/S/1760224 dated 13-4-1973 for Rs. 75633.

2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/P. 21/AM. 75/NBNR/AU/Kan/22592 dt. 22/24-2-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were given 11-3-1975 for personal hearing of their matter. They were also asked to expedite the above said licences, documents and DI U.P. Kanpur specific recommendation vide regd. letter of even number dated 13-8-75.

3. No licences documents & D.L. UP Kanpur's specific recommendation as called for vide above said notice and regd. letter have been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Palson

Agriculture Industries (India) Gurauna Road, Baraut have not replied to the notice and have no turned up for personal hearings they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub clause (a) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/P.21/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आदेश

कांग्रा० 2391.—सर्वशी एसोसिएटेड कन्सलटेशन्ट हंजीनियरिंग कारपोरेशन गाजियाबाद को गैर-निषेध गैर-प्रतिबन्धित बाल बेरिंग आदि के प्रायात के लिये निम्नलिखित लाइसेंस स्वीकृत किये गये थे :—

1. पी/एस।।1760140 दिनांक 28-12-72 मूल्य 28,125 रुपए
2. पी/एस।।1760141 दिनांक 28-12-72 मूल्य 14,062 रुपए
3. पी/एस।।1760142 28-12-22 दिनांक मूल्य 14,082 रुपए
4. पी/एस।।1764108 दिनांक 3-11-73 मूल्य 18,750 रुपए
5. पी/एस।।1764109 दिनांक 3-11-73 मूल्य 9,375 रुपए
6. पी/एस।।1764110 दिनांक 3-11-73 मूल्य 9,375 रुपए

2. तत्पश्चात् उन्हें एक कारण बताओ सूचना संक्षया : डी सी सी प्राई एड ई-33/ए एम-75/एन भी एक प्रार/एयू/कान/ए-33/5318, दिनांक 15-1-75 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पावरी से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनके नाम में जारी किये गये उक्त लाइसेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिये और उन्हे इस प्राधार पर कि वे भूल से जारी कर दिये गये थे। उन्हे उनके मामले में अधिकार सुनवाई के लिये दिनांक 30-1-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ सूचना और पुनरावृत्त स्मरण पत्रों के प्रति प्रभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिये निर्वाचित अवधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिये नियत तिथि को अधिकार सुनवाई के लिये कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले की भली-भांति जांच करली है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि चूंकि सर्वशी एसोसिएशन टिड कन्सलटेट हंजीनियरिंग कारपोरेशन, गाजियाबाद के पास इस मामले में अपने बचाव के लिये कुछ नहीं है, इसलिये उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और अधिकार सुनवाई के लिये उपस्थित नहीं हुए हैं।

5. ऊपर की कंडिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संकुच्छ है कि विवराधीन लाइसेंस रद्द प्रबन्ध सम्प्रभावित किये जाने चाहिये। इसलिये, अधोहस्ताक्षरी यथा संशोधित प्रायात (नियन्त्रण) आदेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा (ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[स०: डी सी सी प्राई एड ई-3/एम-75/इन्फ/एन भी एन प्रार/एयू/कान]

ORDER

S.O. 2391.—The following licences for the import of Ball bearings etc. non banned and non restricted type were issued to M/s. Associated Consultants Engg. Corp., Ghaziabad.

1. P/S/1760140 dt. 28-12-72 Rs. 28125/-
2. P/S/1760141 dt. 28-12-72 Rs. 14062/-
3. P/S/1760142 dt. 28-12-72 Rs. 14062/-
4. P/S/1764108 dt. 3-11-73 Rs. 18750/-
5. P/S/1764109 dt. 3-11-73 Rs. 9375/-
6. P/S/1764110 dt. 3-11-73 Rs. 9375/-

2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/A-33/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/A.33/5318 dated 15-1-1975 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 30-1-75 for personal hearing of their matter.

3. No proper reply to the above said notice and other repeated reminders has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Associated consultants Engg. Corp., Ghaziabad have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings they have no defence to urge in the matter.

ORDER

5. Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub clause (a) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/A. 33/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आदेश

कांग्रा० 2392.—इन्डस्ट्रियल ऐमिकल इंजिनियरिंग कानपुर को गैर-निषेध-गैर-प्रतिबन्धित रसायनों प्रायि के प्रायात के लिये निम्नलिखित लाइसेंस स्वीकृत किये गये थे :—

1. पी/एस।।1762876, दिनांक 11-7-73 मूल्य 30,000 रुपए
2. पी/एस।।1762877, दिनांक 11-7-73 मूल्य 15,000 रुपए
3. पी/एस।।1762878, दिनांक 11-7-73 मूल्य 15,000 रुपए

2. तत्पश्चात् उन्हें एक कारण बताओ सूचना डी सी सी प्राई एड ई/प्राई-2-1-ए एम-75/इन्फ/एन भी एन प्रार/एयू/कान/3860, दिनांक 3-1-76 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पावरी से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनके नाम में जारी किये गये उक्त लाइसेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिये और उन्हे इस प्राधार पर कि वे भूल से जारी कर दिये गये थे। उन्हे उनके मामले में अधिकार सुनवाई के लिये दिनांक 18-1-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति प्रभी तक काई उत्तर नहीं प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिये निर्वाचित प्रबन्ध समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिये नियत तिथि को अधिकार सुनवाई के लिये कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले की भली-भांति जांच करली है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि चूंकि सर्वशी इन्डस्ट्रियल ऐमिकल इंजिनियरिंग, कानपुर के पास इस मामले में अपने बचाव के लिये कुछ नहीं है, इसलिये उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के

प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत सुनवाई के लिये उपस्थित नहीं हुए हैं।

5. ऊपर की कांडिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए प्रधोहस्ताकरी मंत्रुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस एह अधिकारी प्रभावित किये जाने काहिये। इसलिये, अधोहस्ताकरी यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) प्रावेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की वारा 9 उपचारा (ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[सं०: डी सी सी आई एंड ई/आई-2/ए एम-75/इन्फ/एन बी एन आर/ए यू/कान]

ORDER

S.O. 2392.—The following licences for the import of Chemicals non banned and non restricted type were issued to M/s Industrial Chemical & Metal Industries, 19/53, Patkapur, Ram Narain Bazar, Kanpur.

1. P/S/1762876 dt. 11-7-73 Rs. 30,000/-
2. P/S/1762877 dt. 11-7-73 Rs. 15,000/-
3. P/S/1762878 dt. 11-7-73 Rs. 15,000/-

2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/I-2/A.M. 75/ENF/NBNR/AU/KAN/3860 dated 3-1-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the dt. of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 18-1-75 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s Industrial Chemical and Metal Industries, Ramnarain Bazar, Kanpur have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the preceding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub clause (a) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/I-2/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

प्रावेश

कांडा 2393.—नवंशी इन्डस्ट्रियल कैमिकल एंड मैटल कार्पोरेशन, कानपुर को नीर-निवेद्य-नीर-प्रतिबन्धित रसायन/ताप प्लास्टी-साइर्जिस प्रावित के आयात के लिये निम्नलिखित लाइसेंस स्वीकृत किये गये हैं:—

1. पी/एस/1761442, दिनांक 24-3-73 मूल्य 25,000 रुपये
2. पी/एस/1761443, दिनांक 24-3-73 मूल्य 12,500 रुपये
3. पी/एस/1761444, दिनांक 24-3-73 मूल्य 12,500 रुपये
4. पी/एस/1761445, दिनांक 24-3-73 मूल्य 25,000 रुपये
5. पी/एस/1761446, दिनांक 24-3-73 मूल्य 12,500 रुपये
6. पी/एस/1761447, दिनांक 24-3-73 मूल्य 12,500 रुपये
7. पी/एस/1762039, दिनांक 31-3-73 मूल्य 32,500 रुपये
8. पी/एस/1762040, दिनांक 31-3-73 मूल्य 16,250 रुपये
9. पी/एस/1762041, दिनांक 31-3-73 मूल्य 16,250 रुपये
10. पी/एस/1762042, दिनांक 31-3-73 मूल्य 32,500 रुपये

11. पी/एस/1762043, दिनांक 31-3-73 मूल्य 16,250 रुपये
12. पी/एस/1762044, दिनांक 31-3-73 मूल्य 16,250 रुपये

2. तत्पश्चात् उन्हें एक कारण बताओ सूचना संदेशः डी सी सी आई एंड ई/आई-3/ए एस-75/इन्फ/एन बी एन आर/ए यू/कान/3861 दिनांक 3-1-75 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पात्री से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताए कि उनके माम से जारी किये गये उक्त लाइसेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिये और उन्हें इस प्राधार पर कि वे भूल से जारी कर दिये गये थे। उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिये दिनांक 18-1-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिये निर्धारित प्रबंधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिये नियत तिथि को व्यक्तिगत सुनवाई के लिये कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. प्रधोहस्ताकरी ने मामले की भली-भांति जाच कर ली है और इस परिणाम पर पूछता है कि चूंकि सर्वश्री इन्डस्ट्रियल कैमिकल एंड मैटल कार्पोरेशन, कानपुर के पास इस मामले में अपने बचाव के लिये कुछ नहीं है, इसलिये उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत सुनवाई के लिये उपस्थित माही हुए हैं।

5. ऊपर की कांडिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए प्रधोहस्ताकरी मंत्रुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस एह अधिकारी प्रभावित किये जाने चाहिये। इसलिये, अधोहस्ताकरी यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) प्रावेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की वारा 9 उपचारा (ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[सं०: डी सी सी आई एंड ई/आई-3/ए एम-75/इन्फ/एन बी एन आर/ए यू/कान]

ORDER

S.O. 2393.—The following licences for the import of Chemicals & Plasticizers non banned non restricted type were issued to M/s. Industrial Chemicals & Metal Corporation, 198-B, Coop. Industrial Estate, Udyog Nagar, Kanpur :

1. P/S/1761442 dated 23-3-1973 for Rs. 25,000.
2. P/S/1761443 dated 24-3-1973 for Rs. 12,500.
3. P/S/1761444 dated 24-3-1973 for Rs. 12,500.
4. P/S/1761445 dated 24-3-1973 for Rs. 25,000.
5. P/S/1761446 dated 24-3-1973 for Rs. 12,500.
6. P/S/1761447 dated 24-3-1973 for Rs. 12,500.
7. P/S/1762039 dated 31-3-1973 for Rs. 32,500.
8. P/S/176240 dated 31-3-1973 for Rs. 16,250.
9. P/S/1762041 dated 31-3-1973 for Rs. 16,250.
10. P/S/1762042 dated 31-3-1973 for Rs. 23,500.
11. P/S/1762043 dated 31-3-1973 for Rs. 16,250.
12. P/S/1762044 dated 31-3-1973 for Rs. 16,250.

2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/I-3/A.M. 75/ENF/NBNR/AU/KAN/3861 dated 3-1-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the dt. of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 18-1-75 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Industrial Chemical and Metal Corporation, Udyog Nagar, Kanpur have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub clause (a) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/1-3/AM-75/FNF/NBNR/AU/KAN]

प्रावेश

का० प्रा० 2394.—सर्वेश्री इन्डस्ट्रियल कैमिकल एड मैटल हन्डस्ट्रीज़, कानपुर को गैर-नियंत्रित रक्षायनो आदि के आयात के लिये निम्नलिखित लाइसेंस स्वीकृत किये गये थे :—

1. पी/एस/2659858, दिनांक 7-8-73, मूल्य 2,31,503 रुपये

2. उत्पादात् उन्हें एक कारण बताओ सूचना संख्या : डी सी सी आई एंड ई/आई-131ए एस-75/इन्फ/एन बी एन आर/ए यू/कान/2497 दिनांक 26/28-12-74 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पावती से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताए कि उनके नाम में जारी किये गये उक्त लाइसेंसों को ब्यां न रद्द कर दिया जाना चाहिये और उन्हें इस आधार पर कि वे भूल से जारी कर दिये गये थे। उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिये दिनांक 9-1-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिये निर्धारित अवधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिये नियत तिथि को व्यक्तिगत सुनवाई के लिये कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधिकारी ने मामले की भली-भांति जाच कर ली है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि चूंकि सर्वेश्री इन्डस्ट्रियल कैमिकल एड मैटल हन्डस्ट्रीज़, कानपुर के पास इस मामले में अपने बचाव के लिये कुछ नहीं है, इसलिये उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत सुनवाई के लिये उपस्थित नहीं हुए हैं।

5. ऊपर की कठिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए अधिकारी सत्युष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द अधिकारी अप्रभावित किये जाने चाहिये। इसलिये अधिकारी यथा संशोधित आयात (नियन्त्रण) आदेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की आरा 9 उपधारा (ए) के अन्तर्गत प्रबत्त अधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[सं० : डी सी सी आई एंड ई/आई-13/ए एस-75/इन्फ/एन बी एन आर/ए यू/कान]

ORDER

S.O. 2394.—The following licences for the import of Chemicals non banned non restricted type were issued to M/s. Industrial Chemical & Metal Industries, 19/53, Patkapur, Ram Niain Bazar, Kanput.

1. P/S/2659858 dated 7-8-1973 for Rs. 2,31,503.

2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/1-13/AM-75/ENF/NBNR/RP/KAN/2497 dated 26/28-12-1974 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the dt. of receipt of notice as to why the said licences in their

favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 9-1-75 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Industrial Chemical & Metal Inds., Kanpur have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the preceding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub clause (a) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/I-13/AM-75/ENF/NBNR/REP/KAN]

आदेश

का० प्रा० 2395.—सर्वेश्री इम्पीरियल इंजीनियरिंग कम्पनी, गाजियाबाद को गैर-नियंत्रित गैर-प्रतिबन्धित बाल बैयरिंग आदि के आयात के लिये निम्नलिखित लाइसेंस स्वीकृत किये गये थे :—

1. पी/एस/1759892, दिनांक 29-11-72, मूल्य 24,470 रुपये
2. पी/एस/1759893, दिनांक 29-11-72, मूल्य 24,470 रुपये
3. पी/एस/1759894, दिनांक 29-11-72, मूल्य 35,430 रुपये
4. पी/एस/1759895, दिनांक 29-11-72, मूल्य 17,715 रुपये
5. पी/एस/1759896, दिनांक 29-11-72, मूल्य 17,715 रुपये
6. पी/एस/1761951, दिनांक 30-3-73, मूल्य 24,395 रुपये
7. पी/एस/1761952, दिनांक 30-3-73, मूल्य 24,395 रुपये

2. उत्पादात् उन्हें एक कारण बताओ सूचना संख्या : डी सी सी आई एंड ई/आई-25/ए एस-75/इन्फ/एन बी एन आर/ए यू/कान/15621 दिनांक 6-2-75 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पावती से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनके नाम में जारी किये गये उक्त लाइसेंसों को ब्यां न रद्द कर दिया जाना चाहिये और उन्हें इस आधार पर कि वे भूल से जारी कर दिये गये थे। उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिये दिनांक 21-2-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिये निर्धारित अवधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिये नियत तिथि को व्यक्तिगत सुनवाई के लिये कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधिकारी ने मामले की भली-भांति जाच कर ली है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि चूंकि सर्वेश्री इम्पीरियल इंजीनियरिंग कम्पनी गाजियाबाद के पास इस मामले में अपने बचाव के लिये कुछ नहीं है, इसलिये उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत सुनवाई के लिये उपस्थित नहीं हुए हैं।

5. ऊपर की कठिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए अधिकारी सत्युष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द अधिकारी अप्रभावित किये जाने चाहिये। इसलिये, अधिकारी यथा संशोधित

आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा (ग) के अन्तर्गत प्रदत्त व्यक्तियों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करना है।

[मं० डी सी सी आई एंड ई/आई-25/ए प्र-75/इन्फ/एन बी एन आर/एयू/कान]

ORDER

S.O. 2395.—The following licences for the import of Ball bearings etc. non banned and non restricted type were issued to M/s. Imperial Engineering Co., Patel Marg, Ghaziabad.

1. P/S/1759892 dated 29-11-72 for Rs. 24470.
2. P/S/1759893 dated 29-11-72 for Rs. 24470.
3. P/S/1759894 dated 29-11-72 for Rs. 35430.
4. P/S/1759895 dated 29-11-72 for Rs. 17715.
5. P/S/1759896 dated 29-11-72 for Rs. 17715.
6. P/S/1761951 dated 30-3-73 for Rs. 24395.
7. P/S/1761952 dated 30-3-73 for Rs. 24395.

2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/1-25 AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/15621 dated 6-2-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 21-2-75 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Imperial Engineering Co., Patel Marg, Ghaziabad have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the preceding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub-clause (a) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E /1-25/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आदेश

का० आ० 2396.—सर्वश्री जगमग एंड कम्पनी कानपुर को गैर-नियंत्रित गैर-प्रतिबंधित मुरभित रसायनिक तथा प्राकृतिक सुगमित्र तेल आदि के आयात के लिये निम्नलिखित लाइसेंस स्वीकृत किये गये थे :—

1. पी/एस/1758758, दिनांक 24-8-75 मूल्य 5000 रुपये।
2. पी/एस/1758759, दिनांक 24-8-72 मूल्य 5000 रुपये।

2. तत्पश्चात् उन्हें एक कारण बताओ सूचना संब्धा : डी सी सी आई एंड ई/जे-2 एप्स-75/इन्फ/एन बी एन आर/एयू/कान/17014 दिनांक 13-2-75 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पावनी से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनके नाम में जारी किये गये उक्त लाइसेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिये और उन्हें इस आधार पर कि वे भूल से जारी कर दिये गये थे। उन्हें उनके भामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिये दिनांक 28-2-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिये निर्धारित अवधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के सिये नियत लियि को व्यक्तिगत सुनवाई के लिये कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले की भली-भांति जाच कर ली है और इस परिणाम पर पूछता है कि चूंकि सर्वश्री जग मग एंड कम्पनी कानपुर के पास मामले में अपने बचाव के लिये कुछ नहीं है, इसलिये उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत सुनवाई के लिये उपस्थित नहीं हुए हैं।

5. ऊपर की कंडिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द अधिकारित किये जाने चाहिये। इसलिये, अधोहस्ताक्षरी यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा (ए) के अन्तर्गत प्रदत्त व्यक्तियों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता।

[मं० : डी सी सी आई एंड ई/जे-2/एप्स-75/इन्फ/एन बी एन आर/एयू/कान]

ORDER

S.O. 2396.—The following licences for the import of Aromatic Chemicals and N. E. Oils non banned non restricted were issued to M/s. Jag Mag & Company 48/61 Old General Ganj, Kanpur.

1. P/S/1758758 dt. 24-8-72 for Rs. 5000.
2. P/S/1758759 dt. 24-8-72 for Rs. 5000.

(2) Thereafter a show cause notice No. DCCI&E/J. 2/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/17014 dated 13-2-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 28-2-75 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Jag Mag Company, Kanpur have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the preceding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub-clause (a) of the imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/J. 2/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आदेश

का० आ० 2397.—सर्वश्री जय पांकर गया प्रसाद कानपुर को गैर-नियंत्रित गैर-प्रतिबंधित मध्यस्त रागों आदि के आयात के लिये निम्नलिखित लाइसेंस स्वीकृत किये गये थे :—

1. पी/एस/1759554, दिनांक 27-10-72, मूल्य 5000 रुपये।
2. पी/एस/1759837, दिनांक 24-11-72, मूल्य 5000 रुपये।

2. तत्पश्चात् उन्हें एक कारण बताओ सूचना संब्धा डी सी सी आई एंड ई/जे-3/एप्स-75/इन्फ/एन बी एन आर/एयू/कान/9850 दिनांक 23/24-1-75 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पावनी से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनके नाम

में जारी किये गये उक्त लाइसेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिये और उन्हें इस आधार पर कि वे भूल में जारी कर दिये गये थे। उन्हें उनके मामले में अवक्षिप्त सुनवाई के लिये दिनांक 13-2-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिये निर्धारित प्रबंधि समात हो गई है। इस प्रयोजन के लिये नियत तिथि को व्यक्तिगत सुनवाई के लिये कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले की भसी-भाति जाच कर सी है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि चकि सर्वश्री जय शकर गया प्रमाद, फानपुर के पास इस मामले में अपने बचाव के लिये कुछ नहीं है, इसलिये उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और अवक्षिप्त सुनवाई के लिये उपस्थित नहीं हुए हैं।

5. ऊपर की कठिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयधीत साइडसेस रद्द अथवा अप्रभावित किये जाने चाहिए। इसलिये, अधोहस्ताक्षरी यथा संशोधित अ.या.न (नियक्षण) आदेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा (ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[सं० डी सी मी आई एड ई/जे-3/एम-75/इन्फ/एन बी आर/एयू/कान]

ORDER

S.O. 2397.—The following licences for the import of Dyes intermediates non banned non restricted were issued to M/s. Jai Shanker Gaya Prasad Kanpur.

1. P/S/1759554 dt. 27-10-72 for Rs. 5,000.
2. P/S/1759837 dt. 24-11-72 for Rs. 5,000.

(2) Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/J. 3/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/9850 dated 23/24-1-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 13-2-75 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

(4) The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Jai Shanker Gaya Prasad, Kanpur-11 have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the preceding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub clause (a) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/J. 3/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आदेश

का० आ० 2398.—सर्वश्री जगदम्बा इन्जी० कं० गाजियाबाद को गैर-नियोधीर-प्रतिबंधित टेपरड रोलर बेयरिंग आदि के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस रद्द किए गए थे—

1. पी/एस/1759260 दिनांक 27-9-72 मूल्य 12411 रुपए
2. पी/एस/1759261 दिनांक 27-9-72 मूल्य 12411 रुपए
3. पी/एस/1759262 दिनांक 27-9-72 मूल्य 19542 रुपए
4. पी/एस/1759263 दिनांक 27-9-72 मूल्य 19542 रुपए
5. पी/एस/1760579 दिनांक 23-1-73 मूल्य 19267 रुपए
6. पी/एस/1760580 दिनांक 23-1-73 मूल्य 19267 रुपए

2 तत्पश्चात् उन्हें एक कारण बताओ सूचना संख्या: डी सी मी आई एड ई/जे-3/एम-75/इन्फ/एन बी एन आर/एयू/कान/11232 दिनांक 27-1-75 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पावरी से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताए कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेंसों को यदों न रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हें इस आधार पर कि वे भूल में जारी कर दिए गए थे। उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिए दिनांक 10-2-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं है और उत्तर देने के लिए निर्धारित प्रबंधि समात हो गई है। इस प्रयोजन के लिए नियत तिथि को व्यक्तिगत सुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले की भली-भाति जाच करली है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि चकि सर्वश्री जगदम्बा इन्जी० क०, गाजियाबाद के पास इस मामले में अपने भवाव के लिए कुछ नहीं है, इसलिए उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुए हैं।

5. ऊपर की कठिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयधीन लाइसेंस रद्द अथवा अप्रभावित किए जाने चाहिए। इसलिए, अधोहस्ताक्षरी यथा संशोधित आयात (नियक्षण), आदेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा(ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[सं० डी सी मी आई एड ई/जे-5/एम-75/इन्फ/एन बी एन आर/एयू/कान]

ORDER

S.O. 2398.—The following licences for the import of Tapered Roller bearings etc. non banned non restricted were issued to M/s. Jagdamga Engg. Co., Ghaziabad.

1. P/S/1759260 dt. 27-9-72 for Rs. 12,411
2. P/S/1759261 dt. 27-9-72 for Rs. 12,411
3. P/S/1759262 dt. 27-9-72 for Rs. 19542
4. P/S/1759263 dt. 27-9-72 for Rs. 19542
5. P/S/1760579 dt. 23-1-73 for Rs. 19267
6. P/S/1760580 dt. 23-1-73 for Rs. 19267

(2) Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/J. 5/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/11232 dated 27-1-75 was issued to them asking the show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 10-2-75 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

(4) The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Jagdamga Engg. Co. Ghaziabad, have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the preceding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub clause (a) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/J-5/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

अधिकारी

का० प्रा० 2399—सर्वेशी के० के० इन्डस्ट्रीज, फैजाबाद को गैर-नियंत्रण-गैर-प्रतिबंधित बाल बेयरिंग आविष्कार के आवाहन के लिए निम्नलिखित लाइसेंस स्वीकृत किए गए थे :—

1. पी/एम०/1762321, दिनांक 2-5-73 मूल्य 7000 रुपये।

2. पी/एस०/1762322, दिनांक 2-5-73 मूल्य 7000 रुपये।

2 लक्ष्यचात् उन्हे एक कारण बताओ सूचना संख्या भी सी सी आई एड ई/के-3/ए एम-75/एन्फ/एम भी एन आर/एयू/कान/2498 दिनांक 26/28-12-71 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पावती से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताए कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हे इस आधार पर कि वे भल से अरी कर दिए गए थे। उन्हे उनके मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिए दिनांक 9-1-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित अवधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिए नियत तिथि को व्यक्तिगत सुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधिकारी ने मामले की भली-भाति जांच करकी है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि चूंकि सर्वेशी के० के० इन्डस्ट्रीज, फैजाबाद के पास इस मामले में अपने बचाव के लिए कुछ नहीं है, इसलिए उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुए हैं।

5. ऊपर की कठिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए अधिकारी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द प्रथमा अप्रभावित किए जाने चाहिए। इसलिए, अधिकारी यथा संशोधित आयात (नियन्त्रण) आदेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा (ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[सं० भी सी सी आई एड ई/के-3/एम-75/एन्फ/एम बीएन आर/एयू/कान]

ORDER

S.O. 2399.—The following import licences for the import of Ball bearings etc. non banned and non restricted type were issued to M/s. Kay Kay Industries, Station Road, Faizabad.

1. P/S/1762321 dt. 2-5-73 for Rs. 7,000.
2. P/S/1762322 dt. 2-5-73 for Rs. 7,000.

(2) Thereafter Show Cause Notice No. DCCI&E/K-3/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/2498 dt. 26/28-12-74 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 9-1-75 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

(4) The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Kay Kay Industries, Faizabad have not replied to the notice and have not turned up for personal hearing they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the preceding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub clause (a) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/K-3/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

का० प्रा० 2400.—सर्वेशी कहौंया लाल अचार वाला आगरा को गैर-नियंत्रण-गैर-प्रतिबंधित प्रकृतिक सूक्ष्माभित सेल तथा सुरक्षित रसायन आवि के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस स्वीकृत किए गए थे :—

1. पी/एम०/1758732, दिनांक 24-8-72, मूल्य 5000 रुपए।

2. पी/एस०/1758733, दिनांक 24-8-72, मूल्य 5000 रुपए।

2. लक्ष्यचात् उन्हे एक कारण बताओ सूचना संख्या डी सी सी आई एड ई/के-3/ए एम-75/एन्फ/एम भी एन आर/एयू/कान/2489 दिनांक 28-12-74 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पावती से लेकर 15 दिनों के भीतर बारण बताए कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हे इस आधार पर कि वे भल से अरी कर दिए गए थे। उन्हे उनके मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिए दिनांक 9-1-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित अवधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिए नियत सिविको व्यक्तिगत सुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधिकारी ने मामले की भली-भाति जांच करकी है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि अनुकूल संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द प्रथमा अप्रभावित किए जाने चाहिए। इसलिए, अधिकारी यथा संशोधित आयात (नियन्त्रण) आदेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा (ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[सं० डी सी सी आई एड ई/के-4/एम-75/एन्फ/एम भी एन आर/एयू/कान]

ORDER

S.O. 2400.—The following licences for the import of Natural essential oils and Aromatic Chemicals non banned and non restricted type were issued to M/s. Kanhaiya Lal Acharwala, 30/139, Azad Gali Chitti Khana, Agra.

1. P/S/1758732 dt. 24-8-72 for Rs 5000.
2. P/S/1758733 dt. 24-8-72 for Rs. 5000.

2. Thereafter Show Cause Notice No. DCCI&E/K-4/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/2499 dt. 28-12-74 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 9-1-75 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far no time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Kanhaiya Lal Acharwala, Agra have not replied to the notice and have not turned up for personal hearing they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the preceding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested

in him under clause 9 sub clause (a) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI E/K-4/M-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

प्रावेश

कानूना० 2401.—सर्वेशी कन्हैया लाल अचारवाला/आगरा को गैर-नियंत्रण-नीर-प्रतिबंधित सुरक्षित रसायन आदि के आपात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस स्वीकृत किए गए थे:—

1. पी/एस/17624/73, दिनांक 16-5-73, मूल्य 5000 रुपए
2. पी/एस/17624/74, दिनांक 16-5-73, मूल्य 5000 रुपए

2. तत्पश्चात् उन्हें एक कारण बताओ सूचना संख्या डी सी सी आई एड ई/के-13/ए एम-75/इन्फ/एन बी एन आर/एयू/कान/5333 दिनांक 17-1-75 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पावरी से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताएँ कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना आहिए और उन्हें इस आधार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे। उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिए दिनांक 30-1-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति आभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित अवधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिए नियत तिथि को व्यक्तिगत सुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधिकारी ने मामले की भली-भांति जाच कर सी है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि चूंकि सर्वेशी कन्हैया लाल अचारवाला, आगरा के पास इस मामले में अपने बचाव के लिए कुछ नहीं है, इसलिए उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुए हैं।

5. ऊपर की कांडिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए अधिकारी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द अथवा प्रप्रभावित किए जाने चाहिए। इसलिए, अधिकारी यथा संशोधित आपात (नियंत्रण), आदेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा (ए) के अन्तर्गत प्रदत्त प्रधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[सं० डी सी सी आई एड ई/के-13/ए एम-75/इन्फ/एन बी एन आर/एयू/कान]

ORDER

S.O. 2401.—The following licences for the import of Aromatic Chemicals non-banned and non-restricted types were issued to M/s. Kanhy Lal Acharwala, Rawatpura, Agra.

1. P/S/1762473 dt. 16-5-73 for Rs. 5000/-
2. P/S/1762474 dt. 16-5-73 for Rs. 5000/-

2. Thereafter a Show cause Notice No. DCCI/E/K-13/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/5333 Dt. 17-1-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 30-1-75 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Kanhy Lal Acharwala, Rawatpura, Agra have not replied to the notice and have not turned up for personal hearing and they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the preceding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub clause (a) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/K-13/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

प्रावेश

कानूना० 2402.—सर्वेशी कमल आईम शीम, मेरठ को गैर-नियंत्रण-नीर-प्रतिबंधित सुरक्षित रसायन आदि के आपात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस स्वीकृत किए गए थे:—

1. पी/एस/1762302, दिनांक 27-4-73, मूल्य 5000 रुपए
2. पी/एस/1762303, दिनांक 27-4-73, मूल्य 5000 रुपए

2. तत्पश्चात् उन्हें एक कारण बताओ सूचना संख्या: डी सी सी आई एड ई/के० 14/ए एम-75/इन्फ/एन बी एन आर/एयू/कान/5334 दिनांक 15-1-75 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पावरी से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताएँ कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना आहिए और उन्हें इस आधार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे। उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिए दिनांक 30-1-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति आभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित अवधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिए नियत तिथि को व्यक्तिगत सुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधिकारी ने मामले की भली भांति-जाच कर सी है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि चूंकि सर्वेशी कमल आईसीम, मेरठ के पास इस मामले में अपने बचाव के लिए कुछ नहीं है, इसलिए उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुए हैं।

5. ऊपर की कांडिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए अधिकारी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द अथवा प्रप्रभावित किए जाने चाहिए। इसलिए, अधिकारी यथा संशोधित आपात (नियंत्रण) आदेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 की उपधारा(ए) के अन्तर्गत प्रवत्त प्रधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[सं० डी सी सी आई एड ई/के० 14/एम-75/इन्फ/एसबीएनआर/एयू/कान]

ORDER

S.O. 2402.—The following licences for the Import of Aromatic Chemicals non-banned and non-restricted type were issued to M/s. Kamal Ice Creams, 194, Delhi Road, Meerut.

1. P/S/1762302 dated 27-4-73 for Rs. 5000/-

2. P/S/1762303 dated 27-4-73 for Rs. 5000/-

2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/K-14/AM-75 ENF/NBNR/AU/KAN/5334 dated 15-1-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 30-1-75 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter & has come to the conclusion that the said M/s. Kamal Ice

Creams, 194, Delhi Road, Meerut having not replied to the notice and have not turned up for personal hearings and they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the preceding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub clause (A) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/K-14/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आदेश

कांग्रा० 2403.—सर्वश्री कृषि यन्त्र औद्योगिक उत्पादन सहकारी नियंत्रण कानपुर को गैर-नियंत्रित गैर-प्रतिवर्धित बाल वैयरिंग प्रावि के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस स्वीकृत किए गए थे।—

1. पी०/एस/1760499, दिनांक 17-1-73, मूल्य 5,000 रुपये
2. पी०/एस/1760500, दिनांक 17-1-73, मूल्य 5,000 रुपये

2. तत्परता० उन्हें एक कारण नियंत्रण मूल्या डीसीसीआई एड है के-27/एस-75/इन्फ/एनबीएनआर/एय०/कान/22577 दिनांक 22/24-2-75 यह पूछते हैं। जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पावती से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताए कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेंसों को भ्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हें इस आधार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे। उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिए दिनांक 11-3-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित प्रबंधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिए नियत तिथि को व्यक्तिगत सुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले की भली-भाति जाप कर ली है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि चूंकि सर्वथी कृषि यन्त्र औद्योगिक उत्पादन सहकारी नियंत्रण कानपुर के पास इस मामले में अपने बचाव के लिए कुछ नहीं है, इसलिए उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुए हैं।

5. ऊपर की कांडिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संकुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द प्रथमा अप्रभावित किए जाने चाहिए। इसलिए, अधोहस्ताक्षरी यथा संकेतित आयात (नियन्त्रण) आवेदन, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा(ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[स० डीसीसीआई एड है/के-27/एस-75/इन्फ/एनबीएनआर/एय०/कान]

ORDER

S.O. 2403.—The following licences for the import of ball bearings etc. non-banned non-restricted were issued to M/s. Krish Yantra Audhyogik Utpadan Sahkari Samiti Ltd., Kanpur.

1. P/S/1760499 dt. 17-1-73 for Rs. 5000/-
2. P/S/1760500 dt. 17-1-73 for Rs. 5000/-
2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/K. 27/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/22577 dated 22/24-2-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 11-3-75 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

(4) The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said H/s. Krish Yantra Audhyogik Sahkari Samiti Ltd. Kanpur have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings and they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been in the preceding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub-clause (a) of the Import (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/K.27/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आदेश

कांग्रा० 2404.—सर्वश्री लक्ष्मी इन्फर्मिरिंग कम्पनी, गाजियाबाद को गैर-नियंत्रित-गैर-प्रतिवर्धित बाल वैयरिंग प्रावि के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस स्वीकृत किए गए थे।—

1. पी०/एस/1758335, दिनांक 20-7-72, मूल्य 10,000 रुपये
2. पी०/एस/1758336, दिनांक 20-7-72, मूल्य 10,000 रुपये
3. पी०/एस/1760216, दिनांक 29-12-72, मूल्य 10,000 रुपये
4. पी०/एस/1760217, दिनांक 29-12-72, मूल्य 10,000 रुपये

2. तत्परता० उन्हें एक कारण बताओ सूचना संख्या डी० सी० आई एंड है/एस-75/इन्फ/एन वी० एय०/कान/16236, दिनांक 27-1-75 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पावती से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताए कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेंसों को भ्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हें इस आधार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे। उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिए दिनांक 10-2-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित प्रबंधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिए नियत तिथि को व्यक्तिगत सुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले की भली-भाति जांच फर ली है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि चूंकि सर्वथी लक्ष्मी इन्फर्मिरिंग कम्पनी, गाजियाबाद के पास इस मामले में अपने बचाव के लिए कुछ नहीं है, इसलिए उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुए हैं।

5. ऊपर की कांडिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संकुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द प्रथमा अप्रभावित किए जाने चाहिए। इसलिए, अधोहस्ताक्षरी यथा संकेतित आयात (नियन्त्रण) आदेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा(ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[म० डीसीसीआई एड है/एस-2/एस-75/इन्फ/एनबीएनआर/एय०/कान]

ORDER

S.O. 2404.—The following licences for the import of ball bearings etc. non-banned non-restricted types were issued to M/s. Lakshmi Engg. Co., G. T. Road, Ghaziabad.

1. P/S/ 1758335 Dated 20-7-72 for Rs. 10000/-
2. P/S/1758336 Dated 20-7-72 for Rs. 10000/-
3. P/S/1760216 Dated 29-12-72 for Rs. 10000/-
4. P/S/1760217 Dated 29-12-72 for Rs. 10000/-

(2) Thereafter, a show cause notice No. DCCI&E/L. 2/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/16236 dated 27-1-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 10-2-75 for personal hearing of their matter.

(3) No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

(4) The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Lakshmi Engineering Co., G. T. Road, Ghaziabad have not replied to the notice and have not turned up for personal hearing and they have no defence to urge in the matter.

Having regard to what has been said in the preceding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub-rule (a) of the Imports (Control) Order dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/L. 2/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आदेश

कांग्रा० 2405.—सर्वश्री प्रकाश एंग्रीकलचरल इन्डस्ट्रीज, मेरठ को गैर-निवेद-गर-प्रति-बधित वाल ब्यैरिंग आदि के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेस स्वीकृत किए गए थे :—

1. पी/एम/1763206, दिनांक 3-8-73, मूल्य 49,912 रुपए
2. पी/एस/1763207, दिनांक 3-8-73, मूल्य 24,956 रुपए
3. पी/एस/1763208, दिनांक 3-8-73, मूल्य 24,956 रुपए

2. तत्पश्चात् उन्हे एक कारण बताओ सूचना संक्षया डीसीसीआई पट्ट ई पी० १८/एएम-७५/इन्फ/एनवीएनआर/एयू/कान/१९८१२-ए दिनाक २६-२-७ यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पावती ५ से लेकर १५ दिनों के भीतर कारण बताए कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हे इस आधार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे। उन्हे उनके मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिए दिनांक ७-३-७५ का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित अवधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिए नियत तिथि को व्यक्तिगत सुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले की भली-भांति जाच कर ली है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि व्यक्ति सर्वश्री प्रकाश एंग्रीकलचरल इन्डस्ट्रीज, मेरठ के पास इस मामले में अपने बचाव के लिए कुछ नहीं है, हमनिए उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुआ है।

5. ऊपर की कहिंचाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए अधाहस्ताक्षरी मंतुष्ट है कि विषयादीन साइरेस रद्द संथवा शामाजित किए जाने चाहिए। इसलिए, अधोहस्ताक्षरी यथा भांतिवात आयात (निपत्रण) प्राइंग, 1955, दिनांक 7-12-1955 की घारा ९ उपधारा (ए) के अन्तर्गत प्रदल अधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त वाणिज्य साइरेसों को रद्द करता है।

[सं० डीसीसीआई पट्ट ई/पी० १८/एएम-७५/इन्फ/एनवीएनआर/एयू/कान]

ORDER

S.O. 2405.—The following licences for the import of Ball Bearings etc. non-banned-non-restricted type were issued to M/s. Prakash Agricultural Industries, Meerut

- 1 P/S/1763206 dt. 3-8-73 for Rs 49912/-
- 2 P/S/1763207 dt. 3-8-73 for Rs. 24956/-
3. P/S/1763268 dt. 3-8-73 for Rs. 24956/-

(2) Thereafter a show cause notice No. DCCI&E/P-18/AM-75/ENF/NBNR/RFP/KAN/19812-A dt. 26-2-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 7-3-75 for personal hearing of their matter.

(3) No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

(4) The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Prakash Agricultural Industries, Dist. Meerut, have not replied to the notice and have not turned for personal hearing and they have no defence to urge in the matter.

(4) Having regard to what has been said in the preceding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub-clause (a) of the Imports (Control) Order, 1955 dt. 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/P-18/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आदेश

कांग्रा० 2406.—गर्वश्री पी० ए० इन्डस्ट्रीज, मेरठ को गैर-निवेद-गर-प्रतिबधित वाल ब्यैरिंग आदि के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेस स्वीकृत किए गए थे :—

1. पी/एस/1763209, दिनांक 3-8-73, मूल्य 45000 रुपए
2. पी/एस/1763210, दिनांक 3-8-73, मूल्य 22,500 रुपए
3. पी/एस/1763211, दिनांक 3-8-73, मूल्य 22,500 रुपए

2. तत्पश्चात् उन्हे एक कारण बताओ सूचना डीसीसीआई पट्ट ई/पी० २४/एएम-७५/इन्फ/एनवीएनआर/एयू/कान/२२५९५ दिनाक २२/२४-२-७५ यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पावती से लेकर १५ दिनों के भीतर कारण बताए कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हे इस आधार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे। उन्हे उनके मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिए दिनांक ११-३-७५ का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित अवधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिए नियत तिथि को व्यक्तिगत सुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले की भली-भांति जाच कर ली है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि व्यक्ति गवर्नर पी० ए० इन्डस्ट्रीज, मेरठ ने वास्तव में बचाव के लिए कुछ नहीं है, इसलिए उन्होंने उक्त वाणिज्य सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुए हैं।

5. ऊपर की कंडिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे व्याप में रखने का अधिकारी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस १५ अप्रैल प्रभ्रभावित किए जाने चाहिए। इसलिए, अधोहस्ताक्षरी यथा संशोधित आयात (नियवण) आदेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा (ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[मा० डी सी सी आई एड ई/पी-२४/एम-७५/एन्क/एन भी एन आर/एयू/कान]

ORDER

S.O. 2406.—The following licences for the import of Ball Bearings etc non-banned and non-restricted type were issued M/s. P. A. Industries Prempuri, Meerut :—

1. P/S/1763209 dated 3-8-73 for Rs. 45000/-
2. P/S/1763210 dated 3-8-73 for Rs. 22500/-
3. P/S/1763211 dated 3-8-73 for Rs. 22500/-

2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/P-24/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/22595 dated 22/24-2-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 11-3-75 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. P.A. Industries, Prempuri, Meerut have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the preceding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub-clause (a) of the Imports (Control) Order, 1955, dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No DCCI&E/P-24/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आदेश

कांग्राह 2407.—सर्वश्री इन्टरनेशनल ट्रेडिंग हाऊस, गाजियाबाद को भैर-नियेथ गैर-प्रतिबंधित आव वैयारिंग आदि के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस स्वीकृत किए गए हैं :—

1. पी/एम/1763676, दिनांक 20-9-73, मूल्य 41,125 रुपए
2. पी/एम/1763677, दिनांक 20-9-73, मूल्य 20,562 रुपए
3. पी/एम/1763678, दिनांक 20-9-73, मूल्य 20,562 रुपए
4. पी/एम/1758412, दिनांक 25-7-72 मूल्य 16,091 रुपए
5. पी/एम/1758413, दिनांक 25-7-72, मूल्य 16,096 रुपए
6. पी/एस/1759424, दिनांक 12-10-72, मूल्य 24,992 रुपए
7. पी/एस/1759425, दिनांक 12-10-72, मूल्य 24,992 रुपए
8. पी/एस/1760319, दिनांक 11-1-73, मूल्य 44,060 रुपए
9. पी/एस/1760320, दिनांक 11-1-73, मूल्य 24,530 रुपए
10. पी/एस/1760321, दिनांक 11-1-73, मूल्य 24,530 रुपए

2. नस्पर्षात् उन्हे एक कारण बताया सूचना संक्षयः ईसीसीआईएड/आई-23 व 24 ए-75/एन्क/एनबीएन्सीएस्ट्रार/एयू/कान/17012/17013, दिनांक 13-2-75 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताया सूचना की पावरी से नेकर 15 वर्षों के भीतर कारण बताए कि उनके नाम में जारी

किए गए उक्त लाइसेंसों को क्यों स रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हे इस व्यापार पर कि क्षेत्र में जारी कर दिए गए हैं। उन्हे उनके मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिए वित्ती 28-2-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताया सूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित अवधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिए नियन्त्रित विधि को व्यक्तिगत गुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधीक्षताक्षरी ने मामले की भवी-भावि जान कर ली है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि कूकि सर्वश्री इन्टरनेशनल ट्रेडिंग हाऊस, गाजियाबाद के पास इस मामले में अपने बचाव के लिए कुछ नहीं है, इसलिए उन्होंने उक्त कारण बताया सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुए हैं।

5. ऊपर की कंडिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे व्याप में रखने हुए प्रधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द अधिकारीवित किए जाने चाहिए। इसलिए, अधोहस्ताक्षरी यथा संशोधित आयात (नियवण) आदेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा (ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[स० डी सी सी आई एड ई/आई-23/एम-७५/एन्क/एन भी एन आर/एयू/कान]

ORDER

S.O. 2407.—The following licences for the import of Ball Bearings etc. non-banned and non-restricted type were issued to M/s. International Trading House, 24, Delhi Gate, Ghaziabad :—

1. P/S/1763676 dated 20-9-73 for Rs. 41125/-
2. P/S/1763677 dated 20-9-73 for Rs. 20562/-
3. P/S/1763678 dated 20-9-73 for Rs. 20562/-
4. P/S/1758412 dated 25-7-72 for Rs. 16091/-
5. P/S/1758413 dated 25-7-72 for Rs. 16096/-
6. P/S/1759424 dated 12-10-72 for Rs. 24992/-
7. P/S/1759425 dated 12-10-72 for Rs. 24992/-
8. P/S/1760319 dated 11-1-73 for Rs. 44060/-
9. P/S/1760320 dated 11-1-73 for Rs. 24530/-
10. P/S/1760321 dated 11-1-73 for Rs. 24530/-

2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/A-23 & 24/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/17012-17013, dated 13-12-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 28-2-75 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. International Trading House, 24, Delhi Gate, Ghaziabad have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the preceding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub-clause (a) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/I-23 & I-24/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आदेश

कांग्रो 2408.—सर्वश्री इन्डो थाई इंजीनियरिंग कार्पोरेशन, मेरठ को गैर-निषेध गैर-प्रतिबंधित बाल बैयरिंग आदि के आयात के लिए निम्नलिखित लाईसेंस स्वीकृत किए गए थे :—

1. पी/एम/1761371 दिनांक 21-3-73 मूल्य 16,335 रुपए
2. पी/एम/1761372 दिनांक 21-3-73 मूल्य 16,335 रुपए
3. पी/एम/1761373 दिनांक 21-3-73 मूल्य 12,074 रुपए
4. पी/एस/1761374 दिनांक 21-3-73 मूल्य 12,074 रुपए
5. पी/एस/1761375 दिनांक 21-3-73 मूल्य 6,073 रुपए
6. पी/एम/1761376 दिनांक 21-3-73 मूल्य 6,073 रुपए
7. पी/एम/1761377 दिनांक 21-3-73 मूल्य 15,667 रुपए
8. पी/एम/1761378 दिनांक 21-3-73 मूल्य 15,667 रुपए
9. पी/एस/1761379 दिनांक 21-3-73 मूल्य 18,247 रुपए
10. पी/एस/1761380 दिनांक 21-3-73 मूल्य 18,247 रुपए

2. तत्पश्चात् उन्हें एक कारण बताओ सूचना संख्या : डी०सी०पी० आई०एंड०ई०/आई०-26/एएस-75/इन्फ/एनबीएम आर/एय०/कान/12646 दि० 30-1-75 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पायती से सेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाईसेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हें इस प्राधार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे। उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिए दिनांक 14-2-75 का विन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित अवधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिए नियत तिथि को व्यक्तिगत सुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधिहस्ताक्षरी ने मामले की भली-भांति जांच कर ली है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि कूँकि सर्वश्री इन्डो थाई इंजीनियरिंग कार्पोरेशन, मेरठ के पास इस मामले में अपने बचाव के लिए कुछ नहीं है, इसलिए उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुए हैं।

5. ऊपर की कांडिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए अधिहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाईसेंस रद्द अधिकार प्राप्त नहीं है। इसलिए, अधिहस्ताक्षरी यथा संशोधित आयात (नियतण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा (ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा अन्त लाईसेंसों को रद्द करता है।

[सं० डी०सी०पी० आई०एंड०ई०/आई०-26/एएस-75/इन्फ/एनबीएतप्रार/एय०/कान]

ORDER

S.O. 2408.—The following licences for the import of Ball Bearing etc. non-banned and non-restricted type were issued to M/s. Indo Thai Engineering Corporation, C-4 and 5 Indl. Estate, Meerut :—

1. P/S/1761371 dated 21-3-73 for Rs. 16335.
2. P/S/1761372 dated 21-3-73 for Rs. 16335.
3. P/S/1761373 dated 21-3-73 for Rs. 12074.
4. P/S/1761374 dated 21-3-73 for Rs. 12074.
5. P/S/1761375 dated 21-3-73 for Rs. 6073.
6. P/S/1761376 dated 21-3-73 for Rs. 6073.
7. P/S/1761377 dated 21-3-73 for Rs. 15667.
8. P/S/1761378 dated 21-3-73 for Rs. 15667.
9. P/S/1761379 dated 21-3-73 for Rs. 18247.
10. P/S/1761380 dated 21-3-73 for Rs. 18247.

2. Thereafter a show Cause Notice No. DCCI&E/1-26(AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/12646 dated 30-1-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 14-2-1975 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Indo Thai Engineering Corporation, C-4 & 5, Industrial Estate, Meerut have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the preceding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub-clause (a) of the Imports (Control) Order, 1955, dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/I-26/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आदेश

कांग्रो 2409.—सर्वश्री खतौली इन्डो इंजीनियरिंग बर्क्स, खतौली मुजफ्फर-नगर को गैर-निषेध गैर-प्रतिबंधित बाल बैयरिंग आदि के आयात के लिए निम्नलिखित लाईसेंस स्वीकृत किए गए थे :—

1. पी/एस/1758410 दिनांक 25-7-72 मूल्य 22,304 रुपए
2. पी/एस/1758411 दिनांक 25-7-72 मूल्य 22,304 रुपए
3. पी/एस/1759397 दिनांक 11-10-72 मूल्य 10,453 रुपए
4. पी/एस/1759398 दिनांक 11-10-72 मूल्य 24,226 रुपए
5. पी/एस/1759399 दिनांक 11-10-72 मूल्य 21,226 रुपए
6. पी/एस/1760647 दिनांक 2-2-73 मूल्य 46,578 रुपए
7. पी/एस/1760648 दिनांक 2-2-73 मूल्य 23,289 रुपए
8. पी/एस/1760649 दिनांक 2-2-73 मूल्य 23,289 रुपए

2. तत्पश्चात् उन्हें एक कारण बताओ सूचना संख्या : डी०सी०पी० आई०एंड०ई०/आई०-26/एएस-75/इन्फ/एनबीएम आर/एय०/कान/5341 दिनांक 15-1-75 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पायती से सेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाईसेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हें इस प्राधार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे। उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिए दिनांक 30-1-75 का विन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर नहीं प्राप्त हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित अवधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिए नियत तिथि को व्यक्तिगत सुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधिहस्ताक्षरी ने मामले की भलीभांति जांच कर ली है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि कूँकि सर्वश्री खतौली इन्डो इंजीनियरिंग बर्क्स खतौली के पास इस मामले में अपने बचाव के लिए कुछ नहीं है, इसलिए उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं है।

5. ऊपर की कांडिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए अधिहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाईसेंस रद्द अधिकार प्राप्त नहीं है। इसलिए, अधिहस्ताक्षरी यथा संशोधित

आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा ७ उपधारा (ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर हमके द्वारा उक्त वास्तविकों को रद्द करना है।

[मं० छोटी सी भी आई एड ई/के-६/एम-७५/इन्फ/एन बी एन आर/एम/कान]
ORDER

S.O. 2409.—The following licences for the import of Ball Bearings etc. non-banned non-restricted were issued to M/s. Khatauli Engg. Works, G. T. Road, Khatauli, Distt. Muzaffarnagar :—

1. P/S/1758410 dt. 25-7-72 for Rs. 22304.
2. P/S/1758411 dt. 25-7-72 for Rs. 22304.
3. P/S/1759397 dt. 11-10-72 for Rs. 40453.
4. P/S/1759398 dt. 11-10-72 for Rs. 24226.
5. P/S/1759399 dt. 11-10-72 for Rs. 24226.
6. P/S/1760647 dt. 2-2-73 for Rs. 46578.
7. P/S/1760648 dt. 2-2-73 for Rs. 23289.
8. P/S/1760649 dt. 2-2-73 for Rs. 23289.

2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/K-61 AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/5341 dated 15-1-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licence, in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 30-1-75 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Khatauli Engg. Works, Khatauli, Distt. Muzaffarnagar have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the preceding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub-clause (a) of the Imports (Control) Order, 1955, dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/K-6/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आवेदन

का आ० 2410.—मर्वश्री के० श्रीटो इन्डस्ट्रीज, गाजियाबाद को गैर-नियंत्रित वैरप्रतिबंधित बाल बैयरिंग आदि के आयात के लिए निम्नलिखित लाईसेन्स स्वीकृत किए गए थे :—

1. पी/एस/1760158 दिनांक 28-12-72 मूल्य 8,700 रुपया
2. पी/एस/1760159 दिनांक 28-12-72 मूल्य 8,700 रुपया
3. पी/एस/1761044 दिनांक 1-3-73 मूल्य 10,650 रुपया
4. पी/एस/1761045 दिनांक 1-3-73 मूल्य 10,650 रुपये
5. पी/एस/1761046 दिनांक 1-3-73 मूल्य 14,100 रुपया
6. पी/एस/1761047 दिनांक 1-3-73 मूल्य 14,100 रुपये

2. तत्प्रवात उन्हें एक कारण बताओ सूचना संभवा ही सी भी आई एड ई/के-९/एम-७५/इन्फ/एन बी एन आर/एम/कान/5330 दिनांक 15-1-75 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पावती से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनके नाम से जारी किए गए उक्त लाईसेन्सों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हें इस प्राप्तार पर कि वे भल से जारी कर दिए गए थे। उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिए दिनांक 30-1-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित प्रबंधि समाप्त हो गई है।

इस प्रयोजन के लिए नियन्त्रित तिथि को व्यक्तिगत सुनवाई के लिए कोई भी उपरिया नहीं हुआ है।

4. प्रधानमंत्री ने भास्ते की भली-भाति जांच कर ली है और इस परियाप्त पर पहुंचा है कि चूंकि मर्वश्री के० श्रीटो इन्डस्ट्रीज, गाजियाबाद के पास इस मामले में अपने बचाव के लिए कुछ नहीं हैं, इसलिए उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुआ है।

5. कार को कंडिशनों में जो कुछ बताया गया है, उसे आयात में रखने आ अधीक्षणाधारी मतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेन्स रद्द अथवा अपमालित किए जाने चाहिए। इसलिए, अधीक्षणाधारी यथा मंगोधित आयात (नियन्त्रण) आदेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा ७ उपधारा (ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग पर हमके द्वारा उक्त लाइसेन्स को रद्द करना है।

[मं० छोटी सी भी आई एड ई/के-०/एम-७५/इन्फ/एन बी एन आर/एम/कान]

ORDER

S.O. 2410.—The following licence, for the import of Ball Bearings etc. non-banned an non-restricted type were issued to M/s. K. Auto Industries, 82, Anand Industrial Estate, Ghaziabad :—

1. P/S/1760158 dated 28-12-72 for Rs. 8700.
2. P/S/1760159 dated 28-12-72 for Rs. 8700.
3. P/S/1761044 dated 1-3-73 for Rs. 10650.
4. P/S/1761045 dated 1-3-73 for Rs. 10650.
5. P/S/1761046 dated 1-3-73 for Rs. 14100.
6. P/S/1761047 dated 1-3-73 for Rs. 14100.

2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/K-9/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/5330 dated 15-1-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 30-1-75 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. K. K. Auto Industries, 82, Anand Industries Estate, Ghaziabad, have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the preceding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub-clause (a) of the Imports (Control) Order, 1955, dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&F/K-9/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आवेदन

का आ० 2411.—मर्वश्री पी० ए० इन्डस्ट्रीज, मेरठ को गैर-नियंत्रित गैर-प्रतिबंधित बाल बैयरिंग आदि के आयात के लिए निम्नलिखित लाईसेन्स स्वीकृत किए गए थे :—

1. पी/एस/1758273 दिनांक 14-7-72 मूल्य 5000 रुपये
2. पी/एस/1758274 दिनांक 14-7-72 मूल्य 5000 रुपया
3. पी/एस/1758636 दिनांक 11-8-72 मूल्य 9750 रुपया
4. पी/एस/1758637 दिनांक 11-8-72 मूल्य 9750 रुपये

5. पी/एम/1759410 दिनांक 11-10-72 मूल्य 19500 रुपये।
6. पी/एम/1759411 दिनांक 11-10-72 मूल्य 19,500 रुपये।
7. पी/एस/1760275 दिनांक 5-1-73 मूल्य 34,000 रुपये।
8. पी/एस/1760276 दिनांक 5-1-73 मूल्य 17,000 रुपये।
9. पी/एस/1760277 दिनांक 5-1-73 मूल्य 17,000 रुपये।

2. तत्पश्चात् उन्हें एक कारण बताओ सूचना मंजुरा है। डी सी सी आई एंड ई/पी-23/ए.एम-75/इन्फ/एन बी एन आर/ए.यू./कान/22594 दिनांक 22/24-2-75 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पावती से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताए कि उसके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हें इस आधार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे। उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिए दिनांक 11-3-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति आभी तक कोई उत्तर नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित अवधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिए नियन्त्रित तिथि को व्यक्तिगत सुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले की भली-भांति जाच करली है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि कुकी सर्वेशी पी० ए० हन्डस्ट्रीज, मेरठ के पास इस मामले में अपने बचाव के लिए कुछ नहीं है, इसलिए उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुए हैं।

5. ऊपर की कठिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द अथवा अप्रभावित किए जाने चाहिए। इसलिए, अधोहस्ताक्षरी यथा संशोधित आयात (नियन्त्रण) आदेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा (ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[स० डी सी सी आई एंड ई/पी-23/ए.एम-75/इन्फ/एन बी एन आर/ए.यू./कान]

ORDER

S.O. 2411.—The following licences for the import of ball bearings etc. non-banned and non-restricted type were issued to M/s. P. A. Industries, Prempuri, Railway Road, Meerut.

1. P/S/1758273 dated 14-7-72 for Rs. 5000.
2. P/S/1758274 dated 14-7-72 for Rs. 5000.
3. P/S/1758636 dated 11-8-72 for Rs. 9750.
4. P/S/1758637 dated 11-8-72 for Rs. 9750.
5. P/S/1759410 dated 11-10-72 for Rs. 19500.
6. P/S/1759411 dated 11-10-72 for Rs. 19500.
7. P/S/1760275 dated 5-1-73 for Rs. 34000.
8. P/S/1760276 dated 5-1-73 for Rs. 17000.
9. P/S/1760277 dated 5-1-73 for Rs. 17000.

2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/P-23/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/22594 dated 22/24-2-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 11-3-1975 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. P. A. Industries Prempuri, Railway Road, Meerut have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub-clause (a) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/P-23/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आदेश

का०शा० 2412 सर्वेशी प्रकाश एग्रीकल्चरल इन्डस्ट्रीज, महालका मेरठ को गैर-नियन्त्रित गैर-प्रतिबंधित बाल बेरारिंग आदि के आयात के लिए नियन्त्रित लाइसेंस स्वीकृत किए गए थे :—

1. पी/एम/1758275, दिनांक 14-7-72, मूल्य 10,000 रुपये।
2. पी/एस/1758276, दिनांक 14-7-72, मूल्य 10,000 रुपये।
3. पी/एस/1758638, दिनांक 11-8-72, मूल्य 10,000 रुपये।
4. पी/एस/1758639, दिनांक 11-8-72, मूल्य 10,000 रुपये।
5. पी/एस/1759406, दिनांक 11-10-72, मूल्य 20,000 रुपये।
6. पी/एस/1759407, दिनांक 11-10-72, मूल्य 20,000 रुपया।
7. पी/एस/1760278, दिनांक 5-1-73, मूल्य 40,000 रुपये।
8. पी/एस/1760279, दिनांक 5-1-73, मूल्य 20,000 रुपये।
9. पी/एस/1760280, दिनांक 5-1-73, मूल्य 20,000 रुपये।

2. तत्पश्चात् उन्हें एक कारण बताओ सूचना संलग्न है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द अथवा अप्रभावित किए जाने चाहिए। इसलिए, अधोहस्ताक्षरी यथा संशोधित आयात (नियन्त्रण) आदेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा (ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुए हैं।

3. उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति आभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए नियन्त्रित अवधि मामले ही गई है। इस प्रयोजन के लिए नियन्त्रित तिथि को व्यक्तिगत सुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले की भली-भांति जाच करली है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द अथवा अप्रभावित किए जाने चाहिए। इसलिए, अधोहस्ताक्षरी यथा संशोधित आयात (नियन्त्रण) आदेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा (ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

5. ऊपर की कठिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द अथवा अप्रभावित किए जाने चाहिए। इसलिए, अधोहस्ताक्षरी यथा संशोधित आयात (नियन्त्रण) आदेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा (ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[स० डी सी सी आई एंड ई/पी-22/ए.एम-75/इन्फ/एनबीएनआर/ए.यू./कान]

ORDER

S.O. 2412.—The following licences for the import of ball bearings etc. non-banned and non-restricted type were issued to M/s. Prakash Agricultural Industries, Mahalakha, Meerut.

1. P/S/1758275 dated 14-7-72 for Rs. 10000.
2. P/S/1758276 dated 14-7-72 for Rs. 10000.
3. P/S/1758638 dated 11-8-72 for Rs. 10000.

4. P/S/1758639 dated 11-8-72 for Rs. 10000.
5. P/S/1759406 dated 11-10-72 for Rs. 20000.
6. P/S/1759407 dated 11-10-72 for Rs. 20000.
7. P/S/1760278 dated 5-1-73 for Rs. 40000.
8. P/S/1760279 dated 5-1-73 for Rs. 20000.
9. P/S/1760280 dated 5-1-73 for Rs. 20000.

2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/P-22/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/22593 dated 22/24-2-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licencees in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 11-3-75 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Prakash Agricultural Industries, Mahalka, Meerut have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub-clause (a) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/P-22/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

श्रावण

कांगड़ा 2413—मर्क्षीयो मार० पी० इन्जीनियरिंग बक्स, मेरठ कैन्ट को गैर-नियंत्रित गैर-प्रतिबंधित बाल बैरार्ग आदि के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस स्वीकृत किए गए थे।—

1. पी/एम/1758464, दिनांक 1-8-72, मूल्य 48,100 रुपए
2. पी/एम/1758465, दिनांक 1-8-72, मूल्य 24,050 रुपए
3. पी/एम/1758466, दिनांक 1-8-72, मूल्य 24,050 रुपए
4. पी/एम/1759319, दिनांक 29-9-72, मूल्य 49,987 रुपए
5. पी/एम/1759320, दिनांक 29-9-72, मूल्य 2,199 रुपए
6. पी/एम/1759321, दिनांक 29-9-72, मूल्य 24,993 रुपए
7. पी/एम/1760532, दिनांक 19-1-73, मूल्य 1,06052 रुपए
8. पी/एम/1760533, दिनांक 19-1-73, मूल्य 53,026 रुपए
9. पी/एम/1760534, दिनांक 19-1-73, मूल्य 53,026 रुपए
10. पी/एम/1762091, दिनांक 31-3-73, मूल्य 1,68,557 रुपए
11. पी/एम/1762082, दिनांक 31-3-73, मूल्य 82,278 रुपए
12. पी/एम/1762083, दिनांक 31-3-73, मूल्य 84,278 रुपए

2. तलाश्वात उन्हें एक कारण बतायो सूचना सक्षमा। डी सी सी आई एक्सी/भार-34 एम-75/इन्फ/एन भी एन आर/ए यू/कान/1979 दिनांक 17-2-75 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बतायो सूचना की पावती से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण अंतर्णाल के उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेंस को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए। और उन्हें इस आधार पर कि वे भूल रो जारी कर दिए गए थे। उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत मुनवाई के लिए दिनांक 4-3-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बतायो सूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर भी के लिए निर्धारित अवधि अपापा हा गई है। इस प्रयोजन के लिए नियंत्रित व्यक्तिगत मुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले की भली भाँति जांच करली है और हम परिणाम पर पहुंचा है कि चूंकि सर्वथी मार० पी० इन्जीनियरिंग बक्स, मेरठ कैन्ट के पास हम मामले में भपने बचाव के लिए कुछ नहीं है, हमलिए उन्होंने उक्त कारण बतायो सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत मुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुए है।

5. ऊपर की कंडिकाश्नों में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी सतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रह अवश्य प्रमाणित किए जाने चाहिए। हमलिए, अधोहस्ताक्षरी यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 को घारा 9 उपधारा (ए) के अन्तर्गत प्रदत्त व्यक्तिगत का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[सं०. डी सी सी आई एक्सी/भार-34/एम-75/इन्फ/एन भी एन आर/एयू/कान]

ORDER

S.O. 2413.—The following licences for the import of ball bearings etc. non-banned and non-restricted type were issued to M/s. R. P. Engineering Works, 199/B West End Road, Meerut Cantt.

1. P/S/1758464 dt. 1-8-72 for Rs. 48100.
2. P/S/1758465 dated 1-8-72 for Rs. 24050.
3. P/S/1758466 dated 1-8-72 for Rs. 24050.
4. P/S/1759319 dt. 29-9-72 for Rs. 49987.
5. P/S/1759320 dt. 29-9-72 for Rs. 24993.
6. P/S/1759321 dt. 29-9-72 for Rs. 24993.
7. P/S/1760532 dt. 19-1-73 for Rs. 106052.
8. P/S/1760533 dt. 19-1-73 for Rs. 53026.
9. P/S/1760534 dt. 19-1-73 for Rs. 53026.
10. 1762081 dt. 31-3-73 for Rs. 168557.
11. 1762082 dt. 31-3-73 for Rs. 84278.
12. 1762083 dt. 31-3-73 for Rs. 84278.

2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/R-34/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/1979 dated 17-2-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 4-3-75 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. R. P. Engg. Works, 199/B, West End Road, Meerut Cantt. have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub-clause (a) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/R-34/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

श्रावण

कांगड़ा 2414—मर्क्षीयो कमल उद्योग, कानपुर को गैर-प्रतिबंधित बाल बैरार्ग आदि के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस स्वीकृत किए गए थे।—

1. पी/एम/1758728, दिनांक 18-8-72, मूल्य 5000 रुपए
2. पी/एम/1758729, दिनांक 18-8-72, मूल्य 988 रुपए

2. तत्पश्चात् उन्हें एक कारण बताओ सूचना संख्या डी सी सी प्राई एड ई/के-24/एम-75/एन्फ/एन वी एन आर/ए मू/कान/22574 दिनाक 22/24-2-75 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पावती में लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताओ कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए, और उन्हें इस आधार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे। उनके मामले में व्यक्तिगत मुनबाई के लिए दिनाक 11-3-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था। उन्हे इस्तावेजों आदि को भेजने के लिए भी कहा गया था। देखिए डाक पंजीकृत ममसंझा पत्र दिनाक 13-8-75।

3. उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित अवधि गमाप्त हो गई है। इस प्रयोगित के लिए नियत तिथि को व्यक्तिगत मुनबाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ। उक्त डाक पंजीकृत ममसंझा दिनाक 13-8-75 डाक प्राधिकारियों द्वारा बिना वितरित किए ही “पता नहीं” की अभियुक्ति के साथ आपस कर दिया गया है।

4. अधिकौर्त्ताक्षरी ने मामले की भली-भाति जान करली है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि चूंकि सर्वश्री कमल उद्योग, कानपुर के पास इस मामले में अपने बचाव के लिए कुछ नहीं है, हस्तिए उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत मुनबाई के लिए उपस्थित नहीं हुए हैं।

2. अगर की कठिनाई में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए अधिकौर्त्ताक्षरी सतुष्ट है कि विवेयाधीन लाइसेंस रद्द अथवा अप्रभावित किए जाने चाहिए। इसलिए, अधिकौर्त्ताक्षरी यथा सरोंधित आयात (नियन्त्रण) आदेश, 1955, दिनाक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा (ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[म० : डी सी सी प्राई एड ई/के-24/एम-75/एन्फ/एन वी एन आर/ए मू/कान]

ORDER

S.O. 2414.—The following licences or the import of ball bearings etc. non-banned and non-restricted type were issued to M/s. Kamal Udyog Govind Nagar, Kanpur.

1. P/S/1758728 dt. 18-8-72 for Rs. 5000.
2. P/S/1758729 dt. 18-8-72 for Rs. 988.

2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/K-24/AM-24/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/22574 dated 22/24-2-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 11-3-75 for personal hearing of their matter. They were also asked to furnish documents etc. vide regd. letter of even number dated 13-8-75.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose. The above said regd. letter of even number dated 13-8-1975 has also been returned undelivered by the postal authorities with their remarks “not known”.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. for Kamal Udyog Govind Nagar, Kanpur have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub-clause (a) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancel the above said licences.

[No. DCCI&E/K-24/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

प्रावेश

का०प्रा० 2415- सर्वश्री स्ली इन्जीनियरिंग कम्पनी मेरठ को गैर-निवेदित गैर-प्रतिवंशित बाल बैयरिंग आदि के आयात के लिए निम्नलिखित पाइसेम स्वीकृत किए गए थे :

1. पी/एम/1758472, दिनाक 1-8-72, मूल्य 14,879 रुपए
2. पी/एम/1758473, दिनाक 1-8-72, मूल्य 14,879 रुपए
3. पी/एम/1758474, दिनाक 1-8-72, मूल्य 14,879 रुपए
4. पी/एम/1758475, दिनाक 1-8-72, मूल्य 14,879 रुपए
5. पी/एम/1760195, दिनाक 20-12-72, मूल्य 19,730 रुपए
6. पी/एम/1760196, दिनाक 20-12-72, मूल्य 19,730 रुपए
7. पी/एम/1761185, दिनाक 8-3-73, मूल्य 38,699 रुपए
8. पी/एम/1761186, दिनाक 8-3-73, मूल्य 19,315 रुपए
9. पी/एम/1761187, दिनाक 8-3-73, मूल्य 19,345 रुपए

2. तत्पश्चात् उन्हें एक कारण बताओ सूचना संख्या : डी सी सी प्राई एड ई/आर-33/एम-75/एन्फ/एन वी एन आर/एम/कान/19790 दिनाक 17-2-75 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पावती में लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताओ कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हें इस आधार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे। उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत मुनबाई के लिए दिनाक 1-3-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ नोटिस डाक प्राधिकारियों द्वारा बिसा वितरित किए ही “पता नहीं” की अभियुक्ति के साथ आपस कर दिया गया है।

1. अधिकौर्त्ताक्षरी ने मामले की भली-भाति जान करली है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि चूंकि सर्वश्री रूपी इन्जीनियरिंग कम्पनी मेरठ के पाग हग मामले में अपने बचाव के लिए कुछ नहीं है, हस्तिए उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत मुनबाई के लिए उपस्थित नहीं हुए हैं।

5. ऊपर की कठिनाई में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए अधिकौर्त्ताक्षरी सतुष्ट है कि विवेयाधीन लाइसेंस रद्द अथवा अप्रभावित किए जाने चाहिए। इसलिए, अधिकौर्त्ताक्षरी यथा सरोंधित आयात (नियन्त्रण) आदेश, 1955, दिनाक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा (ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[म० : डी सी सी प्राई एड ई/आर-33/एम-75/एन्फ/एन वी एन आर/ए मू/कान]

ORDER

S.O. 2415.—The following licences for the import of Ball Bearing etc. non-banned non-restricted type were issued to M/s. Ruby Engg. Co. Meerut City :—

1. P/S/1758472 dt. 1-8-72 for Rs. 14879.
2. P/S/175873 dt. 1-8-72 for Rs. 14879.
3. P/S/1758474 dt. 1-8-72 for Rs. 14498.
4. P/S/1758475 dt. 18-72 for Rs. 14498.
5. P/S/1760195 dt. 20-12-72 for Rs. 19730.
6. P/S/1760196 dt. 20-12-72 for Rs. 19730.
7. P/S/1761185 dt. 8-3-73 for Rs. 38690.
8. P/S/1761186 dt. 8-3-73 for Rs. 19345.
9. P/S/1761187 dt. 8-3-73 for Rs. 19345.

2. Thereafter a show cause notice No. DCCI & E/R. 33/AM-75/ENF/NBNR AU/KAN/19790 dated 17-2-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in

their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 4-3-75 for personal hearing of their matter.

3. The above said show cause notice has been returned undelivered by the postal authorities with their remarks 'Not Known'.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Ruby Engg. Co. Meerut city have avoided a reply to the show cause notice as they have no defence to urge and that the licences were issued inadvertently.

5. Having regard to what has been said in the preceding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9, sub-clause (a) of the imports (Control) order, 1955, dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&F/R. 33/AM. 75/ENF/NBNR/AU/KAN]

प्रावेश

कानूना० 2416—सर्वथी पालसन एग्रीकलचर इन्डस्ट्रीज (ई०) बड़ोत को गैर-निषेध गैर-प्रतिबंधित बाल बैयरिंग आवि के प्रायात के लिए निम्ननिवित साइमेस स्वीकृत किए गए थे—

1. पी/एम/1758620 दिनांक 11-8-72, मूल्य 48,504 रुपए
2. पी/एस/1758621, दिनांक 11-8-72, मूल्य 21,752 रुपए
3. पी/एम/1758622, दिनांक 11-8-72, मूल्य 21,752 रुपए

2 तत्पश्चात् उन्हें एक कारण बताओ भूचना संख्या : डी सी सी आई एड ई/पी-19/ए. एम-75/इन्फ/एन थी एन आर/ए यू/कान/22590, दिनांक 22/4-2-75 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ भूचना की पावती से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताए कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हें इस आधार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे। उन्हें उनके मामले में अक्तिगत सुनवाई के लिए दिनांक 11-3-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3 उपर्युक्त कारण बताओ नोटिस और डाक पत्रीकृत पत्र में मार्ग गण कोई भी लाइसेंस, इस्टावेज और उद्योग निवेशक, उत्तर प्रदेश, कानपुर की विषेष निकारिणी आमी तक प्राप्त नहीं है और उत्तर देश के लिए निर्धारित अवधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिए निर्धारित नियम का व्यक्तिगत सुनवाई के लिए भी कोई उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधिकृत सामले की भली भासि जांच करती है और इस परिणाम पर पढ़ता है कि खूबि मर्वेशी पालसन एग्रीकलचर इन्डस्ट्रीज (ई०) बड़ोत के पास इस मामले में अपने बचाव के लिए कुछ नहीं है, हम-लिए उन्होंने उक्त कारण बताओ भूचना के प्राप्त कोई उत्तर नहीं दिया है और अक्तिगत सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुआ है।

5. उपर की कंडिक्शनों में जा कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए अधिकृत सामले की विषयाधीन नाइसेंस रद्द अवधि अप्रभावित किए जाने चाहिए। इसलिए, अधिकृत सामले की विषयाधीन आवायत (नियन्त्रण) आदेश, 1955, दिनांक 7-12-1955, की धारा 9, उपधारा (ए) के अन्तर्गत प्रदेश प्रशिक्षिकार्गं का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[म० डी सी सी आई एड ई/पी-19/एम-75/इन्फ/एन थी एन आर/ए यू/कान]

ORDER

S.O. 2416.—The following licences for the import of Ball-Bearings non-banned, non-restricted were issued to M/s. Palson Agriculture Industries (India) Gurana Road, Baraut.

1. P/S/1758620 dt. 11-8-72 for Rs. 43504.
2. P/S/1758621 dt. 11-8-72 for Rs. 21752.
3. P/S/1758622 dt. 11-8-72 for Rs. 21752.

2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/P. 19/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/22590 dated 22/4-2-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were given 11-3-75 for personal hearing of their matter.

3. No licences documents, and D.I. U.P., Kanpur, specific recommendation as called for vide above said notice and regd. letter have been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Palson Agriculture Industries (India) Gurana road, Baraut have not replied to the notice and have not turned up for personal hearing they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the preceding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9, sub-clause (a) of the Imports (Control) Order, 1955, dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the abovesaid licences.

[No. DCCI&E/P. 19/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

प्रावेश

कानूना० 2417—सर्वथी बिलायत द्वारी एण्ड सन्ज, सुगल पुरा, मुरावावाद को गैर-निषेध गैर-प्रतिबंधित बाल बैयरिंग आवि के प्रायात के लिए निम्ननिवित लाइसेंस स्वीकृत किए गए थे—

1. पी/एम/1757679 दिनांक 25-7-72, 16337 रुपए के लिए
2. पी/एस/1757680 दिनांक 25-7-72 16337 रुपए के लिए
3. पी/एम/1759201 दिनांक 19-10-72, 24715 रुपए के लिए
4. पी/एम/1759202 दिनांक 19-10-72, 24715 रुपए के लिए
5. पी/एम/1760393 दिनांक 9-1-73, 24910 रुपए के लिए
6. पी/एम/1760394 दिनांक 9-1-73, 24940 रुपए के लिए

2. तत्पश्चात् उन्हें एक कारण बताओ भूचना संख्या : डी सी सी आई एड ई/इन्फ-1/एम-75/इन्फ/एन थी एन आर/ए यू/कान/12650, दिनांक 30-1-75 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ भूचना की पावती से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताए कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हें इस आधार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे। उन्हें उनके मामले में अक्तिगत गुनवाई के लिए दिनांक 14-2-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ भूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित अवधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिए नियम को अक्तिगत सुनवाई के लिए कार्ड भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले की भली-भांति जाच करली है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि चूंकि सर्वेश्री वितायात हुरैन एण्ड मन्जु, मुगलपुरा, मुरादाबाद के पास इस मामले में अपने बचाव के लिए कुछ नहीं है इसलिए उन्होंने उक्त कारण अवाओ भूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुए हैं।

5. ऊपर की कठिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द अथवा अप्रभावित किए जाने चाहिए। इसलिए अधोहस्ताक्षरी यथा संशोधित आयात (नियन्त्रण) प्रावेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9, उपधारा (ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[सः डी सी सी आई एड ई/डब्ल्यू-1/ए एम-75/इन्फ/एन बी एन आर/ए यू/कान]

ORDER

Kanpur, the 6th Feb. 1976

S.O. 2417.—The following licences for the import of Ball Bearings etc., non-banned and non-restricted type were issued to M/s. Wilayat Husain & Sons, Moghalpura, Moradabad.

1. P/S/1757679 dt. 25-7-72 for Rs. 16337.
2. P/S/1757680 dt. 25-7-72 for Rs. 16337.
3. P/S/1759201 dt. 19-10-72 for Rs. 24715.
4. P/S/1759202 dt. 19-10-72 for Rs. 24715.
5. P/S/1760393 dt. 9-1-73 for Rs. 24940.
6. P/S/1760394 dt. 9-1-73 for Rs. 24940.

2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/W-1/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/12650 dated 30-1-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 14-2-75 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Wilayat Husain & Sons, Moghalpura, Moradabad have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings as they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the preceding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9, sub-clause (a) of the Imports (Control) Order, 1955, dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the abovesaid licences.

[No. DCCI&E/W-1/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आवेदन

कांस्टा. 2418 —सर्वेश्री वैष्य इन्डस्ट्रियल कारपोरेशन मेरठ सिटी को फीट-नियंत्रण-प्रतिबंधित बाल वैयरिंग प्रावि के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस स्वीकृत किए गए थे :—

1. पी/एस/1757741, दिनांक 18-8-72 45435 रुपए के लिए
2. पी/एस/1757742, दिनांक 18-8-72 22717 रुपए के लिए
3. पी/एस/1757743, दिनांक 18-8-74 22717 रुपए के लिए
4. पी/एस/1757744, दिनांक 18-8-72 49250 रुपए के लिए
5. पी/एस/1757745, दिनांक 18-8-72 24625 रुपए के लिए
6. पी/एस/1757746, दिनांक 18-8-72 24625 रुपए के लिए
7. पी/एस/1759188, दिनांक 12-10-72 49250 रुपए के लिए

8. पी/एस/1759189, दिनांक 12-10-72 24625 रुपए के लिए
9. पी/एस/1759190, दिनांक 12-10-72 24625 रुपए के लिए
10. पी/एस/1760405, दिनांक 11-1-73 49400 रुपए के लिए
11. पी/एस/1760406, दिनांक 11-1-73 24700 रुपए के लिए
12. पी/एस/1760407, दिनांक 11-1-73 24700 रुपए के लिए

2. तत्पश्चात् उन्हें एक कारण बताओ सूचना संख्या : डी सी सी आई एड ई/बी-21/ए एम-75/इन्फ/एन बी एन आर/ए यू/कान/12649, दिनांक 30-1-75 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पावती से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हें इस आधार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे। उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिए दिनांक 14-2-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. ऊपर कारण बताओ सूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित अवधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिए नियत नियिका को व्यक्तिगत सुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले की पूरी तरह जाच करली है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि चूंकि सर्वेश्री वैष्य इन्डस्ट्रियल कारपोरेशन, मेरठ मिटी के पास इस मामले में अपने बचाव के लिए कुछ नहीं है, इसलिए उन्होंने उक्त कारण अवाओ भूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुए हैं।

5. ऊपर की कठिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द अथवा अप्रभावित किए जाने चाहिए। इसलिए, अधोहस्ताक्षरी यथा संशोधित आयात (नियन्त्रण) प्रावेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा (ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[मं० डी सी सी आई एड ई/बी-21/ए एम-75/इन्फ/एन बी एन आर/ए यू/कान]

ORDER

S.O. 2418.—The following licences for the import of Ball Bearings etc. non-banned, non-restricted type were issued to M/s. Vaish Indl. Corporation, Meerut City.

1. P/S/1757741 dt. 18-8-72 Rs. 45435.
2. P/S/1757742 dt. 18-2-72 Rs. 22717.
3. P/S/1757743 dt. 18-8-72 Rs. 22717.
4. P/S/1757744 dt. 18-8-72 Rs. 49250.
5. P/S/1757745 dt. 18-8-72 Rs. 24625.
6. P/S/1757747 dt. 18-8-72 Rs. 24625.
7. P/S/1759188 dt. 12-10-72 Rs. 49250.
8. P/S/1759189 dt. 12-10-72 Rs. 24625.
9. P/S/1759190 dt. 12-10-72 Rs. 24625.
10. P/S/1760405 dt. 11-1-73 Rs. 49400.
11. P/S/1760406 dt. 11-1-73 Rs. 24700.
12. P/S/1760407 dt. 11-1-73 Rs. 24700.

2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/V.21/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/12649, dt. 30-1-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 14-2-75 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Vaish Indl. Corp., Meerut City, have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings as they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the preceding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9, sub clause (a) of the Imports (Control) Order, 1955, dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/V-21/AM-75/FNI/NBNR/AU/KAN]

प्राचेश

कानूनो 2419.—मर्वशी वर्षा इंजीनियरिंग कारपोरेशन, पटेल मार्ग, गाजियाबाद को गैर-निषेध, गैर-प्रतिबंधित बाल बेयरिंग आदि के आयात के लिए निम्नलिखित साइसेंस स्वीकृत किए गए थे :—

1. पी/एम/1759767, दिनांक 24-11-72 21990 रुपए के लिए
2. पी/एम/1759768, दिनांक 24-11-72 21990 रुपए के लिए
3. पी/एस/1759769, दिनांक 24-11-72 23435 रुपए के लिए
4. पी/एस/1759770, दिनांक 24-11-72 23435 रुपए के लिए
5. पी/एम/1761510, दिनांक 26-3-73 39415 रुपए के लिए
6. पी/एम/1761511, दिनांक 26-3-73 19707 रुपए के लिए
7. पी/एम/1761512, दिनांक 26-3-73 19707 रुपए के लिए

2. तत्पचात् उन्हें एक कारण बताओ सूचना संख्या : डी सी सी आई एड ई/वी-18/एम-75/इन्फ/एन बी एन आर/ए यू/कान/14058, दिनांक 3-2-75 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पावती से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताए कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हें इस आधार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे। उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिए दिनांक 18-2-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त बताओ बताओ सूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित अवधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोग के लिए नियत तिथि को व्यक्तिगत सुनवाई के लिए कोई उपस्थित नहीं हुआ है।

1. अधिकारी ने मामले की भलीभांति जाज करली है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि वृक्ष सर्वशी वर्षा इंजीनियरिंग कारपोरेशन पटेल मार्ग, गाजियाबाद के पास इस मामले में अपने बचाव के लिए कुछ नहीं है, इसलिए उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुए हैं।

5. ऊपर की कठिकाओं में जो कुछ बताया गया है उसे ध्यान में रखते हुए अधिकारी सन्दर्भ है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द प्रथमा अप्रभावित किए जाने चाहिए। इसलिए, अधिकारी यथा संशोधित आयात (नियन्त्रण) आदेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 को भारा 9, उपधारा (ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[सं० : डी सी सी आई एड ई/वी-18/एम-75/इन्फ/एन आर/ए यू/कान]

ORDER

S.O. 2419.—The following licences for the import of Ball Bearings etc., were issued to M/s. Varsha Engineering Corporation, Patel Marg, Ghaziabad.

1. P/S/1759767 dt. 24-11-72 for Rs. 21990.
2. P/S/1759768 dt. 24-11-72 for Rs. 21990.

3. P/S/1759769 dt. 24-11-72 for Rs. 23435.

4. P/S/1759770 dt. 24-11-72 for Rs. 23435.

5. P/S/1761510 dt. 26-3-73 for Rs. 39415.

6. P/S/1761511 dt. 26-3-73 for Re. 19707.

7. P/S/1761512 dt. 26-3-73 for Rs. 19707.

2. Thereafter Show Cause Notice No. DCCI&E/V-18/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/14059, dated 3-2-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 18-2-75 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Varsha Engineering Corporation, Patel Marg, Ghaziabad have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9, sub-clause (a) of the Imports (Control) Order, 1955, dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/V-18/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

प्राचेश

कानूनो 2420.—मर्वशी विषय एम्प्रेस्टीज, प्रेमपुरी, भेरड, को गैर-निषेध, गैर-प्रतिबंधित बाल बेयरिंग आदि के आयात के लिए निम्नलिखित साइसेंस स्वीकृत किए गए थे :—

1. पी/एम/1758902 दिनांक 7-9-72 10000 रुपए के लिए
2. पी/एम/1758903 दिनांक 7-9-72 10000 रुपए के लिए
3. पी/एस/1758904 दिनांक 7-9-72 10000 रुपए के लिए
4. पी/एम/1758905 दिनांक 7-9-72 10000 रुपए के लिए
5. पी/एस/1759177 दिनांक 6-10-72 20000 रुपए के लिए
6. पी/एस/1859178 दिनांक 6-10-72 20000 रुपए के लिए
7. पी/एम/1760402 दिनांक 5-1-73 30000 रुपए के लिए
8. पी/एम/1760403 दिनांक 5-1-73 15000 रुपए के लिए
9. पी/एम/1760404 दिनांक 5-1-73 15000 रुपए के लिए
10. पी/एम/1761876 दिनांक 31-3-73 49000 रुपए के लिए
11. पी/एम/1761877 दिनांक 31-3-73 24500 रुपए के लिए
12. पी/एम/1761878 दिनांक 31-3-73 24500 रुपए के लिए

2. तत्पचात् उन्हें एक कारण बताओ सूचना डीसीसीआई एड ई/वी-18/एम-75/इन्फ/एन बी एन आर/ए यू/कान/14058, दिनांक 3-2-75, यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पावती से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताए कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हें इस आधार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे। उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिए दिनांक 18-2-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति भ्रमी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उन्नर देने के लिए नियांसित अवधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिए नियत तिथि को व्यक्तिगत सुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधिकारी ने मामले की भली-भांति जांच करली है और इस परिणाम पर पहचा है कि चूंकि सर्वथी विजय एंड्रो इन्डस्ट्रीज, प्रेमपुरी, मेरठ के पास इस मामले में अपने बचाव के लिए कुछ नहीं है, इसलिए उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुआ है।

5. ऊपर की कांडिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए अधिकारी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द अथवा अप्रभावित किए जाने चाहिए। इसलिए, अधिकारी यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा (ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग वर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[सं० डीसीसीआईएनडी/बी-17/एएम-75/इन्फ/एनबीएनप्रार/एयू/कान]

ORDER

S.O. 2420.—The following licences for the import of Ball Bearing Etc., were issued to M/s. Vijay Agro Industries, Prempuri, Meerut.

1. P/S/1758902 dt. 7-9-72 for Rs. 10000.
2. P/S/1758903 dt. 7-9-72 for Rs. 10000.
3. P/S/1758904 dt. 7-9-72 for Rs. 10000.
4. P/S/1758905 dt. 7-9-72 for Rs. 10000.
5. P/S/1759177 dt. 6-10-72 for Rs. 20000.
6. P/S/1759178 dt. 6-10-72 for Rs. 20000.
7. P/S/1760402 dt. 5-1-73 for Rs. 30000.
8. P/S/1760403 dt. 5-1-73 for Rs. 15000.
9. P/S/1760404 dt. 5-1-73 for Rs. 15000.
10. P/S/1761876 dt. 31-3-73 for Rs. 49000.
11. P/S/1761877 dt. 31-3-73 for Rs. 24500.
12. P/S/1761878 dt. 31-3-73 for Rs. 24500.

2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/V-17/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/14058 dated 3-2-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 18-2-75 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Vijay Agro Industries, Prempuri, Meerut, have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the preceding paragraphs the undersigned is satisfied that the licencees in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub clause (a) of the Imports (Control) Order 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/V-17/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

प्रादेश

का० 2421—गवर्नर द्वारा उद्योगशाला जिला-मेरठ की गैर-नियंत्रित गैर-प्रतिबंधित आल वेयरिंग आदि के आयात के लिए निम्नलिखित इसमें स्वीकृत किए गए थे—

1. पी/एस/1763532 दिनांक 5-9-73 47595 रुपए के लिए
2. पी/एस/1763533 दिनांक 5-9-73 23797 रुपए के लिए
3. पी/एस/1763534 दिनांक 5-9-73 23797 रुपए के लिए

2. तालाबात् उन्हें एक कारण बताओ सूचना संझगा डीसीसी आईएनडी/बी-14/एएम-75/इन्फ/एनबीएनप्रार/एयू/कान/14057 दिनांक 3-2-75 वह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पावती से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हें इस आधार पर कि वे मूल में जारी कर दिए गए थे। उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिए दिनांक 18-2-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति भ्रमी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उन्नर देने के लिए नियांसित अवधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिए नियत तिथि को व्यक्तिगत सुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधिकारी ने मामले की भली-भांति जांच करली है और इस परिणाम पर पहचा है कि चूंकि सर्वथी और उद्योगशाला जिला मेरठ के पास इस मामले में अपने बचाव के लिए कुछ नहीं है, इसलिए उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुए हैं।

5. ऊपर की कांडिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए अधिकारी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द अथवा अभावित किए जाने चाहिए। इसलिए, अधिकारी यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा (ए) के अन्तर्गत दत्त अधिकारों का योग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[सं० डीसीसीआईएनडी/बी-14/एएम-75/इन्फ/एनबीएनप्रार/एयू/कान]

ORDER

S.O. 2421.—The following licences for the import of Ball Bearings etc., were issued to M/s. Veer Udyogshala, Distt. Meerut.

1. P/S/1763532 dt. 5-9-73 for Rs. 47595.
2. P/S/1763533 dt. 5-9-73 for Rs. 23797.
3. P/S/1763534 dt. 5-9-73 for Rs. 23797.

2. Therefore a show cause notice No. DCCI&E/V-14/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/14057 dated 3-2-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that in the same were issued inadvertently. They were also given 18-2-75 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Veer Udyog-shala, district Meerut, have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the preceding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub-clause (a) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/V-14/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आवेदन

कांग आ० 2422.—सर्वश्री विक्रमो इन्टरप्राइज़िज, 15/57 सिविल लाइन्ज कानपुर को गैर-नियंत्रित गैर-प्रतिबंधित प्रयोगशाला और रेजन्ट के रसायनों आदि के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस स्वीकृत किए गए थे :—

1. पी/एस/1760998 दि० 2-3-73 4600 रुपए के लिए ।

2. पी/एस/1761883 दि० 31-3-73 5000 रुपए के लिए ।

2. तत्परतात् उन्हें एक कारण बताओ सूचना संख्या: डीसीसीआईएचडी/बी-10/एस-75/इन्फ/एन 31 भी एनआर/एयू/कान/17024 दिनांक 13-2-75 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पावती से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेंसों को क्यों रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हें इस आधार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे । उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिए दिनांक 28-2-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था ।

3. उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित अवधि समाप्त हो गई है । इस प्रयोजन के लिए नियन्त्रित विषय को व्यक्तिगत सुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है ।

4. अधीक्षिताकारी ने मामले की भली-भांति जांच करली है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि चूंकि सर्वश्री विक्रमो इन्टरप्राइज़िज 15/57 सिविल लाइन्ज कानपुर के पास इस मामले में घपने व्यावहारिक के लिए कुछ नहीं है, इसलिए उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुए हैं ।

5. ऊपर की कठिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए अधीक्षिताकारी संतुष्ट है कि विषयाक्षीन लाइसेंस रद्द अवधारित किए जाने चाहिए । इसलिए, अधीक्षिताकारी यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा (ए) के अन्तर्गत प्रवत्त प्रधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है ।

[सं० डीसीसीआईएचडी/बी-10/एस-75/इन्फ/एनबीएनआर/एयू/कान]

ORDER

S.O. 2422.—The following licences for the import of Laboratory and M/s. Regent Chemicals non-banned non-restricted were issued to M/s. Vicco Enterprises, 15/57, Civil Lines, Kanpur.

1. P/S/1760998 dt. 2-3-73 for Rs. 4600.

2. P/S/1761883 dt. 31-3-73 for Rs. 5000.

2. Thereafter a show cause Notice No. DCCI&E/V-10/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/17024 dated 13-2-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 28-2-75 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Vicco Enterprises, 15/57, Civil Lines, Kanpur have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the preceding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub clause (a) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the abovesaid licences.

[No. DCCI&E/V-10/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आवेदन

कांग आ० 2423.—सर्वश्री विक्रमो इन्जीनियरिंग हाईस्ट्रीज 95 साऊथ भोपा रोड़ न्यू मर्जी मुजफ्फरनगर को गैर-नियंत्रित गैर-प्रतिबंधित बाल बोरिंग आदि के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस स्वीकृत किए गए थे :—

1. पी/एस/1760991 दि० 2-3-73 8100 रुपए के लिए ।

2. पी/एस/1760992 दि० 2-3-73 8100 रुपए के लिए ।

3. पी/एस/1760993 दि० 2-3-73 8100 रुपए के लिए ।

4. पी/एस/1760994 दि० 2-3-73 8100 रुपए के लिए ।

2. तत्परतात् उन्हें एक कारण बताओ सूचना संख्या: डीसीसीआईएचडी/गी-3/एस-75/इन्फ/एनबीएनआर/एयू/कान/14053 दिनांक 3-2-75 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पावती से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेंसों को क्यों रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हें इस आधार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे । उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिए दिनांक 18-2-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था ।

3. उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित अवधि समाप्त हो गई है । इस प्रयोजन के लिए नियन्त्रित विषय को व्यक्तिगत सुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है ।

4. अधीक्षिताकारी ने मामले की भली-भांति जांच करली है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि चूंकि सर्वश्री विक्रमो इन्जीनियरिंग हाईस्ट्रीज, मुजफ्फरनगर के पास इस मामले में घपने व्यावहारिक के लिए कुछ नहीं है, इसलिए उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुए हैं ।

5. ऊपर की कठिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए अधीक्षिताकारी संतुष्ट है कि विषयाक्षीन लाइसेंस रद्द अवधारित किए जाने चाहिए । इसलिए, अधीक्षिताकारी यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा (ए) के अन्तर्गत प्रवत्त प्रधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है ।

[सं० डीसीसीआईएचडी/बी-10/एस-75/इन्फ/एनबीएनआर/एयू/कान]

ORDER

S.O. 2423.—The following licences for the import of Ball Bearings etc. non-banned non-restricted type were issued to M/s. Vishwa Karma Engineering Industries 95/South Bhopa Road, New Mandi Muzaffar Nagar.

1. P/S/1760991 dt. 2-3-73 for Rs. 8100.
2. P/S/1760992 dt. 2-3-73 for Rs. 8100.
3. P/S/1760993 dt. 2-3-73 for Rs. 8100.
4. P/S/1760994 dt. 2-3-73 for Rs. 8100.

2. Therefore a Show Cause Notice No DCCI&E/V-8/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/14053 dated 3-2-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 18-2-75 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Vishwa Karma Engg. Industries, Muzaffar Nagar have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the preceding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub-clause (a) of the Imports (Control) Order 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/V-8/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

प्रादेश

का० का० 2324.—सर्वश्री बी० क्य० इन्डस्ट्रीज, गाजियाबाद, को गैर-निषेध गैर-प्रतिबंधित बाल बेर्यिंग आदि के भायात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस स्वीकृत किए गए थे :—

1. पी/एस/1757651 दि० 2-6-72 22500 रुपए के लिए
2. पी/एस/1757652 दि० 2-6-72 22500 रुपए के लिए

2. तस्वीरात् उन्हें एक कारण बताओ सूचना संख्या : बी सी सी आई एडब्ल्यू/बी०-6/एएस-75/इन्फ/एनबीएनमार/एयू/कान/11250 दिनांक 21-1-75 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पावती से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताए कि उनके नाम में जारी किए गए लाइसेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए प्रीर उन्हें इस आधार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे। उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिए दिनांक 10-2-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित अवधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिए नियत तिथि को व्यक्तिगत सुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. प्रधोहस्ताक्षरी ने मामले की भली-भांति जांच करती है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि चूंकि सर्वश्री बी० क्य० इन्डस्ट्रीज गाजियाबाद के पास इस मामले में अपने बचाव के लिए कुछ नहीं है इसलिए उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुए हैं।

5. ऊपर की कठिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए प्रधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द अथवा अप्रभावित किए जाने चाहिए, इसलिए, प्रधोहस्ताक्षरी यथा संशोधित

भायात (नियमन) प्रादेश, 1955, दिनांक 7-12-1956 की धारा 9 उपधारा (ए) के प्रत्यर्थ प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[म० डीसीसीआईएडब्ल्यू/बी०-6/एएस/75/इन्फ/एनबीएनमार/एयू/कान]

ORDER

S.O. 2424.—The following licences for the import of Ball Bearings etc. non-banned and non-restricted type were issued to M/s. Vee Kay Industries, Ghaziabad

1. P/S/1757651 dt. 2-6-72 Rs. 22500.
2. P/S/1757652 dt. 2-6-72 Rs. 22500.

2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/V-6/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/11250 dated 27-1-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 10-2-75 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Vee Kay Industries Ghaziabad have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the preceding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub-clause (a) of the Imports (Control) Order 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/V-6/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

प्रादेश

का० का० 2425.—सर्वश्री यूनिवर्सल इंजीनियरिंगवर्स, कोटला स्ट्रीट मेरठ, को गैर-निषेध गैर-प्रतिबंधित बाल बेर्यिंग आदि के भायात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस स्वीकृत किए गए थे :—

1. पी/एस/1760728 दि० 6-2-73 10000 रुपए के लिए
2. पी/एस/1760729 दि० 6-2-73 10,000 रुपए के लिए
3. पी/एस/1762398 दि० 21-4-73 20,000 रुपए के लिए
4. पी/एस/1762399 दि० 21-4-73 20,000 रुपए के लिए

2. तस्वीरात् उन्हें एक कारण बताओ सूचना संख्या : डीसीसीआई एडब्ल्यू/पृ०-3/एएस-75/इन्फ/एनबीएनमार/एयू/कान/22611 दिनांक 22/24-2-75 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पावती से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताए कि उनके नाम में जारी किए गए लाइसेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए प्रीर उन्हें इस आधार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे। उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिए दिनांक 11-3-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित अवधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिए नियत तिथि को व्यक्तिगत सुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुए है।

4. प्रधोहस्ताक्षरी ने मामले की भली-भांति जांच करती है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि चूंकि सर्वश्री यूनिवर्सल इंजीनियरिंग वर्स कोटला स्ट्रीट मेरठ, के पास इस मामले में अपने बचाव के लिए कुछ नहीं है इसलिए उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुए है।

6. ऊपर की कठिकाओंमें जो कुछ भताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए अधीक्षताकारी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द प्रथम अप्रभावित किए जाने चाहिए। इसलिए, अधीक्षताकारी यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आंतरिक, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपचारा (ए) के अन्तर्गत प्रदत्त भविकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[रा० डीसीसीआईएण्डडई/य०.३/एस-७५/इन्फ/एनबीएनप्रार/य०/कान]

ORDER

S.O. 2425.—The following licence for the import of Ball Bearings etc. non-banned and non-restricted type were issued to M/s. Universal Engineering Works, Kotla Street, Meerut.

1. P/S/1760728 dt. 6-2-73 for Rs. 10000.
2. P/S/1760729 dt. 6-2-73 for Rs. 10000.
3. P/S/1762398 dt. 21-4-73 for Rs. 20000.
4. P/S/1762399 dt. 21-4-73 for Rs. 20000.

2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/U-3/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/22611 dated 22/24-2-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 11-3-75, for personal hearing their matter.

3. No reply to the above-mentioned notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Universal Engineering Works, Kotla Street, Meerut have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the preceding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub clause (a) of the Imports (Control) Order 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/U-3/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आवेदन

का०आ० 2426.—सर्वभी एम० एच० इण्डस्ट्रीज पटेल भार्ग, गाजियाबाद की पैर-त्तिवेष्य और-प्रतिबंधित बाल बेयरिंग आदि के आयात के लिए तिमनलिंित लाइसेंस स्थीरत किए गए थे :—

1. पी/एस/1759561 दिं 1-11-72 37100 रुपए के लिए
2. पी/एस/1759562 दिं 1-11-72 18550 रुपए के लिए
3. पी/एस/1759563 दिं 1-11-72 18550 रुपए के लिए
4. पी/एस/1759564 दिं 1-11-72 44650 रुपए के लिए
5. पी/एस/1759565 दिं 1-11-72 22325 रुपए के लिए
6. पी/एस/1759566 दिं 1-11-72 22325 रुपए के लिए
7. पी/एस/1761284 दिं 16-3-73 53107 रुपए के लिए
8. पी/एस/1761285 दिं 16-3-73 26553 रुपए के लिए
9. पी/एस/1761286 दिं 16-3-73 26533 रुपए के लिए
10. पी/एस/1761287 दिं 16-3-73 69374 रुपए के लिए
11. पी/एस/1761288 दिं 16-3-73 34687 रुपए के लिए
12. पी/एस/1761289 दिं 16-3-73 34687 रुपए के लिए

2. तरपचात् उन्हें एक कारण बताओ सूचना संलग्न छी सी सी आई एड ई/एस-89/ए एस-75/इन्फ/एन शी एन आर/एयू/कास/22610 दिनांक 22/24-2-75 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पापती से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण घटाए

कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हें इस आधार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे। उन्हें उनके मामले में अवितरण सुनवाई के लिए दिनांक 11-3-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति भी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित अवधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोगन के लिए नियत तिथि को अवितरण सुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधीक्षताकारी ने मामले की भली-भांस जाँच करी है और इस परिणाम पर पूछता है कि चूंकि सर्वश्री एस० एच० इण्डस्ट्रीज, पटेल भार्ग गाजियाबाद के पास इस मामले में अपने बचाव के लिए कुछ नहीं है, इसलिए उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और अवितरण सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुए हैं।

5. ऊपर की कठिकाओं में जो कुछ भताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए अधीक्षताकारी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द प्रथम अप्रभावित किए जाने चाहिए। इसलिए, अधीक्षताकारी यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आंतरिक, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपचारा (ए) के अन्तर्गत प्रदत्त भविकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[रा० डीसीसीआईएण्डडई/एस-89/एस-75/इन्फ/एनबीएनप्रार/ए य०/कान]

ORDER

S.O. 2426.—The following licences for the import of Ball Bearings etc. non-banned and non-restricted type were issued to M/s. S. H. Industries, Patel Marg, Ghaziabad.

1. P/S/1759561 dt. 1-11-72 for Rs. 37100.
2. P/S/1759562 dt. 1-11-72 for Rs. 18550.
3. P/S/1759563 dt. 1-11-72 for Rs. 18550.
4. P/S/1759564 dt. 1-11-72 for Rs. 44650.
5. P/S/1759565 dt. 1-11-72 for Rs. 22325.
6. P/S/1759566 dt. 1-11-72 for Rs. 22325.
7. P/S/1761284 dt. 16-3-73 for Rs. 53107.
8. P/S/1761285 dt. 16-3-73 for Rs. 26553.
9. P/S/1761286 dt. 16-3-73 for Rs. 26553.
10. P/S/1761287 dt. 16-3-73 for Rs. 69374.
11. P/S/1761288 dt. 16-3-73 for Rs. 34687.
12. P/S/1761289 dt. 16-3-73 for Rs. 34687.

2. Thereafter a Show Notice No. DCCI&E/S-89/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/22610 dated 22/24-2-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 11-3-75 for personal hearing their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. S. H. Industries Patel Marg, Ghaziabad have not replied to the notice and not turned up for personal hearings they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the preceding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub clause (a) of the Imports (Control) Order 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/S-89/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आवेदन

कांगड़ा। 2427.—सर्वश्री सैरो इंजीनियरिंग बर्स, विस्तीर्ण सहारनपुर रोड मणिहरण रोड सहारनपुर की गैर-नियेथ गैर-प्रतिबंधित बाल बेरिंग आदि के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस स्वीकृत किए गए थे :—

1. पी/एस/1757943 दि० 9-6-72	28935 रुपए के लिए
2. पी/एस/1757944 दि० 9-6-72	14467 रुपए के लिए
3. पी/एस/1757945 दि० 9-6-72	14467 रुपए के लिए
4. पी/एस/1758360 दि० 21-7-72	28937 रुपए के लिए
5. पी/एस/1758361 दि० 21-7-72	14468 रुपए के लिए
6. पी/एस/1758362 दि० 21-7-72	14468 रुपए के लिए
7. पी/एस/1759838 दि० 24-11-72	33762 रुपए के लिए
8. पी/एस/1759839 दि० 24-11-72	16882 रुपए के लिए
9. पी/एस/1759840 दि० 24-11-72	16882 रुपए के लिए
10. पी/एस/1761077 दि० 2-3-74	49278 रुपए के लिए
11. पी/एस/1761078 दि० 2-3-74	24639 रुपए के लिए
12. पी/एस/1761079 दि० 2-3-74	24639 रुपए के लिए

2. तत्पश्चात् उन्हें एक कारण बताओ सूचना संख्या डी सी सी शार्ट एड ई/एस-88/ए एस-75/एन्फ/एन बी एन आर/एयू/कान/1981ए दिनांक 19/20-2-75 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पावती से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताए कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हें इस आधार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे। उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिए दिनांक 7-3-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित अवधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिए नियत तिथि को व्यक्तिगत सुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले की भली-भांति जांच करसी है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि कूकि सर्वश्री सैरो इंजीनियरिंग बर्स, दिल्ली सहारनपुर रोड, सहारनपुर के पास इस मामले में अपने बचाव के लिए कुछ नहीं है, इसलिए उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुए हैं।

5. ऊपर की कांडिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे व्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द अथवा प्रतिबंधित किए जाने चाहिए। इमियां, अधोहस्ताक्षरी यथा मणिवित आयात (नियन्त्रण) आवेदन, 1955, दिनांक 7-12-1955 बी. धारा 9 उपधारा (ए) के अन्तर्गत प्रदेश भविकारा का प्रयाग वार हमके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[स० डीसीसीएण्डई/एस-88/एस-75/एन बी एन आर/एयू/कान]

ORDER

S.O. 2427.—The following licences for the import of Ball Bearings etc. non-banned and non restricted type were issued to M/s. Sparrow Engineering Works, Delhi Saharanpur Road, Rampur Maniharan, Saharanpur.

1. P/S/1757943 dt. 9-6-72 for Rs. 28935.
2. P/S/1757944 dt. 9-6-72 for Rs. 14467.
3. P/S/1757945 dt. 9-6-72 for Rs. 14467.
4. P/S/1758360 dt. 21-7-72 for Rs. 28937.
5. P/S/1758361 dt. 21-7-72 for Rs. 14468.
6. P/S/1758362 dt. 21-7-72 for Rs. 14468.
7. P/S/1759838 dt. 24-11-72 for Rs. 33762.

8. P/S/1759839 dt. 24-11-72 for Rs. 16882.
9. P/S/1759840 dt. 24-11-72 for Rs. 16882.
10. P/S/1761077 dt. 2-3-74 for Rs. 49278.
11. P/S/1761078 dt. 2-3-74 for Rs. 24639.
12. P/S/1761079 dt. 2-3-74 for Rs. 24639.

2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E S-88/AM-75/FNF/NBNR/AU/KAN/1981A dated 19/20-2-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 7-3-75 for personal hearing their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal bearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Sparrows Engg. Works, Delhi: Saharanpur Road, Saharanpur have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the preceding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub clause (a) of the Imports (Control) Order 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/S-88/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आवेदन

कांगड़ा। 4228.—सर्वश्री सब्राट इंजीनियरिंग कम्पनी मुकन्त नगर गाजियां नाम की गैर-नियेथ गैर-प्रतिबंधित बाल बेरिंग आदि के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस स्वीकृत किए गए थे :—

1. पी/एस/1760131 दिनांक 28-12-72 19991 रुपए के लिए
2. पी/एस/1760132 दिनांक 28-12-72 19991 रुपए के लिए
3. पी/एस/1760133 दिनांक 28-12-72 24946 रुपए के लिए
4. पी/एस/1670134 दिनांक 28-12-72 24946 रुपए के लिए
5. पी/एस/1760135 दिनांक 28-12-72 21192 रुपए के लिए
6. पी/एस/1760136 दिनांक 28-12-72 21192 रुपए के लिए

2. तत्पश्चात् उन्हें एक कारण बताओ सूचना संख्या : डी सी सी शार्ट एड ई/एस-87ए एस-75/एन्फ/एन बी एन आर/एयू/कान/22608 दिनांक 22/24-2-75 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पावती से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताए कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हें इस आधार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे। उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिए दिनांक 11-3-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित अवधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिए नियत तिथि को व्यक्तिगत सुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले की भली-भांति जांच कर ली है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि कूकि सर्वश्री सब्राट इंजीनियरिंग कंपनी मुकन्त नगर नहीं दिल्ली के पास इस मामले में अपने बचाव के लिए कुछ नहीं है, इसलिए उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुए हैं।

३. ऊपर की कठिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए अधीक्षताधारी सतुष्ट है कि विषयाधीन आइसेम इद अधिकार प्रभावित किए जाने चाहिए। इसलिए अधीक्षताधारी यथा संशोधित आयात (नियंत्रण), आदेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा ९ उपधारा (ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[संडीक्सी ईएटई/एम-८७/एएम-७५/एन्फ/एन भी एन आर/एयू/कान]

ORDER

S.O. 2428.—The following licences for the import of Ball Bearings etc. non-banned and non-restricted type were issued to M/s. Samrat Engineering Co., Mukund Nagar, Ghaziabad

1. P/S/1760131 dt. 28-12-72 for Rs. 19991.
2. P/S/1760132 dt. 28-12-72 for Rs. 19991.
3. P/S/1760133 dt. 28-12-72 for Rs. 24946.
4. P/S/1760134 dt. 28-12-72 for Rs. 24946.
5. P/S/1760135 dt. 28-12-72 for Rs. 21192.
6. P/S/1760136 dt. 28-12-72 for Rs. 21192.

2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/S-87/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/22609 dated 22/24-2-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 11-3-75 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Samrat Engineering Co., Mukund Nagar, Ghaziabad have not replied to the notice and have not turned up for personal hearing they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the preceding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub clause (a) of the Imports (Control) Order 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/S-87/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आवेदन

कांग्रा० 2429.—सर्वश्री एस० क० इंजीनियरिंग बब्स ओल्ड मेरठ रोड हायुड (यू०पी०) को गैर-नियंत्रण गैर प्रतिबंधित बाल बेयरिंग आदि के आयात के लिए नियंत्रित साइसेस स्वीकृत किए गए थे—

1. पी/एम/1760614 दिनांक 25-1-73 31400 रुपए के लिए
2. पी/एम/1760615 दिनांक 25-1-73 15700 रुपए के लिए
3. पी/एम/1760616 दिनांक 25-1-73 15700 रुपए के लिए
2. तत्पश्चात उन्हें एक कारण बताओ सूचना सख्ता : भी सी सी आई एंड ई/एम-८५/एएस-७५/एन्फ/एन भी एन आर/एयू/कान/22608 दिनांक 22/24-2-75 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पावती से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताए कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हें इस आधार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे। उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत मुनवाई के लिए दिनांक 11-3-1975 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित अवधि अमावस्या हो गई है। इस प्रयोजन के लिए नियंत्रण व्यक्तिगत मुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधीक्षताधारी ने मामले की भवी-भावि जाल बनायी है और इस परियाम पर पूछता है कि चूंकि भवी-भावि एम० के० डीनियरिंग थर्म ओल्ड मेरठ रोड हायुड (यू०पी०) के पास इस मामले में आरने बाबाव के लिए कुछ नहीं है, इसलिए उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत मुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुए हैं।

5. ऊपर की कठिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए अधीक्षताधारी सतुष्ट है कि विषयाधीन आइसेम इद अधिकार प्रभावित किए जाने चाहिए। इसलिए अधीक्षताधारी यथा संशोधित आयात (नियंत्रण), आदेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा ९ उपधारा (ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों का रद्द करता है।

[संडीक्सी/आईएटई/एम ४५/एएम-७५/उन्फ/एनवीआ०/तप्रा०/एयू/कान]

ORDER

S.O. 2429.—The following licences for the import of Ball Bearings etc. non-banned and non-restricted type were issued to M/s. S. K. Engineering Works, Old Meerut Road, Hapur (U.P.).

1. P/S/1760614 dt 25-1-73 for Rs. 31400
2. P/S/1760615 dt. 25-1-73 for Rs. 15700.
3. P/S/1760616 dt. 25-1-73 for Rs. 15700.

2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/S-85/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/22608 dated 22/24-2-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 11-3-75 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. S. K. Engineering Works, Old Meerut Road, Hapur (U.P.) have not replied to the notice and have not turned up for personal hearing they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the preceding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub clause (a) of the Imports (Control) Order 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the abovesaid licences

[No. DCCI&E/S-85/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आवेदन

कांग्रा० 2430.—सर्वश्री मुमन मकेनिकल थर्म, १३३ रमते राम रोड, गाजियाबाद को गैर-नियंत्रण गैर प्रतिबंधित बाल बेयरिंग आदि के आयात के लिए नियंत्रित साइसेस स्वीकृत किए गए थे—

1. पी/एम/1758774 दिनांक 25-8-72 24888 रुपए के लिए
2. पी/एम/1758773 दिनांक 25-8-72 24888 रुपए के लिए
3. पी/एम/1759875 दिनांक 28-11-72 7400 रुपए के लिए
4. पी/एम/1759875 दिनांक 28-11-72 7400 रुपए के लिए

5 पी/एस/1760368 दिनांक 11-1-73 37361 रुपए के लिए
 6. पी/एस/1760369 दिनांक 11-1-73 18680 रुपए के लिए
 7 पी/एस/1760370 दिनांक 11-1-73 18680 रुपए के लिए

2 तत्पश्चात् उन्हें एक कारण बताओ सूचना संख्या डी सी सी आई एड ई/एस-8-3/एम-75/इन्फ/एन बी एन आर/एयू/कान/22605 दिनांक 22/24-2-75 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ की पावसी से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताए कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हें इस आधार पर कि वे भूल से जारी थिए गए थे। उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिए दिनांक 11-3-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3 उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित अवधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिए नियत तिथि को व्यक्तिगत सुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

1. अधोहस्ताक्षरी ने मामले की भली-भांति जाच कर ली है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि चूंकि सर्वश्री सुमन मकोनिकल वर्क्स, 133 रम्मे राम रोड, गाजियाबाद के पास इस मामले में अपने बचाव के लिए कुछ नहीं है, इसलिए उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुए है।

5. ऊपर की कंडिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द अथवा अप्रभावित किए जाने चाहिए। इसलिए, अधोहस्ताक्षरी यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा (ए.) के अन्तर्गत प्रवत्त अधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[सू : डीसीसी आई एड ई/एस-8-3/एम-75/इन्फ/एन बी एन आर/एयू/कान]

ORDER

S.O. 2430.—The following licences for the import of Ball bearings etc. non banned and non restricted type were issued to M/s. Suman Mechanical Works, 133, Ramte Ram Road, Ghaziabad.

1. P/S/1756773 dated 25-8-72 for Rs. 26888
2. P/S/1758774 dated 25-8-72 for Rs. 24888
3. P/S/1759875 dated 28-11-72 for Rs. 17400
4. P/S/1759876 dated 28-11-72 for Rs. 17400
5. P/S/1760368 dated 11-1-73 for Rs. 37361
6. P/S/1760369 dated 11-1-73 for Rs. 18680
7. P/S/1760370 dated 11-1-73 for Rs. 18680

2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/S-83/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/22605 dated 22/24-2-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 11-3-75 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Suman Mechanical Works, 133 Ramte Ram Road, Ghaziabad have not replied to the notice and have not turned up for personal hearing they have no defence to urge in the matter.

5 Having regard to why has been said in the preceding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub-clause (n) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCI&E/S-83/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

प्रारंभ

का०आ० 2431.—सर्वश्री सरस्वती इंजीनियरिंग कारपोरेशन, भेरठ शहर को गैर-नियंत्रित गैर-प्रतिक्रियित बाल बेयरिंग आदि के आयात के लिए नियन्त्रित लाइसेंस स्वीकृत किए गए थे--

- 1 पी/एस/1758467, दिनांक 1-8-72 मूल्य 10,864 रुपए
2. पी/एस/1758468, दिनांक 1-8-72 मूल्य 10,874 रुपए
- 3 पी/एस/1758469, दिनांक 1-8-72 मूल्य 9,847 रुपए
- 1 पी/एस/1758470 दिनांक 1-8-72 मूल्य 9,817 रुपए
- 5 पी/एस/1759540 दिनांक 27-10-72 मूल्य 29,981 रुपए
6. पी/एस/1759541 दिनांक 27-10-72 मूल्य 14,992 रुपए
- 7 पी/एस/1759542, दिनांक 27-10-75 मूल्य 14,992 रुपए
8. पी/एस/1761180 दिनांक 8-3-73 मूल्य 35,326 रुपए
9. पी/एस/1761181 दिनांक 8-3-73, मूल्य 17,663 रुपए
10. पी/एस/1761182, दिनांक 8-3-73 मूल्य 17,663 रुपए

2. तत्पश्चात् उन्हें एक कारण बताओ सूचना संख्या : डी सी सी आई एड ई/एस-79/एम-75/इन्फ/एन बी एन आर/एयू/कान 22602 दिनांक 22/24-2-75 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पावसी से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताए कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हें इस आधार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे। उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिए दिनांक 11-3-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित अवधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिए नियत तिथि को व्यक्तिगत सुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले की भली-भांति जाच कर ली है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि चूंकि सर्वश्री सरस्वती इंजीनियरिंग कारपोरेशन, मेरठ शहर के पास इस मामले में अपने बचाव के लिए कुछ नहीं है, इसलिए उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुए है।

5. ऊपर की कंडिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द अथवा अप्रभावित किए जाने चाहिए। इसलिए, अधोहस्ताक्षरी यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा (ए.) के अन्तर्गत प्रवत्त अधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[म०डीसीसीआईएड ई/एस-79/एम-75/इन्फ/एनबीएनचार/एयू/कान]

ORDER

S.O. 2431.—The following licences for the import of Ball bearing etc. non banned non restricted type were issued to M/s. Saraswati Engg. Corporation, Meerut City.

1. P/S/1758467 dated 1-8-72 Rs. 10874
2. P/S/1758468 dated 1-8-72 Rs. 10874
3. P/S/1758469 dated 1-8-72 Rs. 9847

4. P/S/1758470 dated 1-8-72 Rs. 9847
5. P/S/1758540 dated 27-10-72 Rs. 29984
6. P/S/1759541 dated 27-10-72 Rs. 14992
7. P/S/1759542 dated 27-10-72 Rs. 14992
8. P/S/1761180 dated 8-3-73 Rs. 35326
9. P/S/1761181 dated 8-3-73 Rs. 17663
10. P/S/1761182 dated 8-3-73 Rs. 17663

2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/S-79/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/22602 dated 22/24-2-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 11-3-75 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Saraswati Engg. Corp., Meerut City have not replied to the notice and have not turned up for personal hearing they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the preceding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub clause (a) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/S. 79/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

प्रावेश

कांस्ट्रॉ 2432.—सर्वश्री शिव इंजीनियरिंग कम्पनी, गणियाबाद को गैर-नियंत्रित गैर-प्रतिबंधित बाल बैयरिंग घासि के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस स्वीकृत किए गए थे:—

1. पी/एस 1760220, दिनांक 3-1-73, मूल्य 42,700 रुपए
2. पी/एस 1760221, दिनांक 3-1-73, मूल्य 21,350 रुपए
3. पी/एस 1760222, दिनांक 3-1-73, मूल्य 21,350 रुपए
4. पी/एस 1760223, दिनांक 3-1-73, मूल्य 1,64,420 रुपए
5. पी/एस 1760224, दिनांक 3-1-73, मूल्य 82,210 रुपए
6. पी/एस 1760225, दिनांक 3-1-73, मूल्य 82,210 रुपए
7. पी/एस 1760226, दिनांक 3-1-73, मूल्य 2,21,495 रुपए
8. पी/एस 1760227, दिनांक 3-1-73, मूल्य 1,10,747 रुपए
9. पी/एस 1760228, दिनांक 3-1-73, मूल्य 1,07,747 रुपए

2. तत्पत्त्वात् उन्हें एक कारण बताओ सूचना संलग्ना : डी सी सी शार्ड ई/एस-81/एस/75 इन्फ/एन/बी १८ आर/एय/कान/22604 दिनांक 22/24-2-75 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पावती से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हें इस आधार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे। उन्हें उनके मामले में अवितर सुनवाई के लिए दिनांक 11-3-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति ग्रामी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित अवधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिए नियत तिथि को अवितर सुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले की भली-भांति जांच कर ली है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि चूंकि सर्वश्री शिव इंजीनियरिंग कम्पनी, गणियाबाद के पास इस मामले में अपने बचाव के लिए कुछ नहीं है,

इसलिए उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और अवितर सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुए है।

5. ऊपर की कंडिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संमुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस यह अधिकार प्रभावित किए जाने चाहिए। इसलिए, अधोहस्ताक्षरी यथा मंशोधित आयात (नियन्त्रण), 1955, दिनांक 7-12-1955 की आया 9 उपायार (ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[मं. : डी सी सी शार्ड ई/एस-81/एस/75 इन्फ/एन/बी आर/एय/कान]

ORDER

S.O. 2432.—The following licences for the import of Ball bearing etc. non banned non restricted type were issued to M/s. Shiv Engg. Co., Ghaziabad.

1. P/S/1760220 dated 3-1-73 for Rs. 42700
2. P/S/1760221 dated 3-1-73 for Rs. 21350
3. P/S/1760222 dated 3-1-73 for Rs. 21350
4. P/S/1760223 dated 3-1-73 for Rs. 164420
5. P/S/1760224 dated 3-1-73 for Rs. 82210
6. P/S/1760225 dated 3-1-73 for Rs. 82210
7. P/S/1760226 dated 3-1-73 for Rs. 221495
8. P/S/1760227 dated 3-1-73 for Rs. 110747
9. P/S/1760228 dated 3-1-73 for Rs. 107747

2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/S-81/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/22604 dated 22/24-2-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 11-3-75 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Shiv Engg. Co., Ghaziabad have not replied to the notice and have not turned up for personal hearing they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the preceding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub clause (a) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/S-81/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

प्रावेश

कांस्ट्रॉ 2433.—सर्वश्री स्पेशल इंजीनियरिंग कार्पोरेशन, गणियाबाद को गैर-नियंत्रित गैर-प्रतिबंधित बाल बैयरिंग घासि के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस स्वीकृत किए गए थे:—

1. पी/एस 1759631, दिनांक 3-11-72, मूल्य 25,325 रुपए
2. पी/एस 1759632, दिनांक 3-11-72, मूल्य 12,662 रुपए
3. पी/एस 1759633, दिनांक 3-11-72, मूल्य 12,662 रुपए
4. पी/एस 1760137, दिनांक 18-12-72, मूल्य 33,695 रुपए
5. पी/एस 1760138, दिनांक 18-12-72, मूल्य 16,847 रुपए
6. पी/एस 1760139, दिनांक 18-12-72, मूल्य 16,847 रुपए
7. पी/एस 1761744, दिनांक 29-3-73, मूल्य 36,150 रुपए
8. पी/एस 1761745, दिनांक 29-3-73, मूल्य 18,075 रुपए
9. पी/एस 1761746, दिनांक 29-3-73, मूल्य 18,075 रुपए
10. पी/एस 1761747, दिनांक 29-3-73, मूल्य 26,945 रुपए
11. पी/एस 1761748, दिनांक 29-3-73, मूल्य 13,472 रुपए
12. पी/एस 1761749, दिनांक 29-3-73, मूल्य 13,472 रुपए

2 तत्पश्चात् उन्हें एक कारण बताओ सूचना राखा। ई सी सी प्राई एंड ई/एम-78/एम-75/इन्फ/एन बी एन आर/एयू/कान/22602 दिनांक 24-2-75 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पाषती से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताए कि उनके नाम में जारी किए गए, उक्त लाइसेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हें इस आधार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे। उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत मुनबाई के लिए दिनांक 11-3-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3 उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित अवधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिए नियत नियिकों व्यक्तिगत मुनबाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4 अधोहस्ताक्षरी ने मामले की भली-भांति जाच कर ली है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि कूंकि मर्वशी स्पेज़ इंजीनियरिंग कार्पोरेशन, गाजियाबाद के पास इस मामले में अपने बताव के लिए कुछ नहीं है, इसलिए उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत मुनबाई के लिए उपस्थित नहीं हुए है।

5. ऊपर की कंडिक्टों में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द अथवा अप्रभावित किए जाने चाहिए। इसलिए, अधोहस्ताक्षरी यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा (ए) के अन्तर्गत प्रवत्त अधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[सं० : ई सी सी प्राई एंड ई/एम-78/एम-75/इन्फ/एन बी एन आर/एयू/कान]

ORDER

S.O. 2433.—The following licences for the import of Ball bearing etc. non banned non restricted type were issued to M/s. Spenja Engg. Corp., Ghaziabad.

1. P/S/1759631 dated 3-11-72 Rs. 25325
- 2 P/S/1759632 dated 3-11-72 Rs. 12662
3. P/S/1759633 dated 3-11-72 Rs. 12662
4. P/S/1760137 dated 18-12-72 Rs. 33695
5. P/S/1760138 dated 18-12-72 Rs. 16847
6. P/S/1760139 dated 18-12-72 Rs. 16847
7. P/S/1761744 dated 29-3-73 Rs. 36150
8. P/S/1761745 dated 29-3-73 Rs. 18075
9. P/S/1761746 dated 29-3-73 Rs. 18075
10. P/S/1761747 dated 29-3-73 Rs. 26945
11. P/S/1761748 dated 29-3-73 Rs. 13472
12. P/S/1761749 dated 29-3-73 Rs. 13472

2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCJ&E/S 78/AM-75/FNF/NBNR/AU/KAN/22601 dated 24-2-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 11-3-75 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Spenja Engg. Corp., Ghaziabad have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the preceding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub-clause (a) of the

Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/S-78/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

ORDER

कानून 2434.—संवंधी एम० के० स्टील कम्पनी, मेरठ शहर की प्रति विवेध गैर-प्रतिवंधित बाग बैयरिंग आदि के आयात के लिए नियन्त्रित लाइसेंस स्वीकृत किए गए थे:—

1. पी/एम 1758691, दिनांक 18-8-72, मूल्य 17,751 रुपए
- 2 पी/एम 1758692, दिनांक 18-8-72, मूल्य 17,751 रुपए
- 3 पी/एम 1758693, दिनांक 18-8-72, मूल्य 22,496 रुपए
4. पी/एम 1758694, दिनांक 18-8-72, मूल्य 22,496 रुपए
- 5 पी/एम 1759429, दिनांक 12-10-72 मूल्य 20,992 रुपए
6. पी/एम 1759430, दिनांक 12-10-72, मूल्य 20,992 रुपए
- 7 पी/एम 1769710, दिनांक 9-2-73, मूल्य 49,376 रुपए
8. पी/एम 1760711, दिनांक 9-2-73, मूल्य 24,688 रुपए
- 9 पी/एम 1760712, दिनांक 9-2-73, मूल्य 24,688 रुपए

2 तत्पश्चात् उन्हें एक कारण बताओ सूचना संख्या ई सी सी प्राई एंड ई/एम-77/एम-75/इन्फ/एन बी एन आर/एयू/कान 19816-ए, दिनांक 20-2-75 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पाषती से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताए कि उनके नाम में जारी किए गए, उक्त लाइसेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हें इस आधार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे। उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत मुनबाई के लिए दिनांक 7-3-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर नहीं प्राप्त हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित अवधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिए नियत नियिकों व्यक्तिगत मुनबाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले की भली-भांति जाच कर ली है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द अथवा अप्रभावित किए जाने चाहिए। इसलिए, अधोहस्ताक्षरी यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा (ए) के अन्तर्गत प्रवत्त अधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

5. ऊपर की कंडिक्टों में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी, संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द अथवा अप्रभावित किए जाने चाहिए। इसलिए, अधोहस्ताक्षरी यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा (ए) के अन्तर्गत प्रवत्त अधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[सं० ई सी सी प्राई एंड ई/एम-77/एम-75/इन्फ/एन बी एन आर/एयू/कान]

ORDER

S.O. 2434.—The following licences for the import of Ball bearing etc. non banned non restricted type were issued to M/s. S. K. Steel Co., Meerut City.

1. P/S/1758691 dated 18-8-72 for Rs. 17751
- 2 P/S/1758692 dated 18-8-72 for Rs. 17751
3. P/S/1758693 dated 18-8-72 for Rs. 22496
4. P/S/1758694 dated 18-8-72 for Rs. 22496
5. P/S/1759429 dated 12-10-72 for Rs. 20992
6. P/S/1759430 dated 12-10-72 for Rs. 20992
7. P/S/1769710 dated 9-2-73 for Rs. 49376
8. P/S/1760711 dated 9-2-73 for Rs. 24688
9. P/S/1760712 dated 9-2-73 for Rs. 24688

2. Thereafter a show cause notice No. DCCI&E/S-77/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/19816-A dated 20-2-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 7-3-75 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appealed for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. S. K. Steel Co., Mohalla Gulzar Ibrahim, Lisari Road, Meerut City have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the preceding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub clause (a) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/S 77/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आवेदन

कांग्रा० 2435.—सर्वश्री शक्ति इंजीनियरिंग कम्पनी, गाजियाबाद को गैर-नियंत्रित गैर-प्रतिबंधित बाल बैथरिंग आदि के आयात के लिए नियन्त्रित लाइसेंस स्वीकृत किए गए थे:—

1. पी/एम 1758166, दिनांक 27-6-72, मूल्य 40,420 रुपए
2. पी/एम 1758167, दिनांक 27-6-72, मूल्य 20,210 रुपए
3. पी/एम 1758168, दिनांक 27-6-72 मूल्य 20,210 रुपए
4. पी/एम 1760557, दिनांक 19-1-73, मूल्य 47,935 रुपए
5. पी/एम 1760558, दिनांक 19-1-73, मूल्य 23,967 रुपए
6. पी/एम 1760559, दिनांक 19-1-73, मूल्य 23,967 रुपए
7. पी/एम 1761771, दिनांक 29-3-73, मूल्य 47,666 रुपए
8. पी/एम 1761772, दिनांक 29-3-73, मूल्य 23,732 रुपए
9. पी/एम 1761773, दिनांक 29-3-73, मूल्य 23,732 रुपए

2. तत्पचात् उन्हें एक कारण बताओ सूचना मालया डी सी सी आई एंड ई/एम-76/एएम-75/हन्फ/एन बी एन आर/एप्यू/कान/17803 दिनांक 10-2-75 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पावसी में लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हें इस आधार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे। उन्हें उनके मामले में अविकल्प सुनवाई के लिए दिनांक 25-2-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित प्रबंधि समाप्त हो गई है। इम प्रयोजन के लिए नियत नियंत्रित को अविकल्प सुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले की भवी-भावत जांच कर ली है और इम परिणाम पर पहुंचा है कि चूंकि सर्वश्री शक्ति इंजीनियरिंग कम्पनी, गाजियाबाद के पास इम मामले में अपने बालाव के लिए कुछ नहीं है, इसपिछे उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और अविकल्प सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुए हैं।

5. ऊपर की कठिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी सन्तुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द अवधार अप्रभावित किए जाने चाहिए। इसलिए, अधोहस्ताक्षरी यथा भवोधित आयात (नियवण) आवेदन, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा (ग) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करना है।

[सं० डी सी सी आई एंड ई/एम-76/एएम-75/हन्फ/एन बी एन आर/एप्यू/कान]

44 GI/76-7

ORDER

S.O. 2435.—The following licences for the import of Ball bearing etc. non-banned non-restricted type were issued to M/s. Shanker Engineering Co. G T. Road, Ghaziabad,

1. P/S/1758166 dated 27-6-72 for Rs. 40420
2. P/S/1758167 dated 27-6-72 for Rs. 20210
3. P/S/1758168 dated 27-6-72 for Rs. 20210
4. P/S/1760557 dated 19-1-73 for Rs. 47935
5. P/S/1760558 dated 19-3-73 for Rs. 23967
6. P/S/1760559 dated 19-1-73 for Rs. 23967
7. P/S/1761771 dated 29-3-73 for Rs. 47666
8. P/S/1761772 dated 29-3-73 for Rs. 23732
9. P/S/1761773 dated 29-3-73 for Rs. 23732.

2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/S-76/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/17003 dated 10-2-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 25-2-75 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appealed for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Shanker Engineering Co. Ghaziabad have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the preceding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub clause (a) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/S-76/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आवेदन

कांग्रा० 2436.—सर्वश्री भासा एरीकल्चरल इंडस्ट्रीज गाजियाबाद को गैर-नियंत्रित गैर-प्रतिबंधित बाल बैथरिंग आदि के आयात के लिए नियन्त्रित लाइसेंस स्वीकृत किए गए थे:—

1. पी/एम/ 1759627, दिनांक 3-11-72 मूल्य 13375/- रुपए
2. पी/एम/ 1759628, दिनांक 3-11-72 मूल्य 13375/- रुपए
3. पी/एम/ 1759629, दिनांक 2-11-72 मूल्य 10878/- रुपए
4. पी/एम/ 1759630, दिनांक 3-11-72 मूल्य 10878/- रुपए
5. पी/एम/ 1761136, दिनांक 28-3-73 मूल्य 12518/- रुपए
6. पी/एम/ 1761737, दिनांक 28-3-73 मूल्य 12518/- रुपए
7. पी/एम/ 1761738, दिनांक 28-3-73 मूल्य 9926/- रुपए
8. पी/एम/ 1761739, दिनांक 28-3-73 मूल्य 9926/- रुपए ।

2. तत्पचात् उन्हें एक कारण बताओ सूचना संस्कृत डी सी सी आई एंड ई/एम-75/हन्फ/एन बी एन आर/एप्यू/कान/17001, दिनांक 10-2-75 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पावसी से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हें इस आधार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे। उन्हें उनके मामले में अविकल्प सुनवाई के लिए दिनांक 25-2-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित अवधि समाप्त हो गई है। इम प्रयोजन के लिए नियत नियंत्रित को अविकल्प सुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले की भली-भांति जांच करली है” और इस परिणाम पर पहुंचा है कि चूंकि सर्वश्री भमा एवं कलबरारा इन्हस्ट्रीज गाजियाबाद के पास इस मामले में अपने बचाव के लिए कुछ नहीं है, इसलिए उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत मुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुए हैं।

5. ऊपर की कंडिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए, अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द अधिकार अप्रभावित किए जाने चाहिए। इसलिए, अधोहस्ताक्षरी यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आवेदन, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा (ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[मं० श्री सी सी आई एड ई/एम-74/एम-75/इन्फ/एन बी एन आर/एयू/कान]

ORDER

S.O. 2436.—The following licences for the import of Ball bearings etc. were issued to M/s. Bhama Agricultural Industries, Patel Marg, Ghaziabad.

1. P/S/1759627 dt. 3-11-72 for Rs. 13375
2. P/S/1759628 dt. 3-11-72 for Rs. 13375
3. P/S/1759629 dt. 3-11-72 for Rs. 10878
4. P/S/1759630 dt. 3-11-72 for Rs. 10878
5. P/S/176136 dt. 28-3-73 for Rs. 12518
6. P/S/1761737 dt. 28-3-73 for Rs. 12518
7. P/S/1761738 dt. 28-3-73 for Rs. 9926
8. P/S/1761739 dt. 28-3-73 for Rs. 9926

(2) Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/S-74/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/17001 dated 10-2-1975 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 25-2-1975 for personal hearing of their matter.

(3) In reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

(4) The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Bhama Agricultural Industries, Ghaziabad have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings they have no defence to urge in the matter.

(5) Having regard to what has been said in the preceding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub clause (a) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/S-74/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आवेदन

का० आ० 2437.—सरकारी सन लाइट हंजीनियरिंग कम्पनी, गाजियाबाद फो गैर-निवेद गैर-प्रतिबंधित बाल वैर्यरिंग आवि के धायात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस स्वीकृत किए गए थे :—

1. पी/एस/ 1759917, दिनांक 1-12-72, मूल्य 20197/- रुपए
2. पी/एस/ 1759918, दिनांक 1-12-72, मूल्य 20197/- रुपए
3. पी/एस/ 1759919, दिनांक 1-12-72 मूल्य, 23935/- रुपए
4. पी/एस/ 1759920, दिनांक 1-12-72, मूल्य 23935/- रुपए
5. पी/एस/ 1762084, दिनांक 31-3-73, मूल्य 38325/- रुपए
6. पी/एस/ 1762085, दिनांक 31-3-73, मूल्य 19162/- रुपए
7. पी/एस/ 1762086, दिनांक 31-3-73, मूल्य 19162/- रुपए

2 तथापचात् उन्हें एक कारण बताओ सूचना संख्या बी सी सी आई एड ई/एम-73/ए म-75/इन्फ/एन बी एन आर/एयू/कान/ 19806 दिनांक 17-2-1975 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि आरण बताओ सूचना की पावती से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हें इन प्राधार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे। उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत मुनवाई के लिए दिनांक 4-3-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3 उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति ग्रभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित मन्त्रधिकार सम्पाद्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिए नियन्त्रित को व्यक्तिगत मुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधोहस्ताक्षरी के मामले की भली-भांति जांच करली है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि चूंकि सर्वश्री भमा नाइट हंजीनियरिंग कम्पनी गाजियाबाद के पास इस मामले में अपने बचाव के लिए कुछ नहीं है, इसलिए उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत मुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुआ है।

5. ऊपर की कंडिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए, अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द अधिकार अप्रभावित किए जाने चाहिए। इसलिए, अधोहस्ताक्षरी यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आवेदन, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा (ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[मं० श्री सी सी आई एड ई/एम-73/एम-75/इन्फ/एन बी एन आर/एयू/कान]

ORDER

S.O. 2437.—The following licences for the import of Ball bearings etc; non-banned non-restricted type were issued to M/s. Sun Light Engineering Co., Hapur Road, Ghaziabad.

1. P/S/1759917 dated 1-12-72 for Rs. 20197
2. P/S/1759918 dated 1-12-72 for Rs. 20197
3. P/S/1759919 dated 1-12-72 for Rs. 23935
4. P/S/1759920 dated 1-12-72 for Rs. 23935
5. P/S/1762084 dated 31-3-73 for Rs. 38325
6. P/S/1762085 dated 31-3-73 for Rs. 19162
7. P/S/1762086 dated 31-3-73 for Rs. 19162

(2) Thereafter a show cause notice No. DCCI&E/S-73/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/19806 dated 17-2-1975 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 4-3-75 for personal hearing of their matter.

(3) No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

(4) The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Sun Light Engg. Company, Ghaziabad have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings they have no defence to urge in the matter.

(5) Having regard to what has been said in the preceding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub clause (a) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/S-73/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आदेश

का० घा० 2438.—चर्चिती सुमन मैकेनिकल वर्क्स, गाजियाबाद को गैर-निरेध गैर-प्रतिबंधित वाल वैयरिंग आवि के आवात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस स्वीकृत किए गए थे :—

1. पी/एम/ 1763285, दिनांक 14-8-73, मूल्य 24,788/- रुपए
2. पी/एन/ 1763286, दिनांक 14-8-73, मूल्य 24,788/- रुपए
3. पी/एस/ 1763287, दिनांक 14-8-73, मूल्य 36,090/- रुपए
4. पी/एस/ 1763288, दिनांक 14-8-73 मूल्य 18,045/- रुपए
5. पी/एस/ 1763289, दिनांक 14-8-73, मूल्य 18,045/- रुपए

2. तत्प्रथात् उन्हें एक कारण बताओ सूचना संख्या छी सी सी आई एंड ई/एस 70/ए-एम-75/इन्क/एन वी एन भार/एयू/कान/ 19804 दिनांक 17-2-75 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पावती से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताए कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हें इस प्राधार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे। उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिए दिनांक 4-3-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित अवधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिए नियत तिथि को व्यक्तिगत सुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले की भली-भांति जांच कर ली है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि कूकि सर्वश्री सुमन मैकेनिकल वर्क्स, गाजियाबाद के पास इस मामले में अपने बचाव के लिए कुछ नहीं है, इसलिए उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और अवधिगत सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुए हैं।

5. ऊपर की कंडिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे व्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द प्रथा अप्रभावित किए जाने चाहिए। इसलिए, अधोहस्ताक्षरी यथा संशोधित आवात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा (ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[सं० वी सी सी आई एंड ई/एम-70/एम-75/इन्क/एन वी एन भार/एयू/कान]

ORDER

S.O. 2438.—The following licences for the import of Ball Bearings etc. non-banned non-restricted types were issued to M/s. Suman Mechanical Works, Ramte Ram Road, Ghaziabad.

1. P/S/1763285 dated 14-8-73 for Rs. 24788
2. P/S/1763286 dated 14-8-73 for Rs. 24788
3. P/S/1763287 dated 14-8-73 for Rs. 36090
4. P/S/1763288 dated 14-8-73 for Rs. 18045
5. P/S/1763289 dated 14-8-73 for Rs. 18045

(2) Thereafter a show cause notice No. DCCI&E/S. 70/AM. 75/ENF/NBNR/AU/KAN/19804 dated 17-2-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 4-3-75 for personal hearing of their matter.

(3) No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

(4) The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Suman Mechanical Works, Ramteram Road, Ghaziabad have not replied to the notice and have not turned up for personal hearing and they have no defence to urge in the matter.

(5) Having regard to what has been said in the preceding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub clause (a) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[NO. DCCI&E/S. 70/AM. 75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आदेश

का० घा० 2439.—सर्वश्री स्प्रो इंजीनियरिंग वर्क्स, सहारनपुर को गैर-निरेध गैर-प्रतिबंधित वाल वैयरिंग आवि के आवात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस स्वीकृत किए गए थे :—

1. पी/एस/ 1763473, दिनांक 29-8-73, मूल्य 33050 रुपए
2. पी/एस/ 1763474, दिनांक 29-8-73, मूल्य 16525 रुपए
3. पी/एम/ 1763475, दिनांक 29-8-73, मूल्य 16525 रुपए

2. तत्प्रथात् उन्हें एक कारण बताओ सूचना संख्या छी सी सी आई एंड ई/एस-69/ए-एम-75/इन्क/एन वी एन भार/एयू/कान/ 19803 दिनांक 17-2-75 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पावती से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हें इस प्राधार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे। उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिए दिनांक 4-3-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित अवधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिए नियत तिथि को व्यक्तिगत सुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले की भली-भांति जांच कर ली है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि कूकि सर्वश्री स्प्रो इंजीनियरिंग वर्क्स, रामपुर, सहारनपुर के पास इस मामले में अपने बचाव के लिए कुछ नहीं है, इसलिए उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और अवधिगत सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुए हैं।

5. ऊपर की कंडिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे व्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द प्रथा अप्रभावित किए जाने चाहिए। इसलिए, अधोहस्ताक्षरी यथा संशोधित (नियंत्रण) आदेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा (ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[सं० वी सी सी आई एंड ई/एस-69/ए-एम-75/इन्क/एन वी एन भार/एयू/कान]

ORDER

S.O. 2439.—The following licences for the import of Ball Bearings etc. non-banned non-restricted type were issued to M/s. Sparrow Engg. Works, Delhi Saharanpur Road, Rampur Manjharan, Distt. Saharanpur.

1. P/S/1763473 dated 29-8-73 for Rs. 33050
2. P/S/1763474 dated 29-8-73 for Rs. 16525
3. P/S/1763475 dated 29-8-73 for Rs. 16525

(2) Thereafter a show cause notice No. DCCI&E S 69/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/19803 dated 17-2-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 4-3-75 for personal hearing of their matter.

(3) No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

(4) The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Sparrow Engg. Works, Rampur Maniharan, Distt. Saharanpur have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings and they have no defence to urge in the matter.

(5) Having regard to what has been said in the preceding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub clause (a) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/S-69/AM-75/ENF/NBNR/AP/KAN]

आदेश

का० आ० 2440.—सर्वश्री स्टील लीफ, मुजफ्फरनगर को गैर-निषेध गैर-प्रतिबंधित बाल बेयरिंग आवि के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस स्वीकृत किए गए थे :—

1. पी/एस/1757815, दिनांक 1-6-72 मूल्य 9006 रुपए
2. पी/एस/1757816, दिनांक 1-6-72, मूल्य 9006 रुपए

2. तत्पश्चात् उन्हें एक कारण बताओ भूचना संभवा छी सी सी आई एंड ई/एस-65/ए एम-75/इन्फ/एन बी एन आर/ए यू/कान/19799 दिनांक 17-2-75 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ भूचना की पावती से नेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हें इस आधार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे। उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिए दिनांक 4-3-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ भूचना के प्राप्त अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित अवधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिए नियत तिथि को व्यक्तिगत सुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधिकारी ने मामले की भली-भांति जांच कर ली है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि चूंकि सर्वश्री स्टील लीफ, मुजफ्फरनगर के पास इस मामले में अपने बचाव के लिए कुछ नहीं है, इसलिए उन्होंने उक्त कारण बताओ भूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुए हैं।

5. ऊपर की कहिकारों में जो कुछ बताया गया है उसे ध्यान में रखते हुए अधिकारी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द अवधा अप्रभावित किए जाने चाहिए। इसलिए, अधिकारी यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा (ए) के अन्तर्गत प्रवत्त प्रधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[संख्या डीमीसी आई एंड ई/एस-65/ए एम-75/इन्फ/एन बी एन आर/ए यू/कान]

ORDER

S.O. 2440.—The following licences for the import of Ball bearings etc. non-banned non-restricted type were issued to M/s. Steel Leaf, G.T. Road, Muzaffar Nagar.

1. P/S/1757815 dated 1-6-72 for Rs. 9006
2. P/S/1757816 dated 1-6-72 for Rs. 9006

(2) Thereafter a show cause notice No. DCCI&E/S-65/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/19799 dated 17-2-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 4-3-75 for personal hearing of their matter.

(3) No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

(4) The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Steel Leaf, G.T. Road, Muzaffar Nagar have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings and they have no defence to urge in the matter.

(5) Having regard to what has been said in the preceding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub clause (a) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/S-65/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आदेश

का० आ० 2441—सर्वश्री श्याम इन्डस्ट्रीज, गाजियाबाद को गैर-निषेध गैर-प्रतिबंधित बाल बेयरिंग आवि के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस स्वीकृत किए गए थे :—

1. पी/एस/1760156, दिनांक 28-12-72, मूल्य 5000 रुपए
2. पी/एस/1760157, दिनांक 28-12-72, मूल्य 5000 रुपए

2. तत्पश्चात् उन्हें एक कारण बताओ सूचना संभवा छी सी सी आई एंड ई/एस-64/ए एम-75/इन्फ/एन बी एन आर/ए यू/कान/19798 दिनांक 17-2-75 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पावती से नेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हें इस आधार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे। उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिए दिनांक 4-3-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित अवधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिए नियत तिथि को व्यक्तिगत सुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधिकारी ने मामले की भली-भांति जांच कर ली है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि चूंकि सर्वश्री श्याम इन्डस्ट्रीज, गाजियाबाद के पास इस मामले में आपने बचाव के लिए कुछ नहीं है, इसलिए उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुए हैं।

5. ऊपर की कहिकारों में जो कुछ बताया गया है उसे ध्यान में रखते हुए अधिकारी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द अवधा अप्रभावित किए जाने चाहिए। इसलिए, अधिकारी यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा (ए) के अन्तर्गत प्रवत्त प्रधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[संख्या डीमीसी आई एंड ई/एस-64/ए एम-75/इन्फ/एन बी एन आर/ए यू/कान]

ORDER

S.O. 2441.—The following licences for the import of Ball bearings etc. non-banned non-restricted type were issued to M/s. Shyam Industries, Jassipura, Ghaziabad.

1. P/S/1760156 dated 28-12-72 for Rs. 5000
2. P/S/1760157 dated 28-12-72 for Rs. 5000

ORDER

S.O. 2443.—The following licences for the import of Ball Bearings etc., non banned non restricted types were issued to M/s. Shyam Behari Lal Jain & Sons, Jwala Nagar, Kanpur ;—

1. P/S/1758339 dated 20-7-72 for Rs. 15,200.
2. P/S/1758340 dated 20-7-72 for Rs. 15,200.

(2) Thereafter A Show Cause Notice No. DCCI&E/S. 60/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/19796, dated 17-2-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 4-3-75 for personal hearing of their matter.

(3) No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

(4) The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Shyam Behari Lal Jain & Sons, Jwala Nagar, Kanpur have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings they ave no defence to urge in the matter.

(5) Having regard to what has been said in the preceding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub clause (a) of the Imports (Control) Order, 1955, dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/S-60/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आवेदन

कांग्रा० 2444.—सर्वेशी शब्दीर हृसैन कारखाने दार, मुरादाबाद को गर-निषेध, गैर-प्रतिवधित खाली बैयरिंग प्रावि के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेस स्वीकृत किए गए थे :—

1. पी/एस/1759653 दिनांक 9-11-72 मूल्य 5,000 रुपये

2. तत्पश्चात् उन्हें एक कारण बताओ सूचना संख्या : झी सी सी आई एंड ई/एस-56/एम-75/इन्फ/एन वी एन आर/एयू/कान/19794, दिनांक 17-2-75 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पावती से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना आहिए और उन्हे हम आधार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे। उन्हें उनके मामले में अक्तिगत सुनवाई के लिए दिनांक 4-3-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित प्रक्रिया समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिए नियत तिथि को अक्तिगत सुनवाई के लिए, कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधिकारी ने मामले की भली-भांति जांच कर ली है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि चूंकि सर्वथी शब्दीर हृसैन कारखाने दार, मुरादाबाद के पास इस मामले में आगे बढ़ाव के लिए कुछ नहीं है, इसलिए उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और अक्तिगत सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुए हैं।

5. ऊपर की कठिकाओं में जो बुध बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए अधिकारी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेस रद्द अथवा अप्रभावित किए जाने आहिए। इसलिए, अधिकारी यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9

उपधारा (ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेसों को रद्द करता है।

[स० झी सी सी आई एंड ई/एस-57/एम-75/इन्फ/एन वीएन आर/एयू/कान]

ORDER

S.O. 2444.—The following licences for the import of Ball bearings etc; non banned nor restricted type were issued to M/s. Shabbir Husain Karkhanedar, Moradabad.

1. P/S/1759653 dated 9-11-72 for Rs. 5,000.

2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/S. 56/AM. 75/ENF/NBNR/AU/KAN/19794 dated 17-2-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 4-3-75 for personal hearing of their matter.

(3) No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

(4) The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Shabbir Husain Karkhanedar, Moradabad, have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings they have no defence to urge in the matter.

(5) Having regard to what has been said in the preceding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub clause (a) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/S. 57/A.M./ENF/NBNR/AU/KAN]

आवेदन

कांग्रा० 2445.—सर्वेशी आर० एस० हूजीनियरिंग कम्पनी, इस्लामाबाद, मेठ को गर-निषेध, गैर-प्रतिवधित रमायनों प्रावि के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेस स्वीकृत किए गए थे :—

1. पी/एस/1758683 दिनांक 18-8-72—7,500 रुपए के लिए
2. पी/एस/1758684 दिनांक 18-8-72—7,500 रुपए के लिए
3. पी/एस/1758685 दिनांक 18-8-72—20,000 रुपए के लिए
4. पी/एस/1758686 दिनांक 18-8-72—20,000 रुपए के लिए
5. पी/एस/1759420 दिनांक 12-10-72—20,000 रुपए के लिए
6. पी/एस/1759421 दिनांक 12-10-72—20,000 रुपए के लिए
7. पी/एस/1761354 दिनांक 20-3-73—43,715 रुपए के लिए
8. पी/एस/1761355 दिनांक 20-3-73—21,857 रुपए के लिए
9. पी/एस/1761356 दिनांक 20-3-73—21,857 रुपए के लिए

2. तत्पश्चात् उन्हें एक कारण बताओ सूचना संख्या : झी सी सी आई एंड ई/आर-10/ए एम-75/इन्फ/एन वी एन आर/एयू/कान/3875 दिनांक 6-1-75 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पावती से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना आहिए और उन्हे इस आधार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे, उन्हें उनके मामले में अक्तिगत सुनवाई के लिए दिनांक 21-1-1975 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित प्रक्रिया समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिए नियन्त्रित की गयी अक्तिगत सुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधीक्षिताक्षरी ने मामले की भवी-भावति जारी करली है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि चूंकि सर्वश्री प्रार० एस० इन्जीनियरिंग क० इस्लामबाबाद मेरठ के पास इस मामले में अपने बताव के लिए कुछ नहीं है, इसलिए उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुए हैं।

5. ऊपर की विडिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए अधीक्षिताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द अथवा अप्रभावित किए जाने चाहिए ?। इसलिए, अधीक्षिताक्षरी यथा संशोधित प्रायात (नियंत्रण) आदेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा (ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[म० डीसीसीआईएप्पई/प्रार-10/एएम-75/इन्फ/एनवीएनआर/एम/कान]

ORDER

S.O. 2445.—The following licences for the import of Chemicals non-banned non-restricted were issued to M/s. R. S. Engineering Co., Islamabad, Meerut.

1. P/S/1758683 dated 18-8-72 Rs. 7500
2. P/S/1758684 dated 18-8-72 Rs. 7500
3. P/S/1758685 dated 18-8-72 Rs. 20000
4. P/S/1758686 dated 18-8-72 Rs. 20000
5. P/S/1759420 dated 12-10-72 Rs. 20000
6. P/S/1759421 dated 12-10-72 Rs. 20000
7. P/S/1761354 dated 20-3-73 Rs. 43715
8. P/S/1761355 dated 20-3-73 Rs. 21857
9. P/S/1761356 dated 20-3-73 Rs. 21857

(2) Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/R-10/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/3875 dated 6-1-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 21-1-1975 for personal hearing on the date fixed for the purpose.

(3) No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

(4) The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. R. S. Engineering Company, Islamabad, Meerut, have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings they have no defence to urge in the matter.

(5) Having regard to what has been said in the preceding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub-clause (a) of the Imports (Control) Order, 1955, dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/R. 10/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आदेश

कानून 2446.—सर्वश्री इन्जिनियरिंग कारपोरेशन पटेल मार्ग गाजियाबाद को गैर-नियंत्रित गैर-प्रतिबंधित आल इयरिंग आदि के प्रायात के लिए नियन्त्रित लाइसेंस स्वीकृत किए गए थे:—

1. पी/एस/1759681, दिनांक 10-11-72, 23195 रुपये के लिए
2. पी/एस/1759682, दिनांक 10-11-72, 23195 रुपये के लिए
3. पी/एस/1759683, दिनांक 10-11-72, 11159 रुपये के लिए
4. पी/एस/1759684, दिनांक 10-11-72, 11159 रुपये के लिए
5. पी/एस/1761740, दिनांक 29-3-73, 12999 रुपये के लिए

6. पी/एस/1761741, दिनांक 29-3-73, 12999 रुपये के लिए
7. पी/एस/1761742, दिनांक 29-3-73, 16319 रुपये के लिए
8. पी/एस/1761743, दिनांक 29-3-73, 16349 रुपये के लिए

2 त पश्चात् उन्हें प्रति कारण बताओ सूचना संबंधी ही गी सी आई एन्ड आर-15/एस-75/इन्फ/एम/कान/14042 दिनांक 3-2-75 यह पूछने हुए, जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पावसी में लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताए कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हें इस आधार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे। उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत शुनवाई के लिए दिनांक 18-2-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3 उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित अवधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिए नियत तिथि का व्यक्तिगत शुनवाई के लिए कोई भी उपचित नहीं हुआ है।

4 अधीक्षिताक्षरी ने मामले की भवी-भावति जांच कर ली है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि चूंकि सर्वश्री इन्जिनियरिंग कारपोरेशन गाजियाबाद के पास इस मामले में अपने बताव के लिए कुछ नहीं है, इसलिए उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत शुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुए हैं।

5. ऊपर की विडिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए अधीक्षिताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द अथवा अप्रभावित किए जाने चाहिए। इसलिए, अधीक्षिताक्षरी यथा संशोधित प्रायात (नियंत्रण) आदेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा (ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[म० : डीसीसीआईएप्पई/प्रार-15/एएम-75/इन्फ/एनवीएनआर/एम/कान]

ORDER

S.O. 2446.—The undersigned licences for the import of Ball Bearings etc. non-banned non-restricted were issued to M/s. Republic Engg. Corporation, Patel Marg, Ghaziabad.

1. P/S/1759681 dated 10-11-1972 Rs. 23195.
2. P/S/1759682 dated 10-11-1972 Rs. 23195.
3. P/S/1759683 dated 10-11-1972 Rs. 11159.
4. P/S/1759684 dated 10-11-1972 Rs. 11159.
5. P/S/1761740 dated 29-3-1973 Rs. 12999.
6. P/S/1761741 dated 29-3-1973 Rs. 12999.
7. P/S/1761742 dated 29-3-1973 Rs. 16349.
8. P/S/1761743 dated 29-3-1973 Rs. 16349.

(2) Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/R-15/AM-75/ENF/NBNR/AU/RE/KAN/14042 dated 3-2-1975 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 18-2-1975 for personal hearing of their matter.

(3) No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appealed for personal hearing on the date fixed for the purpose.

(4) The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Republic Engg. Corp., Ghaziabad, have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings they have no defence to urge in the matter.

(5) Having regard to what has been said in the preceding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub-clause (a) of the Imports (Control) Order 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/R-15/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आवेदन

का० आ० 2447.—सर्वंश्री रॉयल कैमिकल प्रोडक्ट्स, 105/560, श्रीनगर बम्प पुरा नामपूर को गैर-निवेद्य गैर-प्रतिबंधित रमायनो आदि के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस स्वीकृत किए गए थे:—

1. पी/एस/1762275, दिनांक 26-4-75, 6900 रुपये के लिए
2. पी/एस/1762276, दिनांक 26-4-75, 6900 रुपये के लिए

2. तत्पश्चात् उन्हें एक कारण बताओ मूचना मंज्या: श्री सी सी आईएडी/बी-4/ए प्रम-75/इफ/एन श्री एन आर/एयू/कान/1041, 1265/दिनांक 11-12-74 और 31-1-75 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ मूचना की पावनी से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हें इस आधार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे। उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिए दिनांक 26-12-74 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ मूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित प्रबंधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिए नियत तिथि को व्यक्तिगत सुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले की भली-भांति जाच कर ली है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि चूंकि सर्वंश्री रॉयल कैमिकल प्रोडक्ट्स, कानपुर के पास इस मामले से अपने बचाव के लिए कुछ नहीं है, इसलिए उन्होंने उक्त कारण बताओ मूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुए हैं।

5. ऊपर की कठिकारों में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विवाधीन लाइसेंस रद्द अथवा प्रभावित किए जाने चाहिए। इसलिए, अधोहस्ताक्षरी यथा संशोधित आयात (नियन्त्रण) आदेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा (ग) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[स० श्री सी सी आई एड ई/प्रार-4/ए प्रम-75/इफ/एन वी एन आर/एयू/कान]

ORDER

S.O. 2447.—The following licences for the import of Chemicals non-banned non-restricted type were issued to M/s. Royal Chemical Products, Kanpur.

1. P/S/1762275 dated 26-4-1973 for Rs. 6900.

2. P/S/1762276 dated 26-4-1973 for Rs. 6900.

(2) Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/B-4/AM-75/1265/ENE/NBNR/AU/KAN/1041, 1265/dated 11-12-74 & 31-1-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 26-12-1974 for personal hearing on the date fixed for the purpose.

(3) No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

(4) The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Royal Chemical Products, Kanpur, have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings they have no defence to urge in the matter.

(5) Having regard to what has been said in the preceding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9(a) of the Imports (Control) Order 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/R-4/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आवेदन

का० आ० 2448.—सर्वंश्री आर० जी० इन्डस्ट्रीज, सुभाष नगर, मेरठ को गैर-निवेद्य गैर-प्रतिबंधित लिक्टोशाफिक जिन्क शीट्स और रमायनो आदि के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस स्वीकृत किए गए थे:—

1. पी/एस/1762620, दिनांक 30-5-73, 5000 रुपये के लिए
2. पी/एस/1762621, दिनांक 30-5-73, 5000 रुपये के लिए
3. पी/एस/1758385, दिनांक 24-7-72, 5000 रुपये के लिए
4. पी/एस/1758386, दिनांक 24-7-72, 5000 रुपये के लिए

2 तत्पश्चात् उन्हें एक कारण बताओ मूचना मंज्या: श्री सी सी आईएडी/ई/प्रार-3/प्री-ए प्रम-75/इफ/एन वी एन आर/एयू/कान/1778 और 2509 दिनांक 20-12-74, 24/30-12-74 क्रमानुसार यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ मूचना की पावनी से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हें इस आधार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे। उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिए दिनांक 4-1-75 और 14-1-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ मूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित प्रबंधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिए नियत तिथि को व्यक्तिगत सुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले की भली-भांति जाच कर ली है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि चूंकि सर्वंश्री आर० जी० इन्डस्ट्रीज सुभाष नगर मेरठ के पास इस मामले में अपने बचाव के लिए कुछ नहीं है, इसलिए उन्होंने उक्त कारण बताओ मूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुए हैं।

5. ऊपर की कठिकारों में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विवाधीन लाइसेंस रद्द अथवा प्रभावित किए जाने चाहिए। इसलिए, अधोहस्ताक्षरी यथा संशोधित आयात (नियन्त्रण) आदेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा (ग) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[स० श्री सी सी आई एड ई/प्रार-3 प्रम-75/इफ/एन वी एन आर/एयू/कान]

ORDER

S.O. 2448.—The following licences for the import of Lithographic Zinc Sheets & Chemical etc. non-banned and non-restricted type were issued to M/s. R. G. Industries, Subhash Nagar, Meerut.

1. P/S/1762620 dated 30-5-1973 for Rs. 5000.
2. P/S/1762621 dated 30-5-1973 for Rs. 5000.
3. P/S/1758385 dated 24-7-1972 for Rs. 5000.
4. P/S/1758386 dated 24-7-1972 for Rs. 5000.

2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/R-3 and 9/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/1778 & 25099 dated 20-12-1974, 24/30-12-1974 respectively was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 4-1-1975 & 14-1-1975 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter & has come to the conclusion that the said M/s. R. G. Industries, Subhash Nagar, Meerut, have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings as they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the preceding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9, sub-clause (a) of the imports (Control) Order, dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above licences.

[No. DCCI&E/R-3 & 9/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आवेदन

का० प्रा० 2449.—सर्वेशी राज मेटल इन्डियरिंग कम्पनी, गाजियाबाद को गैर-नियंत्रित, गैर-प्रतिबंधित बाल बैयरिंग आदि के प्राप्तात के लिए निम्न-लिखित लाइसेंस स्वीकृत किए गए थे:—

1. पी/एस/1768036 दिनांक 20-12-72 7920 रुपये के लिए
2. पी/एस/1768037, दिनांक 20-12-72 7920 रुपये के लिए
3. पी/एस/1760801, दिनांक 16-2-73 8450 रुपये के लिए
4. पी/एस/1760802, दिनांक 16-2-73 8450 रुपये के लिए

2. तत्पश्चात् उन्हें एक कारण बताओ सूचना संलग्न : डी सी सी प्राई एंड ई/प्रार-14/ए एम-75/इन्फ/एन बी एन आर/एयू/कान/14041, दिनांक 3-2-1975, यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पावती से नेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताएँ कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हें इस आधार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे। उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिए दिनांक 18-2-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित अवधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिए नियत तिथि को व्यक्तिगत सुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले की भली-भाति जांच कर ली है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि कूकि सर्वेशी राज मेटल इन्डियरिंग का०, गाजियाबाद के पास इस मामले में अपने बचाव के लिए कुछ नहीं है, इसलिए उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुए हैं।

5. ऊपर की कठिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संकुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द, प्रथम अप्रभावित किए जाने चाहिए। इसलिए, अधोहस्ताक्षरी यथा संघोधित ग्राम्यात (नियन्त्रण) आदेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9, उपधारा (ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[सं० डी सी सी प्राई एंड ई/प्रार-14/ए एम-75/इन्फ/एन बी एन आर/एयू/कान]

44GI/76-8

ORDER

S.O. 2449.—The following licences for the import of Ball Bearing etc. non-banned, non-restricted were issued to M/s. Raj Metal Engineering Co., Ghaziabad.

1. P/S/1768036 dated 20-12-1972 Rs. 7920/-.
2. P/S/1768037 dated 20-12-1972 Rs. 7920/-.
3. P/S/1760801 dated 16-2-1973 Rs. 8450/-.
4. P/S/1760802 dated 16-2-1973 Rs. 8450/-.

(2) Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/R I-14/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/1404, dated 3-2-1975 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 18-2-1975 for personal hearing on the date fixed for the purpose.

(3) No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

(4) The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Raj Metal Engineering Co., Ghaziabad have not replied to the notice and have not turned up for personal hearing as they have no defence to urge in the matter.

(5) Having regard to what has been said in the preceding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9, sub-clause (a) of the Imports (Control) Order, 1955, dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the abovesaid licences.

[No. DCCI&E/R-14/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आवेदन

का० प्रा० 2450.—सर्वेशी आर० य० इन्डस्ट्रीज चन्दौसी, जिला मुरादाबाद को गैर-नियंत्रित, गैर-प्रतिबंधित बाल बैयरिंग आदि के प्राप्तात के लिए निम्न-लिखित लाइसेंस स्वीकृत किए गए थे:—

1. पी/एस/1758106, दिनांक 23-6-72, 25000 रुपये के लिए
2. पी/एस/1758107, दिनांक 23-6-72, 25000 रुपये के लिए

2. तत्पश्चात् उन्हें एक कारण बताओ सूचना संलग्न : डी सी सी प्राई एंड ई/प्रार-19/ए एम-75/इन्फ/एन बी एन आर/एयू/कान/14045, दिनांक 3-2-1975 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पावती से नेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताएँ कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हें इस आधार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे। उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिए दिनांक 18-2-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित अवधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिए नियत तिथि को व्यक्तिगत सुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले की भली-भाति जांच कर ली है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि जूकि सर्वेशी आर० य० इन्डस्ट्रीज, चन्दौसी, जिला मुरादाबाद के पास इस मामले में अपने बचाव के लिए कुछ नहीं है, इसलिए उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुए हैं।

5. ऊपर की कंडिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए ग्रधोहस्ताक्षरी मंसुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द प्रथमा अप्रभावित किए जाने चाहिए। इसलिए, ग्रधोहस्ताक्षरी यथा संघोधित आयात (नियंत्रण) प्रादेश, 1955, विनाक 7-12-1955 की धारा 9, उपधारा (ए) के अन्तर्गत प्रश्न प्रधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[सं० धी सी सी भाई एंड ई/धार- 19/एम- 75/इन्फ/एन बी एन आर/एयू/कान]

ORDER

S.O. 2450.—The undermentioned licences for the import of Ball Bearings etc. non-banned, non-restricted were issued to M/s. R. U. Industries, Chandausi, Distt. Moradabad.

- (1) P/S/1758106 dated 23-6-1972 Rs. 25000/-.
- (2) P/S/1758107 dated 23-6-1972 Rs. 25000/-.

(2) Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/R-19/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/14045, dated 3-2-1975 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 18-2-1975 for personal hearing of their matter.

(3) No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

(3) The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. R. U. Industries, Chandausi, Distt. Moradabad have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings as they have no defence to urge in the matter.

(5) Having regard to what has been said in the preceding paragraph the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9, sub-clause (a) of the Imports (Control) Order, 1955, dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/R-19/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

ग्रामेश

का० धा० 2451.—सर्वंश्री भार० धी० हस्तीनियरिंग कम्पनी, गाजियाबाद को गैर-नियंत्रण, गैर-प्रतिबंधित वाल बैरिंग भारि के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस स्वीकृत किए गए थे :

1. पी/एम/ 1764026, विनाक 30-10-73, 17046 रुपये के लिए
2. पी/एस/ 1764027, विनाक 30-10-73, 17047 रुपये के लिए
3. पी/एस/ 1764028, विनाक 30-10-73, 21625 रुपए के लिए
4. पी/एस/ 1764029, विनाक 30-10-73, 21625 रुपए के लिए

2. तद्यन्तवाल उन्हें एक कारण बतायी सूचना संभवा धी सी सी भाई एंड ई/धार- 21/ए एम- 75/इन्फ/एन बीएन आर/एयू/कान/14046, विनाक 3-2-75, यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बतायी सूचना की पावती से नेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हें इस प्राधार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे। उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिए विनाक 18-2-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बतायी सूचना के प्रति पर्याप्त तरफ कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए विषयाधीन ग्रधोहस्ताक्षरी ममास ही गई है।

इस पर्योजन के लिए भिन्न लिये को अकिञ्चन सुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

1. ग्रधोहस्ताक्षरी ने मामले की अपीली-भागी जाच कर दी है और इस परिणाम पर पूछा है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द प्रथमा अप्रभावित किए जाने चाहिए। इसलिए, ग्रधोहस्ताक्षरी यथा संघोधित आयात (नियंत्रण) प्रादेश, 1955, विनाक 7-12-1955 की धारा 9, उपधारा (ए) के अन्तर्गत प्रश्न प्रधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

5. ऊपर की कंडिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए ग्रधोहस्ताक्षरी मंसुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द प्रथमा अप्रभावित किए जाने चाहिए। इसलिए, ग्रधोहस्ताक्षरी यथा संघोधित आयात (नियंत्रण) प्रादेश, 1955, विनाक 7-12-1955 की धारा 9, उपधारा (ए) के अन्तर्गत प्रश्न प्रधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[सं० धी सी सी भाई एंड ई/धार- 21/ए एम- 75/इन्फ/एन बी एन आर/एयू/कान]

ORDER

S.O. 2451.—The undermentioned licences for the import of Ball Bearings etc. non-banned non-restricted were issued to M/s. R. B. Engg. Company Ghaziabad.

- (1) P/S/1764026 dated 30-10-1973 Rs. 17046/-.
- (2) P/S/1764027 dated 30-10-1973 Rs. 17047/-.
- (3) P/S/1764028 dated 30-10-1973 Rs. 21625/-.
- (4) P/S/1764029 dated 30-10-1973 Rs. 21625/-.

(2) Therefore a Show Cause Notice No. DCCI&E/R-21/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/14046, dated 3-2-1975 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 18-2-1975 for personal hearing of their matter.

(3) No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

(4) The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. R. B. Engg. Company, Ghaziabad, have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings as they have no defence to urge in the matter.

(5) Having regard to what has been said in the preceding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question shall be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/R-21/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

ग्रामेश

का० धा० 2452.—सर्वंश्री रोशन उद्दीप 4/326, शकी गग, हमीरपुर की गैर-नियंत्रण, गैर-प्रतिबंधित सुरक्षित रायानों और प्राकृतिक सुरक्षित तेस आदि के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस स्वीकृत किए गए थे :

1. पी/एस/ 1760201 दि० 29-12-72 5000 रुपये के लिए
2. पी/एस/ 1760202 दि० 29-12-72 5000 रुपये के लिए

2. तत्त्वात् उन्हें एक कारण बतायी सूचना संख्या : श्री सी सी आई एड ई/प्रार-23/एएम-75/इन्क/एन वी एन प्रार/एयू/कान/14047 दिनांक 3-2-76 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बतायी सूचना की पावती से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हें इस आधार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे। उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिए दिनांक 18-2-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बतायी सूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निष्ठारित प्रबंधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोगन के लिए नियत तिथि को व्यक्तिगत सुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. प्रश्नोहस्ताक्षरी ने मामले की भक्ति-भाँति जांच कर की है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि चूंकि सर्वथा रायेन उड्डोग 4/325, शक्तिवाल, नवीनपुर, के पास इस मामले में अपने बचाव के लिए कुछ नहीं है, इसलिए उन्होंने उक्त कारण बतायी सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुए हैं।

5. ऊपर की कथिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए अधीक्षित अधिकारी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द घटना अप्रभावित किए जाने चाहिए। इसलिए, प्रश्नोहस्ताक्षरी यथा संशोधित प्राप्तात (नियंत्रण) प्रावेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा (ए) के अंतर्गत प्रदत्त भविकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[मं० : श्री सी सी आई एड ई/प्रार-23/एएम-75/इन्क/एन वी एन प्रार/एयू/कान]

ORDER

S.O. 2452.—The following licences for the import of Aromatic Chemicals and N.S. Oils etc. non-banned and non-restricted type were issued to M/s. Raushan Udyog, 4/325, Safiganj, Hamirpur.

1. P/S/1760201 dated 29-12-1972 for Rs. 5000/-
2. P/S/1760202 dated 29-12-1972 for Rs. 5000/-

2. Thereafter a show cause notice No. DCCI&E/R23/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/14047 dated 3-2-1975 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said Licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 18-2-1975 for personal hearing of their matter.

(3) No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Raushan Udyog, 4/325, Safiganj, Hamirpur have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings they have no defence to urge in the matter.

(5) Having regard to what has been said in the preceding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub-clause (a) of the Imports (Control) dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/R-23/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

प्रादेश

का० आ० 2453.—सर्वश्री रायेल परस्यूमरी वर्सै, 122/706, शास्त्री नगर, कानपुर को गैर-निषेध-नीर-प्रतिबंधित सुरक्षित रसायन भावि के प्राप्तात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस स्वीकृत किए गए थे :—

1. पी/एस/1763801 दि० 4-10-73 5000 रुपए के लिए
2. पी/एस/1763802 दि० 4-10-73 5000 रुपए के लिए

2. तत्त्वात् उन्हें एक कारण बतायी सूचना संख्या : श्री सी सी आई एड ई/प्रार-25/ए एम/75/इन्क/एन वी एन प्रार/एयू/कान/16992 दिनांक 10-2-75 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बतायी सूचना की पावती से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हें इस आधार पर कि वे भूल से जारी किए गए थे। उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिए दिनांक 25-2-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बतायी सूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निष्ठारित प्रबंधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोगन के लिए नियत तिथि को व्यक्तिगत सुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. प्रश्नोहस्ताक्षरी ने मामले की भक्ति-भाँति जांच कर की है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि चूंकि सर्वथा रायेल परस्यूमरी वर्सै, 122/706 शास्त्री नगर कानपुर के पास इस मामले में अपने बचाव के लिए कुछ नहीं है, इसलिए उन्होंने उक्त कारण बतायी सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुए हैं।

5. ऊपर की कथिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए प्रश्नोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द घटना अप्रभावित किए जाने चाहिए। इसलिए, प्रश्नोहस्ताक्षरी यथा संशोधित प्राप्तात (नियंत्रण) प्रावेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा (ए) के अंतर्गत प्रदत्त भविकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंस को रद्द करता है।

[मं० : श्री सी सी आई एड ई/प्रार-25/एएम-75/इन्क/एन वी एन प्रार/एयू/कान]

ORDER

S.O. 2453.—The following licences for the import of Aromatic Chemicals etc. non-banned and non-restricted type were issued to M/s. Royal Perfumery Works, 122/706, Shastri Nagar, Kanpur :—

1. P/S/1763801 dated 4-10-73 for Rs. 5000.
2. P/S/1763802 dated 4-10-73 for Rs. 5000.

2. Thereafter a show cause Notice No. DCCI&E/R-25 AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/16992 dated 10-2-1975 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said Licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 25-2-1975 for personal hearing of their matter.

(3) No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

(4) The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Royal Perfumery Works, 122/706, Shastri Nagar Kanpur have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings they have no defence to urge in the matter.

(5) Having regard to what has been said in the preceding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in

question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub-clause (a) of the Imports (Control) order, dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/R-25/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

प्रावेश

का० आ० 2454—सर्वेश्वी रिहल इंडस्ट्रीज पटेल नगर, गाजियाबाद को गैर-निषेध और प्रतिबंधित बाल बेयरिंग आदि के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेस स्वीकृत किए गए थे :—

1. पी/एस/1758776 दि० 25-8-72 13720 रुपए के लिए
2. पी/एस/1758777 दि० 25-8-72 13720 रुपए के लिए
3. पी/एस/1758778 दि० 25-8-72 13720 रुपए के लिए
4. पी/एस/1758779 दि० 25-8-72 13720 रुपए के लिए

2. तत्पश्चात उन्हें एक कारण बताओ गूचना संख्या : डी सी सी आई एंड ई/प्रा०-29/ए एम-75/इन्फ/एन बी एन आर/एय०/कान/22596 दिनांक 22/24-2-75 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ गूचना की पावरी से नेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनके नाम जारी किए गए उक्त लाइसेसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हें इस आवार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे। उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिए दिनांक 11-3-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ गूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित अवधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिए नियम तिथि को व्यक्तिगत सुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधीक्षताकारी ने मामले की भली-भांति जांच कर सी है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि चूंकि सर्वेश्वी रिहल इंडस्ट्रीज पटेल नगर गाजियाबाद के पास इस मामले में अपने बचाव के लिए कुछ नहीं है इसलिए उन्होंने उक्त कारण बताओ गूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुए हैं।

5. ऊपर की कंडिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे व्यापार में रखते हुए अधीक्षताकारी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेस रद्द अवधि अप्रभावित किए जाने चाहिए। इसलिए, अधीक्षताकारी यथा संशोधित प्राप्तात नियंत्रण (आदेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा(ए) के अंतर्गत प्रवत्त प्रधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेसों को रद्द करता है।

[सं० : डी सी सी आई एंड ई/प्रा०-29/ए एम-75/इन्फ/एन बी एन आर/एय०/कान]

ORDER

S.O. 2454.—The order following licences for the import of Ball Bearings etc. non-banned non-restricted type were issued to M/s. Rehal Industries Patel Nagar, Ghaziabad.

1. P/S/1758776 dated 25-8-72 for Rs. 13720/-
2. P/S/1758777 dated 25-8-72 for Rs. 13720/-
3. P/S/1758778 dated 25-8-72 for Rs. 13720/-
4. P/S/1758779 dated 25-8-72 for Rs. 13720/-.

2. Thereafter a show cause notice no DCCI&E/R-29/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/22596 dated 22/24-2-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 11-3-75 for personal hearing of their matter

(3) No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

(4) The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Rehal Industries, Patel Nagar, Ghaziabad have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings they have no defence to urge in the matter.

(5) Having regard to what has been said in the preceding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub-clause (a) of the Imports (Control) order dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/R-29/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

प्रावेश

का० आ० 2455—सर्वेश्वी ग्रेरे पंजाब इंजीनियरिंग वर्क्स, गाजियाबाद को गैर-निषेध-गैर-प्रतिबंधित बाल बेयरिंग आदि के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेस स्वीकृत किए गए थे :—

1. पी/एस/1761841 दि० 30-3-73 23879 रुपए के लिए
2. पी/एस/176842 दि० 30-3-73 23879 रुपए के लिए

2. तत्पश्चात उन्हें एक कारण बताओ गूचना संख्या : डी सी सी आई एंड ई/एस-501 ए एस-75/इन्फ/एन बी एन आर/एय०/कान/22599 दिनांक 22/24-2-75 यह पूछते जारी की गई थी कि कारण बताओ गूचना की पावरी से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनके नाम जारी किए गए उक्त लाइसेसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हें इस आवार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे। उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिए दिनांक 11-3-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ गूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित अवधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिए नियम तिथि को व्यक्तिगत सुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधीक्षताकारी ने मामले की भली-भांति जांच कर सी है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि चूंकि सर्वेश्वी ग्रेरे पंजाब इंजीनियरिंग वर्क्स गाजियाबाद के पास इस मामले में अपने बचाव के लिए कुछ नहीं है इसलिए उन्होंने उक्त कारण बताओ गूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुए हैं।

5. ऊपर की कंडिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे व्यापार में रखते हुए अधीक्षताकारी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेस रद्द अवधि अप्रभावित किए जाने चाहिए। इसलिए, अधीक्षताकारी यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा(ए) के अंतर्गत प्रवत्त प्रधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेसों को रद्द करता है।

[सं० : डी सी सी आई एंड ई/एस-50/ए एम-75/इन्फ/एन बी एन आर/एय०/कान]

ORDER

S.O. 2455.—The following licences for the import of Ball Bearings etc. non-banned non-restricted were issued to M/s. Sherc Punjab Engg. Works, Ghaziabad.

1. P/S/1761841 dated 30-3-73 Rs. 23879/-.
2. P/S/1761842 dated 30-3-73 Rs. 23879/-.

(2) Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/S-50/AM-75/ENF/NBNR/AU/REP/KAN/22599 dated 22/24-2-75 was issued to them asking to show cause within

fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were given 11-3-75 for personal hearing of their matter.

(3) No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

(4) The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Shere Punjab Engg. Works Ghaziabad, have not replied to the notice and have not turned up for personal hearing they have no defence to urge in the matter.

(5) Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub-clause (a) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/S-50/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

प्रादेश

का०ग्रा० 2456—संवेदी शायन इंजीनियरिंग कारपोरेशन 187 हिल्सी रोड, मेरठ, को गैर-निवेद गैर-प्रतिबन्धित वाल बिर्परग आदि के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस स्वीकृत किए गए थे।—

1. पी/एम/1758601 दि० 9-8-72 12500 रुपए के लिए।

2. पी/एस/1758602 दि० 9-8-72 12500 रुपए के लिए।

2. तत्पश्चात उन्हें एक कारण बतायो सूचना संदर्भ : डी सी सी आई एंड ई०/एस-५५/ए०एम०-७५/इफ/एन०बी०एन०आर०/एय०/कान०/७०० दिनांक 10-2-74 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पावती से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताएँ कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हें इस आधार पर कि वे भूल से जारी किए रखे थे। उन्हें उनके मामले में अविक्षित सुनवाई के लिए दिनांक 25-2-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित अवधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिए नियत तिथि को अविक्षित सुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधोहस्ताक्षरी न मामले की भली-भांति जाव कर सी है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि चूंकि सर्वथी शर्यत इंजीनियरिंग कारपोरेशन, मेरठ के पास इस मामले में अपने बचाव के लिए कुछ नहीं है, इसलिए उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और अविक्षित सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुए हैं।

5. ऊपर की कड़िकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे व्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द अवधि अप्रभावित किए जाने चाहिए। इसलिए, अधोहस्ताक्षरी यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) प्रादेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा (1) के अंतर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर इनके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[सं०. डी सी सी आई एंड ई०/एस-५५/ए०एम०-७५/इफ/एन०बी०एन०आर०/एय०/कान०]

ORDER

S.O. 2456.—The following licences for the import of Ball Bearings etc. non-banned non-restricted were issued to M/s. Shine Engg. Corp., 187, Delhi Road, Meerut.

1. P/S/1758601 dated 9-8-1972 Rs. 12500.
2. P/S/1758602 dated 9-8-1972 Rs. 12500.

(2) Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/S-55/AM-75/ENF/NBNR/U/KAN/17000 dated 10-2-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were given 25-2-75 for personal hearing in their matter.

(3) No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

(4) The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Shine Engg. Corporation, Meerut have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings they have no defence to urge in the matter.

(5) Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub clause (a) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/S-55/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

प्रादेश

का०ग्रा० 2457—संवेदी शब्दरथान मेटल इंडस्ट्रीज 61 हैंडस्ट्रीयल हस्टेट कानपुर, को गैर-निवेद गैर-प्रतिबन्धित वाल बिर्परग आदि के आयात के लिए निम्नलिखित लाइसेंस स्वीकृत किए गए थे।—

1. पी/एस/1762780 दि० 29-6-73 6750 रुपए के लिए।
2. पी/एम/1762781 दि० 29-6-73 6750 रुपए के लिए।
3. पी/एस/1762782 दि० 29-6-73 6000 रुपए के लिए।
4. पी/एस/1762783 दि० 29-6-73 6000 रुपए के लिए।

2. तत्पश्चात उन्हें एक कारण बतायो सूचना संदर्भ : डी सी सी आई एंड ई०/एस-५६/ए०एम०-७५/इफ/एन०बी०एन०आर०/एय०/कान०/१५६२५ दिनांक 6-2-75 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पावती से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताएँ कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हें इस आधार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे। उन्हें उनके मामले में अविक्षित सुनवाई के लिए दिनांक 21-2-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित अवधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिए नियत तिथि को अविक्षित सुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले की भली-भांति जाव कर सी है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि चूंकि सर्वथी शब्दरथान मेटल इंडस्ट्रीज कानपुर के पास इस मामले में अपने बचाव के लिए कुछ नहीं है, इसलिए उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और अविक्षित सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुए हैं।

5 उपर की कंडिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे व्यापार में रखते हुए अधिहस्ताकारी संयुक्त है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द अधिकारी प्रभावित किए जाने चाहिए। इसलिए, अधिहस्ताकारी यथा संशोधित आयत (नियंत्रण) आदेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा (ए) के अंतर्गत प्रवत्त प्रधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[सं०: श्री सी सी भाई एंड ई/एम-56/ए प्र-75/एन्फ/एन बी एन आर/ए यू/कान]

ORDER

S.O. 2457.—The following licences for the import of Ball bearings etc, non banned non-restricted type were issued to M/s. Sabarwal Metal Industries, 61, Industrial Estate, Kanpur.

1. P/S/1762780 dated 29-6-1973 for Rs. 6750.
2. P/S/1762781 dated 29-6-1973 for Rs. 6750.
3. P/S/1762782 dated 29-6-1973 for Rs. 6000.
4. P/S/1762783 dated 29-6-1973 for Rs. 6000.

(2) Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/S. 56/AM. 75/ENF/NBNR/AU/KAN/15625 dated 6-2-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 21-2-75 for personal hearing of their matter.

(3) No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

(4) The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Sabarwal Metal Industries, Kanpur have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings they have no defence to urge in the matter.

(5) Having regard to that has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub clause (a) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/S. 56/AM. 75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आदेश

कानून 2458.—यद्यपि रॉयल इक्सपेलर बर्स, गाजियाबाद को गैर-नियंत्रित गैर-प्रतिबंधित बाल वंशराम आदि के आयात के लिए निम्नलिखित साइरेस स्थीरत किए गए हैं:—

1. पी/एस/1759685, दि० 10-11-72 मूल्य 20,862 रुपए
2. पी/एस/1759686, दि० 10-11-72 मूल्य 20,862 रुपए
3. पी/एस/1761357, दि० 20-3-73 मूल्य 22,230 रुपए
4. पी/एस/1761358 दि० 20-3-73 मूल्य 22,230 रुपए
5. पी/एस/1761183 दि० 8-3-73, मूल्य 15,505 रुपए
6. पी/एस/1761184 दि० 8-3-73 मूल्य 15,505 रुपए

2. उत्तरप्रश्नात उन्हें एक कारण बताओ सूचना सव्याः श्री सी सी भाई एंड ई/मार-32 ए एस/75/एन्फ/एर बी एन आर/ए यू/कान/22597 दिनांक 22/24-2-75 मह मूल्य द्वाटे हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पावती से नेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताएँ कि उनके नाम में जारी किए गए उक्त लाइसेंसों को क्यों न रह कर दिया जाना चाहिए।

और हमें इस प्राधार पर कि वे मूल से जारी कर दिए गए हैं। उन्हें उनके भासने में व्यक्तिगत सुनवाई के लिए दिनांक 11-3-75 का विन स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित प्रबंधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिए नियत तिथि को व्यक्तिगत सुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधिहस्ताकारी ने मामले की भलीभांति जांच कर ली है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि मूल संविधान इक्सपेलर बर्स, गाजियाबाद के पास इस मामले में अपने बचाव के लिए कुछ नहीं है, इसलिए उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुए हैं।

5. कारण की कंडिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे व्यापार रखते हुए अधिहस्ताकारी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द अधिकारी प्रभावित किए जाने चाहिए। इसलिए, अधिहस्ताकारी यथा संशोधित आयत (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा (ए) के अंतर्गत प्रवत्त प्रधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[सं०: श्री सी सी भाई एंड ई/मार-32/ए प्र-75/एन्फ/एन बी एन आर/ए यू/कान]

ORDER

S.O. 2458.—The following licences for the import of Ball Bearing etc, non banned non restricted type were issued to M/s. Royal Expeller Works, Mukand Nagar, Ghaziabad.

1. P/S/1759685 dated 10-11-1972 for Rs. 20862.
2. P/S/1759686 dated 10-11-1972 for Rs. 20862.
3. P/S/1761357 dated 20-3-1973 for Rs. 22230.
4. P/S/1761358 dated 20-3-1973 for Rs. 22230.
5. P/S/1761183 dated 8-3-1973 for Rs. 15505.
6. P/S/1761184 dated 8-3-1973 for Rs. 15505.

(2) Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/R-32/AM. 75/ENF/NBNR/AU/KAN/22597 dated 22/24-2-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 11-3-75 for personal hearing of their matter.

(3) No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Royal Expeller Works, Mukand Nagar, Ghazlabad have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings they have no defence to urge in the matter.

(5) Having regard to what has been said in the proceeding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub clause (a) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/R-32/AM. 75/ENF/NBNR/AU/KAN]

प्रावेश

काठ घाटो 2459—सर्वश्री राम कृष्ण माइरन एंड मैचूफ़ कॉम्पनी मेरठ को गैर-नियंत्रित, गैर-प्रतिबंधित लाल बैयरिंग आदि के आधार के नियमनियिक लाइसेस स्वीकृत किए गए थे :-

1. पी/एस/1758119, दिन 23-6-72, मूल्य 7500 रुपये
2. पी/एस/1758120, दिन 23-6-72, मूल्य 7500 रुपये
3. पी/एस/1760537, दिन 19-1-73, मूल्य 11,250 रुपया
4. पी/एस/1760538, दिन 19-1-73, मूल्य 11,250 रुपया
5. पी/एस/1760539, दिन 19-1-73, मूल्य 10,000 रुपया
6. पी/एस/1760540, दिन 19-1-73, मूल्य 10,000 रुपया

2. तत्पश्चात् उन्हें एक कारण बताओ सूचना गव्या ही सो मोर्टाई पाण्ड ह्यार/35/ए.ए.75/इन्फ/एन भी ए.एस आर/ए.यू./कान/19792 दिनांक 17-2-75 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना के पावती से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताएं कि उनके नाम में आरी किए गए उक्त लाइसेसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिए और उन्हें इस आधार पर कि वे भूल से जारी कर दिए गए थे। उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिए दिनांक 4-3-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिए निर्धारित अवधि समाप्त हो गई है इस प्रयोजन के लिए नियंत्रित विषय को व्यक्तिगत सुनवाई के लिए कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधिकारी ने मामले की भली-भांति जाच कर ली है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि चूंकि सर्वश्री राम कृष्ण माइरन एंड मैचूफ़ लाल, मेरठ के पायथ इस मामले में अपने बचाव के लिए कुछ नहीं है, इसलिये उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत सुनवाई के लिए उपस्थित नहीं हुए है।

5. उपर की कठिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए अधिकारी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेस रद्द अवधि प्रभावित किये जाते चाहिए। इसलिये अधिकारी यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-1955, की धारा 9 उपधारा (ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेसों को रद्द करता है।

[स० छी सी सी आई एंड ह्यार/35/ए.एस/75/इन्फ/एन भी एन आर/ए.यू./कान]

ORDER

S.O. 2459.—The following licences for the import of Ball bearings etc. non banned non restricted type were issued to M/s. Rama Krishna Iron & Mfg. Works, Meerut.

1. P/S/1758119 dated 23-6-1972 for Rs. 7500.
2. P/S/1758120 dated 23-6-1972 for Rs 7500.
3. P/S/1760537 dated 19-1-1973 for Rs. 11250.
4. P/S/1760538 dated 19-1-1973 for Rs. 11250.
5. P/S/1760539 dated 19-1-1973 for Rs. 10000.
6. P/S/1760540 dated 19-1-1973 for Rs. 10000

2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/R-35/AM-75/ENF/NBNR/AU/Kan/19792 dated 17-2-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour inadvertently. They were also given 4-3-75 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Ram Krishna Iron & Mfg. Works, Meerut have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the preceding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub-clause (a) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/R-35/AM-75/ENF/NBNR/AN/KAN]

प्रावेश

काठ घाटो 2460—सर्वश्री सुमन बेकरी, फस्खाबाद को गैर-नियंत्रित प्राकृतिक सुगंधित तेल तथा सुरक्षित रसायन आदि के आधार के लिये नियमनियिक लाइसेस स्वीकृत किये गये थे -

1. पी/एस/1760013, दिनांक 14-12-72, मूल्य 5000/- रुपये

2. तत्पश्चात् उन्हें एक कारण बताओ सूचना मध्या : छीसीसीआई एंड ह्यार/एस-431/ए.एस/75/इन्फ/एन भी एन आर/ए.यू./कान/19994 दिनांक 10-12-75 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पावती से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बतायें कि उनके नाम में जारी किये गये उक्त लाइसेसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिये और उन्हें इस आधार पर कि वे भूल से जारी कर दिये गये थे। उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिये दिनांक 25-2-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिये निर्धारित अवधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिये नियंत्रित विषय को व्यक्तिगत सुनवाई के लिये कोई भी उपस्थित नहीं हुए है।

4. अधिकारी ने मामले की भली-भांति जाच कर ली है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि चूंकि सर्वश्री सुमन बेकरी, फस्खाबाद के पायथ इस मामले में अपने बचाव के लिये कुछ नहीं है, इसलिये उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत सुनवाई के लिये उपस्थित नहीं हुए है।

5. ऊपर की कठिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए अधिकारी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेस रद्द अवधि प्रभावित किये जाने चाहिए। इसलिये अधिकारी यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा (ए) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग कर सके द्वारा उक्त लाइसेसों को रद्द करता है।

[स० छी सी सी आई एंड ह्यार/एस-43/ए.एस-75/इन्फ/एन भी एन आर/ए.यू./कान]

ORDER

S.O. 2460.—The following licences for the import of N.E.oils and Aromatic Chemicals etc. non banned non restricted type were issued to M/s. Suman Bakery, Bura Wali Gali, Farrukhabad.

1. P/S/1760013 dated 14-12-1972 for Rs. 5000

2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/S. 43/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/1994 dated 10-12-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 25-2-75 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Suman Bakery, Bura Wali Gali, Farrukhabad have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the preceding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub-clause (a) of the Imports (Control) Order 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/S-43/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आवेदन

का० आ० 2461.—सर्वश्री सहारा उद्योगशाला, मेरठ को गैर-निषेध गैर-प्रतिबंधित प्राकृतिक सुगंधित तेल तथा सुगंधित रसायन आदि के आयात के लिये निम्नलिखित लाइसेंस रजीकृत किये गये थे :—

1. पी/एस/1759528, विनांक 27-10-72 मूल्य 5000 रुपए

2. पी/एस/1759529, विनांक 27-10-72 मूल्य 5000 रुपए

2. तत्प्रकार उन्हें एक कारण बताओ सूचना संख्या डीसीसीआईएड है/एस-44/एएस-75/इन्फ/एनवीएनभार/एयू/कान/14049 विनांक 3-2-75 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पावती से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताये कि उनके नाम में जारी किये गए उक्त लाइसेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिये और उन्हें इस आधार पर कि क्ये भूल से जारी कर दिये गये थे। उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिये विनांक 18-2-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिये निर्धारित अवधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिये नियत तिथि को व्यक्तिगत सुनवाई के लिये कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले की भली-भांति जांच कर ली है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि चूंकि सर्वश्री सहारा उद्योगशाला, मेरठ के पास इस मामले में अपने बचाव के लिये कुछ नहीं है, इसलिये उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत सुनवाई के लिये उपस्थित नहीं हुए हैं।

5. ऊपर की कढ़िकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द अधिकारी अप्रभावित किये जाने चाहिये। इसलिये, अधोहस्ताक्षरी यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आवेदन, 1955, विनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा (ए) के अन्तर्गत प्रवत्त अधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[सं० डी सी सी आई है एंड है/एस-44/एएस-75/इन्फ/एनवीएनभार/एयू/कान]

ORDER

S.O. 2461.—The following licences for the import of N.E. oils and Aromatic Chemicals and non banned non restricted type were issued to M/s. Shara Udyogshala, Meerut :—

1. P/S/1759528 dated 27-10-1972 for Rs. 5000.

2. P/S/1759529 dated 27-10-1972 for Rs. 5000.

2. Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/S. 44/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/1994 dated 10-12-75 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They are also given 18-2-75 for personal hearing of their matter.

3. No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

4. The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Sahara Udyogshala, Meerut have not replied to the notice and have not turned up for personal hearing they have no defence to urge in the matter.

5. Having regard to what has been said in the preceding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub-clause (a) of the Imports (Control) Order 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/S. 44/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

आवेदन

का० आ० 2462.—सर्वश्री मनातेश शुद्ध खादी उद्योग, जिला मेरठ को गैर-निषेध गैर-प्रतिबंधित रसायन आदि के आयात के लिये निम्नलिखित लाइसेंस स्वीकृत किये गये थे :—

1. पी/एस/1759588, विनांक 2-11-72, मूल्य 5000 रुपए

2. पी/एस/1759589, विनांक 2-11-72 मूल्य 5000 रुपए

2. तत्प्रकार उन्हें एक कारण बताओ सूचना संख्या : डीसीसीआईएड है/एस-44/एएस-75/इन्फ/एनवीएनभार/एयू/कान/1047 विनांक 11-2-74 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पावती से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बतायें कि उनके नाम में जारी किये गए उक्त लाइसेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिये और उन्हें इस आधार पर कि क्ये भूल से जारी कर दिये गए थे। उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिये विनांक 26-12-74 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिये निर्धारित अवधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिये नियत तिथि को व्यक्तिगत सुनवाई के लिये कोई भी उपस्थित नहीं हुआ है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले की भली-भांति जांच करली है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि चूंकि मर्वंश्री मनातेश शुद्ध खादी उद्योग, जिला मेरठ, के पास इस मामले में अपने बचाव के लिए कुछ नहीं है, इसलिये उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत सुनवाई के लिये उपस्थित नहीं हुए हैं।

5. ऊपर की कढ़िकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी संतुष्ट है कि विषयाधीन लाइसेंस रद्द अधिकारी अप्रभावित किये जाने चाहिये। इसलिये, अधोहस्ताक्षरी यथा संशोधित आयात (नियंत्रण) आवेदन, 1955, विनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा (ए) के अन्तर्गत प्रवत्त अधिकारों का प्रयोग कर सके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[सं० डीसीसीआईएड है/एस-44/एएस-75/इन्फ/एनवीएनभार/एयू/कान]

ORDER

S.O. 2462.—The following licences for the import of chemicals non-banned non-restricted type were issued to M/s. Sanatan Shudha Khadi Udyog, Distt. Meerut.

1. P/S/1759588 dated 2-11-1972 for Rs. 5000.
2. P/S/1759589 dated 2-11-1972 for Rs. 5000.

(2) Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/S. 1/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN/1047 dated 11-12-74 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 26-12-74 for personal hearing of their matter.

(3) No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

(4) The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. Sanatan Shudha Khadi Distt. Meerut have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings and they have no defence to urge in the matter.

(5) Having regard to what has been said in the preceding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub clause (a) of the Imports (Control) Order 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/S. 1/AM. 75/ENF/NBNR/AU/KAN]

ग्रावेश

का० आ० 2463.—सर्वश्री एस० मोहम्मद यूसफ एन्ड क्रावर्ग, कल्नीज को गैर-निषेध गैर-प्रतिबंधित प्राकृतिक सुग्रिव तेल तथा सुरिमित रसायन आदि के आयात के लिये निम्नलिखित लाइसेंस स्वीकृत किये गये थे :—

1. पी/एस/1758782, विनांक 25-8-72, मूल्य 12,000 रुपए
2. पी/एस/1758783, विनांक 25-8-72, मूल्य 12,000 रुपए
3. तत्पश्चात् उन्हें एक कारण बताओ सूचना संख्या डीसीसीआई एण्ड ई/एस-45/एएम-75/हन्फ/एन्डीएनप्रार/एम/कान/14050 दिनांक 3-2-75 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पावती से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बताये कि उनके नाम में जारी किये गए उक्त लाइसेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिये और उन्हें इस आधार पर कि वे भूल से जारी कर दिये गये थे। उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिये विनांक 18-2-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिये निर्धारित प्रबंधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिये नियत तिथि को व्यक्तिगत सुनवाई के लिये कोई भी उपस्थित नहीं हुए है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले की भली-भांति जांच कर ली है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि कूंकि सर्वश्री एस० मोहम्मद यूसफ एन्ड क्रावर्ग, कल्नीज के पास इस मामले में अपने बचाव के लिये कुछ नहीं है, इसलिये उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत सुनवाई के लिये उपस्थित नहीं हुए हैं।

5. ऊपर की कठिकाओं में जो कुछ बताया गया है, उसे ध्यान में रखते हुए अधोहस्ताक्षरी सत्याप्त है कि विषयाधीन लाइसेंस रह अधिकारी अधिकारित किये जाने चाहिए। इसलिये, अधोहस्ताक्षरी यथा संशोधित आयात (नियन्त्रण) आदेश, 1955 दिनांक 7-12-1955 की घारा 9

उपधारा (ए) के अन्तर्गत प्रवत्त प्रधिकारों का प्रयोग कर इसके द्वारा उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

मा० : डीसीसीआईएडई/एस-45/एएम-75/हन्फ/एन्डीएनप्रार/एम/कान

ORDER

S.O. 2463.—The following licences for the import of N.E. Oils and Aromatic Chemicals non-banned non-restricted etc. were issued to M/s. S. Yusuf and Bros., Kannauj.

1. P/S/1758782 dated 25-8-1972 for Rs. 12,000.
2. P/S/1758783 dated 25-8-1972 for Rs. 12,000.

(2) Thereafter a Show Cause Notice No. DCCI&E/S-45/AM-75/ENF/NBNR/AU/REP/KAN/14050 dated 3-2-1975 was issued to them asking to show cause within fifteen days of the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were given 18-2-1975 for personal hearings of their matter.

(3) No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

(4) The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. S. Yusuf & Sons, Kannauj, have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings and they have no defence to urge in the matter.

(5) Having regard to what has been said in the preceding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub clause (a) of the Imports (Control) Order 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/S-45/AM-75/ENF/NBNR/AU/KAN]

ग्रावेश

का० आ० 2464.—सर्वश्री एस० एन० ईमिकल्स, कानपुर को गैर-निषेध गैर-प्रतिबंधित रसायन आदि के आयात के लिये निम्नलिखित लाइसेंस स्वीकृत किये गए थे :—

1. पी/एस/1761412, विनांक 24-3-73 मूल्य 20,000 रुपए
2. पी/एस/1761413, विनांक 24-3-73 मूल्य 20,000 रुपए
3. पी/एस/1762107, विनांक 31-3-73 मूल्य 25,000 रुपए
4. पी/एस/1762108, विनांक 31-3-73 मूल्य 25,000 रुपए

2. तत्पश्चात् उन्हें एक कारण बताओ सूचना संख्या डीसीसीआई एण्ड ई/एस-2/एएम-75/हन्फ/एन्डीएनप्रार/एम/कान/1770 दिनांक 20-12-74 यह पूछते हुए जारी की गई थी कि कारण बताओ सूचना की पावती से लेकर 15 दिनों के भीतर कारण बतायें कि उनके नाम में जारी किये गए उक्त लाइसेंसों को क्यों न रद्द कर दिया जाना चाहिये और उन्हें इस आधार पर कि वे भूल से जारी कर दिये गए थे। उन्हें उनके मामले में व्यक्तिगत सुनवाई के लिये विनांक 4-1-75 का दिन भी स्वीकृत किया गया था।

3. उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति अभी तक कोई उत्तर प्राप्त नहीं हुआ है और उत्तर देने के लिये निर्धारित प्रबंधि समाप्त हो गई है। इस प्रयोजन के लिये नियत तिथि को व्यक्तिगत सुनवाई के लिये कोई भी उपस्थित नहीं हुए है।

4. अधोहस्ताक्षरी ने मामले की भली-भांति जांच कर ली है और इस परिणाम पर पहुंचा है कि कूंकि सर्वश्री एस० एन० ईमिकल्स, कानपुर के पास इस मामले में अपने बचाव के लिये कुछ नहीं है, इसलिये उन्होंने उक्त कारण बताओ सूचना के प्रति कोई उत्तर नहीं दिया है और व्यक्तिगत सुनवाई के लिये उपस्थित नहीं हुए हैं।

5. ऊपर की कंडिकाप्रो में जो दुश्मन बताया गया है, उसे ज्ञान में रखते हुए अधिहस्ताक्षरी सत्यपूर्ण है कि विषयवाचीन लाइसेन्स इद्धमेम रद्द प्रथमा प्रभ्रभावित किये जाने जाहिए। इसलिये, अधिहस्ताक्षरी यथा संशोधित आयान (नियन्त्रण) प्रादेश, 1955, दिनांक 7-12-1955 की धारा 9 उपधारा (ग) के अन्तर्गत प्रदत्त अधिकारों वा प्रयोग कर हमके द्वाग उक्त लाइसेंसों को रद्द करता है।

[म० डीसीसीआई एंड ई/एम-2/एम-75/एनएफ/एनबीएनप्रार/एन/कान]

डॉ० एम० मारकीमा, उप-मुख्य नियन्त्रक

ORDER

S.O. 2464.—The following licences for the import of chemicals non-banned non-restricted type were issued to M/s. S. N. Chemicals, Kanpur.

1. P/S/1761412 dated 24-3-1973 for Rs. 20000.
2. P/S/1761413 dated 24-3-1973 for Rs. 20000.
3. P/S/1762107 dated 31-3-1973 for Rs. 25000.
4. P/S/1762108 dated 31-3-1973 for Rs. 25000.

(2) Thereafter a show cause notice No. DCCI&E/S. 2/AM. 75/ENF/NBNR/AU/KAN/1770 dated 20-12-74 was issued to them asking to show cause within fifteen days of

the date of receipt of notice as to why the said licences in their favour should not be cancelled on the ground that the same were issued inadvertently. They were also given 4-1-75 for personal hearing of their matter.

(3) No reply to the above said notice has been received so far and time stipulated for reply has expired. No one has also appeared for personal hearing on the date fixed for the purpose.

(4) The undersigned has carefully considered the matter and has come to the conclusion that the said M/s. S. N. Chemicals, Kanpur have not replied to the notice and have not turned up for personal hearings and they have no defence to urge in the matter.

(5) Having regard to what has been said in the preceding paragraphs the undersigned is satisfied that the licences in question should be cancelled or otherwise rendered ineffective. Therefore, the undersigned in exercise of the powers vested in him under clause 9 sub-clause (a) of the Imports (Control) Order, 1955 dated 7-12-1955 as amended hereby cancels the above said licences.

[No. DCCI&E/S. 2/AM. 75/ENF/NBNR/AU/KAN]

D. S. MORKRIMA, Dy. Chief Controller.

उद्योग तथा नागरिक पूर्ति भंगालय

(प्रोटोकॉल विभाग विभाग)

(भारतीय भावक संस्था)

नई दिल्ली, 18 जून, 1976

का० आ० 2465.—गमय-समय पर संशोधित भारतीय भावक संस्था (प्रमाणन विहार) विनियम 1955 के विनियम 8 के उपविनियम (1) के अनुसार भावक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि जिन 78 लाइसेंसों के अद्यते नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, लाइसेंसधारियों को भावक संबद्धी भुत्त न देने का प्रतिहार दो द्वारा जनवरी 1975 में स्वीकृत किए गए हैं:—

अनुसूची:

क्रम संख्या	लाइसेंस संख्या (सीएम/एम-)	दैधाता की प्रकारि से	लाइसेंसधारी का नाम प्रौढ़ पता	लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रतिक्षा भीर तत्संबद्धी IS : पत्र नाम	(6)
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	
1. सीएम/एम-4118 6-1-1975	16-1-1975	15-1-1976	भारत केमिकल मैग्नुफैक्चर्स एंड ट्रेडर्स, हुकुडा गांव (चिकमगलूर ज़ाक्षर) चिकमगलूर जिला (कर्नाटक)	ताज़ा सर्केट, नक्कीकी IS: 261-1966	
2. सीएम/एम-4119 6-1-1975	16-1-1975	15-1-1976	इन्डस्ट्रील कास्टिंग निमिटेड मुकाबार, जिला 24 परगना (प० बंगल)	संरचना इस्पात (मानक किस्म) के रूप में पुनः बेलन के लिए कार्बन इस्पात की डलवा बिलेट सिलिंयां— IS : 6914-1973	
3. सीएम/एल-4120 6-1-1975	16-1-1975	15-1-1976	उत्तरप्रदीय कास्टिंग निमिटेड मुकाबार, जिला 24 परगना (प० बंगल)	संरचना इस्पात (संधारण किस्म) के रूप में सुन: बेलन के लिए कार्बन इस्पात की डलवा बिलेट सिलिंयां— IS : 6915-1973	
4. सीएम/एल-4121 8-1-1975	1-1-1975	31-12-1975	त्रिभुवन स्टील रोलिंग मिल्स लि०, सेंतश्रीपुरम, सिल्विरापल्ली-4	संरचना इस्पात (मानक किस्म) के रूप में बेलन के लिए कार्बन इस्पात की डलवा बिलेट सिलिंयां— IS : 6914-1973	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
5. सीएम/एल-4122 8-1-1975	1-1-1975 31-12-1975	31-12-1975	लिंगो स्टील सोर्लिंग मिल्स लि०, सेतनीपुरम, तिरुविरापल्ली-4	संख्या इस्पात (साधारण किस्म) के रूप में वेलन के लिए कार्बन इस्पात की दबाव बिलेट सिलिंया— IS : 6915-1973	
6. सोएम/एल-4123 8-1-1975	16-1-1975 15-1-1976	15-1-1976	एशियन केबल्स कार्पोरेशन लि०, पोखरन रोड संक्षया 2, पो० बा० संक्षया 11, ठाणे (मध्य रेलवे) (महाराष्ट्र)	विस्फोट के लिए प्रयुक्त केबल, एक विस्फोट वाले, एक विस्फोट घब्बा अनेक विस्फोट वाले पीढ़ीसी रोधित समाग्रंथर, दुहरे केबल IS : 6950 1971	
7. सोएम/एल-4124 8-1-1975	16-1-1975 15-1-1976	15-1-1976	वेदीवाल सेल्स प्राइवेट लि०, गुजरा मिल्स इस्टेट रे रोड, वारुषाना, बम्बई-10	एचोसल्फेन धूलन पाउडर— IS : 4322-1967	
8. सीएम/एल-4125 10-1-1975	16-1-1975 15-1-1976	15-1-1976	"	एचोसल्फेन धूलन पाउडर— IS : 4323-1967	
9. सीएम/एल-4126 10-1-1975	16-1-1975 15-1-1976	15-1-1976	"	कार्बोरिल अलविसर्जनीय पाउडर— IS : 7121-1973	
10. सीएम/एल-4127 10-1-1975	16-1-1975 15-1-1976	15-1-1976	"	कार्बोराइल धूलन पाउडर— IS : 7122-1973	
11. सोएम/एल-4128 10-1-1975	16-11-1975 15-1-1976	15-1-1976	प्रोत्ताल स्टील, प्लाट संक्षया 263 सेक्टर-24 फरीदाबाद (हरयाणा)	संख्या इस्पात (मानक किस्म) के रूप में वेलन के लिए कार्बन इस्पात की दबाव बिलेट सिलिंया— IS : 6914-1973	
12. सीएम/एल-4129 10-1-1975	16-1-1975 15-1-1976	15-1-1976	"	संख्या इस्पात (साधारण किस्म) के रूप में वेलन के लिए कार्बन इस्पात की दबाव बिलेट सिलिंया— IS : 6915-1973	
13. सीएम/एल-4130 10-1-1975	16-1-1965 15-1-1976	15-1-1976	ऐस्ट्रोमाइंजीनियरिंग कम्पनी कंकड़बाग रोड पटना-7 (बिहार)	हस्त चालित ऐटोमाइजर टाइप स्प्रेशर— IS : 3897-1966	
14. सीएम/एल-4131 10-1-1975	16-1-1975 15-1-1976	15-1-1976	प्रांध स्टील कार्पोरेशन लि० वामकुनी, हुगली (प० बंगाल)	कंकोट प्रबलन के लिए छंडी भरोड़ी बिहू इस्पात की सरिया— IS : 1786-1966	
15. सीएम/एल-4132 10-1-1975	16-1-1975 15-1-1976	15-1-1976	नेशनल पेस्टीसाइक्स, 5 इंडस्ट्रियल इस्टेट विविशा (म०प्र०)	बीएसी धूलन पाउडर— IS : 661-1972	
16. सीएम/एल-4133 10-1-1975	16-1-1975 15-1-1976	15-1-1976	"	डॉ०टी धूलन पाउडर— IS : 564-1961	
17. सीएम/एल-4134 10-1-1975	16-1-1975 15-1-1976	15-1-1976	रकिट इंजीनियरिंग कार्पोरेशन (अहमदाबाद) नरोदा रोड सैजपुर-बोगा-382345 अहमदा- बाद	निम्न रेटिंग वाले खड़ी प्रकार के एक सिले- जर वाले जल धीतसित बीजल इंजिन, किंवा चक्कर प्रति टाइप मिनट	
18. सीएम/एल-4135 10-1-1975	1-1-1975 31-12-1975	31-12-1975	भुग बोएक टेलन (हिंदिया) लि०, 1-5 सेवन बेल्स स्ट्रीट सेंट टामस मारंट मद्रास- 600016	3.67 (5 हापा) 1500 यार बीसी-1 IS : 1610-1960	
19. सीएम/एल-4136 10-1-1975	16-1-1975 15-1-1976	15-1-1976	बीको लारी लिमिटेड, 6 मध्यर घंज रोड कल- कत्ता-23 (प० बंगाल) कार्यालय: 21 नेताजी सुभाष रोड, कलकत्ता-1)	कोलतार के ठोस खाद्य रगो के पदार्थ— IS : 5346-1969 तीन केंजी प्रेरण मोटर, 0.75 किलो (1 हापा) से 37 किलो (50 हापा) 'ए' श्रेणी के रोधन वाले— IS : 325-1970	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
20. सीएम/एल-4137 13-1-1975	16-1-1975	15-1-1976	टी० पी० शाऊ एण्ड संस (प्रा० लि०) 44, ए रोड बामुनगांच्छी डाकघर मलिकया- हावडा	जलकल कार्यों के लिए स्लूस थाल्स, 150 मिमी साइज श्रेणी 2 और 250 मि० मी साइज श्रेणी-1 IS : 780-1969	
21. सीएम/एल-4138 13-1-1975	16-1-1975	15-1-1976	पेंच स्टील लिमिटेड शाहगंज जिला हुगली, (प० बंगाल)	पेंच नीयार करने में प्रयुक्त मूँद इस्पात की की सिलिंयां- IS : 2255-1969	
			(कार्यालय: 41 चौरांगी रोड, कलकत्ता-700016)		
22. सीएम/एल-4139 13-1-1975	16-1-1975	15-1-1976	"	स्वचल गाड़ियों के लियन में प्रयुक्त शंखाकार, कुड़लीदार और परतवार कमा- नियां बनाने के लिए इनान की सिलिंयां IS : 3431-1965	
23. सीएम/एल-4140 13-1-1975	16-1-1976	15-1-1976	"	परतवार कमानियां बनाने के लिए इस्पात की सिलिंयां (रेल के डिब्बों के लिए)- IS : 3885 (भाग 1)—1968	
24. सीएम/एल-4141 13-1-1975	16-12-1974	15-12-1975	पृस-एम०पी०प्रा० लिमिटेड, सुभाष नगर, सुभाष रोड जोगेश्वरी पूर्व-बम्बई-400060	बी०एच०सी० धूलन पाउडर— IS : 561-1972	
25. सीएम/एल-4142 13-1-1975	16-12-1974	15-12-1975	"	बी०एच०सी० जल विसर्जनीय धूलन पाउडर— IS : 562-1972	
26. सीएम/एल-4143 13-1-1975	16-12-1974	15-12-1975	"	बी०डी०टी० धूलन पाउडर— IS : 564-1961	
27. सीएम/एल-4144 13-1-1975	16-12-1974	15-12-1975	"	बी०डी०टी० जलविसर्जनीय धूलन पाउडर— IS : 565-1961	
28. सीएम/एल-4145 13-1-1975	16-12-1974	15-12-1975	"	डी० डी०टी० पायसनीय तेज ब्रेक— IS : 633-1956	
29. सीएम/एल-4146 13-1-1975	16-12-1974	15-12-1975	"	मालाथियोन पायसनीय तेज ब्रेक— IS : 2561-1973	
30. सीएम/एल-4147 14-1-1975	16-1-1975	15-1-1976	कुमारधुबी इंजीनियरिंग बर्क्स लि०, डाकघर कुमारधुबी, जिला धनबाद (बिहार)	लकड़ी में लगाने के पेंच बनाने के लिए ^{इस्पात की सिलिंयां} IS : 1812-1973	
31. सीएम/एल-4148 14-1-1975	16-1-1975	15-1-1976	"	मरीमी पेंच बनाने के लिए इस्पात की सिलिंयां IS : 2266-1973	
32. सीएम/एल-4149 14-1-1975	16-1-1975	15-1-1976	"	पोशिश की स्ट्रिंगों में प्रयुक्त मख्त खिची इस्पात के तार बनाने के लिए इस्पात की सिलिंयां— IS : 2589-1964	
33. सीएम/एल-4150 14-1-1975	16-1-1975	15-1-1976	रायसाहब हाई मेटल मैन्यु० क० 13/3 मील, मथुरा रोड फरीदाबाद (हरयाणा)	पूर्ण एलुमिनियम चालक और इस्पात की कोर वाले एलुमिनियम चालक— IS : 398-1961	
34. सीएम/एल-4151 17-1-1975	1-1-1975	31-12-1975	मपार प्राइवेट लि०, बिठलवाड़ी, पोस्ट बाबता सख्ता 4 बर्ला (मध्य रेलवे) (महाराष्ट्र)	मूँद इस्पात की मेटल ग्राउंड बेलिंग के सिए एम्प्लाइ, केवल सामान्य प्रबोध बाबत— IS : 814 (भाग 1 और 2)—1974	
35. सीएम/एल-4152 22-1-1975	1-2-1976	31-1-1976	नाम्बे फूड्स प्राइवेट लि० कटासामे सूरत (गुजरात) (कार्यालय: 53/57 लक्ष्मी दंग्योरेस बिलिंग, मर किरोणाह मेहता रोड, बम्बई-1)	ब्रिटिश पेंटोलियम गैस वाले घरेलू गैस के बूले— IS : 4246-1972	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
36. सी एम/एल-4153 22-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	राजकोट डिस्ट्रिक्ट, गोपालक कोशापरेटिव मिलक प्रोड्यूसर्स यूनियन लि०, राजकोट डेरी (पूर्ण IS : 1165-1967 संरक्षण योजना), भावनगर रोड, राजकोट- 360003	वृष्ट पाउडर खालिस और सेपेरेटा--	
37. सी एम/एल-4154 22-1-1975	16-1-1975	15-1-1976	मध्यसूखम इंडस्ट्रीज, 21/4, इस्थ्या मुदानी स्ट्रीट, डीडीटी पायसनीय तेज द्रव-- मद्रास-81 (कार्यालय 2/40, गोडाऊन, IS : 633-1956 स्ट्रीट, मद्रास-600001 में है)	मद्रास-81 (कार्यालय 2/40, गोडाऊन, IS : 633-1956	
38. सी एम/एल-4155 22-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	अजंता प्रॉडक्ट्स कम्पनी बी-35, मायापुरी नई कोलतार से बते खाद्य रंगो के पदार्थ-- दिल्ली	कोलतार से बते खाद्य रंगो के पदार्थ-- IS : 5346-1969	
39. सी एम/एल-4156 22-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	इंडस्ट्रियल रोमिन्स एंड प्लास्टिक्स, रोड संख्या 4, (ऊद्धव उद्योगनगर जिला सूरत गुजरात) IS : 2300-1968	नागरिक सुरक्षा के लिए अधात्मिक टोप-- (ऊद्धव उद्योगनगर जिला सूरत गुजरात) IS : 2300-1968	
40. सी एम/एल-4157 22-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	भारत पुस्तकालयिंग मिल्स प्रा० लि०, चकला कुरुक्षा रोड, अंधेरी बम्बई-93, कार्यालय : 28ए, सायनी रोड, बम्बई-25	चकला जल विसर्जनीय पाउडर-- कार्बोराइजल जल विसर्जनीय पाउडर-- IS : 7121-1973	
41. सी एम/एल-4158 22-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	"	कार्बोराइजल धूलन पाउडर-- IS : 7122-1973	
42. सी एम/एल-4159 22-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	बल्लभ पेट्रीमाइक्स मैन्यू० कम्पनी, भानंद मजि- क्वा रोड, बल्लभ विद्या नगर, भानंद जिला खेड़ा (गुजरात)	कार्बोराइजल धूलन पाउडर-- IS : 7122-1973	
43. सी एम/एल-4160 22-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	दि स्टैण्डर्ड बैंकरीज लिमिटेड, शोलधरम डिवीजन, 21/22, ग्रांडर रोड मद्रास-32 (तमिलनाडु)	खनिकों के टोपी लैम्प-- IS : 5679-1970	
44. सी एम/एल-4161 22-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	एस पी इंडस्ट्रीज, 226/ए, वागमारी रोड, कलकत्ता-54	चाय की पेटियों के लिए धातु के फिटिंग-- IS : 10-1970	
45. सी एम/एल-4162 22-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	न्यू मेटल इंडस्ट्रीज, 7/1, मराठा डिवेलेन, पीतल के गोले तुमा वाल्व (क्षेत्रिक प्लंजर कलकत्ता-3	संस्करण इस्पात (मानक किस्म) के रूप में पुनः बेलन के लिए कार्बन इस्पात के बिलेट-- IS : 1703-1968	
46. सी एम/एल-4163 22-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	बेस्टन मिनीस्टील लिमिटेड, लालबहादुरगांधी भार्ग, मुंबई-बम्बई-80	संस्करण इस्पात (मानक किस्म) के रूप में पुनः बेलन के लिए कार्बन इस्पात के बिलेट-- IS : 2830-1964	
47. सी एम/एल-4164 22-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	पीसी सखायी एंड कम्पनी, बजबज ट्रैक रोड, चाय की पेटियों के लिए धातु के फिटिंग-- डाकघर गोविदपुर (बरास्ता बाटा नगर), IS : 10-1970 रामपुर 24 परगाना (प० बगाल) कार्यालय	चाय की पेटियों के लिए धातु के फिटिंग-- 22, तारामंद बत स्ट्रीट, कलकत्ता- 700001	
48. सी एम/एल-4165 22-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	ईस्ट एण्ड एस्ट्राइचेज, 10, गोरा, चन्द रोड, चाय की पेटियों के लिए धातु के फिटिंग-- कलकत्ता-14 IS : 10-1970	कलकत्ता-14	
49. सी एम/एल-4166 22-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	ज्योति बायर इण्डस्ट्रीज मालिक : (ज्योति बायर इण्डस्ट्रीज प्रा० लि०), प्लाट संख्या 23ए, शाह इण्डस्ट्रीयल इस्टेट, बीरा देसाई रोड, अंधेरी वरसोना रोड से आगे, अंधेरी (पाञ्चम), बम्बई-400058	पूर्ण एलुमिनियम चालक और इस्पात की कोर वाल एलुमिनियम चालक-- IS : 398-1961	
50. सी एम/एल-4167 22-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	असम टिम्बर प्राउडक्ट्स, सर्पइ साइडिंग इम हूमा, जिला डिग्राङ (असम)	चाय की पेटियों के लिए प्लाईवुड के तख्ते-- IS : 10-1970	
51. सी एम/एल-4168 22-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	पोदार सेनीटी बर्स, 50, देवन्द्र चन्द डे रोड, कलकत्ता-15	जल्दी सी और मूलालयों में उंचाई पर सगने बासी (नीचे से चौड़ी) बलवा लोहे की फलन की टंकिया, 12.5 सिटर समाई बासी-- IS : 774-1971	
52. सी एम/एल-4169 30-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	शिवालिक ऐग्रा कैमिकल्स, छात किशनपुरा, चण्डीगढ़ राजपुरा रोड (पंजाब), (कार्यालय : 2, इण्डस्ट्रियल एरिया, चण्डीगढ़)	बी एच सी पायसनीय तेज द्रव-- IS : 632-1972	
53. सी एम/एल-4170 30-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	"	डी बी टी पायसनीय तेज द्रव-- IS : 633-1956	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
54.	सी एम/एल-4171 30-11-1975	1-2-1975	31-1-1976	शिवालिक ऐयो केमिकल्स, छात किशनपुरा, चण्डीगढ़, राजपुरा रोड (पंजाब) (कार्यालय : 2, हॉटस्ट्रियल एरिया, चण्डीगढ़)	एन्ड्रिन पायसनीय तेज द्रव— IS : 1307-1958
55.	सी एम/एल-4172 30-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	"	बालापिंयोन पायसनीय तेज द्रव— IS : 2567-1973
56.	सी एम/एल-4173 30-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	"	जाहमेयोएट पायसनीय तेज द्रव— IS : 3903-1966
57.	सी एम/एल-4174 30-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	"	एन्ड्रिन पायसनीय तेज द्रव— IS : 1310-1958
58.	सी एम/एल-4175 30-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	"	एष्टो सल्फेम पायसनीय तेज द्रव— IS : 4323-1967
59.	सी एम/एल-4176 30-1-1975	1-1-1975	31-12-1975	दि पंजाब डेयरी डेवेलपमेन्ट कारखारेशम लिमिटेड, बक्का, बटाला रोड, अमृतसर (कार्यालय : 14, मध्य मार्ग, सेक्टर 7-सी, चण्डीगढ़)	बालिस और सेपेरेटा द्रव का पाउडर— IS : 1165-1967
60.	सी एम/एल-4177 20-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	भोजका स्टील लिं, महावेव पुरा आकाशर ब्हाइटफोर्ड रोड, बंगलोर-560048	सरचना इस्पात (मानक किस्म) के रूप में पुनः बेलन के लिए कार्बन इस्पात के बिलेट— IS : 2830-1964
61.	सी एम/एल-4178 30-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	"	संरचना इस्पात (साधारण किस्म) के रूप में पुनः बेलन के लिए कार्बन इस्पात के बिलेट— IS : 2831-1969
62.	सी एम/एल-4179 30-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	"	ब्लाई के लिए कार्बन इस्पात के बिलेट— IS : 1875-1971
63.	सी एम/एल-4180 30-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	"	मेटल आर्क बैलिंग इलेक्ट्रोड की कोर के तार के लिए मूँह इस्पात की सिलिंयर— IS : 2879-1967
64.	सी एम/एल-4181 30-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	बास्टे केमिकल्स प्रा० लि०, 19, विकटोरिया रोड, लो लेबल मजरांग, बम्बई (कार्यालय : एम बी रोड, बेल लेन, फोर्ट, बम्बई-1)	हवा में छिड़ने का कीटनाशक पदार्थ— IS : 1824-1971
65.	सी एम/एल-4182 30-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	हरयाणा मिल्फॉस, मालिक : कैलाश केमिकल्स एंड टेक्सटाइल्स मिल्स लि०, कैथल रोड, पेहोचा जिला कुरुक्षेत्र (कार्यालय : 2, फलेगस्टाफ रोड, विस्ती)	सेपेरेटा द्रव का पाउडर— IS : 1163-1967
66.	सी एम/एल-4183 30-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	"	पिण्डियों का द्रव आहार— IS : 1547-1968
67.	सी एम/एल-4184 30-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	कनटिक केमिकल्स एण्ड पेस्टीसाइल्स, दोधामंडी गताहुली कांडसी आकाशर (हसन ताजुक) (कनटिक)	बी एच सी धूलन पाउडर— IS : 561-1972
68.	सी एम/एल-4185 30-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	दि एशियन केबल्स क० लि०, केबल हाउस, हेडाप्सर हॉटस्ट्रियल इस्टेट, हेडाप्सर पूणे-13 (महाराष्ट्र) कार्यालय : ०, हरे स्ट्रीट, कलकत्ता	विस्कोट के लिए प्रयुक्त केबल— (1) एक विस्कोट बुहरी कोर (समानान्तर दुहरे भी बी सी रोधित, (2) बहु विस्कोट इक्कहरी कोर भी बी सी रोधित और ओलदार प्लाई (3) एक विस्कोट अथवा बहु विस्कोट बुहरी कोर (समानान्तर दुहरे) भी बी सी रोधित— IS : 5950-1971
69.	सी एम/एल-4186 30-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	रोबिन केमिकल्स प्रा० लि०, १, ए/४ नेल्सन मनिक, मुद्रालियर रोड, मद्रास-२९	कोलतार से बने खाद्य रंग पदार्थ— IS : 5346-1969
70.	सी एम/एल-4187 30-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	बुँद एण्ड मेटल वर्क्स, इराइनकडालु, कोट्टायम-१ (केरल)	चाय की पेटियो के लिए धातु के फिटिंग— IS : 10-1970

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
71. सी एम/एल-4188 30-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	फोर्ट म्लोस्टर इण्डस्ट्रीज़ सि०, केबल विभाग डाकघर फोर्ट म्लोस्टर, बरही जिला झाबुडा (प० बंगल) (कार्यालय: 31, चौरांगी रोड, कलकत्ता-16)	विस्फोट के लिए प्रयुक्त केबल, एक विस्फोट समानान्तर तुड़रे पी वी सी रोधित—	
72. सी एम/एल-4189 30-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	अखण्ड केमिकल इण्डस्ट्रीज़, थी-35, मायापुरी, नई दिल्ली (कार्यालय: 4/61, पंजाबी आग, नई दिल्ली)	फोलतार से बने खाद्य रंग पदार्थ— IS: 5950-1971	IS: 5346-1969
73. सी एम/एल-4190 30-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	कोभन मेटल प्राइवेट प्रा० लि०, एस्टो रिफाई- नरी माहूल चेन्नौर, बम्बई-74 (कार्यालय: 53/57, लक्ष्मी इश्योरेंस बिल्डिंग, सर- फिरोजशाह रोड, बम्बई-1)	प्रलयकाव ब्रह्मित गैस के भण्डारण के लिए बेल्डक्ट प्रत्यक्ष कार्बन इस्पात के गैस सिलेंडर— IS: 3196-1974	
74. सी एम/एल-4191 30-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	मोतीलाल पेस्टीसाइक्स इण्डिया, मसानी-दिल्ली रोड, मथुरा (उ०प्र०)	हेप्टाक्सोर पायसमीय सेज द्रव— IS: 6439-1972	
75. सी एम/एल-4192 30-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	मधुसूदन इण्डस्ट्रीज़, 21/4, इस्तया मुदाली स्ट्रीट, मद्रास-81 (कार्यालय: 2/40, गोडाउन स्ट्रीट, मद्रास-600001)	डी डी टी जल विसर्जनीय पाउडर— IS: 565-1961	
76. सी एम/एल-4193 30-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	अजन्ना केमिकल इण्डस्ट्रीज़, 221, पीरा गढ़ी, दिल्ली	टेक्सीन— IS: 1694-1974	
77. सी एम/एल-4194 30-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	मनकार्म फीइस शेड संख्या 069, 070, 071 और 072, इण्डस्ट्रियल इस्टेट, गोकुल रोड, हुबली (कर्नाटक)	पशुओं के लिए प्रभित्रित आहार— IS: 2052-1968	
78. सी एम/एल-4195 30-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	नेशनल प्रॉडक्ट्स, 135, कवल बायरासांडा, बंगलौर-560006	चूहंग गम और बबूल गम— IS: 6747-1972	

[सी० एम० डी०/13 . 11]

MINISTRY OF INDUSTRY AND CIVIL SUPPLIES

(Department of Industrial Development)

INDIAN STANDARDS INSTITUTION

New Delhi, the 18th June, 1976

S. O. 2465.—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 8 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that seventy-eight licences particulars of which are given in the following Schedule, have been granted during the month of January, 1975 authorizing the licensees to use the Standard Marks :

SCHEDULE

Sl. Licence No. (CM/L-)	Period of Validity From	To	Name and Address of the Licensee		Article / Process covered by the Licence and Relevant IS : Designation
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1. CM/L-4118 6-1-1975	16-1-1975	15-1-1976	Bharath Chemical Manufacturers & Traders, Hukunda Village (Chikmagalur Post) Chikmagalur District (Karnataka)	Copper sulphate, technical— IS : 261—1966	
2. CM/L-4119 6-1-1975	16-1-1975	15-1-1976	Electrosteel Castings Ltd., Sukchar, Distt. 24 Parganas, (West Bengal)	Carbon steel cast billet ingots for rolling into structural steel (Standard Quality)— IS : 6914—1973	
3. CM/L-4120 6-1-1975	16-1-1975	15-1-1976	—do—	Carbon steel cast billet ingots for rolling into structural steel (Ordinary Quality)— IS : 6915—1973	
4. CM/L-4121 8-1-75	1-1-1975	31-12-1975	Trichy Steel Rolling Mills Ltd. Senthanni-puram, Trichirapalli-4	Carbon steel cast billet ingots for rolling into structural steel (Standard Quality)— IS : 6914—1973	
5. CM/L-4122 8-1-1975	1-1-1975	31-12-1975	—do—	Carbon steel cast billet ingots for rolling into structural steel—(Ordinary Quality)— IS : 6915-1973	
6. CM/L-4123 8-1-1975	16-1-1975	15-1-1976	Asian Cables Corporation Ltd., Pokhran Road No. 2, Post Box No. 11, Thana (C. Rly.) (Maharashtra)	Short firing cables , single shot ; Single- or multishot, PVC insulated, parallel twin— IS : 5950-1971	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
7. CM/L-4124 8-1-1975	16-1-1975	15-1-1976	Devidayal (Sales) Pvt. Ltd., Estate, Reay Road, Darukhana, Bombay- 10	Gupta Mills	Endosulfan DP— IS : 4322-1967
8. CM/L-4125 10-1-1975	16-1-1975	15-1-1976	—do—	Endosulfan EC IS : 4323-1967	
9. CM/L-4126 10-1-1975	16-1-1975	15-1-1976	—do—	Cabaryl WDP— IS : 7121-1973	
10. CM/L-4127 10-1-1975	16-1-1975	15-1-1976	—do—	Carbyrl DP— IS : 7122-1973	
11. CM/L-4128 10-1-1975	16-1-1975	15-1-1976	Oswal Steels, Plot No. 263, Sector 24, Faridabad (Haryana)	Carbon steel cast billets ingots for rolling into structural steel (Standard Quality)— IS : 6914-1973	
12. CM/L-4129 10-1-1975	16-1-1975	15-1-1976	—do—	Carbon steel cast billets ingots for rolling into structural steel (Ordinary Quality)— IS : 6915-1973	
13. CM/L-4130 10-1-1975	16-1-1975	15-1-1976	Astroid Engineering Co., Kankar Bagh Road, Patna-7 (Bihar)	Sprayer atomizer type, hand operated IS : 3897-1966	
14. CM/L-4131 10-1-1975	16-1-1975	15-1-1976	Andhra Steel Corporation Limited, Dankuni, Hooghly (West Bengal)	Cold twisted deformed steel bars for concrete reinforcement— IS : 1786-1966	
15. CM/L-4132 10-1-1975	16-1-1975	15-1-1976	National Pesticides, 5 Industrial Estate, Vidisha (M.P.)	BHC dusting powders— IS : 561-1972	
16. CM/L-4133 10-1-1975	16-1-1975	15-1-1976	—do—	DDT dusting powders— IS : 564-1961	
17. CM/L-4134 10-1-1975	16-1-1975	15-1-1976	Rocket Engineering Corporation (Ahmedabad), Naroda Road, Saijpur-Bogha, 382345-Ahmedabad	Vertical, single cylinder, water cooled diesel engines of the following ratings. KW R.P.M. Type 3.67 (5HP) 1500 RVC—1 IS : 1601-1960	
18. CM/L-4135 10-1-1975	1-1-1975	31-12-1975	Bush Boake Allen (India) Ltd., 1-5 Seven Wells Street, St. Thomas Mount, Madras-600016	Coal tar solid food colour preparations IS : 5346-1969	
19. CM/L-4136 10-1-1975	16-1-1975	15-1-1976	Blecco Lawrie Limited, 6 Mayurbhanj Road, Calcutta-23 (West Bengal) (Office : 21 Netaji Subhas Road, Calcutta-1 West Bengal)	Three-phase induction motors from 0.75 kW (1 HP) upto and including 37 kW (50 HP) with class 'A' insulation IS : 325-1970	
20. CM/L-4137 13-1-1975	16-1-1975	15-1-1976	T. P. Shau & Sons (P) Ltd, 44 'A' Road, Bamungachi, P. O. Salkia, Howrah	Sluice valves for water works purposes 150 mm size, class 2 and 250 mm size class 1— IS : 780-1969	
21. CM/L-4138 13-1-1975	16-1-1975	15-1-1976	Pench Steels Ltd., Sahaguni, Distt. Hooghly (W. Bengal) (Office : 41 Chowringhee Road, Calcutta-700016)	Mild steel ingots for the manufacture of screws— IS : 2255-1969	
22. CM/L-4139 13-1-1975	16-1-1975	15-1-1976	—do—	Steel ingots for the manufacture of volute helical and laminated springs for auto- motive suspension— IS : 3431-1965	
23. CM/L-4140 13-1-1975	16-1-1975	15-1-1976	—do—	Steel ingot for the manufacture of lami- nated springs (railway rolling stock)— IS : 3885 (Part I)—1968	
24. CM/L-4141 13-1-1975	16-12-1974	15-12-1975	SMP Pvt. Ltd., Subhash Nagar, Subhash Road Jogeshwari East, Bombay-400060	BHC DP— IS : 561-1972	
25. CM/L-4142 13-1-1975	16-12-1974	15-12-1975	—do—	BHP WDP— IS : 562-1972	
26. CM/L-4143 13-1-1975	16-12-1974	15-12-1975	—do—	DDT DP— IS : 564-1961	
27. CM/L-4144 13-1-1975	16-12-1974	15-12-1975	—do—	DDT WDP— IS : 565-1961	
28. CM/L-4145 13-1-1975	16-12-1974	15-12-1975	—do—	DDT EC— IS : 633-1956	
29. CM/L-4146 13-1-1975	16-12-1974	15-12-1975	—do—	Malathion EC— IS : 2567-2973	
30. CM/L-4147 14-1-1975	16-1-1975	15-1-1976	Kumardhubi Engineering Works Ltd., P. O. Kumardhubi, Distt. Dhanbad (Bihar)	Steel ingots for the manufacture of wood screws— IS : 1812-1973	
31. CM/L-4148 14-1-1975	16-1-1975	15-1-1976	—do—	Steel ingots for the manufacture of machine screws— IS : 2255-1973	
32. CM/L-4149 14-1-1975	16-1-1975	15-1-1976	—do—	Steel ingots for hard drawn steel wire for upholstery springs— IS : 2589-1964	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
33. CM/L-4150 14-1-1975	16-1-1975	15-1-1976	R. S. Hard Metal Manufacturing Co. 13/3 Mile Stone, Mathura Road, Faridabad (Haryana).	AAC and ACSR conductors— IS:398-1961	
34. CM/L-4151 17-1-1975	1-1-1975	31-12-1975	Apar Private Ltd., Vithalwadi, P.B. No. 4, Kalyan (C. Rly), (Maharashtra).	Electrodes for metal arc welding of mild steel of normal penetration type only : IS : 814 (Part I & II)—1974	
35. CM/L-4152 22-1-1975	1-1-1975	31-1-1976	Bombay Foods Private Ltd., Katargam, Surat (Gujarat), (Office : 53/57 Lakshmi Insurance Building, Sir Pherozshah Mehta Road, Bombay-1.)	Domestic gas stoves for use with liquified petroleum gases— IS : 4246—1972	
36. CM/L-4153 22-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	Rajkot Dist. Gopalak Co-operative Milk Producers Union Ltd., Rajkot Dairy (Milk Conservation Project), Bhavnagar Road, Rajkot-36003.	Milk powder (whole and skim)— IS : 165—1967	
37. CM/L-4154 22-1-1975	16-1-1975	15-1-1976	Madhusudan Industries, 21/4 Ellaya Mudi- dali, Madras-81 (Office : 2/40 Godown Street, Madras-600001).	DDT EC— IS : 633—1956	
38. CM/L-4155 22-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	Ajanta Products Co., B-35 Mayapuri, New Delhi.	Coaltar food colour preparations— IS : 5346—1969	
39. CM/L-4156 22-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	Industrial Resins & Plastics, Road No. 4, Udhna Udyognagar, Distt. Surat (Gujarat).	Non-metal helmets for civil defence— IS : 2300—1968	
40. CM/L-4157 22-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	Bharat Pulversing Mills Pvt. Ltd., Chakala —Kurla Road, Andheri, Bombay-93 (Office : 28,,A Sayani Road, Bombay 25).	Carbaryl WDP— IS: 7121—1973	
41. CM/L-4158 22-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	Do.	Carbaryl DP— IS : 7122—1973	
42. CM/L-4159 22-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	Vallabh Pesticides Mfg Co., Anand-Sajitra Road, Vallabh Vidyangar, Anand, Distt. Kalra (Gujarat).	Carbaryl DP— IS : 7122—1973	
43. CM/L-4160 22-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	The Standard Batteries Ltd., Oldham Di- vision, 21/22 Alandur Road, Madras- 32 Tamilnadu.	Miners' cap lamps— IS : 5679—1970	
44. CMHL-41 22-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	S.P. Industries, 226A Bagmari Road, Calcutta-54.	Tea-chest metal fittings IS: 10—1970	
45. CM/L-4162 22-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	New Metal Industries, 7/1 Marhatta Ditch Lane, Calcutta-3.	Brass ball valves (horizontal plunger type) 15 mm size— IS : 1703—1968	
46. CM/L-4163 22-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	Western Ministil Ltd., L.B. Shastri Marg, Mulund, Bombay-80.	Carbon steel billets for re-rolling into struc- tural steel (Standard Quality)— IS : 2830—1964	
47. CM/L-4164 22-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	P.D. Sarawagi & Co., Budge Budge Trunk Road, P.O. Gobindupur (Via Bata Na- gar), Rampur, 24 Paraganas (West Ben- gal) (Office : 22 Tara Chand Dutt Street, Calcutta-700001).	Tea-chest metal fittings— IS : 10—1970	
48. CM/L-4165 22-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	East End Enterprises, 10 Gorachand Road, Calcutta-14.	Tea-chest metal fittings— IS : 10—1970	
49. CM/L-4166 22-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	Jyoti Wire Industries, (Prop : Jyoti Wire Industries Pvt. Ltd.), Plot No. 23 A Shah Industrial Estate, Veera Desai Road, Off Andheri Versova Road, Andheri (West), Bombay-400058.	All aluminium conductors and ACSR conductors— IS : 398—1961	
50. CM/L-4167 22-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	Assam Timber Products, Rupai Siding, Doom Dooma, Distt. Dibrugarh (Assam).	Tea-chest plywood panels— IS : 10—1970	
51. CM/L-4168 22-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	Poddar Sanitary Works 50 Debendra Chan- dra Dey Road, Calcutta-15.	Cast iron flushing cisterns for water closets and urinals (bell type), high levels, 12.5 litres capacity— IS : 774—1971	
52. CM/L-4169 30-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	Shivalik Agro Chemicals, Chhat Kishanpura, Chandigarh-Rajpura Road (Punjab) (Office : 2 Industrial Area, Chandigarh).	BHC emulsifiable concentrates— IS : 632—1972	
53. CM/L-4170 31-2-1975	1-2-1975	31-1-1976	Do.	DDT emulsifiable concentrates— IS : 633—1956	
54. CM/L-4171 30-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	Shivalik Agro Chemicals, Chhat Kishan- pura, Chandigarh, — Rajpura Road (Punjab) (Office : 2 Industrial Area, Chandigarh).	Aldrin emulsifiable concentrates— IS : 1307—1958	
55. CM/L-4172 30-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	Do.	Malathion emulsifiable concentrates— IS : 2567—1973	
56. CM/L-4173 30-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	Do.	Dimethoate emulsifiable concentrates— IS : 3903—1966	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
57. CM/L-4174 30-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	Do.	Endrin emulsifiable concentrates— IS : 1310—1958	
58. CM/L-4175 30-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	Do.	Endosulfan emulsifiable concentrates— IS : 4323—1967	
59. CM/L-4176 30-1-1975	1-1-1975	31-12-1975	The Punjab Dairy Development Corpn. Ltd., Verka, Batala Road, Amritsar (Office : 14-A Madhya Marg, Sector 7-C, Chandigarh).	Whole and skim milk powder— IS : 1165—1967	
60. CM/L-4177 30-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	Bhoruka Steel Ltd., Mahadevapura Post, Whitefield Road, Bangalore-560048.	Carbon steel billets for re-rolling into structural steel (Standard Quality)— IS : 2830—1964	
61. CM/L-4178 30-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	Do.	Carbon steel billets for re-rolling into structural steel (Ordinary Quality)— IS : 2831—1969	
62. CM/L-4179 30-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	Bhoruka Steel Ltd., Mahadevapura Post, Whitefield Road, Bangalore-560048.	Carbon steel billets for forgings— IS : 1875—1971	
63. CM/L-4180 30-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	Do.	Mild steel ingots for metal arc welding electrode core wire— IS : 2879—1967	
64. CM/L-4181 30-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	Bombay Chemicals Pvt. Ltd., 19 Victoria Road, Low level, Mazagaon, Bombay (Office : M.G. Road, Bell Lane, Fort, Bombay-1).	Insecticidal space spray— IS : 1824—1971	
65. CM/L-4182 30-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	Haryana Milk Foods, Prop : Kailash Chemicals & Textiles Mills Ltd., Kaithal Road, Pehowa, Distt. Kurushetra (Office : 2 Flag Staff Road, Delhi).	Skim milk powder— IS : 1163—1967	
66. CM/L-4183 30-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	Do.	Infant milk foods— IS : 1547—1968	
67. CM/L-4184 30-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	Karnataka Chemicals & Pesticides, Dodda- mandiganahally, Kandli P.O. (Hasan Taluk) (Karnataka).	BHC DP— IS : 561—1972	
68. CM/L-4185 30-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	The Indian Cable Co. Ltd., Cable House, Hadapsar Industrial Estate, Hadapsar, Poona-13 (Maharashtra) (Office : 9 Harc Street, Calcutta-1).	Short firing cables (i) Single shot, twin-core (parallel twin), PVC insulated (ii) Multi-shot, single core, PVC insulated and sheathed; and (iii) Single-shot or multi-shot, twin core (parallel twin), PVC insulated— IS : 5950—1971	
69. CM/L-4186 30-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	Robin Chemicals Pvt. Ltd., 1 A/4 Nelson Manicka, Mudaliar Road, Madras-29.	Coal Tar food colour preparations— IS : 5346—1969	
70. CM/L-4187 30-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	Wood & Metal Works, Erayikadavu, Kot- tayam-1 (Kerala).	Tea-chest metal fittings— IS : 10—1970	
71. CM/L-4188 30-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	Fort Gloster Industries Limited, Cable Division, P.O. Fort Gloster, Bauria, Distt Howrah (West Bengal) (Office : 31 Chowinghee Road, Calcutta-16).	Short firing cables, single shot, parallel twin, PVC insulated— IS : 5950—1971	
72. CM/L-4189 30-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	Arun Chemical Industries, B-35 Mayapuri, New Delhi (Office : 4/61 Punjabi Bagh, New Delhi).	Coal tar food colour preparations— IS : 5346—1969	
73. CM/L-4190 30-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	Kosan Metal Products Pvt. Ltd., Behind Esso Refinery Mahul Chembur, Bom- bay-74 (Office : 53/57 Laxmi In- surance Building, Sir P.M. Road, Bom- bay-1).	Welded low carbon steel gas cylinders for the storage of low pressure liquid gas— IS : 3196—1974	
74. CM/L-4191 30-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	Motilal Pesticides India, Masani-Delhi Road, Mathura (U.P.).	Heptachlor EC— IS : 6439—1972	
75. CM/L-4192 30-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	Madhusudan Industries, 21/4 Ellaya Mu- dali Street, Madras-81 (Office - 2/40 Go- down Street, Madras-600001).	DDT WDP— IS : 565—1961	
76. CM/L-4193 30-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	Ajanta Chemical Industries, 221 Peera Garhi, Delhi.	Tartrazine— IS : 1694—1974	
77. CM/L-4194 30-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	Sunfarm Feeds, Shed Nos 069, 070, 071 and 072, Industrial Estate, Gokul Road, Hubli (Karnataka).	Compounded feed for cattle— IS : 20252—1968	
78. CM/L-4195 30-1-1975	1-2-1975	31-1-1976	National Products, 135, Kaval Byrasandra, Bangalore-560006.	Chewing gum and bubble gum— IS : 6747—1972	

नई दिल्ली, 21 जून, 1976

का० आ० 2466—समय समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 5 के उपविनियम (1) के अनुसार अधिसूचित किया जाता है कि जिन भारतीय मानकों के बारे में नीचे अनुसूची में दिए हैं, वे वापस ले लिए गए हैं और अब रद्द माने जाएँ :

अनुसूची

क्रम संख्या	रद्द किए गए भारतीय मानक की संज्ञा और परीक्षक	राजपत्र अधिसूचना की एस० ओ संज्ञा और विवरण
		सूचना छपी थी

(1)	(2)	(3)	(4)
1. IS : 2574-1963 लोडे और इस्पात उद्योग में श्रमिकों के लिए चमड़े के हस्ताक्षण की विशिष्टि	भारत के राजपत्र भाग II, खंड 3, उपखंड (ii) दिनांक 1964-03-21 में एसओ 950 दिनांक 1964-03-06 के अन्तर्गत प्रकाशित	यह मानक IS : 2573-1975 चमड़े के दस्तानों और हाथ के दस्तानों की विशिष्टि (पहला पुनरीक्षण) के प्रकाशन के फलस्वरूप रद्द कर दिया गया है।	
2. IS : 2575-1963 लोडे और इस्पात उद्योग में श्रमिकों के लिए चमड़े के उगरी रहित दस्तानों की विशिष्टि	"	"	
3. IS : 3049-1965 कताई मिलों के लिए वर्लकनीकृत रेशे की भारत के राजपत्र भाग II खंड 3, उपखंड (ii) दिनांक 1965-09-11 में एसओ 2820 दिनांक 1965-09-03 के अन्तर्गत प्रकाशित	यह मानक IS : 7875 (भाग 1)-1976 कपड़ा मिलों में प्रयुक्त स्लाइवर बाल्टियों की विशिष्टि भाग I सामान्य अपेक्षाएँ और IS : 7875 (भाग 2)--1975 कपड़ा मिलों में प्रयुक्त स्लाइवर बाल्टियों की विशिष्टि भाग 2 बेस्टकनीकृत रेशे की स्लाइवर बाल्टियों के प्रकाशन के फलस्वरूप रद्द कर दिया गया है।		
4. IS : 3158-1975 कताई मिलों के लिए एलुमिनियम की भारत के राजपत्र भाग II, खंड 3, उपखंड (ii) दिनांक 1965-10-23 में एसओ 3322 दिनांक 1965-10-08 के अन्तर्गत प्रकाशित	यह मानक IS : 7875 (भाग 1)-1976 कपड़ा मिलों में प्रयुक्त स्लाइवर बाल्टियों की विशिष्टि भाग 1 सामान्य अपेक्षाएँ और IS : 7875 (भाग 3) 1975 कपड़ा मिलों में प्रयुक्त स्लाइवर बाल्टियों की विशिष्टि भाग 3 एलुमिनियम मिश्रधातु की स्लाइवर बाल्टियों के प्रकाशन के फलस्वरूप रद्द कर दिया गया है।		

[सं० सी०ए० डी०/13 : 7]

New Delhi, the 21st June, 1976

S.O. 2466.—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 5 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations 1955, as amended from time to time, it is, hereby, notified that the Indian Standards, particulars of which are mentioned in the Schedule given hereafter, have been cancelled and stands withdrawn :

SCHEDULE

Sl. No.	No. & Title of the Indian Standard	S.O. No. & Date of the Gazette Notification in which establishment of the Indian Standard was Notified	Remarks
(1)	(2)	(3)	(4)
1. IS : 2574--1963 Specification for leather gauntlets for workers in iron and steel industry.	S.O. 950 dated 1964-03-06 published in the Gazette of India, Part II, Section-3, Sub-section (ii) dated 1964-03-21	Cancelled in view of publication of IS : 2573-1975 Specification for leather gauntlets and mittens. (first revision)	
2. IS : 2575—1963 Specification for leather mittens for workers in iron and steel industry.	Do.	Do.	
3. IS : 3049—1965 Specification for vulcanized fibre slivers cans for spinning mills.	S.O. 2820 dated 1965-09-03 published in the Gazette of India, Part II, Section-3, sub-section (ii) dated 1965-09-11.	Cancelled in view of publication of IS : 7875 (Part I)—1976 Specification for sliver cans used in textile mills : Part I General requirements and IS : 7875 (Part II) 1975 Specification for sliver cans used in textile mills : Part II Vulcanized fibre sliver cans.	

(1)	(2)	(3)	(4)
4. IS : 3158—1965 Specification for aluminium cylindrical sliver cans for spinning mills.	S.O. 3322 dated 1965-10-08 published in the gazette of India, Part II, Section 3, Sub-section (ii) dated 1965-10-23	Cancelled in view of publication of IS : 7875 (Part I)—1976 Specification for sliver cans used in textile mills Part I General requirements and IS : 7875 (Pt III) 1975 Specification for sliver cans used in textile Part III Aluminium alloy sliver cans.	

[No. CMD/13 : 7]

का०श्रा० 2467.—भारतीय भानक संस्था (प्रमाणन् चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 4 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय भानक संस्था द्वारा प्रधिसूचित किया जाता है कि संस्था ने कुछ भानक चिह्न निर्धारित किए हैं जिनकी डिजाइन, शाक्ति विवरणों और भारतीय भानकों के शीर्षकों सहित नीचे अनुसूची में दी गई है।

भारतीय भानक संस्था (प्रमाणन् चिह्न) अधिनियम 1952 और उनके अधीन बने नियमों के निर्दिष्ट ये भानक चिह्न उनके आगे दी गई तिथियों से लागू होंगे।

अनुसूची

क्रम संख्या	भानक चिह्न की डिजाइन	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	तर्फावधी भारतीय भानक की मानक की डिजाइन का शाक्ति विवरण सामूहिक	पद संघर्षा और शीर्षक	भारतीय भानक संस्था के मोनोग्राम जिसमें ISI शब्द होते हैं, स्तम्भ	(2) जिसमें दिखाई गई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है उस मोनोग्राम के अपर की ओर भारतीय भानक संस्था की पद-संघर्षा दी गई है।	1976-04-16
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)		
1. IS : 5494	ISI 5494	द्रूष्वेल छप्पों के निर्माण में प्रयुक्त सीसेदार पीतल की चहरे और पत्तियां	IS : 5494-1969 द्रूष्वेल छप्पों के निर्माण में प्रयुक्त सीसेदार पत्तियों की विशिष्टि	भारतीय भानक संस्था के मोनोग्राम जिसमें ISI शब्द होते हैं, स्तम्भ (2) में दिखाई गई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है उस मोनोग्राम के अपर की ओर भारतीय भानक संस्था की पद-संघर्षा दी गई है।	भारतीय भानक संस्था के मोनोग्राम जिसमें ISI शब्द होते हैं, स्तम्भ (2) में दिखाई गई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है उस मोनोग्राम में ऊपर की ओर भारतीय भानक की पद-संघर्षा दी गई है।	1976-04-16	
2. IS : 6902	ISI 6902	सीलिंगों के लिए इस्पात के तार	IS : 6902-1973 तीक्ष्णों के लिए इस्पात के तार की विशिष्टि	भारतीय भानक संस्था के मोनोग्राम जिसमें ISI शब्द होते हैं, स्तम्भ (2) में दिखाई गई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है उस मोनोग्राम में ऊपर की ओर भारतीय भानक की पद-संघर्षा दी गई है।	भारतीय भानक संस्था के मोनोग्राम जिसमें ISI शब्द होते हैं, स्तम्भ (2) में दिखाई गई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है उस मोनोग्राम में ऊपर की ओर भारतीय भानक की पद-संघर्षा दी गई है।	1976-01-01	

[सं० सी०एम०इ० / 13 : 9]

S.O. 2467.—In pursuance of the sub-rule (1) of rule 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules, 1955 the Indian Standards Institution hereby notifies that the Standard Mark(s), design(s) of which together with the verbal description of the design(s) and the title(s) of the relevant Indian Standard(s) are given in the Schedule hereto annexed, have been specified.

These Standard Marks(s) for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from the dates shown against each :

SCHEDULE

Sl. No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. and Title of the Relevant Indian Standard	Verbal description of the Design of the Standard Mark	Date of Effect
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1. IS : 5494	ISI 5494	Leaded brass sheets and strips for use in the manufacture of tubewell strainners.	IS : 5494-1969 Specification for leaded brass sheets and strips for use in the manufacture of tubewell strainners	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.	16-4-76

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
2. IS : 6902	Steel wire for spokes	IS : 6902-1973 Specification for steel wire for spokes.	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.	1976-01-01	



[No. CMD/13 : 9]

का०ग्रा० 2468.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम, 1955 के विनियम 4 के उपविनियम (1) के प्रत्युत्तर भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि संस्था ने एक मानक चिह्न निर्धारित किया है जिसकी डिजाइन, शाब्दिक विवरण और भारतीय मानक के शीर्षक सहित नीचे घनसूची में दी गई है।

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) अधिनियम 1952 और उसके अधीन बने नियमों के निमित यह मानक चिह्न 1976-04-16 से लागू होगा।

घनसूची

क्रम संख्या	मानक चिह्न की डिजाइन उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	तत्संबंधी भारतीय मानक की पदसंज्ञा	मानक की डिजाइन का शाब्दिक विवरण और शीर्षक	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
IS : 4929	डाइक्लोरवोस, तकनीकी	IS : 4929-1968 डाइक्लोरवोस, तकनीकी की विशिष्टि	भारतीय मानक संस्था के मोनोग्राम जिसमें 'ISI' शब्द होते हैं स्तम्भ (2) में दिखाई गई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है उस मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की पदसंज्ञा दी गई है।	

[संख्या सी/एम/डी/13 : 9]

S.O. 2468.—In pursuance of sub-rule (1) of rule 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules, 1955 the Indian Standards Institution hereby notifies that the Standard Mark, design of which together with the verbal description of the design and the title of the relevant Indian Standard is given in the Schedule hereto annexed, has been specified.

This Standard Mark for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulations framed thereunder, shall come into force with effect from 1976-04-16 :

SCHEDULE

Sl. No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No and Title of the Relevant Indian Standard	Verbal description of the Design of the Standard Mark
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1. IS : 4929	ISI	Dichlorvos, technical	IS : 4929-1968 Specification for dichlorvos, technical.	The monogram of the Indian Standards Institution, consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.



[No. CMD/13 : 9]

का०ग्रा० 2469.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) विनियम 1955 के विनियम 4 के उपविनियम (1) के प्रत्युत्तर भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि संस्था ने एक मानक चिह्न निर्धारित किया है जिसको डिजाइन, शाब्दिक विवरण और भारतीय मानक के शीर्षक सहित नीचे घनसूची में दी गई है ;।

भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिह्न) अधिनियम 1952 और उसके अधीन बने नियमों के निमित यह मानक चिह्न 1976-05-01 से लागू होगा।

घनसूची

क्रम संख्या	मानक चिह्न की डिजाइन उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	तत्संबंधी भारतीय मानक की पदसंज्ञा	मानक की डिजाइन का शाब्दिक विवरण और शीर्षक	
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
IS : 7681	इसीरीन गैस के लिए ब्रेलकृत प्रल्प कार्बन इस्पात के गैस सिलेण्डर	IS : 7681/1975 इसीरीन गैस के लिए ब्रेलकृत प्रल्प कार्बन इस्पात के गैस सिलेण्डरों की विशिष्टि	भारतीय मानक संस्था का मोनोग्राम जिसमें "ISI" शब्द होते हैं स्तम्भ (2) में दिखाई गई शैली और अनुपात में तैयार किया गया है और जैसा डिजाइन में दिखाया गया है उस मोनोग्राम के ऊपर की ओर भारतीय मानक की पदसंज्ञा दी गई है।	



[संख्या सी/एम/डी/13 : 9]

S.O. 2469.—In pursuance of sub-rule (1) of rule 4 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Rules, 1955 the Indian Standards Institution hereby notifies that the Standard Mark, design of which together with the verbal description of the design and the title of the relevant Indian Standard is given in the Schedule hereto annexed, has been specified.

This Standard Mark for the purpose of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Act, 1952 and the Rules and Regulation framed thereunder, shall come into force with effect from 1976-05-01.

SCHEDULE

Sl. No.	Design of the Standard Mark	Product/Class of Product	No. and Title of the Relevant Indian Standard	Verbal description of the Design of the Standard Mark
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1. IS: 7681		Welded low carbon steel gas cylinders for chlorine	IS : 7681-1975 Specification for welded low carbon steel gas cylinders for chlorine gas.	The monogram of the Indian Standards Institution consisting of letters 'ISI', drawn in the exact style and relative proportions as indicated in Col. (2); the number of the Indian Standard being superscribed on the top side of the monogram as indicated in the design.

[No. CMD/13 : 9]

का० आ० 2470.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिन्ह) विनियम, 1955 के विविध विविधम् 7 के उपविविधम् (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि विभिन्न उत्पादों की प्रति इकाई मुहर लगाने की फीस अनुसूची में दिए गए व्यौरों के अनुसार निर्धारित की गई है और उनके प्राप्ते दी गई तिथियों से लागू होती है।

अनुसूची

क्रम संख्या	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	तत्सम्बन्धी भारतीय मानक की संख्या और शीर्षक	इकाई	प्रति इकाई मुहर लगाने की फीस	
1	2	3	4	5	6
1.	द्रूबवेल छन्नों के निर्माण में प्रयुक्त सीसेंदार पीतल की IS : 5194-1969 द्रूबवेल छन्नों के निर्माण एक मीटरी टन में प्रयुक्त सीसेंदार पीतल की चढ़ोरी और पत्तियों की विशिष्टि	IS : 5194-1969 द्रूबवेल छन्नों के निर्माण एक मीटरी टन में प्रयुक्त सीसेंदार पीतल की चढ़ोरी और पत्तियों की विशिष्टि	एक मीटरी टन	रु० 5.00	1976-04-16
2.	तीलियों के लिए इस्पात के तार	IS : 6902-1973 तीलियों के लिए इस्पात के तार की विशिष्टि	एक मीटरी टन	रु० 2.50	1976-01-01

[संख्या सी एम डी/13 : 10]

S.O. 2470.—In pursuance of sub-regulation (3) of regulation 7 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that the marking fee(s) per units for various products details of which are given in the Schedule hereto annexed, have been determined and the fee(s) shall come into force with effect from the dates shown against each :—

SCHEDULE

Sl. No.	Product/Class of Product	No. and Title of Relevant Indian Standard	Unit	Marking fee per Unit	Date of effect
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
1.	Leaded brass sheets and strips for use in the manufacture of tube-well strainers.	IS : 5494-1969 Specification for leaded brass sheets and strips for use in the manufacture of tube-well strainers.	One Tonne	Rs. 5.00	1976-04-16
2.	Steel wire for spokes	IS : 6902-1973 Specification for steel wire for spokes.	One Tonne	Rs. 2.50	1976-01-01

[No. CMD/13 : 10]

का० आ० 2471.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन चिन्ह) विनियम, 1955 के विविधम् 7 के उपविविधम् (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि डाइक्लोरोस, सकनीकी की प्रति इकाई मुहर लगाने की फीस अनुसूची में दिए गए व्यौरों के अनुमार निर्धारित की गई है और 1976-04-16 से लागू होती है।

अनुसूची

क्रम संख्या	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	तत्सम्बन्धी भारतीय मानक की संख्या और शीर्षक	इकाई	प्रति इकाई मुहर लगाने की फीस
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	डाइक्लोरोस, सकनीकी	IS : 4929-1968 डाइक्लोरोस तकनीकी की विशिष्टि	एक किलोग्राम	३ पैसे

[सं० सी० एम० डी०/13 : 10]

S.O. 2471.—In pursuance of sub-regulation (3) of regulation 7 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that the marking fee per units for dichlorvos, technical details of which are given in the Schedule hereto annexed, has been determined and the fee shall come into force with effect from 16-4-76.

THE SCHEDULE

Sl. No.	Product/Class of Product	No. and Title of Relevant Indian Standard	Unit	Marking Fee per Unit
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	Dichlorvos, technical	IS : 4929-1968 Specification for One kg dichlorvos, technical.		5 Paise.

[No. CMD/13 : 10]

का० प्रा० 2472.—भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन विभ.) विनियम 1955 के विनियम 7 के उपविनियम (3) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि ध्लोरिन गैस के लिए बेल्डकूट ग्रासकार्बन इस्पात के गैस मिलेण्डरो की प्रति इकाई मुहर लगाने की फीस अनुसूची में दिए गए व्यौरों के अनुमार निर्धारित की गई है और 1-5-1976 से लागू होगी।

अनुसूची

क्रम संख्या	उत्पाद/उत्पाद की श्रेणी	तत्त्वाम्बन्धी भारतीय मानक की संलेख और शीर्षक	इकाई	प्रति इकाई मुहर लगाने की फीस
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
1.	क्लोरिन गैस के लिए बेल्डकूट ग्रास कार्बन IS : 7681-1975 क्लोरिन गैस के लिए बेल्डकूट ग्रासकार्बन इस्पात के गैस सिलेण्डर	एक मिलेण्डर	(1) पहली 5000 इकाईयों के लिए रु 5.00 प्रति इकाई, और (2) 5001 वीं और इससे ऊपर की इकाईयों के लिए रु 3.00 प्रति इकाई	(1) पहली 5000 इकाईयों के लिए रु 5.00 प्रति इकाई, और (2) 5001 वीं और इससे ऊपर की इकाईयों के लिए रु 3.00 प्रति इकाई

[संख्या सी एम डी/13 : 10]

S.O. 2472.—In pursuance of sub-regulation (3) of regulation 7 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations 1955, the Indian Standards Institution hereby notifies that the marking fee per unit for welded low carbon steel gas cylinders for chlorine gas, details of which are given in the Schedule here to annexed, has been determined and the fee shall come into force with effect from 1-5-1976.

THE SCHEDULE

Sl. No.	Product/Class of Product	No. and Title of Relevant Indian Standard	Unit	Marking fee per Unit
(1)	(2)	(3) £	(4)	(5)
1.	Welded low carbon steel gas cylinders for chlorine gas.	IS : 7681-1975 Specification for One welded low carbon steel gas cylinder for chlorine gas.		(i) Rs. 5.00 per unit for the first 5000 units and (ii) Rs. 3.00 per unit for the 5001st units and above.

[No. CMD/13:10]

का० प्रा० 2473.—समय-समय पर संशोधित भारतीय मानक संस्था (प्रमाणन विभ.) विनियम 1955 के उपविनियम (1) के अनुसार भारतीय मानक संस्था द्वारा अधिसूचित किया जाता है कि जिन 55 लाइसेंसों के व्यौरे नीचे अनुसूची में दिए गए हैं, लाइसेंसधारियों को मानक सम्बन्धी मुहर लगाने का अधिकार देते हुए फरवरी 1975 में स्वीकृत किए गए हैं।

अनुसूची

क्रम संख्या	लाइसेंस संख्या (सी/एम/एल-)	वैधता की अवधि से	तक	लाइसेंसधारी का नाम और पता	लाइसेंस के अधीन वस्तु/प्रक्रिया और तत्त्वाम्बन्धी IS : पद्धति
1	2	3	4	5	6
1.	सी एम/एल-4196 10-2-1975	16-2-1975	15-2-1976	मेसर्सेंसेटेल हैंडस्ट्रियल कारपोरेशन, 110 हैंडस्ट्रियल इलेट, इन्डॉर (म० प्र०)	मालायियोन पायसनीय तेज इव— IS : 2567-1965
2.	सी एम/एल-4197 10-2-1975	1-2-1975	31-1-1976	दि बैंसूर ग्रामरन एण्ड स्टील लिं. (भद्रावती), बैंसूर राज्य	गोलियां, रोलर और ब्रेमिंग रेस तैयार करने में प्रयुक्त कार्बन कॉमियम इस्पात— IS : 4398-1972
3.	सी एम/एल-4198 10-2-1975	16-2-1975	15-2-1976	मेमर्थ गोवन हैंडस्ट्रियल कारपोरेशन 29/प्रार-2 हैंडस्ट्रियल एरिया नई रोहतक रोड, नई दिल्ली	पी बी सी रोधित (भारी काम वाले) बिजली के केबल, 1100 बोस्ट तक कार्यकारी बोल्टता के लिए— IS : 1554 (भाग 1)-1964

1	2	3	4	5	6
4. सीएम/एल-4199 10-2-1975 "		1-2-1975	31-1-1976	दि पंजाब ऐरी डेवेलपमेंट कारपोरेशन लि०, तृष्ण संयुक्त जगरांव रोड डाकघर बड़ोबाल, जिला लुधियाना	आलिम दूध का पाउडर— IS : 1165-1967
5. सीएम/एल-4200 10-2-1975		16-2-1975	15-2-1976	मेसर्से सहगल सेनीटरी फिटिंग्ज प्राइवेट लि०, गांव छुहाखाली डाकघर आबमपुर, जिला जलंधर	पीतल के लेन नमा वाल्व 15 मिमी एच पी— IS : 1703-1968
6. सीएम/एल-4201 10-2-1975		16-2-1975	15-2-1976	मेसर्से ब्रकाश पुरुषराईजिंग मिल्स, इंडस्ट्रियल एरिया भलबर	कार्यालय धूलन पाउडर— IS : 7122-1973
7. सीएम/एल-4202 10-2-1975		16-2-1975	15-1-1976	मेसर्वे रेलिस इंडिया लि० (फिल्माइजर्स एण्ड पेस्टीसाइड्स डिवीजन) कोपरस्कूल, नाम्बूर डाकघर गुन्टूर जिला	आइसेपोएट पायसनीय तेज द्रव की तुबारा पैकिंग— IS : 3903-1966
8. सीएम/एल-4203 10-2-1975		16-2-1975	15-2-1976	मेसर्से असम बुड प्रॉडक्ट्स प्रा० लि० माझुम रोड तिन्हुखिया (अमस)	चाय की पेटियों के लिए प्लाईबुड के तर्जे— IS : 10-1970
9. सीएम/एल-4204 10-2-1975		16-2-1975	15-2-1976	मेसर्से प्रीमियर प्लास्टिक्स (इंडिया), 33 देशप्राण सासमल रोड हावड़ा (कार्यालय : 29 स्ट्रीट रोड, कलकत्ता-1)	शौचालिक बचाव टोप— IS : 2925-1965
10. सीएम/एल-4205 10-2-1975		16-2-1975	15-2-1976	मेसर्से रेलिस इंडिया लि०, (फिल्माइजर एण्ड पेस्टीसाइड्स डिवीजन) 20 हावड़ा रोड, सलियां, हावड़ा-6	मालायियोन पायसनीय तेज द्रव— की तुबारा पैकिंग— IS : 2567-1973
10. सीएम/एल-4206 10-2-1975		16-2-1975	15-2-1976	मेसर्से डिप्लेस फासेट्स (इंडिया), 48, न्यू ओखला इंडस्ट्रियल काम्पलेक्स, नई दिल्ली	पानी की मप्लाई को खोलने की पेंचदार टोटियाँ— और बन्द करने की स्टाप टोटियाँ— IS : 781-1967
12. सीएम/एल-4207 10-2-1975		16-12-1974	15-12-1975	मेसर्से एसएमपी प्राइवेट लि० सुभाष नगर, सुभाष रोड जोगेश्वरी (पूर्व) बम्बई-400 060	एन्ड्रिन पायसनीय तेज द्रव— IS : 1310-1958
13. सीएम/एल-4208 12-2-1975		16-2-1975	15-2-1976	मेसर्से मेधालय प्लाईबुड्स लि., डाकघर बार्नीहिट, जिला खासी पहाड़िया	चाय की पेटियों के लिए प्लाईबुड के तर्जे— IS: 10-1090
14. सीएम/एल-4209 12-2-1975		1-2-1975	31-1-1976	मेसर्से रंका केल्म प्रा० लि इंडस्ट्रियल इस्टेट चुश्प्पा (आ० प्र०)	पूर्ण एसुमिनियम चालक और इस्पात की कोर चाले एसुमिनियम चालक— IS: 398-1961
15. सीएम/एल-4210 12-2-1975		16-2-1975	15-2-1976	मेसर्से रीगल स्टील बर्स, 15 वासपाड़ा रोड, कलकत्ता-14 (कार्यालय: 4 ल्योन्स रेंज 7 वी मंजिल, कलकत्ता)	इनके लिए नाल— (1) टाट और सैकिंग और (2) स्वचल पोइया परिवर्ती पटमन करधे— IS: 1186-1971, IS 2784-1971
16. सीएम/एल-4211 12-2-1975		16-2-1975	15-2-1976	मेसर्से कलकत्ता प्लाईबुड कम्पनी, 11/3-वी कैनाल सर्किलर रोड, कलकत्ता-700067	चाय की पेटियों के लिए प्लाईबुड के तर्जे— IS: 10-1970
17. सीएम/एल-4212 12-2-1975		16-2-1975	15-2-1976	मेसर्से डी० प्लाईबुड प्रॉडक्ट्स, 3/3०, गुदाम- दर लेन कलकत्ता-4	चाय की पेटियों के लिए प्लाईबुड के तर्जे— IS : 10-1970
18. सीएम/एल-4213 12-2-1975		16-2-1975	15-2-1976	मेसर्से तन्दी रिटेलिंग मिल्स (प्रा०) लि० हेम्पर सरचमा इस्पात (मानक किल्स)- रोड, गिरुडाले हिल्सी गांव, कोठासूर डाक-धर, बंगलोर-45 (कार्यालय: 153, बही-लर्स रोड, बंगलोर-5)	संरचना इस्पात (साधारण किल्स)- IS: 226-1969
19. सीएम/एल-4214 12-2-1975		16-2-1975	15-2-1976	"	IS : 1977-1969
20. सीएम/एल-4215 17-2-1975		1-3-1975	29-2-1976	मेसर्से कामधेनु पेस्टीसाइड्स 50 'ए' हेडाप्सर इंडस्ट्रियल इस्टेट हेडाप्सर, पूर्णे-13 (कार्यालय: कृषि भवन, 1379, भवानी पेठ, पूर्णे-2)	बीएच सी धूलन पाउडर- IS : 561-1972
21. सीएम/एल-4216- 17-2-1975		1-3-1975	29-2-1976	"	बीएचसी जल सिवर्जनीय धूलन पाउडर- IS: 562-1972

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
22. सीएम/एस-1217	1-3-1975 17-2-1975	1-3-1975 29-2-1976	मेसर्स ऐस्ट कॉम्पनी एम आर डी री शेड मालाधियोन पायसनीज तेज द्रव- गुणा 26, कैपिटल जान ग्राम्य नाथ, जिला IS: 2567-1973 ठाणे, (कार्यालय: 11/210) सीडी अम्बेड- कर रोड मांडूगा वर्स्ट-19)		
23. सीएम/एस-4218	16-2-1975 17-2-1975	16-2-1975 15-2-1976	मेसर्स पायोनियर डेवलपमेंट कारपोरेशन, रम्ह- सील करने की सोम ग्रेड 1— पार्ट, मिर्जापुर (उप्र०)		IS: 868-1956
24. सीएम/एस-4219	16-2-1975 17-2-1975	16-2-1975 15-2-1976	मेसर्स बेस्ट एण्ड कम्पनी प्रा.लि०, पम्प फैक्टरी, कनकपुरा रीड, यश्विर, बंगलोर-560011 (कार्यालय: 13/15, उत्तरी शीच रोड, भाग-11)	एक ब्लॉक बनाथट थाले आपकोन्नीय पम्प, साठज टाहप 21/2 डीएम, 4/5 हापा—	IS: 1520-1972 मोटर: 3.7 किलो (5 शापा) 'इ' श्रेणी रोधन थाले, 2850 चक्कर प्रति मिनट ड्यूटी एस आर—
25. सीएम/एस-1220	1-3-1975 17-2-1975	1-3-1975 29-2-1976	मेगम' ने नानेट्र आफ इडिया लि०, 28 न्यू हैरम्पुरल टाउन, करीदाबाद (हरियाणा)		IS: 325-1970 धरेल रेफिनरेटर, केवल 165 और 286 लिटर समाई थाले—
26. सीएम/एस-4221	1-3-1975 17-2-1975	1-3-1975 29-2-1976	मेसर्स मेटल इसेक्टीभाइड्रम एण्ड फॉटिलाइजर्स, 110, कुर्मायल इस्टेट, इस्टोर		IS: 1476-1971 डीडीटी पायसनीज तेज द्रव—
27. सीएम/एस-4222	1-3-1975 21-2-1975	1-3-1975 29-2-1976	मेसर्स कृष्णा माइनर्स एण्ड ड्रेम, 12 इंडिस्ट्री- यल पार्क्स, जयपुर पार्क्स, जयपुर, (कार्या- लय: 1 गढ़नीत भवन, न्यू कालोनी रोड, जयपुर)		IS: 633-1956 डीडीटी पायसनीज तेज द्रव—
28. सीएम/एस-4223	1-3-1975 21-2-1975	1-3-1975 29-2-1976	"		IS: 633-1956 मालाधियोन पायसनीय तेज द्रव—
29. सीएम/एस-4224	1-3-1975 21-2-1975	1-3-1975 29-2-1976	मेगम इडियन स्टील रोलिंग मिल्स लिमिटेड, निर्मितिरामगढ़, चिंगलपेट जिला		IS: 2567-1973 कंट्रीट प्रबलत के लिए मठत खिंच हस्पात के तार—
30. सीएम/एस-4225	1-3-1975 21-2-1975	1-3-1975 29-2-1976	दि इडियन स्टील रोलिंग मिल्स लिमिटेड, नागपट्टिनम्, पो० बा० सख्या 1, नागा- पट्टिनम्		IS: 432(भाग 2)-1966 मेटल आर्क वेल्डिंग इलेक्ट्रोड की कार की तार के लिए मृत्त द्रवान—
31. सीएम/एस-4226	1-3-1975 21-2-1975	1-3-1975 29-2-1976	मेसर्स केमोगम म्पन पाइम एण्ड फाउंडरीज (मालिक केमोगम इंडस्ट्रीज एण्ड काटन मिल लि०) वामधेयिया डाकघर एको- नगर, जिला दृगली (प० बगाल)		IS: 2879-1967 जल, गैस और मल मिक्स म के लिए 300 मिमी भास्केतिक न्यास तक गाड़ज थाले दाब पाइपो के लेवा लोड के फिटिंग—
32. सीएम/एस-4227	1-3-1975 21-2-1975	1-3-1975 29-2-1976	मेसर्स बोर्डरिया र्पोर्ट०, 46, बस्ती नौ, जन्धंर 21-2-1975	"	IS: 1538-1969 शटल कॉक चुनी हुई और भानक ग्रेड—
33. सीएम/एस-4228	1-3-1975 21-2-1975	1-3-1975 29-2-1976	मेसर्स हडीकेम इंडस्ट्रीज प्रा० लि०, ब्रेवानी मिल अश्वाता, मोनुपर लेन, कुरुका, बर्स्ट-100070		IS: 415-1963 पानसो 1 आर—
34. सीएम/एस-1229	1-3-1975 21-2-1975	1-3-1975 29-2-1976	"		IS: 2558-1971 कार्मोयगीन—
35. सीएम/एस-1230	1-3-1975 21-2-1975	1-3-1975 29-2-1976	"		IS: 2923-1974 टेलाजीन—
36. सीएम/एस-1231	1-3-1975 21-2-1975	1-3-1975 29-2-1976	"		IS: 1694-1974 सूर्यस्तीका—
37. सीएम/एस-4232	1-3-1975 21-2-1975	1-3-1975 29-2-1976	"		IS: 1696-1974 ऐसैन्थ—
38. सीएम/एस-1233	1-3-1975 21-2-1975	1-3-1975 29-2-1976	"		IS: 1696-1974 एरिथ्रोसीन—
					IS: 1697-1974

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
39. सीएम/एल-4234 21-2-1975	1-3-1975	29-2-1976	मेसर्स हैवीकेम इंडस्ट्रीज प्रा० लि०, योतासी गिल अहमदाबाद, सोनपुर लेन, कुरला,	ईडिगो कार्मीन— IS : 1698—1974	
40. सी एम/एल-4235 21-2-1975	1-3-1975	29-2-1976	बम्बई—400070	, पक्का लाल ही— IS : 2924—1974	
41. सीएम/एल-4236 21-2-1975	1-3-1975	29-2-1976	मेसर्स फालकन थार्यर प्रा० लि०, प्लाट सेण्ट्रा० 10, उत्तर फेज अम्बासूर इंडस्ट्रियल इस्टेट, मद्रास—600058 (तमिलनाडु) कार्यालय 5, सिम्पल रोड, मद्रास 600002 (तमिल- नाडु)	पूर्ण एलुमिनियम चालक और इस्पात की कोर शासे एलुमिनियम चालक— IS : 398—1961	
42 सीएम/एल-4237 21-2-1975	1-3-1975	29-2-1976	मेसर्स पेस्ट केमिकल कम्पनी, एम आई डी सी शेड सेण्ट्रा० 26, केमिकल जीन अम्बरनाथ जिला ठाणे, (कार्यालय 11/210, डा० आम्बेडकर रोड, माटुंगा बम्बई-19)	दी डी डी जल विसर्जनीय धूकन पाउडर— IS : 565—1961	
43. सीएम/एल-4238 21-2-1975	1-3-1975	29-2-1976	मेसर्स ट्यूब प्रॉडक्ट्स ऑफ इंडिया, ग्रेवाड़ी, मद्रास—600054	साइकिल और नस्मंबंधी कार्मी के लिए इस्पात की नसिया—प्रैड इंडिया डम्परू— IS : 2039—1964	
44. सीएम/एल-4239 26-2-1975	1-3-1975	29-2-1976	मेसर्स विवर्म आवरन एण्ड स्टोर्ज कारगोरेशन लि०, 46 'ए' और 'बी' एम आई डी सी इंडस्ट्रियल इस्टेट, हिंगनारोड नागपुर—440016	संरचना इस्पात (मानक किस्म के रूप में पुनः बेलन के लिए कार्बन इस्पात की डलवां विलेट सिलियां— IS : 6914—1973	
45 सीएम/एल-4240 26-2-1975	1-3-1975	29-2-1976	"	संरचना इस्पात (साधारण किस्म) के रूप में पुनः बेलन के लिए कार्बन इस्पात की डलवां विलेट सिलियां— IS : 6915—1973	
46. सीएम/एल-4241 26-2-1975	1-3-1975	29-2-1976	मेसर्स बेस्टन मिनीस्टील लि० लालबहादुर शास्त्री मार्ग, मुंबई, बम्बई—80	मतह कठोरकारी इस्पात— IS : 4432—1967	
47 सीएम/एल-4242 26-2-1975	1-3-1975	29-2-1976	मेसर्स महाव आवरन एण्ड स्टोर्ज वर्स्ट लि० काले, ठाणे-त्रिवेंगुर रोड ठाणे (महाराष्ट्र)	मनक कठोरकारी इस्पात— IS : 4432—1976	
48. सीएम/एल-4243 26-2-1975	1-3-1975	29-2-1976	"	सामान्य इंजीनियरी कार्मी के मशीनोंका पुजारी के बनाने में प्रयुक्त कार्बन इस्पात की काली छड़े— IS : 2073—1970	
49 सीएम/एल-4244 26-2-1975	1-3-1975	29-2-1976	दि सैमुर प्रायरन एण्ड स्टोर्ज लि०, मद्रासनी (कर्नाटक) इंजीनियरी कार्मी के गढ़ाई के लिए मिश्रित इस्पात के विलेट, ब्लूम और सिलिया— IS : 1368—1967		
50. सीएम/एल-4245 26-2-1975	1-3-1975	29-2-1976	मेसर्स अरविंद आश्रम हर्वार्गोन कारखाना, 175, महात्मा गांधी रोड, मुंबियालपेट, पांडिचेरी-3 (कार्यालय : 3 और 5, ए- डुपे पांडिचेरी-2)	अस्त्रीकृत इस्पात के डैम, 20 लिटर साकेतिक समाई वाले प्रैड ए-2 सादे— IS : 2552—1970	
51. सीएम/एल-4246 26-2-1975	1-3-1975	29-2-1976	मेसर्स आरती मिनरल्स, 15/7 मधुरा रोड, फरीदाबाद (झज्जराणा)	दी एम सी जल विसर्जनीय तेज पाउडर— IS : 562—1972	
52. सीएम/एल-4247 26-2-1975	1-3-1975	29-2-1976	मेसर्स अमृत रटीज लि०, जी टी रोड, गजियाबाद	कर्कीट प्रबलन के लिए टंडो मरोडी विकृत छरपात वी मरिया— IS : 1786—1956	
53 सीएम/एल-4248 27-2-1975	1-3-1975	29-2-1976	अरंता केमिकल इंडस्ट्रीज, पीरगढ़ी, दिल्ली-41	कीलानार से बने खाद्य रंग पदार्थ— IS : 5346—1969	
54. सीएम/एल-4249 27-2-1975	1-3-1975	29-2-1976	मेसर्स पत्ता ब्रेयरीज लि०, फोकन प्लाइस्ट एंड रिंग, बदारीका लुधियाना।	विषर— IS : 3865—1966	
55 सीएम/एल-4250 27-2-1975	16-2-1975	15-2-1976	मेसर्स प्रायरन केमिकल वर्स्ट, 29 कार्डिला गांव रोड, कुरला, अर्धेंगी रोड से परे, बम्बई-400050 'पाम'	कोलतार से बने खाद्य रंग पदार्थ— IS : 5346—1969	

S.O. 2473.—In pursuance of sub-regulation (1) of Regulation 8 of the Indian Standards Institution (Certification Marks) Regulations, 1955, as amended from time to time, the Indian Standards Institution hereby notifies that fiftyfive licences, particulars of which are given in the following Schedule, have been granted during the month of February, 1975, authorising the licensees to use the standard Mark:

SCHEDULE

Sl. No.	Licence No. (C.M/I.)	Period of Validity		Name & Address of the Licensee (5)	Article/Process covered by the licence and Relevant IS : Designation (6)
		From (1) (2)	To (3) (4)		
1.	CM/L-4196 10-2-1975	16-2-1975	15-2-1976	M/s. Central Insecticides & Fertilizers, 110 Industrial Estate, Indore (M.P.).	Malathion EC— IS : 2567—1965
2.	CM/L-4197 10-2-1975	1-2-1975	31-1-1976	The Mysore Iron & Steel Ltd. (Bhadrawati), Mysore State.	Carbon Chromium steel for the Manufacture of Balls, Rollers and Bearing Races— IS : 4398—1972
3.	CM/L-4198 10-2-1975	16-2-1975	15-2-1976	M/s. Govan Industrial Corporation, 29/R-2 Industrial Area, New Rohtak Road, New Delhi.	PVC insulated (heavy duty) electric cables for working voltages upto and including 1100 volts— IS : 1554 (Part I)—1964
4.	CM/L-4199 10-2-1975	1-2-1975	31-1-1976	The Punjab Dairy Development Corporation Ltd., Milk Plant, Jagraon Road, P.O. Badowal, Distt. Ludhiana.	Whole Milk Powder— IS : 1165—1967
5.	CM/L-4200 10-2-1975	16-2-1975	15-2-1976	M/s. Sehgal Sanitary Fittings Private Ltd., Village Chuharwati, P.O. Adampur, Distt. Jullundur.	Brass Ball Valve 15mm, HP— IS : 1703—1968
6.	CM/L-4201 10-2-1975	16-2-1975	15-2-1976	M/s. Prakash Pulverising Mills, Industrial Area, Alwar.	Carbaryl dusting Powders— IS : 7122—1973
7.	CM/L-4202 10-2-1975	16-2-1975	15-1-1976	M/s. Rallis India Ltd., (Fertilizer & Pesticides Division) Koppuravuru, Nambur P.O., Guntur Distt.	Repacking of Dimethoate EC— IS : 3903—1966
8.	CM/L-4203 10-2-1975	16-2-1975	15-2-1976	M/s. Assam Wood Products Pvt. Ltd., Makum Road, Tinsukia (Assam).	Tea-chest Plywood Panels— IS : 10—1970
9.	CM/L-4204 10-2-1975	16-2-1975	15-2-1976	M/s. Premier Plastics (India), 33 Deshpuran Sasmal Road, Howrah (Off: 29 Strand Road, Calcutta-1.)	Industrial Safety Helmets— IS : 2925—1965
10.	CM/L-4205 10-2-1975	16-2-1975	15-2-1976	M/s. Rallis India Ltd., (Fertilizer & Pesticides Division), 20 Howrah Road, Salika Howrah-6.	Repacking of Malathion EC— IS : 2567—1973
11.	CM/L-4206 10-2-1975	16-2-1975	15-2-1976	M/s. Dripless Faucets (India), 48 New Okhla Industrial Complex, New Delhi.	Sand Cast brass screw down bib tap & stop taps, 15mm— IS : 781—1967
12.	CM/L-4207 10-2-1975	16-12-1974	15-12-1975	M/s. SMP Pvt. Ltd., Subhash Nagar, Subhash Road, Jogeshwari (East), Bombay-400060.	Endrin EC— IS : 1310—1958
13.	CM/L-4208 12-2-1975	16-2-1975	15-2-1976	M/s. Meghalaya Plywoods Ltd., P.O. Burnihat, Distt. Khasi Hills.	Tea-chest Plywood Panels— IS : 10—1970
14.	CM/L-4209 12-2-1975	1-2-1975	31-1-1976	M/s. Ranka Cables Pvt. Ltd., Industrial Estate, Cuddapah, (Andhra Pradesh).	All aluminium conductors and AGSR conductors— IS : 398—1961
15.	CM/L-4210 12-2-1975	16-2-1975	15-2-1976	M/s. Regal Steel Works, 15 Daspara Road, Calcutta-4 [Off: 4 Lyons Range (6th Floor) Calcutta-1.]	Shuttles for: (i) Hessian and Sacking; and (ii) Automatic-Cop changing jute Looms— IS : 1186—1971 and IS : 2784—1971
16.	CM/L-4211 12-2-1975	16-2-1975	15-2-1976	M/s. Calcutta Plywood Company, 11/3B, Canal Circular Road, Calcutta-700067	Tea-chest Plywood Panels— IS : 10—1970
17.	CM/L-4212 12-2-1975	16-2-1975	15-2-1976	M/s. D. Plywood Products, 3/3 A Garudas Dutt Garden Lanes, Calcutta-4.	Tea-Chest Plywood Panels— IS : 10—1970
18.	CM/L-4213 12-2-1975	16-2-1975	15-2-1976	M/s. Nandi Re-rolling Mills (P) Ltd., Hennur Road, Giddale Halli Village, Kothinur P.O., Bangalore-45 (Off: 153 Wheelers Road, Bangalore-5).	Structural Steel (Standard Quality)— IS : 226—1969
19.	CM/L-4214 12-2-1975	16-2-1975	15-2-1976	Do.	Structural Steel (Ordinary Quality)— IS : 1977—1969
20.	CM/L-4215 17-2-1975	1-3-1975	29-2-1976	M/s. Kamdhenu Pesticides, 50 A Hadapsar Industrial Estate, Hadapsar, Poona-13 (Off: Krishi Bhawan, 1379 Bhavani Peth, Poona-2).	BHCDP— IS : 561—1972
21.	CM/L-4216 17-2-1975	1-3-1975	29-2-1976	Do.	BHC WDP— IS : 562—1972
22.	CM/L-4217 17-2-1975	1-3-1975	29-2-1976	M/s. Pest Chemi Co., M.I.D.C. Shed No. 26, Chemical Zone, Ambaranath, Distt. Thana (Off: 11/210 C, Dr. Ambedkar Road, Matunga, Bombay-19).	Malathion LC— IS : 2567—1973

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
23. CM/L-4218 17-2-1975	16-2-1975	15-2-1976	M/s. Pioneer Development Corp., Ramai-pathi, Mirzapur (U.P.)	Sealing Wax, Grade I— IS : 868-1956	
24. CM/L-4219 17-2-1975	16-2-1975	15-2-1976	M/s. Best & Co. Pvt. Ltd., Pump Factory, Kanakapura Road, Yediyur, Bangalore-560011. (Off : 13/15 North Beach Road, Madras-1)	Centrifugal pumps of monoblock construction, Pump Size type 2½ DM 4/5 HP— IS : 1520-1972 Motor : 3.7 K.W. (5HP) of class E 2850 RPM, Duty SI— IS : 325-1970	
25. CM/L-4220 17-2-1975	1-3-1975	29-2-1976	M/s. Kelvinator of India Ltd., 28 New Industrial Town, Faridabad (Haryana)	Domestic Refrigerators 165 and 286 litre capacity only— IS : 1476-1971	
26. CM/L-4221 17-2-1975	1-3-1975	29-2-1976	M/s. Central Insecticides and Fertilizers 110, Industrial Estate, Indore	DDT emulsifiable Concentrates— IS : 633-1956	
27. CM/L-4222 21-2-1975	1-3-1975	29-2-1976	M/s. Krishna Miner's & Traders, 12, Industrial Area, Jaipur West, Jaipur (Off : 1 Gehlote Bhawan, New Colony Road, Jaipur).	DDT emulsifiable Concentrates— IS : 633-1956	
28. CM/L-4223 21-2-1975	1-3-1975	29-2-1976	Do.	Malathion emulsifiable Concentrates— IS : 2567-1973	
29. CM/L-4224 21-2-1975	1-3-1975	29-2-1976	M/s. Indian Steel Rolling Mills Ltd., Main Road, Tiruninravur, Chingleput District.	Hard Drawn Steel Wire for Concrete reinforcement— IS : 432 (Part II)-1966	
30. CM/L-4225 21-2-1975	1-3-1975	29-2-1976	The Indian Steel Rolling Mills Limited, Nagapattinam, P. O. No. 1, Nagapattinam	Mild Steel for Metal Arc Welding Electrode Core Wire— IS : 2879-1967	
31. CM/L-4226 21-2-1975	1-3-1975	29-2-1976	M/s. Kesoram Spun Pipes & Foundries (Prop. : Kesoram Industries & Cotton Mills Ltd.), Bansberia, P.O. Adconagar, Distt. Hooghly (West Bengal)	Cast Iron Fittings for Pressure Pipes for Water, Gas and Sewage Sizes upto and including 300 mm Nominal Dia— IS : 1538-1969	
32. CM/L-4227 21-2-1975	1-3-1975	29-2-1976	M/s. Bepporia Sports 46, Basti Nau, Jullundur	Shuttle cock, grade select and standard— IS : 415-1963	
33. CM/L-4228 21-2-1975	1-3-1975	29-2-1976	M/s. Idachem Industries Pvt. Ltd., Khetani Mill Compound, Sonapur Lane, Kurla Bombay-400070	Ponceau 4 R— IS : 2558-1974	
34. CM/L-4229 21-2-1975	1-3-1975	29-2-1976	Do.	Carmoisine— IS : 2923-1974	
35. CM/L-4230 21-2-1975	1-3-1975	29-2-1976	Do.	Tartrazine— IS : 1694-1974	
36. CM/L-4231 21-2-1975	1-3-1975	29-2-1976	Do.	Sun Set Yellow— IS : 1695-1974	
37. CM/L-4232 21-2-1975	1-3-1975	29-2-1976	Do.	Amaranth— IS : 1696-1974	
38. CM/L-4233 21-2-1975	1-3-1975	29-2-1976	Do.	Erythrosine— IS : 1697-1974	
39. CM/L-4234 21-2-1975	1-3-1975	29-2-1976	Do.	Indigo Carmine— IS : 1698-1974	
40. CM/L-4235 21-2-1975	1-3-1975	29-2-1976	Do.	Fast Red E— IS : 2924-1974	
41. CM/L-4236 21-2-1975	1-3-1975	29-2-1976	M/s. Falcon Wires Gvt. Ltd., Plot No. 10, North-Phase, Ambattur Industrial Estate, Madras-600058 (Tamilnadu) (Off. 5 Smith Road, Madras-600002 (Tamil Nadu))	All aluminium conductors and ACSR IS : 398-1961	
42. CM/L-4237 21-2-1975	1-3-1975	29-2-1976	M/s. Pest Chemi Company, M.I.D.C. Shed No. 26, Chemical Zone, Ambaranath Distt. Thana. (Off. 11/210 C, Dr. Ambedkar Road, Matunga, Bombay-19)	DDT WDP— IS : 565-1961	
43. CM/L-4238 21-2-1975	1-3-1975	29-2-1976	M/s. Tube Products of India, Avadi, Madras-600054	Steel Tubes for Bicycle and Allied Purposes Grade ERW— IS : 2039-1964	
44. CM/L-4239 26-2-1975	1-3-1975	29-2-1976	M/s. Vidarbha Iron & Steel Corporation Ltd., 46A & B, M.I.D.C., Industrial Estate, Hingna Road, Nagpur-440016.	Carbon Steel Cast billet ingots for rolling into Structural Steel (Standard Quality)— IS : 6914-1973	
45. CM/L-4240 26-2-1975	1-3-1975	29-2-1976	Do.	Carbon steel cast billet ingots for rolling into structural steel (Ordinary Quality)— IS : 6915-1973	
46. CM/L-4241 26-2-1975	1-3-1975	29-2-1976	M/s. Western Ministill Ltd., L.B. Shastri Marg, Mulund, Bombay-80	Case Hardening Steels— IS : 4432-1967	
47. CM/L-4242 26-2-1975	1-3-1975	29-2-1976	M/s. Mukand Iron & Steel Works Ltd., Kalwe, Thana-Belapur Road, Thana (Maharashtra)	Case Hardening Steels— IS : 4432-1967	
48. CM/L-4243 26-2-1975	1-3-1975	29-2-1976	M/s. Mukund Iron & Steel Works Ltd., Kalwe, Thana Belapur Road, Thana (Maharashtra)	Carbon Steel Black Bars for Production of Machined Parts for General Engineering Purposes— IS : 2073-1970	

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)
49. CM/L-4244 26-2-1975	1-3-1975	29-2-1976	The Mysore Iron & Steel Limited, Bhadravati (Karnataka).	Alloy Steel Billets, Blooms and Slabs for Forgings for Engineering Purposes—IS : 4368-1967	
50. CM/L-4245 26-2-1975	1-3-1975	29-2-1976	M/s. Aurobindo Ashram Harpagon Workshop, 175, Mahatma Gandhi Road, Muthialpet, Pondicherry-3. (Off: 3 and 5, Rue Dupay, Pondicherry-2)	Ungalvanized Steel Drums 20-Litre Nominal Capacity Grade A-2 Plane—IS : 2552-1970	
51. CM/L-4246 26-2-1975	1-3-1975	29-2-1976	M/s. Artec Minerals, 15/7, Mathura Road, Faridabad (Haryana).	BHC Water dispersible powder Concentrates—IS : 562-1972	
52. CM/L-4247 26-2-1975	1-3-1975	29-2-1976	M/s. Amrit Steel Ltd., G.T. Road, Ghaziabad.	Cold twisted deformed Steel bars for Concrete reinforcement—IS : 1786-1956	
53. CM/L-4248 27-2-1975	1-3-1975	29-2-1976	Ajanta Chemical Industries Garhi, Delhi-41 Peera Garhi.	Coal tar food colour preparations—IS : 5346-1969	
54. CM/L-4249 27-2-1975	1-3-1975	29-2-1976	M/s. Punjab Breweries Ltd., Locat Point Area, Dhandari Kalan, Ludhiana	Beer—IS : 3865-1966	
55. CM/L-4250 27-2-1975	16-2-1975	15-2-1976	M/s. Asian Chemical Works, 29 Kondivita Village Road, (Off: Kurla, Andheri Road, Bombay 400 59AS)	Coal Tar Food Colour preparations—IS : 5346-1969	

{No. CMD/13 : 11]

A. B. RAO, Dy. Dir. General

ऊर्जा मंत्रालय**(शक्ति विभाग)**

शिथिलीकरण प्रावेश

नई दिल्ली 19 जून 1976

क्र. १०प्रा० २४७४--केन्द्रीय सरकार, भारतीय विद्युत नियम, 1956 के नियम 133 द्वारा प्रदस साक्षितयों का प्रयोग करते हुए, निम्न देखी है कि नियम 118(ग) और 130 के उपबंध, मैसेस कोल माहन्स एथोरिटी लिमिटेड को डकरा बुकबुका कॉलियरी की विद्युत खान में, एक सो०स०ग०स० निर्मित ड्रिल सी० C6W 250 एम एच के साथ-साथ निम्नलिखित साधितों के उपयोग को बाबत शिथिल किए जाएँगे।

1. एक सो०स०ग०स० निर्मित ट्रांसफोर्मर, 7.5 के वी ए, 440/220 वी०, 3-फेज, 50सी०/एस, इस विस्तार तक कि (1) नियम 118(ग) के शिथिलीकरण में, 7.5 के वी ए, 440/220 वी, 3-फेज ट्रांसफोर्मर से ड्रिल के भीतर प्रकाश के प्रयोजनों के लिए उपयोग के लिए आवश्यित प्रदाय की 220 वी पद्धति, जिसमें द्वितीयक विद्युतरोधी का न्यूट्रल बिन्दु होगा तथा इस कारण पद्धति की बोल्ट्टा किसी फेज और विद्युतरोधी न्यूट्रल के बीच, त कि नियम 118(ग) में यथा अनुध्यात फेजों के बीच, अभिप्राप्त की जाएँगी, प्रदाय की 220 वी पद्धति विशिष्टतया विचारित है, प्रयोग की जा सकेगी; (2) नियम 130 के शिथिलीकरण में, 7.5 के वी ए, 400/220, वी, 3-फेज ट्रांसफोर्मर का न्यूट्रल बिन्दु विद्युतरोधी रह सकेगा।

शिथिलीकरण निम्नलिखित शर्तों के अध्यधीन होगा।—

1. नम्न ट्रेनिंग केबल को 440 वी प्रदाय, पर्याप्त भूरक्षण सरक्षण से उपबंधित किया जाना चाहिए।

2. नम्न ट्रेनिंग केबल को 140 वी प्रदाय को नियतित करने वाले परिपथ विच्छेदक के ओवरकरेन्ट ट्रिपों का ड्रिल पर, युग्मपृष्ठ अविकल्प भार, 3.27 के० डब्ल्यू० से मार्गजस्य होगा।

3. ड्रिल के भीतर मस्थापन और विद्युत्कार भारतीय विद्युत नियम, 1956 के सुनंगत उपबंधों, विशिष्टतया नियम 115, 117, 121 और 124 के अनुरूप होंगे।

4. नम्न ट्रेनिंग केबल उचित रूप में नियतित अन्योजक वर्तमो गा० पूर्णतया पर्याप्त भूरक्षण माधित्रों द्वारा विचारित प्रदाय पद्धति और भूरी से सम्बद्ध होगा।

5. नम्न ट्रेनिंग केबल के साथ-साथ ड्रिल को भारतीय विद्युत नियम, 1956 के नियम 3 के अधीन केबल सम्यक् रूप से प्राधिकृत अविकल्पों द्वारा सम्यक् सावधानी से चलाया और इस्तेमाल किया जाएगा जिससे कि किन्हीं संभव वैद्युत त्रुटियों से उत्पन्न होने वाले घटरे से बचा जा सके।

6. ड्रिल के प्रबलाक्षों को किसी सक्षम वैद्युत इंजीनियर के अधीन पर्याप्त प्रशिक्षण दिया जाएगा और उन्हे सक्षमतापूर्वक और सम्यक् सावधानी से ड्रिल का प्रबलान करने के लिए उनके द्वारा प्राधिकृत किया जाएगा जिससे कि खतरे से बचा जा सके:

परन्तु पूर्वावधि शिथिलीकरण उतने समय के लिए विधिसान्त शोगा जब तक कि उस ड्रिल मशीन का उत्तर खान में उपयोग किया जाता है, और मशीन जैसे ही खान से बाहर निकाली जाती है, संबंधित सर्किल के उपनिदेशक, खान सुरक्षा (वैद्युत) के माध्यम से केन्द्रीय सरकार को उसकी सम्यक् सूचना दी जाएँगी।

[एन ई II-6 (3)/75-(ii)]

MINISTRY OF ENERGY

(Department of Power)

RELAXATION ORDER

New Delhi, the 19th June, 1976

S.O. 2474.—In exercise of the powers conferred by rule 133 of the Indian Electricity Rules, 1956, the Central Government hereby directs that the provisions of Rule 118(c) and 130 shall be relaxed in respect of the use of the following apparatus in conjunction with the one U.S.S.R. make Electric Drill, C6W 250MH, at the open cast mine of Dakra Bukbuka Colliery of M/s. Coal Mines Authority Ltd.

1. One USSR make transformer, 7.5 KVA, 440/220V, 3-phase, 50 c/s to the extent that (i) in relaxation of Rule 118(c), the 220V system of supply intended for use for lighting purposes within the drill from 7.5 KVA, 440/220V, 3-phase, transformer having the neutral point of the secondary insulated and as such, the voltage of the system being obtained between a phase and insulated neutral and not between phases as contemplated under rule 118(c), the 220V system of supply is specially considered may be used;

(ii) in relaxation of Rule 130, the neutral point of 7.5 KVA, 400/220V, 3-phase transformer may remain insulated.

The relaxation shall be subject to the following conditions :—

1. The 440V supply to the flexible trailing cable should be provided with adequate earth leakage protection.
2. The over-current trips of the circuit breaker controlling 440V supply to the flexible trailing cable shall be inkeeping with the simultaneous maximum load, 327KW, on the drill.
3. The installations and wirings inside the drill shall comply with the relevant provisions of the Indian Electricity Rules, 1956 in particulars rules 115, 117, 121 & 124.
4. The flexible trailing cable shall be connected to the electric supply system and the machine by properly constructed connector boxes or totally enclosed safe apparatus.

5. The drill along with the flexible trailing cable shall be worked and handled only by persons duly authorised under Rule (3) of Indian Electricity, 1956, and with due care so as to avoid danger arising out of any possible electrical defects.

6. The operators of the drill shall be trained sufficiently under a competent electrical engineer and authorised for operating the drill with competency and due care to avoid danger.

Provided that the aforesaid relaxation shall remain valid for such time as the Drill Machine is in use in the said mine and due information shall be given to the Central Government through the Deputy Director of Mines Safety (Electrical) of the Circle concerned as soon as the machine is taken out of the mine.

[No. EL. II-6(3)/75-(ii)]

शिथिलीकरण आदेश

खान का नाम : डकरा बुकबुका कोलियरी

स्वामी का नाम : सी०एम०ए० लिमिटेड

का० आ० 2475.—केंद्रीय सरकार, भारतीय विधुत नियम, 1956 के नियम 133 के उपनियम (2) द्वारा प्रदत्त शर्कित का प्रयोग करते हुए, निरेण देती है कि भारतीय विधुत नियम, 1956 के —

- (i) नियम 118(क),
- (ii) नियम 119(1)(क),
- (iii) नियम 118(ग),
- iv) नियम 123(7), और
- (v) नियम 130

के उत्तर्वद डकरा बुकबुका कोलियरी में, एक छंस (सो०सं० ग० सं०) निर्मित उत्खनित, माइल ई केजी 4.68ी क्रम सं० 713 के साथ-साथ निम्नलिखित भागित्रों के उपयोग की आवत शिथिल किए जाएँगे :

(1) उत्खनित, सो०स०ग०सं० निर्मित 6.6केवी, 100एम्प०, टाइप 2केवीएम-6टी, क्रम सं० 2749 पर भारूद एक नियन्त्रण पटु।

(2) एक जेनेरेटर सेट को चलाने के लिए एक सो०स०ग०सं० निर्मित पिंजरी ए०सी० हैडगेज मोटर 3.3केवी०, 250फै० उच्च्यू, 3-फेज, 50सी/एस, टाइप ए० 113-4टी, क्रम सं० 153770.

(3) एक सो०स०ग०सं० निर्मित ड्रासफोर्मर 40केवी०ए०, 3300/230 वोल्ट, टाइप टी एम, 40/33 तेल से प्राकृतिक शीतलन, क्रम सं० 448648.

(4) मैसर्स कोल माइन्स एथोरिटी लिमिटेड की डकरा बुकबुका विष्वृत कोला खान में द्वेलिंग केबल, 4 कांर, पृथक्त: आवरण सरक्षित ग्राहक 3×25+1×10 वर्ग मिंटी०, कापर कंडक्टर 3.3 केवी ग्रेड, सम्बाई 300 मोटर, पोलेंड निर्मित स्विच गियर पैनल टाइप आर०ओ०के० 6-3 वाई/आर०एन०टी द्वारा नियन्त्रित, 3-फेज, 50 सी/एस, 3.3 केवी, 50एम्प० भूक्षण रिले क्रम सं० थी०एम०एन०ओ० 422/61 ई से ग्रामिति; इन विस्तार तरं कि (1) नियम 118(क) के शिथिलीकरण में, उत्खनित में जेनेरेटर गेट का चलाने वाली सुधाहूर्ग मोटर (250 केवी उच्च्यू० 3.3 केवी) को 3.3 के पर प्रथुक्त किया जा

सकेगा; (2) नियम 119(1)(क) के शिथिलीकरण में, उच्च बोल्टसा पर ऊर्जा का उपयोग करने वाले एक 40केवीए, 3300/230 वी, 3-फेज ड्रासफोर्मर को, उसके सहनारी उपस्कर सहित, एक स्थान से दूसरे स्थान पर गतिमान सुधाहूर्ग उत्खनित पर यथा संस्थापित रूप में परिवर्त साधित नहीं भी हो सकेगा; उसकी सुधाहूर्ग अभिविशा होगी; (3) नियम 118(ग) के शिथिलीकरण में, 40केवीए, 3300/230 वोल्ट, 3-फेज, ड्रासफोर्मर से उत्खनित के भीतर प्रकाश के प्रयोजनों के लिए उपयोग के लिए आवश्यक प्रदाय की 125 वोल्ट पद्धति जिसमें ड्रासफोर्मर में द्वितीय विद्युत रोधी का न्यूट्रल बिन्दु होगा तथा इस कारण पद्धति की बोल्टता किसी केज प्रीर विद्युतरोधी न्यूट्रल के बीच, न कि नियम 118(ग) में यथा अनुधावत केजों के बीच, अभिप्राप्त की जाएगी, प्रदाय की 125 वोल्ट पद्धति विशेषतया विचारित है, प्रयुक्त की जा सकेगी; (4) नियम 130 के शिथिलीकरण में, 40केवीए : 3300/230-बोल्ट, 3-फेज ड्रासफोर्मर का न्यूट्रल बिन्दु विद्युतरोधी रह सकेगा, तथा (5) नियम 123(7) के शिथिलीकरण में, सुधाहूर्ग मर्शिन के राथ, लम्बाई में 300 मीटर से अनधिक नम्य केबल प्रयुक्त किया जा सकेगा तथा शिथिलीकरण निम्नलिखित शर्तों के प्रध्यारीन होगे:—

1. नम्य टेलिंग केबल को 3.3 वी के प्रदाय भूरशण से उत्तर्वदित किया जाएगा।

2. नम्य ट्रेलिंग केबल को 3.3 वी के प्रदाय को नियन्त्रित करने वाले परिपथ विच्छेदक के ओवरकरेन्ट ट्रिपों का उत्क्रिया पर संस्थापित जेनेरेटर सेट को चलाने वाली 3.3 केवी मोटर के अनुमताक से सामंजस्य होगा।

3. उत्खनित के भीतर संस्थापन और विद्युतार भारतीय विद्युत नियम 1956 सुरंगत उपबंधों, विशिष्टतया नियम 115-117, 121, 124 और 125 के अनुरूप होगे।

4. नम्य ट्रेलिंग केबल को उचित रूप से रास्तिमात्र अनुयोजक वक्सों या पूर्णतया परिवर्द्ध निरापद साधित्रों द्वारा विद्युत प्रदाय पद्धति और मर्शिन से सम्बद्ध होना चाहिए।

5. नम्य ट्रेलिंग केबल के साथ साथ उत्खनित का सम्यक् सावधानी से चलाया और इस्तेमाल किया जाना चाहिए कि उसके प्रयोग के बीच रान किसी विद्युत त्रुटि से उत्पन्न होने वाले खतरे से बचा जा सके। उच्च बोल्टता सर्किट के, जिसमें चलाने मोटर भी सम्मिलित है, विद्युतरोधी का प्रतिरोध किसी भी समय दस मैग्नोम ते कम नहीं होगा।

6. उत्खनित के प्रचालकों को किसी सधारण विद्युत इंजीनियर के अधीन पर्याप्त प्रशिक्षण दिया जाएगा और उन्हें सम्मतापूर्वक और सम्यक् सावधानी से उत्खनित का प्रचालन करने के लिए उसके द्वारा नियम 3 के अधीन प्राधिकृत किया जाएगा जिससे कि खतरे से बचा जा सके।

7. विनिर्माताओं द्वारा प्रदाय किए गए श्रक्वचित नम्य केबल को पर्याप्त करने वहन क्षमता के अनुमत कर्वाचित नम्य केबल द्वारा, संर्वधित सर्किल के उपनिदेशक, खान सुरक्षा (विद्युत) के माध्यम से केन्द्रीय सरकार को सूचना देते हुए शीघ्र ही प्रतिस्थापित किया जाएगा:

परन्तु पूर्वोत्तम शिथिलीकरण उत्तने समय के लिए विधमान्य होगा जब तक कि उक्त क्षमता के खान में उपयोग किया जाता है और मर्शिन जैसे ही खान से बाहर निकाली जाती है, संर्वधित सर्किल के उपनिदेशक, खान सुरक्षा (विद्युत) के माध्यम से केन्द्रीय गरकार को उसकी सम्यक् सूचना दी जाएगी।

[सं० एन०ई० 2-6(3)/75(1)]

RELAXATION ORDER

Name of Mine : Dakra Bukbuka Colliery.

Name of Owner : Coal Mines Authority Limited.

S.O. 2475.—In exercise of the powers conferred by Sub-rule (2) of Rule 133 of the Indian Electricity Rules, 1956,

the Central Government hereby direct that the provisions of :—

- (i) Rule 118(a)
- (ii) Rule 119(1)(a)
- (iii) Rule 118(c)
- (iv) Rule 123(7) and
- (v) Rule 130

of the Indian Electricity Rules, 1956, shall be relaxed in respect of the use of the following apparatus in conjunction with one Russian (U.S.S.R.) make Excavator, Model EKG 4.6B SI No. 713, at Dakra Bokbuka Colliery.

(1) One control Panel mounted on the Excavator, U.S.S.R. make 6.6KV, 100 Amps, Type 2KB-M-6T, SI No. 2749.

(2) One U.S.S.R. make Squirrel cage A.C. Induction motor 3.3 KV, 2500KW, 3-phase, 50 C/S A-113-4T, SI No. 153770 for driving a Generator set.

(3) One U.S.S.R. make Transformer 40 KVA, 3300/230 volts, Type TM, 40/33 natural cooling with oil, SI No. 448648.

(4) Trailing cable, 4-core, individually Screen protected, size $3 \times 25 = 1 \times 10$ sq. mm., copper conductor, 3.3 KV grade, length 300 Metres, controlled by one Poland make switchgear panel Type ROK 6-3Y/IND, 3-phase, 50 C/S, 3.3 KV, 50 Amps fitted with earth leakage relay SI. No. BMNO 422/61E in Dakra Bokbuka Open Cast coal Mine of M/s. Coal Mines Authority Limited to the extent that (1) in relaxation of Rule 118(a), the portable motor (250 KW, 3.3 KV) driving the generator set in the excavator may be used at 3.3 KV (2) in relaxation of Rule 119(1)(a), one 40 KVA, 3300/230V, 3-phase transformer with its associated equipment using energy at high voltage may not be a fixed apparatus as being installed on the portable excavator moving from place to place, the same having a portable sense; (3) in relaxation of Rule 118(c), the 125 volts system of supply intended for use for lighting purposes within the excavator from 40 KVA, 3300/230-volt, 3-phase, transformer, the transformer having the neutral of the secondary insulated, and as such the voltage of the system being obtained between a phase and insulated neutral and not between phases as contemplated in Rule 118(c), the 125-volts system of supply is specially considered may be used; (4) in relaxation of Rule 130, the neutral point of 40 KVA, 3300/230-volt, 3-phase transformer may remain insulated and (5) in relaxation of Rule 123(7), the flexible cable not exceeding 300 Metres in length may be used with the portable machine and that the relaxations shall be subject to the following conditions :—

1. The 3.3 KV supply to the flexible trailing cable should be provided with earth leakage protection.
2. The over-current trips of the circuit breaker controlling 3.3 KV supply to the flexible trailing cable shall be in keeping with the rating of the 3.3 KV motor driving the generator set installed on the excavator.
3. The installations and wirings inside the excavator shall comply with the relevant provisions of the Indian Electricity Rules, 1956, in particular, Rules 115—117, 121, 124 and 125.
4. The flexible trailing cable should be connected to the electric supply system and the machine by properly constructed connector boxes or totally enclosed safe apparatus.
5. The excavator along with the flexible trailing cable shall be worked and handled with due care so as to avoid danger arising out of any electrical defect during its use. The insulation resistance of the high voltage circuit including the driving motor shall at no time be less than 10 Megohm.
6. The operators of the excavator shall be trained sufficiently under a competent electrical engineer and duly authorised by him under Rule 3 for operating excavator with competency and due care to avoid danger.
7. The unarmoured flexible cable supplied by the manufacturers shall be replaced by pliable armoured cable of adequate current carrying capacity at an early date under intimation to the Central Government through the Deputy Director of Mines Safety (Electrical) of the concerned circle.

Provided that the aforesaid relaxation shall be valid for such time as the said machine is in use in the mine and due intimation shall be given to the Central Government through the Deputy Director of Mines Safety (Electrical) of the circle concerned as soon as the machine is taken out of the mine.

[No. EL-II-6(3)/75-(i)]

शिथिलीकरण आदेश

नई दिल्ली, 21 जून, 1976

का० आ० 2476.—केन्द्रीय सरकार, भारतीय विद्युत नियम, 1956 के नियम 133 के उप-नियम (2) द्वारा प्रदत्त शर्कियों का प्रयोग करने हुए, निवेश देती है कि उस नियमों के :—

- (i) नियम 118 (ग) :
- (ii) नियम 119 (1) (क) ;
- (iii) नियम 123 (7)

के उपबन्ध 3.3 के० वी० ३० रुपी वैचुन उत्तरान्त माडेल ई-फे-जी 4.6 वी० के साथ साथ-जिनमें से प्रत्येक पर निम्नलिखित उपस्कर आरूढ़ हों, निम्नलिखित साधिकों के उपयोग के सम्बन्ध में शिथिल किए जाएंगे :—

(क) एक 250 एच० पी० 3.3 के० वी० 250 के डब्ल्यू मोटर कम स० 6288 और 6295।

(ख) भू-नाम्पर्कित न्यूट्रल सहित 40 के वी० ए० 3.3 के० वी० 220 वोल्ट ड्राइव्सफार्मर कम स० 547024 और 507023

(ग) लम्बाई में 330 मीटर द्रेविंग केवल सामूहिक रूप से आवृत 3 के० वी० 4 कोग।

(घ) 3 के० वी० सर्किट ब्रेकर कम स० 2164 और 2088 ईस्टर्न कॉलकाटा निमिटेड, डाकघर कजोरायाम जिला अर्द्धवान (पश्चिमी बंगाल) में पारमिता विद्युत खान परियोजना में, इस विस्तार तक कि —

(i) नियम 118 (ग) के शिथिलीकरण में, प्रकाश के लिए प्रशुक बोल्ट्स पद्धति, फेज और न्यूट्रल के वीच 127 बोल्ट पर हो और प्रदाय पक्ष में भू-नाम्पर्कित मध्य ब्रिंहु सहित फेजों के वीच 125 बोल्ट पर न हो, जैसा कि नियम 118 (ग) में अन्यथा है,

(ii) नियम 119(1) (क) के शिथिलीकरण में, 40 के वी० 3.3 के० वी०/220 वोल्ट, 3-फेज ड्राइव्सफार्मर और 250 के डब्ल्यू, 3.3 के० वी० पिजरी मोटर और उनके सहचारी साधिक, प्रदायत 3.3 के० वी० परिपथ विच्छेदक, जो शांखल पर आरूढ़ होते हैं, स्थान-स्थान पर गतिमान सुधारणा शायद पर संस्थापित होने के कारण आवश्यक नहीं हो,

(iii) नियम 123 (7) के शिथिलीकरण में, लम्बाई में 330 मीटर से अन्यथा के केवल का उम सुधारणा मणीन के साथ प्रयोग किया जा सकेगा।

यह शिथिलीकरण निम्नलिखित गतों के प्रभावीन होगा।

(क) नम्य केवल वो 3.3 के० वी० का प्रदाय पर्याप्त और दक्ष भूग्राहण गति उपलब्ध होना चाहिए।

(ख) नम्य केवल वो 3.3 के० वी० प्रदाय को नियन्त्रित करने वाले परिपथ विच्छेदक के शोवर करेट ट्रिपों का गुवाइय मणीन में सर्वार्थित ब्रूनेटर मेट को चलाने वाली 3.3 के० वी० मोटर के अनुमतीक से सामाज्य रोग।

(ग) शोवर के भीतर संस्थापन और विद्युत तार भारतीय विद्युत नियम, 1956 के भूमंगत उपवंशों, विशिष्टस्त्रा नियम, 115-117, 121 और 125 के अन्तर्गत होगे।

(घ) नया ट्रैलिंग केवल को उचित रूप सम्बन्धित यन्त्रोंजहाँ वर्षों में पूर्णतया परिवद्वा निरापद यागने द्वारा विशुद्ध प्रशाय पड़ति और भर्जीन स पर्वद्वा होना चाहिए।

(छ) नया ट्रैलिंग केवल के साथ-साथ उत्कर्षन मशीन को केबल प्राधिकृत प्रवालको द्वारा सम्यक् सावधानी से बचाया और इस्तेमाल किया जाएगा जिससे कि प्रयोग में किसी वैश्वान दुष्ट उत्पन्न होने वाले खतरे से बचा जा सके। उच्च बोल्टना सफिट के, जिसमें चालन भोटर भी सम्मिलित है, विशुद्ध रोधी का प्रतिग्राम किसी भी गम्य 50 मैग्नोम से कम नहीं होगा।

(ज) शविल का प्रवालक प्राणिक्षित होगा तथा उसे शांखों का सक्षमता पूर्वक प्रयोग गम्यक सावधानी से प्रवालन करने के लिए नियम 3 के अधीन प्राधिकृत किया जाएगा जिससे कि खतरे से बचा जा सके।

(झ) विनिर्माताओं द्वारा प्रयाय किए गए अकवचित नया केविल के स्थान पर पर्याप्त करेट यहन क्षमता के आनंद्य कवचित नया केविल द्वारा उपनिवेशक, घान सुरक्षा (विशुद्ध) के माध्यम से केन्द्रीय मरकार को सुचना देने हुए अधिक ही प्रतिस्थापित किया जाएगा।

परन्तु पूर्वीन शिथिनीकरण उतने समय के लिए विर्धमान्य होगा जब तक कि उक्त मशीन का घान में उपयोग किया जाता है और मशीन जैसे ही घान के बाहर निकाली जाती है उप-निवेशक घान सुरक्षा (विशुद्ध) के माध्यम से, केन्द्रीय मरकार का उम्मीद सम्यक् सूचना दी जाएगी।

[स० शिजली-2-6(4)/76]
एम० पी० जैन, उप-निवेशक

RFLAXATION ORDER

New Delhi, the 21st June, 1976

S.O. 2476.—In exercise of the powers conferred by sub-rule (2) of Rule 133 of the Indian Electricity Rules, 1956, the Central Government hereby direct that the provisions of :

- (i) Rule 118(c);
- (ii) Rule 119(1)(a);
- (iii) Rule 123(7).

of the said rules shall be relaxed in respect of the use of the following apparatus in conjunction with 3.3 KV Russian Electric Excavators model EKG 46 B having following equipments mounted on each of them.

- (a) One 250 H.P. 3.3 KV 250 KW motor SI. Nos. 6288 and 6295.
- (b) 40 KVA, 3.3 KV/220 volts transformer with neutral earthed SI Nos. 547024 and 507023.
- (c) Trailing cable 330 metres in length 3.3 KV 4 core collectively screened.

(d) 3.3 KV circuit breaker SI Nos. 2164 and 2088.
In Parasea Open Cast Project of Eastern Coalfields Limited, P.O. Kajoragram District Burdwan (West Bengal), to the extent that—

- (i) in relaxation of rule 118 (c), the voltage system used for lighting may be at 127 volts between the phase and the neutral and not at 125 volts between the phases with mid point on the supply side earthed as contemplated in Rule 118(c);
- (ii) In relaxation of Rule 119(1)(a); 40 KVA, 3.3 KV/220 volts, 3 phase transformer and at 250 KW 3.3 KV Squirrel cage motors and their associated apparatus namely 3.3 KV circuit breaker which are mounted on the shovel may not be fixed apparatus as being installed on portable shovel moving from place to place.
- (iii) in relaxation of Rule 123(7); the cable not exceeding 330 metres in length may be used with this portable machine.

This relaxation shall be subject to the following conditions :

- (A) The 3.3 KV supply to the flexible cable should be provided with adequate and efficient earth leakage protection.
- (B) The over current trips of the circuit breaker controlling 3.3 KV supply to the flexible cable shall be in keeping with the rating of the 3.3 KV motor driving the generator set, installed in the portable machine.
- (C) The installation and wirings inside the shovel shall comply with the relevant provisions of the Indian Electricity Rules, 1956, in particular, Rules 115-117, 124 and 125.
- (D) The flexible trailing cable should be connected to the electric supply system and the machine by properly constructed connector boxes or totally enclosed safe attachments.
- (E) The excavating machine alongwith the flexible trailing Cable shall be worked only by authorised operators and handled with due care so as to avoid danger arising out of any electrical defect in the use. The insulation resistance of the High Voltage circuit including the driving motor shall at no time be less than 50 megohms.
- (F) The operator of the shovel shall be trained and authorised under Rule 3 for operating the shovel with competency and due care to avoid danger.
- (G) The unarmoured flexible cable supplied by the manufacturers shall be replaced by Pliable armoured flexible cable of adequate current carrying capacity at an early date under intimation to the Central Government through the Deputy Director of Mines Safety (Electrical).

Provided that the aforesaid relaxation shall be valid for such time as the said machine is in use in the mine and due information shall be given to the Central Government through the Deputy Director of Mines Safety (Electrical), as soon as the machine is taken out of the mine.

[No. FL-II-6(4)/76]

S. P. JAIN, Dy. Director

स्थानीय और परिवार नियोजन मंत्रालय

(स्थानीय विभाग)

नई दिल्ली, 23 जून, 1976

का० प्रा० 2477.—यह भारतीय नियम परिषद् अधिनियम, 1947 (1917 का 48) (जिसे इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) की प्रारंभ 3 की उपधारा (1) के व्यष्टि (क) के अधीन इस्त्रियाणा नर्म रजिस्ट्रेशन परिषद् द्वारा कुमारी एम० पी० लैलैगम, नियम अधीक्षक, किसिन्यन अस्पताल जगद्वारी, जिला अधिकारी, शिविराणा को 29 अगस्त, 1973 से भारतीय उपर्याप्त परिषद् का सदस्य निर्वाचित किया गया है,

और यह उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के व्यष्टि (क) के अधीन नियमानुसार उत्तर्वार्य परिषद् द्वारा श्री तिक पी० श्री तामन उपाध्यक्ष, सद्राम नर्म और धारी परिषद्, नियमानुसार 7 मार्च 1974 से भारतीय उत्तर्वार्य परिषद् का गश्मण निर्वाचित किया गया है,

यदि यह उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के व्यष्टि (क) के अधीन विज्ञप्ति नर्म और धारी परिषद् द्वारा कुमारी लौसी पीटर्स, नियमानुसार, नियम कालेज, त्रिवेद्यम (क्र० १) से 25 जून 1974 से भारतीय उत्तर्वार्य परिषद् का सदस्य निर्वाचित किया गया है,

और यह उक्त अधिनियम की धारा 3 की उपधारा (1) के व्यष्टि (क) के अधीन परिषद् विभाग उत्तर्वार्य परिषद् कलकत्ता द्वारा श्रीमती गन्धी धारा, राजस्थान, पिंजिम विभाग उत्तर्वार्य परिषद् कलकत्ता को 11 मित्रवार 1971 से भारतीय उपनर्यापरिषद् का सदस्य निर्वाचित किया गया है।

और यतः उक्त प्रधिनियम की धारा ३ की उपधारा (१) के खण्ड (क) के अधीन महाकोशल नर्सेज गर्भांगन कार्डिनल डार्ग कुमारी लव ग्राही माइक्रो, वर्गिल प्राप्तापक, एस० प्राइ० बी० ई०, पोस्ट प्रेज़ुएट स्कूल फार नर्सेज, मिगन कंपाऊण्ड, हैदराबाद, मध्य प्रदेश को २६ सितंबर १९७४ से भारतीय उपचर्चा परिषद् का मदस्य निर्वाचित किया गया है;

और यतः उक्त प्रधिनियम की धारा ३ की उपधारा (१) के खण्ड (क) के अधीन उत्तर प्रदेश नर्म एवं धारी परिषद् डार्ग कुमारी लव ग्राही, मेडन, जिला अस्पताल, गोरखपुर, उत्तर प्रदेश का ४ नवंबर १९७४ से भारतीय उपचर्चा परिषद् का मदस्य निर्वाचित किया गया है,

और यतः उक्त प्रधिनियम की धारा ३ की उपधारा (१) के खण्ड (क) के अधीन उड़ीसा नर्म एवं धारी परिषद् डार्ग कुमारी लव ग्राही रे, उप उपचर्चा अधीक्षक, म्वास्थ्य और परिवार नियाजन निदेशनालय, उड़ीसा, भुवनेश्वर को १० मार्च, १९७५ से भारतीय उपचर्चा परिषद् का मदस्य निर्वाचित किया गया है;

और यतः उक्त प्रधिनियम की धारा ३ की उपधारा (१) के खण्ड (क) के अधीन गुजरात उपचर्चा परिषद् डार्ग श्री ज०प० जगताप नमिंग द्यूटर, एस० प्राइ० जी अस्पताल, बड़ोदा (गुजरात) को १४ अप्रैल १९७५ से भारतीय उपचर्चा परिषद् का मदस्य निर्वाचित किया गया है;

और यतः उक्त प्रधिनियम की धारा ३ की उपधारा (१) के खण्ड (क) के अधीन राजस्थान उपचर्चा परिषद् डार्ग कुमारी एल० किशन, उपचर्चा अधीक्षक, ए० जी अस्पताल, बीकानेर (राजस्थान) को २६ अक्टूबर १९७५ से भारतीय उपचर्चा परिषद् का मदस्य निर्वाचित किया गया है;

और यतः उक्त प्रधिनियम की धारा ३ की उपधारा (१) के खण्ड (ख) के अधीन राजस्थान उपचर्चा परिषद् डार्ग कुमारी एल० किशन, उपचर्चा अधीक्षक, ए० जी अस्पताल, बीकानेर (राजस्थान) को २६ अक्टूबर १९७५ से भारतीय उपचर्चा परिषद् का मदस्य निर्वाचित किया गया है;

और यतः उक्त प्रधिनियम की धारा ३ की उपधारा (१) के खण्ड (ख) के अधीन श्रीमती ए० डेलिमा, प्रधानाचार्य, उपचर्चा जिला सभान, ज० ज० ज० अस्पताल, कंपाऊण्ड, बंडौई को ६ जुलाई १९७५ से भारतीय उपचर्चा परिषद् का मदस्य निर्वाचित किया गया है,

और यतः उक्त प्रधिनियम की धारा ३ की उपधारा (१) के खण्ड (ग) के अधीन श्रीमती ए० डेलिमा, प्रधानाचार्य, उपचर्चा जिला सभान, स्कूल फार हैल्प विजिटर्स, गवर्नर्सेट कल्परबा गांधी अस्पताल, मद्रास (तमிலनाडु) को १ मई १९७५ से भारतीय उपचर्चा परिषद् का मदस्य निर्वाचित किया गया है;

और यतः उक्त प्रधिनियम की धारा ३ की उपधारा (१) के खण्ड (घ) के अधीन भारतीय चिकित्सा परिषद् डार्ग ड० एन० एन० महाचार्य, ९५, अबिलमिस्ट्री लेन, कवकता (पश्चिम बंगाल) को ५ अप्रैल १९७५ से भारतीय उपचर्चा परिषद् का मदस्य निर्वाचित किया गया है;

और यतः "उक्त प्रधिनियम की धारा ३ की उपधारा (१) के खण्ड (ङ) के अधीन भारतीय डेंडिकल एसोसिएशन की केन्द्रीय परिषद् डार्ग ड० एन० आर० विरेशी, डालिया विल्टिंग, एलिम क्रिज, अहमदाबाद को १७ मई १९७५ से भारतीय उपचर्चा परिषद् का मदस्य निर्वाचित किया गया है;

और यतः उक्त प्रधिनियम की धारा ३ की उपधारा (१) के खण्ड (च) के अधीन काउंसेल आफ डि ट्रेन नर्सेज एसोसिएशन आफ इंडिया डार्ग कुमारी ज० ई० पोवार, उपचर्चा निदेशक, मिराज मेडिकल सेंटर, बानेश्वर अस्पताल, मिराज (महाराष्ट्र) को ९ नवंबर १९७५ से भारतीय उपचर्चा परिषद् का मदस्य निर्वाचित किया गया है;

और यतः उक्त प्रधिनियम की धारा ३ की उपधारा (१) के खण्ड (छ) के उपखण्ड (१) के अधीन उड़ीसा नर्म एवं धारी परिषद् डार्ग श्रीमती मादाम्बरी महात्मा, भिट्टर इम्टर, रक्त अस्पताल नमिंग, बी० एस० एम० एम० भेडिकल वर्सेज अस्पताल, बुग्ला, उड़ीसा को १० मार्च १९७५ से भारतीय उपचर्चा परिषद् का मदस्य निर्वाचित किया गया है;

और यतः उक्त प्रधिनियम की धारा ३ की उपधारा (१) के खण्ड (छ) के उपखण्ड (IV) के अधीन उड़ीसा नर्म नमिंग कार्डिनल डार्ग धारी परिषद् डार्ग विल्टिंग, अहमदाबाद-१० (गुजरात) का १५ अप्रैल १९७५ से भारतीय उपचर्चा परिषद् का मदस्य निर्वाचित किया गया है,

अतः ग्रन्थ उक्त प्रधिनियम की धारा ३ के उपखण्ड (१) के उपखण्ड (ए) के उपखण्ड (IV) के अधीन उड़ीसा नर्म नमिंग कार्डिनल डार्ग धारी परिषद् डार्ग विल्टिंग, अहमदाबाद-१० (गुजरात) का १५ अप्रैल १९७५ से भारतीय उपचर्चा परिषद् का मदस्य निर्वाचित किया गया है;

(१) "धारा ३ का उपधारा (१) के खण्ड (क) के अधीन निर्वाचित शांखे के अन्तर्गत, वर्तमान प्रविधिके वर्तमान निम्ननिवित प्रविधिरूप जाए, अर्थात् —

(क) अम सद्या १४ के मानने वर्तमान प्रविधिके स्थान पर निम्ननिवित प्रविधिरूप जाए, अर्थात् —

"कुमारी एन० पी० लेलूराम, उत्तर्वर्य अधीक्षक, त्रिविलयन अस्पताल, जावरी, जिला अन०, हरियाणा।"

(ख) अम सद्या ५ के मानने वर्तमान प्रविधिके स्थान पर निम्ननिवित प्रविधिरूप जाए, अर्थात् —

"श्री तिर पी० श्रीनिवासन, उपाध्यक्ष, बद्राम उपचर्चा एवं धारी परिषद्, सद्या ७९/८१, मारंट गोड कैथेड्रल, तमिलनाडू";

(ग) अम सद्या ३ के सामने वर्तमान प्रविधिके स्थान पर निम्ननिवित प्रविधिरूप जाए, अर्थात् —

"कुमारी ड० धूलिया, मेडन, जिला अस्पताल, गोरखपुर (उ०प्र०)"

(घ) अम सद्या ६ के सामने वर्तमान प्रविधिके स्थान पर निम्ननिवित प्रविधिरूप जाए, अर्थात् —

"श्रीमती सती ओष, रजिस्ट्रार, पश्चिमी बगाल उपचर्चा परिषद्, कानकना।";

(च) अम सद्या ८ के सामने वर्तमान प्रविधिके स्थान पर निम्ननिवित प्रविधिरूप जाए, अर्थात् —

"श्रीमती रमा रानी रे, उप उपचर्चा अधीक्षक, म्वास्थ्य और परिवार नियोजन निदेशनालय, उड़ीसा, भुवनेश्वर";

(ङ) अम गंधा ९ के सामने वर्तमान प्रविधिके स्थान पर निम्ननिवित प्रविधिरूप जाए, अर्थात् —

"कुमारी लू आर० माइक्रो, वर्गिल प्राप्तापक, ए०प०आर० बी०ई० पोस्ट प्रेज़ुएट स्कूल फार नर्सेज, मिशन कंपाऊण्ड, इंदौर (मध्य प्रदेश)" ;

(ज) अम संखा १० के सामने वर्तमान प्रविधिके स्थान पर निम्ननिवित प्रविधिरूप जाए, अर्थात् —

"श्री ज०ए० जगताप, नर्सिंग द्यूटर, ए०प०ए०ज० अस्पताल, बड़ोदा (गुजरात)" ;

(म) क्रम संख्या 12 के सामने वर्तमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाए, अर्थात् —

“कुमारी ए.ए. किशन, उपचर्या अधीक्षक,
ए०जी० अस्पताल, बीकानेर (राजस्थान)”;

(2) “धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (ब) के अधीन निवाचित शीर्ष के अन्तर्गत,

(क) क्रम संख्या 1 के सामने वर्तमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाए, अर्थात् —

“डॉ (श्रीमती) मूलोद्धना हुणन, प्रधानाचार्य,
गज कुमारी अमृतकौर नर्सिंग कालेज, नई दिल्ली १”,

(ख) क्रम संख्या 2 के सामने वर्तमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाए, अर्थात् —

“श्रीमती एम० डेलिमा, प्रधानाचार्य,
उपचर्या शिक्षा संस्थान, जै०जै०अस्पताल कंपाउण्ड, बड़ई”,

(3) “धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (ग) के अधीन निवाचित शीर्ष के अन्तर्गत क्रम संख्या 1 के सामने वर्तमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाए, अर्थात् —

“डॉ (श्रीमती) सरस्वती हुणन, प्रधीक्षक,
गवर्नमेंट डेंगिंग स्कूल फार हैल्प विजिटर्स,
गवर्नमेंट कानूनखा गांधी अस्पताल, मद्रास (तमिलनाडू)”;

(4) “धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) के अधीन निवाचित शीर्ष के अन्तर्गत क्रम संख्या 1 के सामने वर्तमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाए, अर्थात् —

डॉ एन०प० भट्टाचार्य,
१५, अधिकार मिस्ट्री लेन, कलकत्ता (पश्चिमी बंगाल)”;

(5) “धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (ङ) के अधीन निवाचित शीर्ष के अन्तर्गत क्रम संख्या 1 के सामने वर्तमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाए, अर्थात् —

“डॉ पी०आर० त्रिवेदी,
डालिया ब्रिलिंग, पूलिम ग्रिज, आहमदाबाद (गुजरात)”,

(6) “धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (चा) के अधीन निवाचित शीर्ष के अन्तर्गत क्रम संख्या 1 के सामने वर्तमान प्रविष्टि के सामने निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाए, अर्थात् —

“कुमारी जै० डी० पांवार, उपचर्या निवेशक,
मिराज मेडिकल मेटर, वानसीम अस्पताल, मिराज (महाराष्ट्र)”,

(7) “धारा 3 की उपधारा (1) के खण्ड (छ) के उपखण्ड (४) के अधीन निवाचित शीर्ष के अन्तर्गत,—

(क) क्रम सं० १ के सामने वर्तमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाए, अर्थात् —

“श्रीमती लालामयी महापाल, मिस्टर ट्यूटर,
स्कूल प्राप निवित, वी०एम०ए० मेडिकल कालेज
अस्पताल बुरमा, उडीसा”,

(ख) क्रम संख्या 2 के सामने वर्तमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाए, अर्थात् —

“श्रीमती एस०क० परेल, रजिस्ट्रार,
गुजरात नर्सिंग काउसेल, न्यू मिश्रिल अस्पताल, बिंगड़ग,
आहमदाबाद-१६ (गुजरात)”।

[सं० धी० ११०२५/१/७५ एम० पी० टी०]

एस शीनिवासन, उप सचिव

MINISTRY OF HEALTH & FAMILY PLANNING

(Department of Health)

New Delhi, the 23rd June, 1976

S.O. 2477.—Whereas Miss L. P. Telu Ram, Nursing Superintendent, Christian Hospital, Jagadari, District Ambala, Haryana has been elected by the Haryana Nurses Registration Council to be a member of the Indian Nursing Council under clause (a) of sub-section (1) of section 3 of the Indian Nursing Council Act, 1947 (48 of 1947) (hereafter referred to as the said Act.) with effect from the 29th August, 1973;

And whereas Shri Thiru P. Srinivasan, Vice-President, Madras Nurses and Midwives Council, Tamil Nadu, has been elected by the Tamil Nadu Nursing Council to be a member of the Indian Nursing Council under clause (a) of sub-section (1) of section 3 of the said Act, with effect from the 7th March, 1974;

And whereas Miss Lucy Peters, Director, College of Nursing, Trivandrum (Kerala) has been elected by the Kerala Nurses and Midwives Council to be a member of the Indian Nursing Council under clause (a) of sub-section (1) of section 3 of the said Act, with effect from the 25th July, 1974;

And whereas Mrs. Sati Ghose, Registrar, West Bengal Nursing Council, Calcutta, has been elected by the West Bengal Nursing Council to be a member of the Indian Nursing Council under clause (a) of sub-section (1) of section 3 of the said Act, with effect from the 11th September, 1974;

And whereas Miss Ruth I. Mitchell, Senior Lecturer, M.I.B.E., Post Graduate School for Nurses, Mission Compound, Indore, Madhya Pradesh has been elected by the Mahakaushal Nurses Registration Council to be a member of the Indian Nursing Council under clause (a) of sub-section (1) of section 3 of the said Act, with effect from the 26th September, 1974;

And whereas Kumari D. Dhulia, Matron, District Hospital, Gorakhpur, Uttar Pradesh has been elected by the Uttar Pradesh Nurses and Midwives Council to be a member of the Indian Nursing Council under clause (a) of sub-section (1) of section 3 of the said Act, with effect from the 8th November, 1974;

And whereas Smt. Rama Rani Ray, Deputy Superintendent of Nursing, Health and Family Planning Directorate, Orissa, Bhubaneswar, has been elected by the Orissa Nurses and Midwives Council to be a member of the Indian Nursing Council under clause (a) of sub-section (1) of section 3 of the said Act, with effect from the 10th March, 1975;

And whereas Mr. J. A. Jagtap, Nursing Tutor, S.S.G. Hospital, Baroda (Gujarat), has been elected by the Gujarat Nursing Council to be a member of the Indian Nursing Council under clause (a) of sub-section (1) of section 3 of the said Act, with effect from the 18th April, 1975;

And whereas Miss L. Kishan, Nursing Superintendent, A.G. Hospital, Bikaner (Rajasthan), has been elected by the Rajasthan Nursing Council to be a member of the Indian Nursing Council under clause (a) of sub-section (1) of section 3 of the said Act, with effect from the 26th October, 1975;

And whereas Dr. (Mrs.) Sulochana Krishnan, Principal, Rajkumari Amrit Kaur College of Nursing, New Delhi, has been elected to be a member of the Indian Nursing Council under clause (b) of sub-section (1) of section 3 of the said Act, with effect from the 5th July, 1974;

And whereas Mrs. M. Delima, Principal, Institute of Nursing Education, J. J. Hospital, Compound, Bombay has been elected to be a member of the Indian Nursing Council under clause (b) of sub-section 3 of the said Act, with effect from the 5th July, 1974;

And whereas Dr. (Smt.) Saraswathi Krishnan, Superintendent, Government Training School for Health Visitors, Government Kasturba Gandhi Hospital, Madras (Tamil Nadu), has been elected to be a member of the Indian Nursing Council under clause (c) of sub-section (1) of section 3 of the said Act, with effect from the 1st May, 1975;

And whereas Dr. N. N. Bhattacharya, 95, Akhil Mistry Lane, Calcutta (West Bengal), has been elected by the

Medical Council of India to be a member of the Indian Nursing Council under clause (d) of sub-section (1) of section 3 of the said Act, with effect from the 5th April, 1974;

And whereas Dr. P. R. Trivedi, Dallia Building, Ellis Bridge, Ahmedabad, has been elected by the Central Council of the Indian Medical Association to be a member of the Indian Nursing Council under clause (e) of sub-section (1) of section 3 of the said Act, with effect from the 17th May, 1974;

And whereas Miss J. D. Powar, Director of Nursing, Miraj Medical Centre, Wanless Hospital, Miraj (Maharashtra), has been elected by the Council of the Trained Nurses Association of India to be a member of the Indian Nursing Council under clause (f) of sub-section (1) of section 3 of the said Act, with effect from the 9th November, 1974;

And whereas Smt. Labanyamayee Mahapatra, Sister Tutor, School of Nursing, V. S. S. Medical College Hospital, Burla, Orissa, has been elected by the Orissa Nurses and Midwives Council to be a member of the Indian Nursing Council under sub-section (iv) of clause (g) of sub-section (1) of section 3 of the said Act, with effect from the 10th March, 1975;

And whereas Smt. S. K. Patel, Registrar, Gujarat Nursing Council, New Civil Hospital Building, Ahmedabad-16 (Gujarat), has been elected by the Gujarat Nursing Council to be a member of the Indian Nursing Council under sub-clause (iv) of clause (g) of sub-section (1) of section 3 of the said Act, with effect from the 18th April, 1975;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (1) of section 3 of the said Act, the Central Government hereby makes the following further amendments in the notification of the Government of India in the late Ministry of Health F.No.27-57/57-MII(B), dated the 1st December, 1958, namely:—

In the said notification,

(i) under the heading "Elected under clause (a) of sub-section (1) of section 3",—

After the existing entries, the following entry shall be inserted, namely:—

(a) against serial No. 14, for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely:—

14. "Miss L. P. Teluram, Nursing Superintendent, Christian Hospital, Jagadari, District Ambala, Haryana.";

(b) against serial No. 4, for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely:—

"Shri Thiru P. Srinivasan, Vice-President, Madras Nurses and Midwives Council, No. 79/81, Mount Road Kathendral, Tamil Nadu.";

(c) against serial No. 3, for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely:—

"Miss Lucy Peters, Director, College of Nursing, Trivandrum, Kerala.";

(d) against serial No. 6, for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely:—

"Kumari D. Dhulin, Matron, District Hospital, Gorakhpur (U.P.).";

(e) against serial No. 7, for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely:—

"Mrs. Sati Ghose, Registrar, West Bengal Nursing Council, Calcutta.";

(f) against serial No. 8, for the existing entry the following entry shall be substituted, namely:—

"Smt. Rama Rani Ray, Deputy Superintendent, of Nursing, Health and Family Planning Directorate, Orissa, Bhubaneswar.";

(g) against serial No. 9, for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely:—

"Miss Ruth I. Mitchell, Senior Lecturer, M.I.B.E. Post Graduate School for Nurses, Mission Compound, Indore (M.P.).";

(h) against serial No. 10, for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely:—

"Mr. J. A. Jagtap, Nursing Tutor, S.S.G. Hospital, Baroda (Gujarat).";

(i) against serial No. 12, for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely:—

"Miss L. Kishan, Nursing Superintendent, A. G. Hospital, Bikaner (Rajasthan).";

(ii) under the heading "Elected under clause (b) of sub-section (1) of section 3",—

(a) against serial No. 1, for the existing entry the following entry shall be substituted, namely:—

"Dr. (Mrs.) Sulochana Krishnan, Principal, Rajkumari Amrit Kaur College of Nursing, New Delhi.";

(b) against serial No. 2, for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely:—

"Mrs. M. Delima, Principal, Institute of Nursing Education, J. J. Hospital Compound, Bombay.";

(iii) under the heading "Elected under clause (c) of sub-section (1) of section 3", against serial No. 1, for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely:—

"Dr. (Smt.) Saraswathi Krishnan, Superintendent, Government Training School for Health Visitors, Government Kasturba Gandhi Hospital, Madras (Tamil Nadu).";

(iv) under the heading "Elected under clause (d) of sub-section (1) of section 3", against serial No. 1 for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely:—

"Dr. N. N. Bhattacharya, 95, Akhil Mistry Lane, Calcutta, (West Bengal).";

(v) under the heading "Elected under clause (e) of sub-section (1) of section 3", against serial No. 1, for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely:—

"Dr. P. R. Trivedi, Dalila Building, Ellis Bridge, Ahmedabad (Gujarat).";

(vi) under the heading "Elected under clause (f) of sub-section (1) of section 3", against serial No. 1, for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely:—

"Miss J. D. Powar, Director of Nursing, Miraj Medical Centre, Wanless Hospital, Miraj (Maharashtra).";

(vii) under the heading "Elected under sub-clause (iv) of clause (g) of sub-section (1) of section 3",—

(a) against serial No. 1, for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely:—

"Smt. Labanyamayee Mahapatra, Sister Tutor, School of Nursing, V. S. S. Medical College Hospital, Burla, Orissa.";

(b) against serial No. 2, for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely:—

"Smt. S. K. Patel, Registrar, Gujarat Nursing Council, New Civil Hospital Building, Ahmedabad-16 (Gujarat).";

पूर्ति और पुनर्वास मंत्रालय

(पुनर्वास विभाग)

(सेटलमेंट विभा)

नई दिल्ली, 11 जून, 1976

का० आ० 2478.—निष्कात सम्पत्ति प्रशासन अधिनियम, 1950 (1950 का 11) की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा भाग्य सरकार, पूर्ति और पुनर्वास मंत्रालय (पुनर्वास विभाग) को अधिकृतवता संख्या 15(2)/74-विभाग सेल/एस० एस०-IV, विनांक 3 जून, 1974 का अधिकारियम करने हुए केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा पुनर्वास विभाग में सहायक बन्दोबस्तु प्राप्तक के रूप में कार्य कर रहे थे एवं ऐस० एस० गोप्तामी को उक्त अधिनियम के अन्तर्द्वारा इसके द्वारा निष्कात संपत्ति अभिरक्षण को सीधे गण कार्यों को निष्पादित करने के लिए प्रयोग करने के लिए प्रबंध अधिकारी के रूप में नियुक्त करती है।

[मध्या 36016(1)/अधिकृत (राजपत्रिन) /३० फ्री/ 75]

MINISTRY OF SUPPLY & REHABILITATION
(Department of Rehabilitation)

(Settlement Wing)

New Delhi, the 11th June, 1976

S.O. 2478.—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 6 of the Administration of Evacuee Property Act (31 of 1950) and in supersession of the notification of the Government of India, Ministry of Supply and Rehabilitation (Department of Rehabilitation) No. 15(2)/74-Spl. Cell/SSIV dated the 3rd June, 1974 the Central Government hereby appoints Shri H. J. L. Goswami, Assistant Settlement Commissioner, in the Department of Rehabilitation, as the Additional Custodian of Evacuee Property, for the State of Gujarat, for the purpose of discharging the duties imposed on the Custodian of Evacuee Property by or under the said Act in respect of evacuee properties in that State.

[No. 36016(1)/Ad(GZ)/SW/75]

नई दिल्ली, 16 जून, 1976

का० आ० 2479.—निष्कात सम्पत्ति प्रशासन अधिनियम, 1950 (1950 का XXXI) की धारा 6 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार पुनर्वास विभाग (बन्दोबस्तु विभा) में सहायक अधिकारी थी एस० एस० गोप्तामी को उक्त अधिकारियम द्वारा या उसके अधीन निष्पादन गमनिय के सहायक अभिरक्षण को सीधे गण कार्यों का निष्पादित करने के लिए, निष्पादन सम्पत्ति के सहायक अभिरक्षण के रूप में नियुक्त करती है।

[मध्या ३० ३६०१६(१)/७५ प्रधा० (राज०)/१० जौ० जै३० व० विभा]

New Delhi, the 16th June, 1976

S.O. 2479.—In exercise of the powers conferred by sub-Section (1) of Section 6 of the Administration of Evacuee Property Act, 1950 (XXXI of 1950) the Central Government hereby appoints Shri S. S. Govilla, Settlement Officer in the Department of Rehabilitation (Settlement Wing) as Assistant Custodian of Evacuee Property for the purpose of discharging the duties imposed on such Custodian by or under the said Act.

[No. A-36016(1)/75-Ad(GZ)/AGZ/SW]

का० आ० 2480.—विस्तारित अधिकृत (प्रतिकर तथा पुनर्वास) अधिनियम, 1954 (1954 का 44) की धारा 3 की उपधारा (1)

द्वारा प्रवत शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार इसके द्वारा पुनर्वास विभाग में बन्दोबस्तु अधिकारी थी एस० एस० गोप्तामी को उसे प्रशिनियम द्वारा या उसके अधीन प्रबंध अधिकारियों को सीधे गण कार्यों का निष्पादित करने के लिए प्रबंध अधिकारी के रूप में नियुक्त करती है। [स० ३० ३६०१६(१)/७५ प्रधा० (राज०) १० जौ० जै३० व० विभा]

श्रीना नाथ अमीजा, संयुक्त निदेशक

S.O. 2480.—In exercise of the powers conferred by Sub-Section (1) of Section 3 of the Displaced Persons (Compensation and Rehabilitation) Act, 1954 (No. 44 of 1954) the Central Government hereby appoints Shri S. S. Govilla, Settlement Officer in the Department of Rehabilitation as Managing Officer for the purpose of performing the functions assigned to such Officers by or under the said Act.

[No. A-36016(1)/75-Ad(GZ)/AGZ/SW]

D. N. ASIJA, Jr. Director

संचार मंत्रालय

(डाक-तार बोर्ड)

नई दिल्ली, 25 जून, 1976

का० आ० 2481.—स्थायी शादेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 134 के खंड III के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिदेशक ने नर्सीबाद टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 1-8-76 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निष्चय किया है।

[संघा ५-३/७६-पी० एच० थी०]

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(P & T Board)

New Delhi, the 25th June, 1976

S.O. 2481.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies the 1-8-76 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Najibabad Telephone Exchange, U.P. Circle.

[No. 5-3/76PHB]

का० आ० 2482.—स्थायी शादेश संख्या 627, दिनांक 8 मार्च, 1960 द्वारा लागू किए गए भारतीय तार नियम, 1951 के नियम 134 के खंड III के पैरा (क) के अनुसार डाक-तार महानिदेशक ने धर्मपुरी टेलीफोन केन्द्र में दिनांक 16-7-76 से प्रमाणित दर प्रणाली लागू करने का निष्चय किया है।

[संघा ५-१०-/७६-पी० एच० थी०]

पी० सी० गुप्ता, सहायक महानिदेशक

S.O. 2482.—In pursuance of para (a) of Section III of Rule 434 of Indian Telegraph Rules, 1951, as introduced by S.O. No. 627 dated 8th March, 1960, the Director General, Posts and Telegraphs, hereby specifies the 16-7-76 as the date on which the Measured Rate System will be introduced in Dharmapuri Telephone Exchange, Tamil Nadu Circle.

[No. 5-10/76-PHB]

P. C. GUPTA, Assistant Director General

रेल मंत्रालय

(रेल बोर्ड)

नई दिल्ली, 29 जून, 1976

S.O. 2483.—रेल यात्री सीमाकार अधिनियम, 1956 (1956 का 69) की धारा 5 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार, भारत सरकार के रेल मंत्रालय (रेल बोर्ड) की अधिसूचना सं. का० (एस०) 1-73/5/6-II, नारीख 22 अप्रैल, 1974 में निम्नलिखित योग्यता करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना की अनुसूची में, स्तम्भ 2 में “दर्जी” शीर्षक के अंतीम “दूसरा दर्जी” मद और उससे संबंधित प्रविष्टियों के स्थान पर, निम्नलिखित प्रविष्टियाँ रखी जाएँगी :—

क्रम अधिसूचित स्थान का सं०	नाम	एक और के प्रतोक टिकट पर सीमावार की दरें
दर्जा		घण्टक वर्षे सके के बच्चे 3 में 12
		थोड़ी लम्बी थोड़ी सम्भी दूरी के दूरी के दूरों के दूरी के यात्रियों यात्रियों यात्रियों के लिए के लिए के लिए
1. अद्यक्षिण	दूसरा दर्जा	(25 (242 (25 (242 कि०मी० कि०मी० कि०मी० कि०मी० से से से से 242 आगे) 242 आगे) कि०मी० कि०मी० सका) तक) 0.40 0.50 0.20 0.25

2. यह अधिसूचना 1 अगस्त, 1976 को प्रयृत होगी।

[सं० का० (एस०) 1-73/5/6]
वी० मोहन्ती, मन्त्री

MINISTRY OF RAILWAYS

(Railway Board)

New Delhi, the 29th June, 1976

S.O. 2483.—In exercise of the powers conferred by section 5 of the Terminal Tax on Railway Passengers Act, 1956 (69 of 1956), the Central Government hereby makes the following amendments to the notification of the Government of India, Ministry of Railways (Railway Board) No. F(X) I-73/5/6-II, dated the 22nd April, 1974, namely :

In the schedule to the said notification under the heading “Class of accommodation”, in column II, for item “II Class”

and the entries relating thereto, the following item and entries shall be substituted :

Adults		Children between 3 & 12 years of age.	
Short distance (25-242 Kms)	Long distance beyond 242 Kms.	Short distance 23-242 Kms)	Long distance beyond 242 Kms.
II Class 0.40	0.50	0.20	0.25

2. This notification shall come into force on the 1st August, 1976.

[No. F(X) I-75/5/6]
B. MOHANTY, Secy.

अम मंत्रालय

नई दिल्ली, 16 जून, 1976

S.O. 2484.—केन्द्रीय सरकार, धारा 12 की अधिनियम, 1952 (1952 का 35) की धारा 12 की अधिनियम (1) के खण्ड (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए आयुक्त, उत्तरी छोटानागपुर खण्ड, हजारीबाग की बिहार राज्य के खनन बोर्ड के अध्यक्ष के हृषि में नियुक्त करती है और भारत सरकार के भूतपूर्व अम और रोजगार मंत्रालय की अधिसूचना सं० का० 3938, नारीख 22 दिसम्बर, 1962 में निम्नलिखित संशोधन करती है, अर्थात् :—

उक्त अधिसूचना में, ‘अध्यक्ष’ के सामने विद्यमान प्रविष्टि के स्थान पर निम्नलिखित प्रविष्टि रखी जाएँगी, अर्थात् :—

“आयुक्त, उत्तरी छोटानागपुर खण्ड, हजारीबाग (धारा 12 (1) के खण्ड (क) के अंतीम केन्द्रीय सरकार [द्वारा नियुक्त]”

[सं० वी 22012/1/76 एस०-1]
जौ० सी० सर्वेना, प्रब्रत सचिव

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 16th June, 1976

S.O. 2484.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of section 12 of the Mines Act, 1952 (35 of 1952), the Central Government hereby appoints the Commissioner, North Chotanagpur Division, Hazaribagh, as the Chairman of the Mining Board for the State of Bihar and makes the following amendment in the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour and Employment No. S.O. 3938, dated the 22nd December, 1962, namely :

In the said notification, against ‘Chairman’ for the existing entry, the following entry shall be substituted, namely :—

“The Commissioner, North Chotanagpur Division, Hazaribagh [Appointed by the Central Government under clause (a) of Section 12(1)]”

[V-22012/1/76-M.I.]
J. C. SAXENA, Under Secy.

आदेश

नई दिल्ली, 27 फरवरी, 1976

S.O. 2485.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपावद्ध अनुसूची में विनियोग विषयों के बारे में मैसर्ज जी० एस० संयद, कलकत्ता,

मेरीन कंट्रक्टर और मैसर्स ब्रेट ईस्टर्न शिपिंग कम्पनी लिमिटेड, कलकत्ता से सम्बद्ध नियोजकों, और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद उथमान है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णय के लिए निर्दिष्ट करना चाहनीय समझती है;

प्रतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त अधिनियम की धारा 7क के प्रधीन गठित केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण कलकत्ता को न्यायनिर्णय के लिए निर्विण्ठ करती है।

अनुसूची

क्या ऐमरी जी० एम० सैयद, कलकत्ता और मैसर्स ब्रेट ईस्टर्न शिपिंग कम्पनी लिमिटेड, कलकत्ता के प्रबन्धतंत्र का इस अनुसूची के अनुबन्ध में उल्लिखित स्टीमर औद्योगिकों को उनको शोध्य राशियां अर्थात् (1) मुख्यालय, 1973 से जुलाई, 1975 तक अन्तरिक्ष महादार्ड भत्ता (2) 1974 का छुटी वेतन और (3) पत्तन और आक-कर्मकारों की मजदूरी पुनरोक्ति की सिफारिश के अनुसार 1974 और 1975 के लिए अन्तरिक्ष राहत, देते में हत्यार करना चाहोचित है? यदि नहीं, तो संबंधित कर्मकार किस अनुतोष के हकदार हैं?

अनुष्ठय

कर्मकारों की सूची

(1) मुद्रमद हुमेन (2) ग्रमीर हुरेन (3) शेख रफीक (4) शेख जामन (5) रबी बहादुर और (6) शेख रफ़फ़।

[सं० एल-32011(24)/75-डी० 1V/ए]
मन्त्र लाल, अनुभाग प्रधिकारी (विशेष)

ORDER

New Delhi, the 27th February, 1976

S.O. 2485.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to Messrs G. M. Syed, Calcutta, Marine Contractor, and Messrs Great Eastern Shipping Company Limited, Calcutta, on the one hand and their workmen in respect of the matters specified in the Schedule hereto annexed;

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by clause (d) of sub-section (1) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Central Government Industrial Tribunal, Calcutta, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

Whether the management of Messrs G. M. Syed, Calcutta and Messrs Great Eastern Shipping Company Limited, Calcutta are justified in denying to the steamer watchmen mentioned in the annexure to this Schedule their dues, namely, (i) Additional Dearness Allowance from October, 1973 to July, 1975; (2) Leave Salary for 1971 and (3) Interim Relief for 1974 and 1975 as per the recommendation of the Wage Revision Committee for Port & Dock Workers? If not, to what relief are the concerned workmen entitled?

ANNEXURE

LIST OF WORKMEN:

- (1) Md. Hossain.
- (2) Amir Hossain.
- (3) S. K. Rafique.
- (4) S. K. Jaman.
- (5) Rabi Bahadur and
- (6) S. K. Rouf.

[No. L-32011(24)/75-D-IV(A)]
NAND LAI., Section Officer(Spl.)

प्राप्तिश

तदै विलीनी, 19 मार्च, 1976

का० आ० 2486.—इससे उपाद्वाद अनुसूची में विनिर्दिष्ट औद्योगिक विवाद केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (संख्या 2) मुख्यालय के समझ लम्बित है;

और न्याय हेतु और पक्षकारों की सुविधा के लिए केन्द्रीय सरकार उक्त विवादों को न्यायनिर्णय के लिए अन्तरित करना चाहनीय समझती है;

प्रतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7क और धारा 33-वा की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीडासीन अधिकारी भी के० पी० एम० शेरिक होंगे, जिनका मुख्यालय एलनेप्पी में होगा, और उक्त केन्द्रीय सरकार औद्योगिक अधिकरण (संख्या 2) मुख्यालय के समझ लम्बित उक्त विवादों से संबंधित कार्यवाहियों को वापस लेनी है और उन्हें श्री शेरिक पीडासीन अधिकारी, औद्योगिक अधिकरण एलनेप्पी को उक्त कार्यवाहियों के निपटान के लिए इस प्रादेश के साथ अन्तरिक्ष करती है कि उक्त अधिकरण नए सिरे से कार्यवाहियां आरम्भ करेगा और उन्हें विधिअनुसार निपटाएगा।

अनुसूची

क्रम	विवाद के पक्षकार	निर्देश सं० और औद्योगिक विवादों की सारीख।
1	2	3
1.	केरल मिनरल्स एड मैटल्स लि०, मानेल कुलगारा, विवादोन, डाकघर—केरल राज्य का प्रबन्धसंलग्न और उनके कर्मकार।	सं० एल-43011/5/75-डी०-4 (बी), तारीख 4-12-1975 (का० आ० 707)
2.	केरल मिनरल्स एड मैटल्स लि०, मानेल कुलगारा, विवादोन, डाकघर—केरल राज्य का प्रबन्धसंलग्न और उनके कर्मकार।	सं० एल-43011/4/75-डी०-4 (बी), तारीख 5-12-1975 (का० आ० 708)

[एल-43011/5/75-डी०-4(बी)]

ORDER

New Delhi, the 19th March, 1976

S.O. 2486.—Whereas the industrial disputes specified in the Schedule hereto annexed are pending before the Central Government Industrial Tribunal (No. 2), Bombay;

And whereas for the ends of justice and convenience of parties the Central Government considers it desirable to transfer the said disputes for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Section 7A, and sub-section (1) of Section 33B of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri K. P. M. Sheriff shall be the Presiding Officer, with headquarters at Alleppey and withdraws the proceedings in relation to the said disputes pending before the said Central Government Industrial Tribunal (No. 2), Bombay and transfers the same to Shri Sheriff, Presiding Officer, Industrial Tribunal, Alleppey for the disposal of the said proceedings with the direction that the said Tribunal shall proceed with the proceedings *de-novo* and dispose of the same according to Law.

SCHEDULE

Sl. No.	Parties to the disputes	Reference No. and date of Industrial disputes.
1.	2.	3.
1.	Management of Kerala Minerals and Metals Limited, Manailkulangara, Quilon Post Office, Kerala State and their workmen.	No. L-43011/5/75-D-IV(B) dated 4-12-1975 (S. O. 707)
2	Management of Kerala Minerals and Metals Limited, Manailkulangara, Quilon Post Office, Kerala State and their workmen	No L-43011/4/75-D-IV (B) dated 5-12-1975 (S. O-708)

[No. L-43011/5/75-D IV(B)]

आवेदन

नई विस्ती, 7 अप्रैल, 1976

का० आ० 2487.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपाबद्ध अनुसूची में विनियिष्ट विषय के बारे में मैसर्स डालमिया इंस्टरेशनल, हॉस्पेट के प्रबन्धतत्र से मम्बड़ नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक श्रौद्धोगिक विवाद विद्यमान है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करना चाहिए समझती है;

अतः, श्रव, श्रीधोगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7क और धारा 10 की उप-धारा (1) के खण्ड (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक श्रौद्धोगिक अधिकरण गठित करती है जिसके पीठासीन अधिकारी श्री जी० एस० भगवत होंगे, जिनका मुख्यालय बंगलौर में हीगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकरण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या भारत रायना, हालता लौह अयस्क खानो के स्थानी मैसर्स डालमिया इंस्टरेशनल, हॉस्पेट के प्रबन्धतत्र की, निम्नसंगीत कर्मकारों की सेवाएं समाप्त करने की कार्रवाई न्यायोचित है? यदि नहीं, तो उक्त कर्मकार किस अनुतोष के दफदार है?

कर्मकारों के नाम

1. एम० केम्ब गण
2. श्री० थिम्मपा
3. जी० शिवमूनि
4. एच० मोहन
5. रामदु

6. जी० गोउदाप्पा
7. पी० प्रभाकरण
8. ए० विजयन
9. आर० सूर्य नारायण
10. सी० रामचन्द्र
11. एम० सीयो
12. पी० हनुमत
13. टी० एम० राजनाथ
14. एच० एन० रामस्वामी
15. भशीन यली
16. जी० पालैयाह
17. झी० एच० यारधोनी
18. उमर बेग
19. जी० सेमुल
20. मोहम्मद बेग
21. एस० एथोनी
22. भ्रामुल मत्तार
23. जी० सी० महमूब
24. पी० एम० पूर्णियो
25. एस० खादर भासा
26. के० एम० माधवन
27. बासैयाह
28. बी० फोटूप्पा
29. यासीन माब
30. अम्बुल खावरा

[संख्या एल-26011/31/75-डी० 4 (भी)]

ORDER

New Delhi, the 7th April, 1976

S.O. 2487.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the management of Messrs Dalmia International, Hospet and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed.

And whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10, of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri G. S. Bhagwat shall be the Presiding Officer, with headquarters at Bangalore and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEDULE

Whether the action of the management of Messrs Dalmia International, Hospet, Owners of Bharata Rayana Haruva Iron Ore Mines, in terminating the services of workmen detailed below is justified? If not, to what relief are the said workmen entitled?

NAMES OF THE WORKMEN :

1. M. Kesava Rao.
2. G. Thimmappa.
3. G. Shivmurthy.
4. H. Mohan
5. Ramudu.
6. G. Gowdappa.
7. P. Prabhakaran.
8. A. Vijayan.
9. R. Suryanarayana.
10. C. Ramachandra.
11. S. Leeyo.

12. P. Hanumatha.
13. T. S. Rajunath.
14. H. N. Ramaswamy.
15. Mardan Vah.
16. G. Mallaiah.
17. D. H. Yardi.
18. Umar Baig.
19. G. Samuel.
20. Mohamed Baig.
21. S. Anthony.
22. Abdul Sathar.
23. G. C. Mehabub.
24. P. M. Pookoya.
25. S. Khadar Basha.
26. K. M. Madhavan.
27. Basajah.
28. B. Kotappa.
29. Yaseen Sab.
30. Abdul Khadra.

[No. L. 26011/31/75-D. IV(B)]

आवेदन

नई दिल्ली, 19 अप्रैल, 1976

कांग्रेस 2488.—भिन्नाई स्टील प्लाट, जिमा बुर्ग के प्रबाधतव से सम्बद्ध नियोजकों और कैप्टिव खानों में उनके कर्मकारों, जिनका प्रतिनिधित्व सम्युक्त बदान मजदूर सभ करता है, ने उनके बीच विभागान् एक श्रौद्धोगिक विवाद को श्रौद्धोगिक विवाद को निर्देश करने के लिए श्रौद्धोगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 10 की उपधारा (2) के अधीन केन्द्रीय सरकार को सम्बुद्ध स्पष्ट से आवेदन किया है। यह विवाद उसन आवेदन से दिया गया भागलों के बारे में है और इन्हें इसके साथ उपायक अनुसूची में उत्तर किया गया है;

और केन्द्रीय सरकार का समाधान हो गया है कि उक्त सभ उक्त कर्मकारों के बहुमत का प्रतिनिधित्व करता है,

प्रत., अब, श्रौद्धोगिक विवाद प्रधिनियम, 1947 (1947 का 11) की धारा 10 की उपधारा (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को उक्त प्रधिनियम की धारा 2 के प्रधीन गठित श्रौद्धोगिक प्रधिकरण, जवलपुर को व्यायनिर्णयन के लिए निर्देशित करती है।

अनुसूची

क्या भिन्नाई स्टील प्लाट द्वारा अपनी कैप्टिव खानों में नियोजित किए गए कर्मजार बोनस भुगतान प्रधिनियम, 1965 (1965 का 21), जिसमें बोनस बुगतान (मंगाधन) प्रधिनियम, 1976 (1976 का 23) द्वारा संशोधन किया गया है, के अधीन लेखा वर्ष 1974-75 के लिए केवल 4 प्रतिशत की न्यूनतम दर या इसमें अद्वितीय दर से लाभ-सहभाजन श्रौद्ध स्प्राइट करने के हक्कावार है? यदि प्रधिक, तो किस दर से?

[मं. एल-26013/1/76-डी. IV (ख)]

ORDER

New Delhi, the 19th April, 1976

S.O. 2488.—Whereas the employers in relation to the management of Bhilai Steel Plant, District Durg and their workmen in the Captive Mines represented by the Samyukta Khadan Mazdoor Sangh have jointly applied to the Central Government under sub-section (2) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), for reference of an industrial dispute that exists between them to an Industrial Tribunal in respect of the matters set forth in the said application and reproduced in the Schedule hereto annexed;

And Whereas the Central Government is satisfied that the said Sangh represents the majority of said workmen;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (2) of section 10 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby refers the said dispute for adjudication to the Industrial Tribunal, Tabalpur, constituted under section 7A of the said Act.

SCHEDULE

Whether the workmen employed by the Bhilai Steel Plant in its captive Mines are entitled to receive profit sharing bonus under the Payment of Bonus Act, 1965 (21 of 1965) as amended by the Payment of Bonus (Amendment) Act, 1976 (23 of 1976) at the minimum rate of 4 per cent only or more, for the accounting year 1974-75? If more, at what rate?

[No. L. 26013/1/76/DIV(B)]

आदेश

नई दिल्ली 21 जून, 1976

कांग्रेस 2489.—यतः केन्द्रीय सरकार की राय में सम्बुद्ध के जीवन के लिए प्रावधान प्रवाय और सेवाएं बनाए रखने के लिए ऐसा करना आवश्यक और समीचीन है,

श्रीर यतः नेवेली लिंग नाइट कारपोरेशन लिमिटेड, नेवेली से सम्बन्धित संकर्मी (जिनका को विद्युत ऊर्जा के प्रदाय या ऐसे प्रदाय के प्रयोजन के लिए विद्युत ऊर्जा के उत्पादन, संचयन अथवा प्रेषण में सम्बन्धित संकर्मी को छोड़ कर) में कोई दृग्ढात सम्बुद्ध के जीवन के लिए अवधारक प्रदाय और सेवाएं बनाए रखने पर प्रतिकूल प्रभाव आनेगी, उक्त संकर्मी में दृष्टाताले रोकना आवश्यक और समीचीन है;

यतः, अब, भारत रक्षा और आन्तरिक सुरक्षा नियम, 1971 के नियम 118 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त संकर्मी में किसी श्रौद्धोगिक विवाद में सम्बन्धित किसी दृष्टाता को एतद-द्वारा 11-7-1976 से छः मास की अवधि के लिए प्रतिशिद्ध करती है।

[एम. 42011/5/76-डी. 1/ए]

भूपेन्द्र नाथ, अनुभाग प्रधिकारी (विशेष)

ORDER

New Delhi, the 21st June, 1976

S.O. 2489.—Whereas in the opinion of the Central Government, it is necessary and expedient so to do for maintaining supplies and services essential to the life of the community;

And whereas any strike in the works (other than the works connected with the supply of electrical energy to the public or with the generation, storage or transmission of electrical energy for the purpose of such supply) connected with the Neyveli Ignite Corporation Limited, Neyveli would prejudicially affect the maintenance of supplies and services essential to the life of the community, it is necessary and expedient to prevent strikes in the said works;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by rule 118 of the Defence and Internal Security of India Rules, 1971, the Central Government hereby prohibits any strike in connection with any industrial dispute in the said works for a period of six months with effect from 11-7-1976.

[F. No. S-42011/5/76/DIA]
BHUPENDRA NATH, Section Officer (Spl.)

आदेश

नई दिल्ली, 31 मार्च, 1976

का० आ० 2490.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि इससे उपावड़ अनुसूची में विनिविष्ट विधाय के बारे में कनारा बैंक से सम्बद्ध नियोजकों और उनके कर्मकारों के बीच एक औद्योगिक विवाद विद्यमान है;

और केन्द्रीय सरकार उक्त विवाद को न्यायनिर्णयन के लिये निर्देशित करना आवश्यक नमस्ती है;

अतः, अब, औद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) की धारा 7क और धारा 10 की उपधारा (1) के अप्पट (घ) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एक औद्योगिक अधिकारण गठित करती है जिसके पीठासीन प्रधिकारी श्री केंगन० श्रीवास्तव होंगे, जिनका मुख्यालय कानपुर में होगा और उक्त विवाद को उक्त अधिकारण को न्यायनिर्णयन के लिए निर्वैशित करती है।

अनुसूची

क्या कनारा बैंक, मुख्य शाखा लखनऊ के प्रबन्धतत्व की, श्री किशन लाल चौपराजी की 3 जून, 1975 से पुष्टि न करते की कार्रवाई आयोजित है? यदि नहीं, तो उक्त कर्मकार किस अनुतोष का हकदार है?

[सं० एल-12012/198/75-डी० 2 (७)]

प्रार० कुंजिथापदम, प्रबन्ध सचिव

ORDER

New Delhi, the 31st March, 1976

S.O. 2490.—Whereas the Central Government is of opinion that an industrial dispute exists between the employers in relation to the Canara Bank and their workmen in respect of the matter specified in the Schedule hereto annexed;

And, whereas the Central Government considers it desirable to refer the said dispute for adjudication.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 7A, and clause (d) of sub-section (1) of section 10, of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby constitutes an Industrial Tribunal of which Shri K. N. Srivastava shall be the Presiding Officer, with headquarters at Kanpur and refers the said dispute for adjudication to the said Tribunal.

SCHEME

Whether the action of the Management of Canara Bank, Main Branch, Lucknow, is not confirming Shri Kishan Lal, Peon, with effect from the 3rd June 1975 is justified? If not to what relief is the said workman entitled?

[No. L-12012/198/75-D. II(A)]
R. KUNJITHAPADAM, Under Secy.

नई दिल्ली, 2 जून, 1976

का० आ० 2491.—केन्द्रीय सरकार की राय है कि खान अधिनियम, 1952 (1952 का 35) की परिधि में आने वाली ऐपाइट खान में नियोजन को बाबत मजदूरी की न्यूनतम दरें न्यूनतम मजदूरी अधिनियम, 1948 (1948 का 11) के अधीन नियत की जानी चाहिए।

अतः, अब, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम की धारा 27 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, और भारत सरकार के पूर्ववर्ती अम और पुनर्वास मंदालय (अम और नियोजन विभाग) की अधिसूचना सं० का० आ० 2046 (सं० आ० 3 जून, 1972 को अधिकारित करते हुए उक्त नियोजन को उन्न० अधिनियम की अनुसूची के भाग I में जोड़ने के आने आशय की सूचना देती है।

44 GJ/76-13

ऐसे मुक्ताय और आधोपों पर जो उक्त परिवर्तन की बाबत राजपक्ष में उगके प्रकाशन की तारीख से चार माह की समाप्ति के पूर्व किसी व्यक्ति से प्राप्त हो केन्द्रीय सरकार विचार करेगी।

[सं० एम-32017/1/73-उल्लू० री०/(एम०डब्ल्य०)]

New Delhi, the 22nd June, 1976

S.O. 2491.—Whereas the Central Government is of opinion that the minimum rates of wages should be fixed under the Minimum Wages Act, 1948 (11 of 1948) in respect of employment in Graphite Mines covered under the Mines Act, 1952 (35 of 1952).

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by section 27 of the said Act, and in supersession of the notification of the Government of India, in the late Ministry of Labour and Rehabilitation (Department of Labour and Employment) No. S.O. 2046 dated the 3rd June 1972, the Central Government hereby gives notice of its intention to add the said employment in Part I of the Schedule to the said Act.

Any suggestions or objections which may be received from any person in respect of the said addition before the expiry of four months from the date of its publication in the Official Gazette, will be considered by the Central Government.

[No. S-32017/1/73-WC(MW)]

नई दिल्ली, 26 जून, 1976

का० आ० 2492.—न्यूनतम मजदूरी (केन्द्रीय) नियम, 1950 के नियम 6 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार मुख्य अमायूक्त (केन्द्रीय) नई विली के कार्यालय में उप मुख्य अमायूक्त (केन्द्रीय), को भारत सरकार के अम मंदालय की अधिसूचना संख्या का० आ० 1200 तारीख 23 मार्च, 1976 द्वारा नियुक्त किए गए सलाहकार बोर्ड का सचिव नियुक्त करती है।

[संख्या एम-32023(1)/75-डब्ल्य०री० (एम० डब्ल्य०)]

टी० एस० शंकरन्, संयुक्त सचिव

New Delhi, the 26th June, 1976

S.O. 2492.—In exercise of the powers conferred by rule 6 of the Minimum Wages (Central Rules, 1950, the Central Government hereby appoints the Deputy Chief Labour Commissioner (Central) in the office of the Chief Labour Commissioner (Central), New Delhi, to be the Secretary of the Advisory Board appointed by the notification of the Government of India in the Ministry of Labour S.O. No. 1200 dated the 23rd March, 1976.

[No. S-32023/1/75-WC(MW)
T. S. SANKARAN, Jt. Secy.

नई दिल्ली, 18 जून, 1976

का० आ० 2493.—कर्मचारी राज बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय हरकार एतद्वारा 11 जून 1976 को उस तारीख के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम के अध्याय 4 (धारा 44 और 45 के सिवाएं जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी हैं) और अध्याय 5 और 6 (धारा 76 की उपधारा (1) और धारा 77, 78, 79 और 81 के सिवाएं जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी हैं) के उपनियंत्र राज्य के निम्नलिखित क्षेत्रों में प्रवृत्त होंगे:—

क्षेत्र	तहसील	जिला	हथायत संख्या
मोगा	जिलसिंह मोगा	फरीदकोट	53
मोगा	मेहलासिंह मोगा	फरीदकोट	23

[एस-38013(25)/73-एच०आई०]

New Delhi, the 18th June, 1976

S.O. 2493.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby appoints the 11th July, 1976 as the date on which the provisions of Chapter IV (except sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapters V and VI (except sub-section (1) of section 76 and sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Punjab, namely :—

Area	Tehsil	District	Had Bast	Number
Moga, Jit Singh	Moga	Faridkot	53	
Moga, Mehla Singh	Moga	Faridkot	23	

[S-38013/25/73-HI]

नई दिल्ली, 22 जून, 1976

का०आ० 2494.—कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 1 की उपधारा (3) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार एवं धारा 4 के रूप में नियत करती है, जिसको उक्त अधिनियम, के अध्याय 4 (धारा 44 और 45 के अतिरिक्त जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) और अध्याय 5 और 6 (धारा 76 की उपधारा (1) और धारा 77, 78, 79 और 81 के अतिरिक्त जो पहले ही प्रवृत्त की जा चुकी है) के उपर्युक्त उत्तर प्रदेश राज्य के निम्नलिखित क्षेत्रों में प्रवृत्त होगे, प्रथम

“जिला भाराणसी में तहसील जानपुर के परगना भादोह में हिमतपुर (बाकुचिया), मरजाद पट्टी, शेषपुर, भादोह और राजपुरा के राजस्व ग्रामों सहित भादोह की नगरपालिका सीमाओं के और नया बजार तथा सलीमपुर के राजस्व ग्रामों में आने वाले क्षेत्र।”

[सं० एम०-38013/28/74-एच० आई०]

New Delhi, the 22nd June, 1976

S.O. 2494.—In exercise of the powers conferred by sub-section (3) of section 1 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby appoints the 4th July, 1976 as the date on which the provisions of Chapter IV (except sections 44 and 45 which have already been brought into force) and Chapters V and VI (except sub-section (1) of section 76 and sections 77, 78, 79 and 81 which have already been brought into force) of the said Act shall come into force in the following areas in the State of Uttar Pradesh, namely :—

“Areas lying in revenue villages of Naya Bazar and Salimpur and in the Municipal limits of Bhadoi including the revenue villages of Himmatpur (Bakuchia), Marjad Patti, Shekhpur, Bhadoi and Rajpura in Pargana Bhadoi of Tehsil Gyanpur in District Varanasi.”

[No. S-38013/28/74-HI]

का०आ० 2495.—यह: कर्नाटक राज्य सरकार ने कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 4 के खण्ड (ष) के अनुसरण में श्री टी०जे० रामाकृष्णन के स्थान पर श्री श्री० बेनुगोपाला नायडु, आयुक्त और सचिव, कर्नाटक सरकार, समाज कल्याण और श्रम विभाग, बंगलौर को कर्मचारी राज्य बीमा निगम में उस राज्य का प्रतिनिधित्व करते के लिए नामनिर्दिष्ट किया है;

अतः, अब केन्द्रीय सरकार कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 4 के अनुसरण में, भारत सरकार के श्रम

मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का०आ० 1517 तारीख 14 अप्रैल, 1976 में निम्नलिखित संशोधन करती है, प्रथम:—

उक्त अधिसूचना में, “(राज्य सरकारों द्वारा धारा 4 के खण्ड (ष) के अधीन नामनिर्दिष्ट)” शीर्षक के नीचे मद् 15 के सामने की प्रविटि के स्थान पर, निम्नलिखित प्रविटि रखी जायेगी, प्रथम:—

श्री श्री० बेनुगोपाला नायडु,

आयुक्त और सचिव, कर्नाटक सरकार,

समाज कल्याण और श्रम विभाग,

बंगलौर।

[संख्या दू० 16012(3)/76-एच०आई०]

S.O. 2495.—Whereas the State Government of Karnataka has, in pursuance of clause (d) of section 4 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948) nominated Shri V. Venugopala Naidu, Commissioner and Secretary to the Government of Karnataka, Social Welfare and Labour Department, Bangalore to represent that State on the Employees' State Insurance Corporation, in place of Shri T. J. Ramakrishnan.

Now, therefore, in pursuance of section 4 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), the Central Government hereby makes the following amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Labour No. S.O. 1517, dated the 14th April, 1976, namely :—

In the said notification, under the heading “(Nominated by the State Governments under clause (d) of section 4)”, for the entry against item 15, the following entry shall be substituted, namely :—

Shri V. Venugopala Naidu,

Commissioner and Secretary to the Government of Karnataka,

Social Welfare and Labour Department,

Bangalore.

[No. U-16012/3/76-HI]

नई दिल्ली, 24 जून, 1976

का०आ० 2496.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 88 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, भारत सरकार के भूतपूर्व श्रम और पुनर्वास मंत्रालय की अधिसूचना संख्या का०आ० 3223 तारीख 8 नवम्बर, 1973 के अनुक्रम में केन्द्रीय प्रोत्पत्ति अनुसंधान संस्थान लक्ष्मणऊ के स्थायी श्रम अस्थायी कमेंटरियों को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से 17 नवम्बर, 1974 से 16 नवम्बर, 1976 तक जिसमें यह दिन भी मन्मिलित है, दो वर्ष की और अवधि के लिये छूट देती है।

2. उपर्युक्त छूट निम्नलिखित शर्तों पर है, प्रथम:—

(1) पूर्वोक्त कारबाना, जहाँ कर्मचारी नियोजित है, एक रजिस्टर रखेगा, जिसमें छूट-प्राप्त कर्मचारियों के नाम और पदाधिकार विवरण जायेंगे;

(2) इस छूट के होते हुए भी, कर्मचारी उक्त अधिनियम के अधीन ऐसी प्रसुविधाएं प्राप्त करते रहेंगे, जिनके बीच इस अधिसूचना में दी गई छूट के प्रवर्तन होने की तारीख से पूर्व सदस्य अभिदायों के आधार पर हकदार हो गये होंगे;

(3) छूट प्राप्त अवधि के लिए, यदि कोई अभिदाय पहले ही किये जा चुके होंतो वे वापिस नहीं किये जाएंगे;

(4) उक्त कारबाने के नियोजक को उस अवधि की बाबत जिसके द्वारा यह कारबाना उक्त अधिनियम के प्रवर्तन के अधीन था, (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अवधि कहा गया है) ऐसी विवरणियां ऐसे

प्रृष्ठ पर में श्रीरामेशी विशिष्टियों महित देगा जो उसे कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उक्त अवधि के सम्बन्ध में देनी थी;

(5) निगम द्वारा, उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन, नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक, या निगम का कोई अन्य पदधारी जो इस निमित प्राधिकृत किया गया हो —

(1) धारा 44 की उपधारा (1) के अधीन उक्त अवधि की बाबत यह गई किसी विवरणी में अन्तर्विष्ट विशिष्टियों को सत्यापित करने के प्रयोजनार्थ ; या

(2) यह अभिनिष्चित करने के प्रयोजनार्थ कि क्या उक्त अवधि की बाबत, कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा यथाव्यपेक्षित रजिस्टर और अभिलेख रखे गए थे, या

(3) यह अभिनिष्चित करने के प्रयोजनार्थ कि क्या कर्मचारी, नियोजक द्वारा नकदी और बस्तु के रूप में दिये जाने वाले उन फायदों को पासे के अब भी हकदार बने हुए हैं जिनके प्रतिफलस्वरूप इस अधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है ; या

(4) यह अभिनिष्चित करने के प्रयोजनार्थ कि क्या उम अवधि के बीच जब उसम कारबाही के सम्बन्ध में अधिनियम उपबन्ध प्रवृत्त थे, ऐसे उपबन्धों का अनुपालन किया गया था, निम्नलिखित के लिये सशक्त होगा, अर्थात् —

(क) प्रधान या अव्यवहित नियोजक से अपेक्षा करना कि उसे ऐसी सूचनाएँ दे जो उपरोक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी द्वारा आवश्यक समझी जाए ; या

(ख) ऐसे प्रधान या अव्यवहित नियोजक के प्राधियोगीन किसी कारबाही, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसरों में किसी युक्तिपूर्व समय पर प्रवेश करना और ऐसे व्यक्ति से जो उसका भारताधन कर रहा हो, यह अपेक्षा करना कि वह ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी के समक्ष लेखा बहियो और अन्य दस्तावेज, जो व्यक्तियों के नियोजन और मजदूरी के मन्दाय से सम्बन्धित हो प्रमुत करे और उन की परीक्षा करने दे या उन्हे जैसी वे आवश्यक समझि, वैसी जानकारी दे, या

(ग) प्रधान या अव्यवहित नियोजक, उसके अधिकारी या सेक्रेटर, या किसी ऐसे अवक्ति की जो ऐसे कारबाही, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसरों में पाया जाये या जिसके बारे में उक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि वह कर्मचारी है, परीक्षा करना ; या

(घ) ऐसे कारबाही, स्थापन, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर, लेखा बही या अन्य दस्तावेज की नकल तैयार करना या उससे उद्धरण उतारना ।

अधिकारीका जापन

इस मामले में पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट देनी आवश्यक हो गई है क्योंकि नियोजक का छूट नक्काश सम्बन्धी आवेदन-पत्र देर से प्राप्त हुआ था । तथापि, यह प्रमाणित किया जाता है कि जिन परिस्थितियों में कारबाही को आरभ से छूट स्वीकृति का पाल है । यह भी प्रमाणित किया जाता है कि पूर्वापेक्षी प्रभाव से छूट की स्वीकृति किसी के हिस्से पर प्रतिकूल प्रभाव नहीं आलेगी ।

[संडेया एम-38014(19) 75-एच० आर्ड०]

New Delhi, the 24th June, 1976

S.O. 2496.—In exercise of the powers conferred by section 88 of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), and in continuation of the notification of the Government of India in the late Ministry of Labour and Rehabilitation

(Department of Labour and Employment) No. S.O. 3223 dated the 8th November, 1973 the Central Government hereby exempts the permanent and temporary employees of the Central Drug Research Institute, Lucknow, from the operation of the said Act for a further period of two years with effect from the 17th November, 1974 upto and inclusive of the 16th November, 1976.

2. The above exemption is subject to the following conditions, namely :—

(1) The aforesaid factory wherein the employees are employed shall maintain a register showing the names and designations of the exempted employees ;

(2) Notwithstanding this exemption, the employees shall continue to receive such benefits under the said Act to which they might have become entitled to on the basis of the contributions paid prior to the date from which exemption granted by this notification operates ;

(3) The contributions for the exempted period, if already paid, shall not be refunded ;

(4) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which that factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 ;

(5) Any Inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act, or other Official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of—

(i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 for the said period ; or

(ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period ; or

(iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification ; or

(iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act had been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory.

be empowered to—

(a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary ; or

(b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found in charge thereof to produce to such Inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary ; or

(c) examine the principal or immediate employer, his agent or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises, or any person whom the said Inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee ; or

(d) make copies or take extracts from, any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

EXPLANATORY MEMORANDUM

It has become necessary to give retrospective effect to the exemption in this case as the application of the employer for renewal of exemption was received late. However, it is certified that the conditions under which the factory was initially granted exemption still persist and the factory is eligible for exemption. It is also certified that the grant of exemption with retrospective effect will not affect the interest of any body adversely.

[No. S. 38014/19/75-HJ]

का० आ० 2497.—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम, 1948 (1948 का 34) की धारा 87 द्वारा प्रवत्तणकियों का प्रयोग करते हुए मैमर्स इण्डियन आयल कार्पोरेशन (मार्केटिंग डिवीजन) हिसार को उक्त अधिनियम के प्रवर्तन से, इस प्रधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से एक वर्ष की अवधि के लिए छूट देती है।

2. प्रौद्योगिक छूट निम्नलिखित शर्तों के अध्यादीन है, प्रथमः—

(1) उक्त कारबाहने का नियोजक, उस अवधि की बाबत, जिसके द्वारा यह कारबाहना उक्त अधिनियम के प्रवर्तन के अधीन था, (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अवधि कहा गया है) ऐसी विवरणियाँ ऐसे प्रूप में और ऐसी विविषितियों सहित देगा जो कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के अधीन उक्त अवधि के संबंध में देनी पड़ी;

(2) नियम द्वारा, उक्त अधिनियम की धारा 45 की उपधारा (1) के अधीन, नियुक्त किया गया कोई निरीक्षक, या नियम का कोई प्रत्यक्षपदधारी जो इस नियम प्राप्तिकृत किया गया हो—

(1) धारा 41 की उपधारा (1) के अधीन उक्त अवधि की बाबत दी गई किसी विवरणी में अन्तर्विष्ट विविषितियों को सत्यपित करने के प्रयोजनार्थ ; या

(2) यह अभिनियन्त्रित करने के प्रयोजनार्थ कि क्या उक्त अवधि की शाब्दिक, कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 द्वारा प्रथाप्रयोगित रजिस्टर और अमिलेख रखे गए थे ; या

(3) यह अभिनियन्त्रित करने के प्रयोजनार्थ कि क्या कर्मचारी, नियोजक द्वारा दिए गए उन कायदों को नकी और वस्तु के रूप में पाने का हकाराव बना हुआ है जिनके प्रतिकलस्वरूप इस प्रधिसूचना के अधीन छूट दी जा रही है ; या

(4) यह अभिनियन्त्रित करने के प्रयोजनार्थ कि उस अवधि के दौरान जब उक्त कारबाहने के संबंध में अधिनियम के उपबंध प्रवृत्त थे, ऐसे उपबंधों का प्रतुपालन किया गया था निम्नलिखित के लिए साक्षत होगा—

(क) प्रधान या अध्यवहित नियोजक से अपेक्षा करना कि यह उसे ऐसी सूचनाएं दे जो उपरोक्त निरीक्षक या अन्य पदधारी द्वारा आवश्यक समझी जाए ; या

(ख) ऐसे प्रधान या अध्यवहित नियोजक के अभिभेदाधीन किसी कारबाहने स्थापन कार्यालय या अन्य परिसरों में किसी युक्तियुक्त समय पर प्रवेश करना और ऐसे व्यक्ति से जो उसका भारताधन कर रहा हो, ऐसी अपेक्षा करना कि वह ऐसी लेखावहिया श्रीर अन्य दस्तावेज, जो अक्तियों के नियोजन मजदूरी के संबंध से संबंधित हों ऐसे निरीक्षक या अन्य पदधारी को प्रस्तुत करने, और उसे उनकी परीक्षा करने दे या उन्हे ऐसी जानकारी दे जैसी वे आवश्यक समझे ; या

(ग) प्रधान या अध्यवहित नियोजक उसके अभिकर्ता या सेवक, या किसी ऐसे व्यक्ति की, जो ऐसे कारबाहने, स्थापना, कार्यालय या अन्य परिसरों में पाए जाएं या जिसके बारे में उक्त निरीक्षक

या अन्य पदधारी के पास यह विश्वास करने का युक्तियुक्त कारण है कि वह व्यक्ति कर्मचारी है, परीक्षा करना ; या

(घ) ऐसे कारबाहने, स्थापना, कार्यालय या अन्य परिसर में रखे गए किसी रजिस्टर, लेखावही या अन्य दस्तावेज की नक्तम तैयार करना या उसमें से कोई उद्धरण उतारना ।

[सं. एम-38014/8/76-एच० आई०]
दलजीत सिंह, उप सचिव

S.O. 2497.—In exercise of the powers conferred by section 87 of the Employees' State Insurance Act (34 of 1948), the Central Government hereby exempts Messrs Indian Oil Corporation (Marketing Division), Hissar, from the operation of the said Act for a period of one year from the date of publication of this notification in the Official Gazette.

2. The above exemption is subject to the following conditions, namely:—

- (1) The employer of the said factory shall submit in respect of the period during which the factory was subject to the operation of the said Act (hereinafter referred to as the said period), such returns in such form and containing such particulars as were due from it in respect of the said period under the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950;
- (2) Any Inspector appointed by the Corporation under sub-section (1) of section 45 of the said Act, or other Official of the Corporation authorised in this behalf shall, for the purposes of—
 - (i) verifying the particulars contained in any return submitted under sub-section (1) of section 44 of the said period; or
 - (ii) ascertaining whether registers and records were maintained as required by the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950 for the said period; or
 - (iii) ascertaining whether the employees continue to be entitled to benefits provided by the employer in cash and kind being benefits in consideration of which exemption is being granted under this notification; or
 - (iv) ascertaining whether any of the provisions of the Act had been complied with during the period when such provisions were in force in relation to the said factory
- be empowered to—
 - (a) require the principal or immediate employer to furnish to him such information as he may consider necessary; or
 - (b) enter any factory, establishment, office or other premises occupied by such principal or immediate employer at any reasonable time and require any person found in charge thereof to produce to such Inspector or other official and allow him to examine such accounts, books and other documents relating to the employment of persons and payment of wages or to furnish to him such information as he may consider necessary; or
 - (c) examine the principal or immediate employer, his agent, or servant, or any person found in such factory, establishment, office or other premises, or any person whom the said Inspector or other official has reasonable cause to believe to have been an employee; or
 - (d) make copies of or take extracts from, any register, account book or other document maintained in such factory, establishment, office or other premises.

[No. S-38014/8/76-III]
DALJIT SINGH, Dy. Secy.

New Delhi, the 25th June, 1976

S.O. 2498.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 1 Dhanbad in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Kusunda Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd. P.O. Kusunda Distt. Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on the 21-6-76.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, NO. 1, DHANBAD

In the matter of a reference under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 19 of 1975

(Ministry's Order No. L-20012/105/74-LRII/D IIIA, Dt. 25-3-75)

PARTIES :

Employers in relation to the management of Kusunda Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Kusunda, (Dhanbad)

AND

Their Workmen.

PRESENT :

Mr. Justice K. B. Srivastava (Retd.), Presiding Officer.

APPEARANCES :

For the Employers—Shri S. S. Mukherjee, Advocate.

For the Workmen—Shri Lalit Burman, Secretary, United Coal Workers' Union.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal.

Dhanbad, dated June 71, 1976.

AWARD

It appears that the management of Kusunda Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited stopped the employment of Shri Md. Yakub, Banksman, with effect from June 10, 1972. The dispute between the management and Shri Md. Yakub was espoused by the United Coal Workers' Union. An attempt at conciliation was made by the Assistant Labour Commissioner, but it ended in failure and thereafter the Central Government, in exercise of its powers under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, referred the following dispute to this Tribunal for adjudication, namely :—

'Whether the management of Kusunda Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Kusunda, District Dhanbad, were justified in stopping the employment of Shri Md. Yakub, Banksman, with effect from 10-6-1972? If not to what relief is the workman entitled?"

2. The parties have made a joint petition praying that since they mutually settled their dispute in an amicable manner in terms incorporated in the deed of composition, therefore, the Tribunal should give its award in terms of that composition.

3. The compromise, in short, mentions that (1) the management agrees to give employment to Shri Md. Yakub as Banksman/Onsetter in Cat. IV at Kusunda Colliery, (2) Shri Md. Yakub shall be deemed to be in continuous employment from October 17, 1971 for the purpose of Gratuity only and shall not be paid any wages for the period of his idleness from February 10, 1972 till the date of his joining as Banksman/Onsetter at Kusunda Colliery, (3) the management shall pay to Shri Md. Yakub a lump sum of Rs. 900 as ex gratia payment, and (4) the management shall pay to the Union a sum of Rs. 100 as costs of the adjudication.

4. The terms appear to be reasonable and fair. The award is, therefore, given in terms of the deed of composition (Annexure 'A') which shall form part of the award.

Sd/-

K. B. SRIVASTAVA, Presiding Officer

ANNEXURE "A"

BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT. INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. I, DHANBAD

Reference No. 19 of 1975

Employers in relation to Kusunda Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Limited.

AND

Their workmen.

Joint Petition of Compromise.

The parties-Employers and workmen concerned in the above matter beg to submit as follows :—

1. That the parties have mutually discussed and have amicably settled the Dispute on the following terms and conditions :

- (a) That the management of M/s B.C.C.L., hereby agreed to give employment to Sri Md. Yakub, the workman concerned as Banksman/Onsetter in Cat-IV as per coal wage Recommendations, at Kusunda colliery, with immediate effect.
- (b) That Sri Md. Yakub shall be deemed to be continuous employment of the Kusunda Colliery from 17-10-71 for the purpose of Gratuity only but not shall be paid any wages for the period of his idleness from 10-2-72 till the date of joining as per clause (a).
- (c) That as a gesture of goodwill, the management shall pay to Sri Yakub a lump sum amount of Rs. 900 as ex gratia payment within 30 days from the date.
- (d) That the management shall pay to the Union a sum of Rs. 100 (One Hundred only) as a cost.

2. That the parties pray that Hon'ble Tribunal may be pleased to hold that the above terms of settlement as fair and reasonable.

3. That the parties further pray that the Hon'ble Tribunal may be pleased to pass an Award on the basis of the above terms of settlement.

And for this, the parties shall pray.

For the Employers

(R. N. MISRA)

sub-Area Manager

For the workman

(Lalit Burman)

Secretary, U.C.W.U.

Dated : 5-8-1975.

Witnesses :—

(a) A. K. Pal, A.P.M.

(b) R.R.P. Singh, Sr. P.O.

[I. No. L-2012/105/74-LRII/D III A]

S.O. 2499.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal-cum-Labour Court No. 1 Dhanbad in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Kusunda Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Ltd. P.O. Kusunda Dhanbad and their workmen, which was received by the Central Government on 21-6-76.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL, No. 1, DHANBAD

In the matter of a reference under Section 10(1)(d) of the
Industrial Disputes Act, 1947

Reference No. 2 of 1975

(Ministry's Order No. L-2012/106/74-LRII, Dated,
10-1-1975)

PARTIES :

Employers in relation to the management of Kusunda Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post Office Kusunda (Dhanbad);

AND

Their Workmen.

PRESENT :

Mr. Justice K. B. Srivastava (Retd.), Presiding Officer.

APPEARANCES :

For the Employers—Shri S. S. Mukherjee, Advocate.

For the Workmen—Shri Lalit Burman, Secretary, United Coal Workers, Union.

STATE : Bihar.

INDUSTRY : Coal.

Dhanbad, dated, 17th June, 1976.

AWARD

It appears that the management of Kusunda Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited stopped Shri Gupta Prasad Singh, Chargeeman, Hard Coke Oven, from work with effect from November 13, 1971. The dispute of Shri Gupta Prasad Singh was espoused by the United Coal Workers' Union. An attempt at conciliation failed and thereafter the Central Government, in exercise of its powers under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, referred the following matter for adjudication to this Tribunal :—

"Whether the management of Kusunda Colliery of Messrs Bharat Coking Coal Limited, Post. Office Kusunda (Dhanbad) were justified in stopping from work Shri Gupta Prasad Singh, Chargeeman, Hard Coke Oven, Kusunda Colliery with effect from the 13th November, 1971 ? If not to what relief is the workman entitled ?"

2. The parties have filed a joint petition praying that the dispute has been amicably settled between them in terms of the compromise (Annexure 'A') and the award may be made in terms of that compromise. The gist of the agreed terms is (1) the management has agreed to give employment to Shri Gupta Prasad Singh as Munshi in Clerical Gr. III at West Godhur Colliery with immediate effect, (2) Shri Gupta Prasad Singh shall be deemed to be in continuous employment from October 17, 1971 for the purposes of Gratuity only and shall not be paid any wages for the period of his idleness from November 13, 1971 till the date of his joining as Munshi in West Godhur Colliery, (3) the management shall pay to Shri Gupta Prasad Singh a sum of Rs. 900 as ex gratia payment, and (4) the management shall pay to the Union a sum of Rs. 100 as costs. The terms agreed upon between the parties appear to be fair and reasonable. That being so, the award is made in terms of the compromise (Annexure 'A') which shall form part of the award.

K. B. SRIVASTAVA, Presiding Officer

ANNEXURE "A"BEFORE THE PRESIDING OFFICER, CENTRAL GOVT.
INDUSTRIAL TRIBUNAL NO. 1, DHANBAD**Reference No. 2 of 1975**

Employers in relation to Kusunda Colliery of M/s. Bharat Coking Coal Ltd.,

AND

Their workmen.

Joint Petition of Compromise.

The parties-Employers and workmen-concerned in the above matter beg to jointly submit as follows :—

1. That the parties have mutually discussed and have amicably settled the Dispute on the following terms and conditions :—

(a) That the management of M/s. B.C.C. Ltd., hereby agree to give employment to Sri Gupta Pd. Singh, the workman concerned, as Munshi in Clerical Gr.-III, at West Godhur colliery, with immediate effect.

(b) That Sri Gupta Pd. Singh shall deem to be in continuous employment of the Bharat Coking Coal Ltd. from 17-10-71 for the purposes of Gratuity only but shall not be paid any wages for the period of his idleness from 13-11-71 till the date of his joining as per clause (a).

(c) That as a gesture of goodwill, the management shall pay to Sri Gupta Prasad Singh a sum amount of Rs. 900 as ex gratia payment within 30 days from the date.

(d) That the management shall pay to the Union a sum of Rs. 100 (one hundred only) as cost.

2. That the parties pray that the Hon'ble Tribunal may be pleased to hold that the above terms of settlement as fair and reasonable.

3. That the parties pray that the Hon'ble Tribunal may be pleased to pass an award on the basis of the above terms of settlement.

And for this, the parties shall pray.

Dated : 5-8-1975.

For the Employers.

(R. N. MISHRA)

Sub-Area Manager.

For the workman.

(LALIT BURMAN)
Secretary, United Coal worker's Union.

Witnesses :—

(a) A. K. Pal
A.P.M.

(b) R. R. P. Singh
Sr. P.O.

{F. No. L-2012/106/74-LRII}

New Delhi, the 30th June, 1976

S.O. 2500.—In pursuance of section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal No. 2, Dhanbad in the industrial dispute between the employers in relation to the management of East Kapasara Colliery of M/s Coal Mines Authority Ltd. Loyabad Colliery of M/s. B.C.C. Ltd. and Pichery Colliery of M/s. N.C.D.C. Ltd. (now a part of Dhori Colliery) and their workmen, which was received by the Central Government on the 18-6-76.

BEFORE THE CENTRAL GOVERNMENT INDUSTRIAL TRIBUNAL (NO. 2)

PRESENT :

Shri K. K. Sarkar, Judge,
Presiding Officer.

Reference No. 26 of 1974, 2 and 60 of 1975

In the matter of an industrial dispute under Section 10(1)(d) of the Industrial Disputes Act, 1947.

PARTIES :**Ref. 26 of 1974**

Employers in relation to the management of East Kapasara Colliery of M/s. Coal Mines Authority, P.O. Mugma, Dist. Dhanbad and their workmen.

(Ministry's Order No. I-2012/167/73-LRII dt. 4-11-1974).

Ref. No. 2 of 1975

Employers in relation to the management of Pichery Colliery and part of Dhori (K) Colliery, P.O. Bermo, Dist. Giridih and their workmen.

(Ministry's Order No. I-2012/17/74-LRII dt. 10-1-75).

Ref. No. 60 of 1975

Employers in relation to the management of Loyabad Colliery, P.O. Bansjora, Dist. Dhanbad (now belonging to M/s Bharat Coking Coal Ltd.) and their workmen.

(Ministry's Order No. I-20012/63/72/LRII/D. III(A) dt. 5-6-75).

APPFARANCS :**On behalf of the employers :**

Shri T. P. Choudhury, Advocate.

Shri S. S. Mukherjee, Advocate.

On behalf of the workmen :

Shri B. Joshi, Advocate.

Shri J. D. Lala, Advocate.

State : Bihar

Industry : Coal.

Dated the 10th June, 1976

AWARD

Ref No. 26 of 1974, Reference No. 2/75 and Reference No. 60/75 have been heard analogously on the prayer of the parties. This is so because a common question is involved in all the above three references. The common question is if Bharat Coking Coal Limited and Coal Mines Authority, as the case may be liable to give employment to the concerned workmen whose services were terminated after the take over of the coal mines by the Central Government under the Coal Mines (Take Over) Ordinance or Coal Mines (Take Over) Act as the case may be. The learned Advocates Shri S. S. Mukherjee and Shri T. P. Choudhury appearing on the side of the employers relied upon a judgment of the Patna High Court in CWIC No. 1304 and 1314 of 1972. According to them the above judgment of the Patna High Court has given a blanket protection to the Government company and they are not under any liability to give employment to the concerned workmen whose services were terminated before the appointed day viz. 1-5-72 or 1-5-73 as the case may be under the Nationalisation Act, when the right, title and interest of the owners in respect of the coal mines vested in the Central Government. The learned Advocates Shri B. Joshi and Shri J. D. Lal appearing for the workmen opposed the above contention as advanced by the learned Advocate appearing for the employers. The learned Advocate appearing for the workmen seek to distinguish the cases under hearing before me on facts. According to them in the cases covered by the judgment of the Patna High Court the claim of the workmen accrued before the take over of the coal mines by the Central Government when the owners, agents or managers of the coal mines were the sole masters of the scene but after the take over, such owners, agents and managers of coal mines vanished in the thin air, so to say, and the Central Government working through the Custodian became the masters of the scene. It is therefore submitted that S. 7 or S. 9 of the Coal Mines (Nationalisation Act) 1972 and 1973 do not give any protection to the Government company in respect of any liability in respect of any claim which accrued after the take over. Now I have gone through the above judgment of the Patna High Court and it appears that the claim in these cases actually related to a period prior to the take over of the mines. When such claim accrues before the take over of the mines the liability for such claim must necessarily be the liability of the owners, agents, or managers, the then existing.

Let us carefully read and try to understand Sec. 7 or 9 of the Nationalisation Act. Section 9 of the Nationalisation consists of two parts, viz. 9(1) and (2). Section 9(1) says that every liability of the owner agent or Manager of the Coal Mines in relation to any period prior to the appointed day shall be the liability of such owner, agent or Manager and shall be enforceable against him and not against the Central Govt. or Govt. Company. The question remains if dismissal of the workmen concerned by the Custodian acting under the Central Govt. after take over can be said to be a 'liability of the owner Agent or Manager of the collieries'. For that purpose we have to see what was the position of the owner, agent and Manager after the take over. Let us look into the important provision of the Coal Mines take over ordinance or Act. The important provisions are as follows :-

- (1) On and from the appointed day i.e. 17th day of October, 1971 or 31st day of January, 1973 the management of all coal mines shall vest in the Government.
- (2) Pending the appointment of a custodian under S.5, the person incharge of the management of such mines immediately before the appointed day shall be incharge of the management of such mine for and on behalf of the Central Government and the management of such mine shall be carried on by such person.
- (3) Any contract made before the appointed day between the owner of any such mine and any person incharge of the management of the mine shall be deemed to have terminated on the appointed day;
- (4) No person incharge of the management of a coal mine without the previous approval of the persons specified by the Central Government :
 - (a) incur any expenditure from the assets appertaining to the coal mine;
 - (b) transfer or otherwise dispose of any such assets or create any charge, hypothecation, lien or other incumbrance thereon;
 - (c) invest in any manner any monies forming part of such assets;
 - (d) acquire any immovable property out of the monies forming part of such assets, etc. etc.

The taking over (Ordinance or Act) also stipulates that every person incharge of the management of a mine shall deliver to the Central Government :

- (a) the minutes book or any other book,
- (b) The current cheque books,
- (c) All registers and other books.

For non-compliance of the above orders, punishment has also been provided for delinquent owners, agents or managers. The Take Over (Ordinance or Act) however provides that every owner of a coal mine shall be given by the Central Government an amount in cash for vesting in it the management of such mine.

On a careful analysis of the important provisions of the Coal Mines Taking Over (Ordinance or Act) it transpires that as a step to ultimate nationalisation of the Coal Mines the Central Government took over the management preceding the complete nationalisation of coal mines. After the take over the owner, agent or manager of a coal mine had no manner of control, supervision, management of the coal mines that were taken over. It shows that though only the management of the coal mines vested in the Central Government after the take over the Central Government became the real master of the scene after the take over. The nomenclature of owner, agent or manager of coal mines remained as a matter of courtesy after the take over.

It was the custodian acting under Central Govt. who terminated the services of the concerned workmen after such take over in course of their management of the collieries. The owner agent or the Manager had no manner of hand in their dismissal or termination of service. In other words it

was the management of the Central Govt. that terminated the services of the concerned workmen. The liability attaches to the person or the authority who does the work which results in liability. The liability for a work cannot attach to a person who does not do the work. So the liability arising out of the termination of services of the concerned workmen cannot be said to be the liability of the Owners, Agent or Manager as they did not terminate the services. Accordingly the owner, agent or Manager cannot be fastened with the liability as spoken of in Section 9(1) of the Nationalisation Act. In the Patna High Court Judgment the cause of action arose before the take over when the Central Govt. had nothing to do. So that is a different matter. So Sec. 9(1) in my opinion, cannot bind down the Manager, owner or Agent in the facts and circumstances of the present case. Now comes Sec. 9(2) of the Nationalisation Act. Here the law is very categorical giving a blanket protection to Central Govt. or Govt. Company against any claim for any period prior to the appointed day i.e. 1-5-72 or 1-5-73 as the case may be. Sec. 9(2)(a) says that save as otherwise provided elsewhere in this Act, no claim for wages, census, royalty, rate, rent, taxes, provident fund, pension, gratuity or any other dues in relation to a coking coal mine or coke oven plant in respect of any period prior to the appointed day, shall be enforceable against the Central Government or the Government company and 9(2)(b) says that no award, decree or order of any court, tribunal or other authority in relation to any coking coal mine or coke oven plant passed after the appointed day, but in relation to any matter, claim or dispute which arose before that day, shall be enforceable against the Central Government or the Government company.

Under the above, the Central Govt. or Govt. Company cannot be made liable for any claim for any period prior to the appointed day, and no award passed after the appointed day in relation to any matter, claim or dispute which arose before the appointed day can be enforced against the Central Govt. or the Govt. Company. Here the claim or dispute arose prior to the appointed day, no matter how long before. It does not make distinction between the period prior to take and period after the take over. The main theme is the period prior to the appointed day. The single question is if the termination of services of the workmen concerned took place prior to the appointed day and if the answer is in the affirmative, there is no other way out. Sec. 9(2)(a) and (b) become the stumbling block in the way of the workmen. So in my opinion the workmen come within the mischief of Sec. 9 or Sec. 7 sub-section 2(a) and (b) of the Nationalisation Act. Sec. 17 of the Act stipulates that employment of certain employees to continue with protection of pay and other rights. Sec. 17 does not stand by itself but it is subject to the provision of Sec. 9 and 7 as the case may be, which gives a go-by to such claim of the workmen.

I should, therefore, find that the claim or dispute which in these cases arose before the appointed day is not maintainable against the Government Companies who are parties to the references. As such the references are incompetent and they fail.

This is my Award which governs Ref. No. 26 of 1974, Ref. 60 of 1975 and Ref. No. 2 of 1975.

K. K. SARKAR, Presiding Officer.
[F. No. L-2012(17)/74 LR. II-D. III]

R. P. NARULA, Under Secy.

नई दिल्ली, 30 जून, 1976

का०आ० 2501—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसंसं कटक रोडवे, कठगारा साही, कटक-1 (उडीसा) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1972 दिसम्बर के पथम नित को प्रक्षेत्र समझी जाएगी।

[सं० एम०-35019(60)/73-पी० एफ-2]

New Delhi, the 30th June, 1976

S.O. 2501.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Cuttack Roadways, Kathagarai Sahi, Cuttack-1 (Orissa), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of December, 1972.

[No. S. 35019(60)/73-PF. II]

का०आ० 2502—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसंसं टी० के० थिरोहंग कैटटरी, सलाबतपुरा, सूरत-2, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना सितम्बर, 1973 के तीसरे दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम०-35019/(202)/74 पी० एफ० 2]

S.O. 2502.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. T.K. Throwing Factory, Salabatpura, Surat-2, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of September, 1973.

[No. S. 35019/202/74-PF. III]

का०आ० 2503—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसंसं पंजाब कोता कास्ट स्टील मिमिटेक, फोकल पायण्ट, धन्धरी कला, लघियाना नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापना को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 नवम्बर, 1974 को प्रवृत्त समझी जाएगी।

[सं० एम०-35019(10)/75-पी० एफ० 2]

S.O. 2503.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Punjab Con-cast Steels Limited, Focal Point, Dhandari Kalan, Ludhiana, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment:

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of November, 1974.

[No. S. 35019/10/75-PF. II]

का० आ० 2504—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स नेशनल टैक्सटाइल्स कार्पोरेशन (साउथ महाराष्ट्र) लिं. 15, इन्डु हाउस, 15 नरोत्तम मोरार जी मार्ग मुम्बई-1 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेणन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1975 के अप्रैल के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[स० एस० 35018(24)/75-पी० एफ० II(i)]

S.O. 2504.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. National Textile Corporation (South Maharashtra) Limited, Indu House, 15, Narottam Morarjee Marg, Bombay-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1975.

[No. S. 35018(24)/75-PF. II(i)]

का० आ० 2505—केन्द्रीय सरकार, कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेणन निधि, अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परत्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबंधित विषय में प्रावश्यक जांच करने के पश्चात् 1 अप्रैल, 1975 से नेशनल टैक्सटाइल्स कार्पोरेशन (साउथ महाराष्ट्र) लिमिटेड, इन्डु हाउस, 15, नरोत्तम मोरारजी मार्ग, मुम्बई-1 नामक स्थापन को उक्त परत्तुक के प्रयोग के लिए विनियिष्ट करती है।

[स० एस० 35018(24)/75-पी०एफ०II(ii)]

S.O. 2505.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of April, 1975, the establishment known as National Textile Corporation (South Maharashtra) Limited, Indu House, 15, Narottam Morarjee Marg, Bombay-1, for the purpose of the said proviso.

[No. S. 35018(24)/75-PF. II (ii)]

का० आ० 2506—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स रतिन, पैस, मदुराई रोड, थिरुमंगलम्, मदुराई जिला नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेणन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1975 की मई के प्रथम दिन को प्रवृत्त समझी जाएगी।

[स० एस० 35019(63)/75-पी०एफ०-2]

S.O. 2506.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Rathina Press, Madurai Road, Thirumangalam, Madurai District, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of May, 1975.

[No. S. 25019(63)/85-PF. II]

का० आ० 2507—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स भारत सोप मिल्स—बटाला रोड, अमृतसर नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेणन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[स० एस० 35019(119)/75-पी०एफ०]

S.O. 2507.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Bharat Soap Mills, Batala Road, Amritsar, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1975.

[No. S-35019(119)/75-PF. III]

का० आ० 2508—केन्द्रीय सरकार को यह, प्रतीत होता है कि मैसर्स माइस्टील इण्डस्ट्रीज, मनोन्यानी गाड़न, ग्राकोर गेट, बैनरघटभाग, रोड बंगलौर-29 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर समहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और

कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने आहिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1975 के अगस्त के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. प्रम-35019(141)/75-पी.एफ. 2]

S.O. 2508.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Mysteel Industries, Vianonmani Garden, Anakare Gate, Bamerghatta Road, Bangalore-29, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of August, 1975.

[No. S-35019(141)/75-PF. II]

का० प्रा० 2509.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स टूल्स जार्भिंग कार्पोरेशन, मनोन्मानी गार्डन्स, बामेरघट्टा रोड, बंगलौर-29 नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहु-संसद्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने आहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अगस्त, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. प्रम-35019(146)/75-पी.एफ. 2]

S.O. 2509.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Tools Jobbing Corporation, Manonmani Gardens, Bamerghatta Road, Bangalore-29, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of August, 1975.

[No. S-35019(146)/75-PF. III]

का० प्रा० 2510.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स सूर्या एवं सूर्या रोड, अगरतलाला (त्रिपुरा) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंसद्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने आहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1967 के अगस्त, के इष्टानीसने दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. प्रम-35019(141)/75-पी.एफ. 2]

S.O. 2510.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Surya Ghar Cinema, Surjya Road, Agartala (Tripura) have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of August, 1967.

[No. 8(150)/67-PF. III]

का० प्रा० 2511.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स कालिआकल एस्टेट, श्रीमंगला डाकघर, दक्षिणी कुर्ना (कर्नाटक राज्य) नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंसद्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने आहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1975 के अगस्त के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. प्रम-35019(182)/75-पी.एफ. 2(i)]

S.O. 2511.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Maliakal Estate, Srimangala Post Office, South Cooig (Karnataka State), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of August, 1975.

[No. S-35019(182)/75-PF. II (i)]

का० प्रा० 2512.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य तिधि और कुटुम्ब पेशन निधि, अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में आवश्यक जांच करते के पश्चात् 1 अगस्त, 1975 से मैसर्स मलिआकल एस्टेट, श्रीमंगला डाकघर दक्षिणी कुर्ना (कर्नाटक राज्य) नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं. प्रम-35019(182)/दीएफ. 2(ii)]

S.O. 2512.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of August, 1975, the establishment known as Messrs. Maliakal Estate, Srimangala Post Office, South Cooig (Karnataka State), for the purposes of the said proviso.

[No. S-35019(182)/75-PF. II (ii)]

का० आ० 2517.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि, अधिनियम, 1952(1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परत्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, सम्बद्ध विषय में प्रावश्यक जांच करने के पश्चात्, 1 नवम्बर, 1971 से मैसर्स महाराष्ट्र इलेक्ट्रोस्मेल्ट लिं, निर्मल पहली मंजिल, नारिमन पोइस्ट, बम्बई-21 नामक स्थापन को उक्त परत्तुक प्रयोजनों के लिये विनियोजित करती है।

[संख्या एस०-35018(6)/76-पी०एफ०2(ii)]

S.O. 2517.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952) the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the thirty first March, 1975, the establishment known as Messrs Maharashtra Electros melt Limited, Nirmal 1st Floor, Nariman Point, Bombay-21 for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35018/6/76-PF. II(ii)]

का० आ० 2518.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स पुश्पम टेक्सटाइल्स, चिन्नापल्ली स्ट्रीट, करुर, त्रिची जिला, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना सितम्बर, 1975 के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[सं० एस०-35019(22)/76-पी०एफ०2]

S.O. 2518.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Pushpam Textiles, Chinnappalai Street, Karur, Trichy District, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of September, 1975.

[No. S. 35019/22/76-PF.II]

का० आ० 2519.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स ऐसिमिसर प्लान्टेशन्स (प्राइवेट) लिमिटेड, रजिस्ट्रीड कार्यालय, कोट्टायम नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जनवरी, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[सं० एस०-35019(28)/76-पी०एफ०2]

S.O. 2519.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as the Elixir Plantations (Private) Limited, Registered Office Kottayam, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1976.

[No. S. 35019/28/76-PF.II]

का० आ० 2520.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स जय भारत सोप मिल्स, 6, रामेश्वर नगर (आजादपुर) दिल्ली-33, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब निधि पेंशन अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना अप्रैल, 1969 के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[सं० एस०-35019(1)/76-पी०एफ०2]

S.O. 2520.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Jai Bharat Soap Mills, 6-Rameshwar Nagar (Azadpur) Delhi-33, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1969.

[No. S. 35019/1/76-PF.II]

का० आ० 2521.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स जनता ट्रेडर्स, भद्रक, बालासोर जिला, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना जनवरी, 1975 के इकातीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[सं० एस०-35019(23)/76-पी०एफ०2]

S.O. 2521.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Janta Timber Traders, Bhadrak, Balasore District, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of January, 1975.

[No. S. (35019-23)/76-PF.II]

कांग्रा० 2522—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स जिला विजय इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड, बालमन्दिर के सामने, वापी जिला बुलसर, नामक स्थापन से सम्बद्ध और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना नवम्बर, 1975 के प्रथम विन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[सं० एस०-35019(24)/76-पी०एफ० 2]

S.O. 2522.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Vapi Vijay Industries Private Limited, Opposite Balmandir, Vapi District Bulsar, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of November 1975.

[No. S.-35019(24)/76-PF.II]

कांग्रा० 2523—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स श्री बालान् टैक्सटाइल्स, कोम्प्लॉटर रोड, एल०एन० समूद्रम, करुर, तिची जिला नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य /निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अगस्त, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[सं० एस०-35019(13)/76-पी०एफ० 2]

S.O. 2523.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Sree Balan Textiles, Coimbatore Road, L. N. Samudram, Karur, Trichy District, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of August, 1975.

[No. S.- (35019-13)/76-PF.II]

कांग्रा० 2524—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स कल्पना टाकीज, जूना रास्ता, आनन्द, जिला केरा, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना अक्टूबर, 1975 के इकातीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[सं० एस०-35019(42)/76-पी०एफ० 2]

S.O. 2524.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Kalpana Talkies, Juna Rasta, Anand, District Kaira, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of October, 1975.

[No. S. 35019(42)/76-PF. II]

कांग्रा० 2525—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स गोपाल टाकीज, स्टेशन रोड, आनन्द, जिला केरा, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किये जाने चाहिये।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना अक्टूबर, 1975 के इकातीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जायेगी।

[सं० एस०-35019(43)/76-पी०एफ० 2]

S.O. 2525.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Gopal Talkies, Station Road, Anand, District Kaira, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of October, 1975.

[No. S.-35019(43)/76-PF. II]

मर्द विल्सनी, 1 जुलाई, 1976

का० आ० 2526—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मर्मसंस्कृत इण्डस्ट्रीज कारपोरेशन, डाक घर दक्षिणी गारिया, 24 परगना, जिसमें 22/6 फर्न रोड, कलकत्ता समिलित है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों के बहुसंख्या इस बात पर महसूत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 अप्रैल, 1972 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम०-35017(24)/74-पी०एफ० 2]

New Delhi, the 1st July, 1976

S.O. 2526.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Standard Industries Corporation, Post Office South Garia, 24 Parganas including its city office at 22/6, Fern road, Calcutta-19 have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of April, 1972.

[No. S-35017(24)/74-PF. II]

का० आ० 2527.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स फर्टिलाइजर कारपोरेशन आफ इण्डिया प्रिमिटेट, हल्दिया डिवीजन, हल्दिया, डाकघर दिग्गजक जिला मिवनपुर जिसमें 27 बी, कैमाक स्ट्रीट, कलकत्ता स्थित इसका कार्यालय भी सम्मिलित है, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर महसूत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1972 के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम०-35017(37)/74-पी०एफ० 2]

S.O. 2527.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as the Messrs Fertilizer Corporation of India Limited Haldia Division, Haldia, Post Office Dirgachak, District Midnapur including its office at 27-B Camac Street, Calcutta have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and the Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of September, 1972
[No. S. 35017(37)74-PF. II]

का० आ० 2528—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स वाडक कामन्दल कोऑपरेटिव एग्रीकल्चर बैंक, लिमिटेड, कांचिरापलायम, काल्लुकुरिच तालुक, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर महसूत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 मार्च, 1971 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम०-35019(75)/74-पी०एफ० 2]

S.O. 2528.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Vadakkanandal Co-operative Agricultural Bank Limited, Kanchirapalayam, Kallukuchi Taluk, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of March, 1974.

[No. S. 35019/75/74-PF. II]

का० आ० 2529—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स एच० एम० जै० ट्रांसपोर्ट, 90 ए सं० 2 रोड, मयूरम, जिला तन्जौर, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर महसूत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 मई, 1974 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एम०-35019(179)/74-पी०एफ० 2]

S.O. 2529.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs H.M.J. Transport, 90 A No. 2 Road, Mayuram, Tanjore District, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of May, 1974.

[No. S. (35019-179)/74-PF. II]

का० आ० 2530—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स फैमिली व्हिलिंग फाउण्डेशन, छठी मंजिल, आकाशधीप विलिंग, बागबान्धा रोड, नई विल्सनी नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर महसूत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रत्यक्षियों का प्रयोग करने हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह प्रधिसूचना 1 मार्च, 1971 को प्रवृत्त हुई गम्भी जाएगी।

[सं. एम०-35019(239)/74-पी०एफ० 2(i)]

S.O. 2530.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Family Planning Foundation, 5th Floor, Akash Deep Building, Barakhamba Road, New Delhi, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of March, 1971.

[No. S. 35019-239)/74-PF. II(i)]

का० आ० 2530.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबूध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् मार्च, 1971 से मैसर्स फैमिली प्लार्निंग फाउण्डेशन, पांचवीं मंजिल, आकाशवृष्टि प्लॉहिंग, बाराखम्बा रोड, नई दिल्ली नामक स्थापन को उक्त परन्तु के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं. एम०-35019(239)/74-पी०एफ० 2(ii)]

S.O. 2531.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of March, 1971, the establishment known as Messrs. Family Planning Foundation, 5th Floor, Akash Deep Building, Barakhamba Road, New Delhi for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019-(239)/74-PF. II(ii)]

का० आ० 2532.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स माइक्रोन थक्स, 43, सैक्टर-4 बल्लभगढ़, करीदाबाद नामक स्थापन से मस्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19.) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह प्रधिसूचना 1 अक्टूबर, 1973 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एम०-35019(243)/74-पी०एफ०-2(i)]

S.O. 2532.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Mikronn Works, 43, Sector-4, Ballabgarh, Faridabad, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family pension Fund Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of October, 1973.

[No. S. 35019(243)/74-PF. II(i)]

का० आ० 2533.—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तु द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, संबूध विषय में आवश्यक जांच करने के पश्चात् 1 अक्टूबर, 1973 से मैसर्स मिक्रोन थक्स, 43, सैक्टर-4, बल्लभगढ़, करीदाबाद नामक स्थापन को उक्त परन्तु के प्रयोजनों के लिए विनिर्दिष्ट करती है।

[सं. एम०-35019(243)/74-पी०एफ० 2(ii)]

S.O. 2533.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of October, 1973, the establishment known as Messrs. Mikronn Works, 43, Sector-4, Ballabgarh, Faridabad for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019(243)/74-PF. II(ii)]

का० आ० 2533.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स मिक्रोन थक्स, 43, सैक्टर-4 बल्लभगढ़, करीदाबाद नामक स्थापन से मस्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए ;

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह प्रधिसूचना 1 जनवरी, 1970 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एम०-35019(22)/75-पी०एफ० 2]

S.O. 2534.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Shree Balkrishna Commercial Company Private Limited, Motilal Atal Road, Jaipur-1 (Rajasthan) have agreed that the provisions of the Employees Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1970.

[No. S. 35019(22)/75-PF. II]

का० आ० 2534.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स बस्ती पठाना प्राइवेट लैंडिंग सारोज बैंक लिं. सरहिंद (पटियाला) नामक स्थापन से मस्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

प्रतः, यद्युपरि अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 विसम्बर, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस. 35019(226)/75-पी. एफ. 2(i)]

S.O. 2535.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Bassi Pathana Primary Co-operative Land Mortgage Bank Limited, Sirhind (Patiala), have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund, Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of December, 1975.

[No. S. 35019(226)/75-PF. II(i)]

का० आ० 2536—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि, अधिनियम 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबद्ध विषय में आवश्यक जाच करने के पश्चात् जनवरी, 1975 के प्रथम दिन से मैसर्स एम्हार्ट इंडिया लिमिटेड, जिजि हाउस, रेवेलिन स्ट्रीट, मुम्बई-1 नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनियोग करती है।

[सं. एस. 35019(226)/75-पी. एफ. 2(ii)]

S.O. 2536.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of December, 1975, the establishment known as Messrs. Bassi Pathana Primary Co-operative Land Mortgage Bank Limited, Sirhind (Patiala), for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35019(226)/75-PF. II(ii)]

का० आ० 2537—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स एम्हार्ट इंडिया लिमिटेड, जिजि हाउस, रेवेलिन स्ट्रीट, मुम्बई-1, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की ग्रुप्संख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

प्रतः, यद्युपरि अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना जनवरी, 1975 के प्रथम दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस. 35019(2)/76-पी. एफ. 2(i)]

S.O. 2537.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Embhart India Limited, Jiji House, Raveline Street, Bombay-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-Section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1975.

[No. S. 35018(2)/76-PF. II(i)]

का० आ० 2538—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि, अधिनियम 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबद्ध विषय में आवश्यक जाच करने के पश्चात् जनवरी, 1975 के प्रथम दिन से मैसर्स एम्हार्ट इंडिया लिमिटेड, जिजि हाउस, रेवेलिन स्ट्रीट, मुम्बई-1 नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनियोग करती है।

[सं. एस. 35018(2)/76-पी. एफ. 2(ii)]

S.O. 2538.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the first day of January, 1975, the establishment known as Messrs. Embhart India Limited, Jiji House, Raveline Street, Bombay-1 for the purposes of the said proviso.

[No. S. 35018(2)/76-PF. II(iii)]

का० आ० 2539—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स एम्हार्ट इंडिया लिमिटेड एडवर्टिजिंग प्राइवेट लिमिटेड, पांचबी मंजिल, 167, डा० एनी बेसन्ट रोड, बम्बई-18, नामक स्थापन से सम्बन्ध नियोजक और कर्मचारियों की ग्रुप्संख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

प्रतः, यद्युपरि अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना जुलाई, 1973 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं. एस. 35018(3)/76-पी. एफ. 2(i)]

S.O. 2539.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Rediffusion Advertising Private Limited, 4th Floor, 167, Dr. Annie Besant Road, Bombay-18, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of July, 1973.

[No. S. (35018(3)/76-PF. II(i)]

का० आ० 240—केन्द्रीय सरकार कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 6 के प्रथम परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबद्ध विषय में आवश्यक जाच करने के पश्चात् इस्टरीस जुलाई, 1973 से मैसर्स एम्हार्ट इंडिया लिमिटेड, पांचबी मंजिल, 167, डा० एम्हार्ट रोड, बम्बई-18,

नामक स्थापन को उक्त परन्तुक के प्रयोजनों के लिए विनिविष्ट करती है।

[सं० एस-35018 (3)/76-पी० एफ० II (ii)]

S.O. 2540.—In exercise of the powers conferred by the first proviso to section 6 of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), the Central Government, after making necessary enquiry into the matter, hereby specifies with effect from the thirty-first day of July, 1973, the establishment known as Messrs. Rediffusion Advertising Private Limited, 4th Floor, 167, Dr. Annie Besant Road, Bombay-18 for the purposes of the said proviso.

[No. S-35018/3/76-PF. II(ii)]

का० प्रा० 2541.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स मेंट थेरेसा टेक्सराइल्स, कासिम माहिब स्ट्रीट, करुर, त्रिची जिला नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 मई, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस-35019 (10)/76-पी० एफ० 2]

S.O. 2541.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Saint Theresa Textiles, Kasim Sahib Street, Karur, Trichy District have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of May, 1975.

[No. S-35019(10)/76-PF. II]

का० प्रा० 2542.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स जाम एल्टरप्राइजेज, चिन्नापल्ली स्ट्रीट, करुर, त्रिची जिला नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 सितम्बर, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस-35019 (11)/76-पी० एफ० 2]

S.O. 2542.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Zam Enterprises, 8, Chinnapalli Street, Karur, Trichy District, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

44 GI/76—15.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of September, 1975.

[No. S-35019(11)/76-PF. II]

का० प्रा० 2543.—केन्द्रीय सरकार का यह प्रतीत होता है कि मैसर्स के० जी० आई० ई० एम्स्लायोज फैण्टीन पार्क, कुब्बन पार्क, बंगलौर-1, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 जनवरी, 1976 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस-35019 (17)/76-पी० एफ० 2]

S.O. 2543.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. K.G.I.D Employees Canteen, Cubban Park, Bangalore-1, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1976.

[No. S-35019(17)/76PF. II]

का० प्रा० 2544.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स एस० एन्थोनी मूदलियार एण्ड ब्रदर्स वीविंग फैक्ट्री, न्यू स्ट्रीट, कारुर, जिला, त्रिची नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए।

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 1 सितम्बर, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस-35019 (21)/76-पी० एफ० 2]

S.O. 2544.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. S. Anthonimuthu Mudaliar and Brothers Weaving Factory, New Street, Karur, Trichy District, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of September, 1975.

[No. S. 35019/21/76-PF. II]

का० आ० 2545.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स शाह शिवलाल गोविंददास एड कम्पनी, डाकघर औड, आया आनन्द जिला बैंग नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर महसूत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 मई, 1978 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[स० एम०-ए० 35019 (29)/76-पी० एफ० 2]

S.O. 2545.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Shah Shivlal Govinddas & Company, Post Office Ode, Via Anand, District Kaira, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirteenth day of May, 1973.

[No. S-35019(29)/76-PF. II]

का० आ० 2546.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स डॉक्टर राजे का अस्पताल, बावाजी निवास, स्टेणन रोड, आनन्द, जिला बैंग, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर महसूत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 अक्टूबर, 1974 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[स० एम०-35019(30)/76-पी० एफ० 2]

S.O. 2546.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Doctor Raje's Hospital, Bavaji Nivas, Station Road, Anand, District Kaira, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of October, 1974.

[No. S-35019(30)/76-PF. II]

का० आ० 2547.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स धर्मेन्द्र नम्बाकू कम्पनी, डाकघर सरसा, तालुक आनन्द, जिला कैरा, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर महसूत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रवृत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 अक्टूबर, 1974 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[स० एस०-35019(31)/76-पी० एफ० 2]

S.O. 2547.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Dharmendra Tobacco Company, Post Office Sarsa, Taluk Anand, District Kaira have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty first day of October, 1974.

[No. S. 35019(31)/76-PF. II]

का० आ० 2548.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स बालकृष्ण प्रभुतलाल पारिख, बलिकाकाळा रोड, आनन्द, जिला कैरा, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर महसूत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त अधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह अधिसूचना 31 दिसम्बर, 1974 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[स० एस०-35019(32)/76-पी० एफ० 2]

S.O. 2548.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Balkrishna Amratilal Parikh, Baliskaka Road, Anand, District Kaira, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1974.

[No. S-35019(32)/76-PF. II]

का० आ० 2549.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स ब्ल्यू एम रेस्टर्य, एम०टी० लैटेण्ड के मामने, नाडियाड, जिला कैरा नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर महसूत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब पेंशन निधि अधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए,

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह प्रधिसूचना 30 प्रैल, 1973 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(33)/76-पी०एफ० 2]

S.O. 2549.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Blue Room Restaurant, Opposite S.T. Stand, Nadiad, District Kaira, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of April, 1973.

[No. S. 35019(33)/76-PF. II]

का०प्रा० 2550.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स जय विजय इंजीनियरिंग वर्क्स, बलाई काका रोड, आनन्द, जिला केरा, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटूम्ब पेंशन निधि प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह प्रधिसूचना 31 जनवरी, 1975 को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(34)/76-पी०एफ० 2]

S.O. 2550.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Jay Vijay Engineering Works, Balai Kaka Road, Anand, District Kaira, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952) should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of January, 1975.

[No. S. 35019(34)/76-PF. II]

का०प्रा० 2551—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स मुकुन्दलाल भ्रमृतलाला पाटिल, नैदार ए/सी इभान, भागोल, जिला केरा, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटूम्ब पेंशन निधि प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

महा प्रधिसूचना दिसम्बर, 1974 के इसीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(35)/76-पी०एफ० 2]

S.O. 2551.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Mukundal Amratlala Parikh, Nadiad A/C Dabhan Bhagol, Nadiad, District Kaira, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of December, 1974.

[No. S-35019/35/76-PF. II]

का०प्रा० 2552.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स टेक्नोप्लास्ट, 5-सी-1, विठ्ठल उद्योगनगर बल्लभ निधाननगर, आनन्द, जिला केरा, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटूम्ब पेंशन निधि प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह प्रधिसूचना मार्च, 1975 के इसीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(36)/76-पी०एफ० 2]

S.O. 2552.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Technoplast, 5-c-1, Vithal Udyognagar, Vallabh Vidyanagar, Anand, District Kaira, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Mamly Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of March, 1975.

[No. S-35019/36/76-PF. II]

का०प्रा० 2553.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स लक्ष्मी इंजीनियरिंग वर्क्स, सोलिया भगोल, आनन्द, जिला केरा, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटूम्ब पेंशन निधि प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह प्रधिसूचना प्रैल, 1975 के सीमवे दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

[सं० एस० 35019(37)/76-पी०एफ० 2]

S.O. 2553.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Laxmi Engineering Works, Lotiya Bhagol, Anand, District Kaira, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of April, 1975.

[No. S. 35019/37/76-PF. II]

का०ग्रा० 2554.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स वेंगड बीवर्स कोआप्रेटिव पी एण्ड एस सोसाइटी लिमिटेड, नं० एल०एस० 115, डाकघर बेंगड भीमा अनजरकाणी, कश्ननोर, जिला, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब वेंशन निधि प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह प्रधिसूचना जनवरी, 1976 के प्रथम विन को प्रवृत्त हुई समझी जाएंगी।

[सं० एस० 35019(39)/76-पी० एफ० 2]

S.O. 2554.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs Vengad Weavers Co-operative P & S Society Limited, No. LL 115, Post Office Vengad Via Anjarakandy, Gannanore District, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the first day of January, 1976.

[No. S-35019(39)/76-PF. III]

का०ग्रा० 2555.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स एशीकॉर्ट अरुणकुमार एण्ड बाइर्स, विकेदरा तालुक, आनन्द, जिला केरा, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब वेंशन निधि प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह प्रधिसूचना अक्टूबर, 1974 के इकतीसवें विन को प्रवृत्त हुई समझी जाएंगी।

[सं० एस० 35019(41)/76-पी० एफ० 2]

S.O. 2555.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Shashikant

Arunkumar and Brothers, Chikhodra, Taluk Anand, District Kaira, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of October, 1974.

[No. S-35019/41/76-PF. II]

का०ग्रा० 2556.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स एकमे आटो सर्विसेस, एन०आर०गणेश दुग्धालय, आनन्द, जिला केरा, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब वेंशन निधि प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह प्रधिसूचना सितम्बर, 1975 के तीसवें दिन को प्रवृत्त हुई समझी जाएंगी।

[सं० एस० 35019(48)/76-पी० एफ० (2)]

S.O. 2556.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Acme Auto Services, Nr. Ganesh Dughalaya, Anand, District Kaira, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirtieth day of September, 1975.

[No. S-35019/48/76-PF. II]

का०ग्रा० 2557.—केन्द्रीय सरकार को यह प्रतीत होता है कि मैसर्स स्वस्तिक टाकीज, नेहरू रोड, आनन्द जिला केरा, नामक स्थापन से सम्बद्ध नियोजक और कर्मचारियों की बहुसंख्या इस बात पर सहमत हो गई है कि कर्मचारी भविष्य निधि और कुटुम्ब वेंशन निधि प्रधिनियम, 1952 (1952 का 19) के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू किए जाने चाहिए;

अतः, अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 1 की उपधारा (4) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार उक्त प्रधिनियम के उपबन्ध उक्त स्थापन को लागू करती है।

यह प्रधिसूचना अक्टूबर, 1975 के इकतीसवें विन को प्रवृत्त हुई समझी जाएंगी।

[सं० एस० 35019(50)/76-पी० एफ० 2]

एस०एस० सहमानामन, उप सचिव

S.O. 2557.—Whereas it appears to the Central Government that the employer and the majority of the employees in relation to the establishment known as Messrs. Swastik Talkies, Nehru Road, Anand, District Kaira, have agreed that the provisions of the Employees' Provident Funds and Family Pension Fund Act, 1952 (19 of 1952), should be made applicable to the said establishment;

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (4) of section 1 of the said Act, the Central Government hereby applies the provisions of the said Act to the said establishment.

This notification shall be deemed to have come into force on the thirty-first day of October, 1975.

[No. S. 35019/50/76-PF. II]

S. S. SAHASRANAMAN, Dy. Secy.

वाणिज्य मंत्रालय

आरेश

नई दिल्ली, 10 जुलाई, 1976

का० आ० 2538—केन्द्रीय सरकार की राय है कि नियर्ति (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 द्वारा प्रदत्त अनियंत्रित प्रयोग करने द्वारा, भारत के नियर्ति व्यापार के विकास के लिए भारत के भूत्त्व विदेश व्यापार मंत्रालय की अनियंत्रित प्रयोग संग्रह-II से सर्वधित प्रयित्सूचना सं० का० आ० 3978, ता० 20 दिसंबर, 1965 में नीचे विविध ढंग से संशोधित करना प्रावधक्य तथा समीचीन है;

और केन्द्रीय सरकार ने उग्र नियम प्रस्तावों को नियर्ति (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) नियम, 1964 के नियम II के उप-नियम (2) द्वारा यथा प्रयोगित, नियर्ति निरीक्षण परिषद को भेज दिया है;

अतः अब, केन्द्रीय सरकार उक्त उप-नियम के अनुसरण में उक्त प्रस्तावों को उससे प्रभावित होने वाली जनता की जानकारी के लिए प्रकाशित करती है।

2 एतदारा सूचना दी जाती है कि उक्त प्रस्तावों के आरे में आक्षेप या युक्ताव देने की वादा रखने वाला कोई व्यक्ति, राजपत्र में इस आदेश के प्रकाशन की तारीख से 30 दिन के भीतर उन्हें नियर्ति निरीक्षण परिषद 3, ताल्यताय मार्ग, रोहित भवन, (आठवीं मंजिल) नई दिल्ली-1 को भेज सकता है।

प्रस्ताव

भारत सरकार के भूत्त्व विदेश व्यापार मंत्रालय की प्रयित्सूचना सं० का० आ० 3978, तारीख 20 दिसंबर, 1965 में—

(1) अन्त्यन्ती में, क्रम सं० (15) तथा उससे सर्वधित प्रयित्सूचनों के पश्चात् नियमनिवित अन्त स्थापित किया जाएगा, प्रयाति:—

(16) "बैन्टोनाइट"

[सं० 6(3)/76-नि०नि० तथा नि०उ०]

MINISTRY OF COMMERCE

ORDER

New Delhi, the 10th July, 1976

S.O. 2558.—Whereas the Central Government is of opinion that, in exercise of the powers conferred by section 6 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963) it is necessary and expedient to amend the notification of the Government of India in the late Ministry of Foreign Trade No. S.O. 3978, dated the 20th December, 1965, relating to Minerals and Ores Group II in the manner specified below for the development of the export trade of India;

And whereas the Central Government has forwarded the proposals in that behalf to the Export-Inspection Council, as required by sub-rule (2) of rule 11 of the Export (Quality Control and Inspection) Rules, 1964;

Now, therefore, in pursuance of the said sub-rule the Central Government hereby publishes the said proposals for the information of the public likely to be affected thereby.

2. Notice is hereby given that any person desiring to forward any objections or suggestions with respect to the said proposals may forward the same, within thirty days from the date of publication of this order in the official gazette to the Export Inspection Council, 3 Tolstoy Marg, Rohit House (7th Floor), New Delhi-1.

PROPOSALS

In the notification of the Government of India in the late Ministry of Foreign Trade No. S.O. 3978 dated the 20th December, 1965, in the schedule after Serial Number (15) and the entry relating thereto, the following shall be inserted, namely:—

"(16) Bentonite".

[No. 6(3)/76-EI&EP]

का० आ० 2559—केन्द्रीय सरकार नियर्ति (क्वालिटी नियंत्रण और निरीक्षण) अधिनियम, 1963 (1963 का 22) की धारा 17 द्वारा प्रदत्त अनियंत्रित प्रयोग करने द्वारा प्रकार्बनिक रसायन नियर्ति (निरीक्षण) नियम, 1966 में और संशोधन जरने के लिए नियमनिवित नियम बनाती है:—

1. (1) इन नियमों का नाम प्रकार्बनिक रसायन नियर्ति (निरीक्षण) संशोधन नियम, 1976 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होगे।

2 प्रकार्बनिक रसायन नियर्ति (निरीक्षण) नियम, 1966 में, नियम 7 के स्थान पर नियमनिवित नियम रखा जाएगा, अर्थातः—

7 अप्रील- (1), नियम 4 के उप-नियम (4) के अधीन अभिकरण द्वारा प्रमाण-पत्र न दिया जाने से व्यक्ति कोई व्यक्ति ऐसे दंकर की सूचना उसे प्राप्त होने के 10 दिन के भीतर केन्द्रीय सरकार द्वारा उस प्रयोजन के लिए नियूक्त विशेषज्ञों के पेनल के समक्ष जिसमें कम से कम तीन और अधिक से अधिक सात व्यक्ति होंगे, अपील कर सकेगा।

(1) विशेषज्ञों के पेनल के कुल संख्यों में कम से कम से दो-तिहाई गैर सरकारी मदरस्य होंगे।

(3) पेनल की गणांती तीन की होगी।

(4) अपील का निपटारा उसके प्राप्त होने के, 15 दिन के भीतर किया जाएगा।

[सं० 6(5)/74-नि०नि० तथा नि०उ०]

के० श्री० वामसुब्रह्मण्यम्, उप-निवेशक

S.O. 2559.—In exercise of the powers conferred by section 17 of the Export (Quality Control and Inspection) Act, 1963 (22 of 1963), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Export of Inorganic Chemicals (Inspection) Rules, 1966.

1. (1) These rules may be called the Export of Inorganic Chemical (Inspection) Amendment Rules, 1976.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the official gazette.

2. In the Export of Inorganic Chemicals (Inspection) Rules, 1966, for rule 7 of the following rule shall be substituted, namely:—

7. Appeal—(1) Any person aggrieved by the refusal of the agency to issue a certificate under sub-rule (4) of rule 4, may, within ten days of the receipt of the communication of such refusal by him, prefer an appeal to a panel of experts consisting of not less than three but not more than seven persons, appointed for the purpose by the Central Government.

(2) Atleast two-thirds of the total membership of the panel of experts shall consist of non-officials.

(3) The quorum for the panel shall be three.

(4) The appeal shall be disposed of within 15 days of its receipts".

[No. 6(5)/74-EI&EP]
K. V. BALASUBRAMANIAM, Dy. Dir.

वित्त मंत्रालय

(प्राधिक कार्य विभाग)

नई दिल्ली, 21 जून, 1976

का० आ० 2560.—पूँजी निर्गम (नियंत्रण) अधिनियम, 1947 (1947 का 29) की धारा 11 के द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, केन्द्रीय सरकार इस अधिसूचना के द्वारा पूँजी निर्गम नियंत्रण के संबंध में सलाहकार समिति का कार्यकाल 22 जून, 1977 तक जिसमें यह तारीख भी शामिल है, बढ़ाते हैं और भारत सरकार वित्त मंत्रालय (प्राधिक कार्य विभाग) की 23 दिसम्बर, 1972 की अधिसूचना संभा का० आ० 762 (अ) में निम्नलिखित और संशोधन करते हैं, अधिकारी—

उक्त अधिसूचना में ऐराग्राम 2 में शब्द “तीन वर्ष छह महीने” के स्थान पर शब्द “चार वर्ष छह महीने” प्रतिस्थापित किए जाएं।

[सं० एफ० 16(2)सी०सी०आई/75]

जै० पी० मुख्यमंत्री, पूँजी निर्गम का अपर
नियंत्रक

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

New Delhi, the 21st June, 1976

S.O. 2560.—In exercise of the powers conferred by Section 11 of the Capital Issues (Control) Act, 1947 (29 of 1947), the Central Government hereby extends the tenure of the Advisory Committee on capital Issues Control upto and inclusive of the 22nd June, 1977 and makes the following further amendment in the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Economic Affairs) No. S.O. 762(E), dated the 23rd December, 1972, namely:—

In the said notification, in paragraph 2, for the words “three years and six months”, the words “four years and six months” shall be substituted.

[No. F. 16(2)-CCI/75]

J. P. MUKHERJEE, Addl. Controller of Capital Issues.

राजस्व और बेकारी विभाग

(राजस्व पक्ष)

नई दिल्ली, 26 जून, 1976

प्राधिक

स्टाम्प

का० आ० 2561.—भारतीय स्टाम्प अधिनियम, 1899 (1899 का 2) की धारा 9 की उपधारा (1) के स्पष्ट (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार, एतद्वारा उस शुल्क से जो राष्ट्रीय सहकारिता विकास नियम द्वारा जारी किए जाते वाले दो करोड़ पक्षतर लाख रुपये मुल्य के वचनपत्रों के रूप में बन्धवत् पर उक्त अधिनियम के अधीन प्रभारी हैं, छूट देती है।

[सं० 33/76-स्टाम्प/का०मं० 471/35/76-सीमाशुल्क]

जै० पी० मेहरा, उप सचिव

DEPARTMENT OF REVENUE & BANKING

(Revenue Wing)

New Delhi, the 26th June, 1976

ORDER
STAMPS

S.O. 2561.—In exercise of the powers conferred by clause (a) of sub-section (1) of Section 9 of the Indian Stamp Act, 1899 (2 of 1899), the Central Government hereby remits the duty with which the bonds in the form of promissory notes to the value of two crores and seventy-five lakhs of rupees to be issued by the National Cooperative Development Corporation, are chargeable under the said Act.

[No. 33/76-Stamps/F. No. 471/35/76-Cus. VII]

O. P. MEHRA, Dy. Secy.

MINISTRY OF LABOUR

New Delhi, the 1st July, 1976

S.O. 2562.—In pursuance of Section 17 of the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947), the Central Government hereby publishes the following award of the Central Government Industrial Tribunal, Rajasthan in the industrial dispute between the employers in relation to the management of Rajpura Sand Stone Mines of Khalsa Stone Company, Mine Owners, Chhawani Chouraha, Kota and their workmen.

CENTRAL INDUSTRIAL TRIBUNAL, RAJASTHAN,
JAIPUR

Case No. C.I.T. 7 of 1976

Workmen of Rajpura Sand Stone Mine
Kota.

Applicant.

Vs.

M/s. Khalsa Stone Company, Chhawani
Chouraha, Kota.

Opposite Party.

APPEARANCES :

For the Union (workman)—Shri Mahabir Prasad.

For the Management—None.

Date of Award—30-4-76.

AWARD

The Central Government have made the following reference to this Tribunal for adjudication, vide order No. L-29011/4/76-D II(B) dated 27th February, 1976.

SCHEDULE

“Whether the demand of the workmen employed in Rajpura Sand Stone Mine of Messrs. Khalsa Stone Company, Chhawani Chouraha, Kota (Rajasthan) for payment of profit sharing Bonus at the rate of 20 per cent of wages for the accounting year 1973-74 is justified? If not, to what quantum of bonus are the workmen entitled for the said accounting year?”

Notice to file a statement of claim was issued to Rajpura Sand Stone Mine (M/s. Khalsa Stone Co., Kota) and on the date of hearing the President of the Union Shri Mahabir Prasad filed a settlement deed with the request that since the matter has been settled, a no dispute award be passed, and hence a no dispute award is passed.

U. N. MATHUR, Judge,
Central Industrial Tribunal,
Rajasthan, Jaipur.

[No. L-29011/4/76-D IV(B)]
F. SEQUERIA, Desk Officer.